* श्री *

हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति

क्रमिक पुस्तक मालिका

दूसरी पुस्तक

[हिन्दी अनुवाद]

मूल ग्रन्थकार

पं० विष्णुनारायण भातखंडे

सम्पादक और प्रकाशक

लक्ष्मीनारायण गर्ग

ने मराठी से हिन्दी भाषा में अनुवाद कराकर

संगीत कार्यालय, हाथरस

से प्रकाशित की।

द्वितीय आवृत्ति

सितम्बर, १९५६ :: मूल्य ८) रुपया

संगीत प्रेस, हाथरस (उ० प्र०) में मुद्रित।

प्रकाशक—
लक्ष्मीनारायण गर्ग
सम्पादक 'संगीत' मासिक

पुस्तक मिलने का पता—
संगीत कार्यालय, हाथरस
SANGEET KARYALAYA
HATHRAS-U. P.

मुद्रक—
चन्द्रशेखर शर्मा द्वारा
संगीत प्रेस, हाथरस में मुद्रित।

प्रस्तावना

संगीताचार्य श्री भातखण्डे जी लिखित 'हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति क्रमिक पुस्तक मालिका' (मराठी) के दूसरे भाग का यह हिन्दी अनुवाद संगीत प्रेमियों के सन्मुख रखते हुए हमें अतीव प्रसन्नता हो रही है । इसके प्रथम भाग का हिन्दी अनुवाद भी प्रकाशित हो चुका है उससे संगीत के विद्यार्थियों ने यथेष्ट लाभ उठाकर संगीत कार्यालय के परिश्रम को सफल बनाया है ।

प्रथम भाग में हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति के आधार स्तम्भ दस थाटों के दस आश्रय रागों की साधारण स्वरलिपियाँ दी गई थीं, वे ही दस राग इस दूसरे भाग में विस्तृत रूप से दिये गये हैं । प्रत्येक राग के अन्तर्गत प्रसिद्ध घरानेदार गायकों की कई-कई चीजें देकर इसे विद्यार्थियों के लिये अधिक उपयोगी बना दिया गया है । प्रत्येक राग के आरम्भ में प्राचीन ग्रन्थों के श्लोक एवं शास्त्राधार भी दिये गये हैं, तत्पश्चात् उस राग के सरगम, लक्षणगीत, मध्यलय की चीजें एवं विलम्बितलय की चीजें तथा ध्रुपद व धमार दिये गये हैं, जिन्हें भली प्रकार तैयार कर लेने पर विद्यार्थी का राग ज्ञान पक्का हो जाता है एवं उसका आगे बढ़ने का मार्ग भी प्रशस्त होता है । इस प्रकार इस पुस्तक में दस रागों की २१६ चीजें दी गई हैं ।

पुस्तक के अन्त में प्रत्येक राग के स्वर विस्तार भी दिये गये हैं, जिनसे राग का अङ्ग अथवा चलन विद्यार्थी की समझ में आयेगा और उसका स्वर ज्ञान भी ठोस हो जायेगा । इन स्वर विस्तारों में विभिन्न स्थानों पर कॉमा (अल्प विराम चिन्हों) का उपयोग किया गया है, उनका विशेष महत्व है ! अर्थात् राग-विस्तार में दिये हुए अल्प विराम चिन्ह उचित स्थानों पर थोड़ा सा रुकने के लिये संकेत करते हैं, यह बात विद्यार्थियों को ध्यान में रखनी चाहिये ।

इस पुस्तक का प्रथम मराठी संस्करण आज से ३३ वर्ष पूर्व अप्रैल १९२१ ई० में प्रकाशित हुआ था, अब इस हिन्दी अनुवाद से राष्ट्रभाषा हिन्दी के सङ्गीत विद्यार्थी भी पूरा पूरा लाभ उठा सकेंगे, ऐसा हमारा विश्वास है । इसके अनुवाद कार्य में श्री वामन नत्थोपंत भट्ट एवं अन्य संगीत विद्वानों से जो सहयोग प्राप्त हुआ है, उसके लिये संगीत कार्यालय उनका आभारी है ।

वसंत पंचमी
संवत् २०१०

प्रभूलाल गर्ग

अनुक्रमणिका

शास्त्रीय परिचय

१० रागों की ३१६ चीजें

इस पुस्तक में आये हुए चिन्हों का खुलासा

रे, ग, ध, नि, इन स्वरों के नीचे–इस प्रकार आड़ी रेखा लगी हो तो उन्हें कोमल स्वर समझना, यदि रेखा न हो तो तीव्र समझना चाहिये।

म इस प्रकार लिखा हुआ मध्यम कोमल या शुद्ध समझना।

मं इस प्रकार लिखा हुआ तीव्र मध्यम समझना।

. ऐसा बिन्दु जिन स्वरों के नीचे हो, उन्हें मन्द्र स्थान के तथा जिनके ऊपर हो उन्हें तार स्थान के स्वर समझें। बिना बिन्दु के स्वर मध्य सप्तक के समझें।

◡◡ ◡ ऐसे चिन्हों में दिये हुए स्वर एक मात्रा काल में गाये जावें।

⌒⌒ ⌒ स्वरों के ऊपर ऐसे चिन्ह यह दिखाते हैं कि कौन से स्वर से कौन से स्वर तक मींड (एक स्वर से दूसरे स्वर तक घर्षण करते हुये जाना) है।

— स्वरों के आगे ऐसे जितने चिन्ह हों, उस स्वर को उतनी ही मात्रा तक लम्बा खींचना है, अथवा यह समझना चाहिए कि इस स्वर पर इतनी मात्रा की विश्रान्ति है।

ऽ गीत के शब्दों के आगे ऐसे अवग्रह चिन्ह जितने हों, वहां पिछले अक्षर का आखिरी स्वर (अकार–उकार इत्यादि) उतनी ही मात्रा लम्बा खींचकर उच्चारण किया जावे।

( ) जो स्वर, इस प्रकार के कोष्ठक में बन्द हो तो उसके बाद का स्वर फिर वही स्वर, एवं उसके पहिले का स्वर, पुनः वही स्वर ऐसे चार स्वर एक मात्रा काल में गाने चाहिए।

जैसे:—(प)=धपमप, (म)=पमगम, (सा) रेसानिसा।

नि
सा, इस प्रकार कहीं–कहीं स्वरों के ऊपर छोटे टाइप में दिये हुए स्वर अलंकारिक (ग्रेस नोट) कहलाते हैं, इन्हें कण स्वर भी कहते हैं। ये बारीक कण नवीन विद्यार्थियों के गले से न निकल सकें तो भी इनके अभाव में राग हानि होने का भय नहीं है; किन्तु इन कण स्वरों के प्रयोग से गायन अधिक रंजक होता है।

× यह चिन्ह गायन में ताल की सम दिखाता है। सम को पहिली ताली मानकर शेष तालियां उसी आधार से माननी चाहिए।

० यह चिन्ह ताल के खाली स्थान को बताता है।

इस पुस्तक में आई हुई नई तालों का स्पष्टीकरण

ताल रूपक—मात्रा ७

मात्रा—	१ २ ३	४ ५	६ ७
	×	२	३

मूलताल—मात्रा १०

मात्रा—	१ २	३ ४	५ ६	७ ८	९ १०
	×	०	२	३	०

चौताल—मात्रा—१२

मात्रा—	१ २	३ ४	५ ६	७ ८	९ १०	११ १२
	×	०	२	०	३	४

आड़ाचौताल—मात्रा १४

मात्रा—	१ २	३ ४	५ ६	७ ८	९ १०	११ १२	१३ १४
	×	२	०	३	०	४	०

ताल झूमरा—मात्रा १४

मात्रा—	१ २ ३	४ ५ ६ ७	८ ९ १०	११ १२ १३ १४
	×	२	०	३

ताल धमार—मात्रा १४

मात्रा—	१ २ ३ ४ ५	६ ७	८ ९ १०	११ १२ १३ १४
	×	२	०	३

ताल दीपचन्दी—मात्रा १४

मात्रा—	१ २ ३	४ ५ ६ ७	८ ९ १०	११ १२ १३ १४
	×	२	०	३

ताल पंजाबी व तिलवाड़ा—मात्रा१६

मात्रा—	१ २ ३ ४	५ ६ ७ ८	९ १० ११ १२	१३ १४ १५ १६
	×	२	०	३

मात्रा—

ब्रह्मताल—मात्रा २८

१ २	३ ४	५ ६	७ ८	९ १०	११ १२	१३ १४	१५ १६	१७ १८	१९ २०	२१ २२	२३ २४	२५ २६	२७ २८
×	०	२	३	०	४	५	६	०	७	८	९	१०	०



ग्रंथकार:—कै. पण्डित विष्णु नारायण भातखंडे

बी. ए., एल-एल. बी.

("चतुर पंडित")

जन्म ता० १० अगस्त १८६० मृत्यु ता० १९ सितम्बर १९३६

'मद्भक्ता यत्र गायन्ति तत्र तिष्ठामि नारद: ।'

क्रमिक

दूसरी पुस्तक

मंगलाचरण

प्रणम्य शिरसा देवौ सरस्वतिविनायकौ ।
विचिन्त्य मनसा विष्णुं कर्तव्यं कर्तुमारभे ।।

शास्त्रीय परिचय

संगीत

गीत, वाद्य व नृत्य इन तीनों कलाओं का समावेश 'संगीत' इस शब्द में होता है। वस्तुतः यह तीनों कला स्वतन्त्र हैं, किन्तु गीत प्रधान होने के कारण तीनों का समावेश 'संगीत' में किया जाता है।

दक्षिण व उत्तर पद्धति

अपने देश में संगीत की दो पद्धतियां हैं; एक दक्षिण पद्धति व दूसरी उत्तर पद्धति। मद्रास प्रान्त व मैसूर आदि में जो पद्धति प्रचलित है, उसे दक्षिण अथवा कर्नाटकी पद्धति कहा जाता है। इनके अतिरिक्त देश के बाकी सभी स्थानों में जो पद्धति चालू है, उसे उत्तरीय या हिन्दुस्थानी पद्धति कहते हैं।

नाद

संगीत का सम्बन्ध ध्वनि (आवाज़) से है। ध्वनि के दो प्रकार हैं (१) संगीतोपयोगी (२) तद्व्यतिरिक्त। पहिले को तो नाद कहा जायगा और दूसरे को कोलाहल या शोरगुल कहा जायगा। हमें यहां पर 'नाद' पर ही अपने विचार प्रकट करने हैं। नाद के विषय में तीन बातों पर ध्यान देने की आवश्यकता है:-(१) नाद का छोटा बड़ापन (२) नाद की जाति अथवा गुण (३) नाद की ऊंचाई, नीचाई। इसी को योरोपीय नाद शास्त्री क्रमशः Magnitude Timbre व Pitch कहते हैं।

(१) नाद का छोटा बड़ापन

एक ही नाद का हम धीरे से अथवा जोर से उच्चारण कर सकते हैं। धीमे नाद को केवल पास में बैठा हुआ व्यक्ति ही सुन सकता है, किन्तु जोर से बोला हुआ नाद दूर तक सुनाई पड़ता है। यह अन्तर होते हुए भी वास्तव में इन दोनों ही प्रकारों में नाद एक ही है।

(२) नाद की जाति अथवा गुण:—

नाद की जाति से यह अनुमान सहज ही में लगाया जा सकता है कि नाद किसी वाद्य का है या किसी मनुष्य का। उदाहरणार्थ एक ही नाद हारमोनियम, शहनाई, सारंगी, वायोलिन आदि वाद्यों द्वारा निकलता हो तो वाद्यों को देखे बिना ही यह कहा जासकता है कि अमुक नाद किस वाद्य का है। इस प्रकार नाद की जाति से ही नाद को पहिचानने का प्रमाण मिल जाता है।

(३) नाद की ऊंचाई नीचाई:—

नाद की ऊँचाई-नीचाई का सम्बन्ध प्रत्येक सैकेण्ड में होने वाले आन्दोलनों से है। यह आन्दोलन (Vibration) जितने अधिक होंगे उतना ही नाद ऊंचा होगा एवं आन्दोलन जितने कम होंगे उतना ही वह नाद नीचा होगा। ध्यान रखना चाहिए कि नाद के छोटे या बड़े होने का आन्दोलन संख्या से कोई सम्बन्ध नहीं होता, अपितु नाद की ऊंचाई-नीचाई का सम्बन्ध आन्दोलन संख्या के आधार पर होता है, अतः यह कहा जा सकता है कि एक ही नाद छोटा या बड़ा हो सकता है, किन्तु ऊंचा या नीचा नहीं होसकता।

स्वर

हमारे देश के संगीतशास्त्रकार प्राचीन समय से ही संगीतोपयोगी मुख्य नाद एक सप्तक में २२ मानते चले आ रहे हैं। जिनको शास्त्रों में **"श्रुति"** कहा गया है। इन २२ नादों में से ही गायन के लिये उपयोगी सात स्वरों की उत्पत्ति हुई है। इन नादों को एक के बाद दूसरा क्रमशः ऊंचा मानने का व्यवहार है। इन्हीं २२ नादों के आधार पर अर्वाचीन हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति के अनुसार हम अपने सप्त स्वरों की स्थापना करना चाहें तो १, ५, ८, १०, १४, १८ तथा २१ इन नादों पर करेंगे। संगीतोपयोगी उपरोक्त २२ नाद तथा उन्हीं में से उत्पन्न होने वाले स्वर आदि की विशद चर्चा आगे चलकर क्रमिक पुस्तक भाग ४ में की जावेगी।

गायन उपयोगी मुख्य स्वर सात हैं, यह पहले बताया ही जा चुका है। इनके सर्वमान्य नाम क्रमशः षड्ज, रिषभ, गान्धार, मध्यम, पंचम, धैवत और निषाद हैं। जिनको व्यवहार में **"सा रे ग म प ध नि"** इन संक्षिप्त नामों से पुकारते हैं।

सप्तक

ऊपर बताये हुए मुख्य सात स्वर क्रमानुसार एक के बाद एक पंक्तिबद्ध लिखने, रखने या गाने से 'सप्तक' का रूप बनता है। इस सप्तक को हिन्दुस्थानी

संगीत पद्धति में **'बिलावल सप्तक'** कहते हैं तथा इस सप्तक के सात स्वरों को शुद्ध स्वर कहते हैं।

स्थान

नाद की ऊँचाई-नीचाई के अनुरूप उसके मन्द्र, मध्य व तार ऐसे तीन भेद बताये गये हैं, इनको नाद स्थान कहते हैं। इन प्रत्येक स्थानों में एक-एक स्वर सप्तक मानकर—**मन्द्र स्वर सप्तक, मध्य स्वर सप्तक,** तथा **तार स्वर सप्तक** ऐसी तीन सप्तकें बनती हैं। अपनी साधारण आवाज में मनुष्य जैसे बातें करता है, उस आवाज की गणना मध्य स्वर सप्तक में होती है। इस आवाज़ से कुछ घटा कर नीची आवाज़ में जब कोई बोलता है उसे मन्द्र स्वर सप्तक में तथा इन दोनों से परे कुछ ऊँची आवाज़ से बोलचाल करे तो उसे तार स्वर सप्तक समझना चाहिये। मंद्र से दूनी आवाज़ मध्य की तथा मध्य से दूनी आवाज़ तार सप्तक की होती है, ऐसा प्रमाण है। गायन में बहुधा ऐसी तीन ही सप्तकों का प्रयोग होता है। मन्द्र, मध्य व तार सप्तकों के चिन्हों का विवरण प्रथम पुस्तक में दिया जा चुका है।

सप्तक में तीव्र तथा कोमल स्वर

मुख्य स्वर सात हैं और उनके संक्षिप्त नाम क्रमशः सा रे ग म प ध नि इस प्रकार हैं, यह ऊपर बताया ही जा चुका है। इन स्वरों के दो भेद किये जाते हैं—**शुद्ध** व **विकृत**। कोई-कोई इसे **प्रकृत** तथा **विकृत** भी कहते हैं। मूल स्वर को नीचे उतारने से वह कोमल बनता है तथा ऊपर चढ़ाने से तीव्र बन जाता है। इस प्रकार अपने स्थान से हटने पर उस स्वर को विकृत नाम भी दिया जाता है।

सप्तक में १२ स्वर

शुद्ध स्वर सात व विकृत स्वर पांच मिलाकर कुल १२ स्वर एक सप्तक में होते हैं। ऊपर बताये हुये संगीतोपयोगी २२ नादों में से विकृत स्वरों की रचना ३, ७, १२, १६, २० इन स्थानों पर होगी। यह विकृत स्वर शुद्ध स्वरों की विशिष्ट अवस्था में होने के कारण इनके नाम भी शुद्ध स्वरों जैसे ही हैं, इस प्रकार इन बारह स्वरों की सहायता से आजकल सभी रागों का निर्माण किया जाता है।

मुख्य सात स्वरों को 'शुद्ध स्वर' कहते हैं, यह ऊपर बताया जाचुका है। शुद्ध स्वर अपने नियत स्थान से जब ऊँचा या नीचा होता है तो वह विकृत

बन जाता है। प्रस्तुत हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति में स्वरों को विकृत करने के कुछ नियम बताये गये हैं, वे इस प्रकार हैं:—

(१) "**रे ग ध नि**" यह चार स्वर जब विकृत होते हैं तो उन्हें क्रमशः कोमल रे, कोमल ग, कोमल ध और कोमल नि, ये नाम दिये जाते हैं।

(२) **मध्यम** स्वर जब विकृत होता है तो उसे तीव्र म कहते हैं।

(३) **सा व प,** ये स्वर विकृत कभी नहीं होते। इसीलिये इनको अचल स्वर कहते हैं।

(४) प्रचार में कोई-कोई गायक या वादक "रे ग ध नि" इन शुद्ध स्वरों को तीव्र स्वर तथा शुद्ध मध्यम को कोमल मध्यम भी कहते हैं।

थाट

'**थाट**' यह सप्तक के आगे वाली सीढ़ी है। सप्तक में किये गये वर्णन के अनुसार १२ स्वरों में से ही थाटों की उत्पत्ति होती है। संस्कृत ग्रन्थकार थाट को "**मेल**" कहते हैं। नाद से स्वर, स्वर से सप्तक तथा सप्तक से थाट, यह हमारी हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति का क्रम है। थाट शब्द की व्याख्या ग्रन्थकार इस प्रकार करते हैं:—

मेलः स्वरसमूहः स्याद्रागव्यंजनशक्तिमान।

भावार्थ—मेल अथवा थाट, स्वरों की एक विशिष्ट रचना होती है जिससे राग उत्पन्न हो सकते हैं।

थाट सम्बन्धी कुछ बातें ध्यान देने योग्य हैं, जो इस प्रकार हैं:—

(१) थाट में हमेशा सात स्वर ही होने चाहियें।

(२) वे सात स्वर "सा रे ग म प ध नि" इसी क्रम से तथा इन्हीं नामों से होने चाहिये।

(३) थाट में आरोह-अवरोह का होना आवश्यक नहीं है।

(४) थाट में रंजकता होना भी आवश्यक नहीं है।

(५) थाटों को जानने पहिचानने के लिये उसमें से निकले हुये किसी प्रसिद्ध राग को (जिस थाट का जो राग हो) उसी थाट का नाम देने की प्रथा है, चाहे उस राग में सातों स्वर लगते हों या कम लगते हों।

अपनी एक सप्तक में जो शुद्ध तथा विकृत मिलाकर १२ स्वर होते हैं, उनमें से प्रत्येक थाट के लिये सात स्वर नियमित क्रम से लेकर तथा उन स्वरों को सा रे ग म प ध नि, यह नाम देने से अनेक थाट उत्पन्न होते हैं। हिन्दुस्थानी

संगीत पद्धति में रागों को उत्पन्न करने वाले ऐसे केवल १० ही थाट लिये गये हैं। उन थाटों के नाम स्वरादि की जानकारी क्रमिक पुस्तक पहली में दी जा चुकी है।

राग

राग की उत्पत्ति थाट मे होती है, कारण थाट ही राग का उत्पत्ति स्थान है। एक थाट से सैकड़ों राग उत्पन्न हो सकते हैं। राग की व्याख्या हमारे ग्रन्थकार इस प्रकार करते हैं:—

योऽयं ध्वनिविशेषस्तु स्वरवर्णविभूषितः।
रंजको जनचित्तानां स रागः कथितो बुधैः॥

भावार्थ—ध्वनि की एक विशिष्ट रचना, जो कि जनचित्त (मानवहृदय) का रंजन कर सके एवं जिसे स्वरवर्ण के योग से सौन्दर्य प्राप्त हुआ हो उसे बुद्धिमान् व्यक्ति 'राग' कहते हैं।

इस व्याख्या में स्वर तथा वर्ण ये पारिभाषिक शब्द हैं। वर्ण की व्याख्या ग्रन्थकारों ने इस प्रकार की है।

गानक्रियोच्यते वर्णः स चतुर्धा निरूपितः।
स्थाय्यारोह्यवरोही च संचारीत्यथ लक्षणम्॥

भावार्थ—गायन की प्रत्यक्ष क्रिया को वर्ण कहते हैं। वर्ण चार प्रकार के हैं—(१) स्थायी (२) आरोही (३) अवरोही (४) संचारी।

स्थाई वर्ण—एक ही स्वर को बार-बार कहना यह स्थाई वर्ण का उदाहरण होता है।

आरोही वर्ण—षड्ज स्वर से निषाद तक जाते हुए स्वरों को गाने मे आरोही वर्ण समझा जाता है।

अवरोही वर्ण—निषाद से षड्ज तक वापिस आने को अवरोही वर्ण कहते हैं।

संचारी वर्ण—जिसमें आरोह-अवरोह दोनों का मिश्रण हो (मिले हुये हों) उसे संचारी वर्ण कहा जाता है।

प्रत्येक गायक की गायकी में ये चारों वर्ण पाये जाते हैं। राग व्याख्या में 'वर्ण' शब्द आया है, इससे यह स्पष्ट है कि प्रत्येक राग में आरोह-अवरोह निश्चय रूप से होने ही चाहिये। थाट की व्याख्या में वर्ण शब्द नहीं आया है यह आपको विदित ही है।

रागों के तीन भेद

रागों के उपयोग में आने वाली स्वर संख्या के अनुसार रागों के तीन भेद माने गये हैं। वे हैं—औडुव, षाडव और सम्पूर्ण।

औडुव राग—जिस राग में ५ स्वर होते हैं, उसको औडुव राग कहते हैं

षाडव राग—जिस राग में ६ स्वर होते हैं, उसे षाडव राग कहते हैं।

संपूर्ण राग—जिस राग में सातों स्वर प्रयुक्त होते हैं, उसे सम्पूर्ण राग कहते हैं।

ये तीनों प्रकार के राग थाटों में से ही उत्पन्न होते हैं, इसीलिये प्रत्येक थाट को सातों स्वरों की आवश्यकता होती है। अतः यह सिद्ध हो गया कि थाट सम्पूर्ण अर्थात् सात स्वरों का होना ही चाहिये।

राग में पांच से कम स्वर नहीं होने चाहिये, ऐसा हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति का सर्वमान्य नियम है। सबसे कम स्वरों का राग ही औडुव राग कहा जाता है।

अलंकार

"अलंकार" शब्द की व्याख्या ग्रन्थकारों ने इस प्रकार की है—

विशिष्टवर्णसंदर्भमलंकारं प्रचक्षते।

भावार्थ—कुछ नियमित वर्ण समुदाय को अलंकार कहते हैं।

विशिष्ट स्वर समूह ही अलंकार बन जाते हैं, उनको भी आरोह अवरोहादि वर्णों की आवश्यकता होती है। प्रचार में गुणीजन अलंकारों को **'पल्टे'** भी कहते हैं। प्रथम पुस्तक में कुछ अलंकार दिये जा चुके हैं। छात्रों को स्वरज्ञान होकर रागविस्तार का ज्ञान शीघ्रता से प्राप्त हो जाय, यही अलंकारों का मुख्य उद्देश्य है। अलंकारों के लिये किसी नियमित स्वर संख्या का कोई विशेष नियम नहीं है।

वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी

प्रत्येक राग में हमेशा वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी इन चार प्रकार के स्वरों की ओर ध्यान रखना पड़ता है।

वादी—राग में प्रयुक्त होने वाले सभी स्वरों की अपेक्षा जो स्वर बार-बार स्पष्टता से लगता हो या जिसकी आवृत्ति बार-बार होती हो उसे, वादी स्वर कहते हैं अर्थात् जिस स्वर का प्रयोग राग में अधिकता से होता हो, वह

उस राग का वादी स्वर कहलाता है। वादी स्वर को राजा की उपाधि से विभूषित किया जाता है तथा वादी स्वर के स्पष्ट हो जाने से राग का नाम, उस राग को गाने का समय और राग के लक्षण जानने में सुविधा होती है।

संवादी—वादी स्वर से कम किन्तु अन्य स्वरों से अधिक व्यवहार में आने वाला स्वर संवादी कहलाता है। संवादी स्वर को मंत्री की उपमा दी जाती है।

अनुवादी—वादी व संवादी स्वरों के अतिरिक्त राग के बाकी नियमित स्वरों को अनुवादी स्वर कहते हैं। इन स्वरों को सेवकों की उपमा दी जाती है।

विवादी—जिस स्वर को लगाने से राग की हानि होती हो उसे विवादी स्वर कहते हैं, ऐसे स्वर को शत्रु की उपमा दी जाती है। कुशल गायकों द्वारा किसी राग में जब ऐसे स्वर का प्रयोग किया जाता है तो उसे वर्जित स्वर भी कहते हैं। ऐसे स्वर का प्रयोग करके राग रक्ति संभालना बड़ी कठिनाई का काम है, जो कुशल गायक वादकों के लिये ही संभव है।

स्वरमालिका, लक्षणगीत, ख्याल, ध्रुवपद, धमार

स्वरमालिका—किसी राग में लगने वाली स्वरों की तालबद्ध रचना, जिससे राग का स्वरूप स्पष्ट होता हो, उसे स्वरमालिका अथवा सरगम कहते हैं।

लक्षणगीत—राग का नाम, समय, वादी, संवादी, जाति, स्वर आदि उल्लेखनीय बातें जिस गीत में होती हैं, उस गीत को उसी राग में गाने से वह उस राग का लक्षणगीत कहलाता है, अर्थात् राग लक्षण बतलाने वाला गीत।

ख्याल व ध्रुवपद—यह हमारे प्राचीन गुणीजनों द्वारा रचित गीत हैं। आजकल उच्चस्तर का सङ्गीत यही माना जाता है। ख्याल व ध्रुवपद का भेद, उनके शब्द, रस, भाव तथा गायनशैली आदि से जाना जाता है।

धमार—धमार नामक ताल में गाये जाने वाले होरी गीत के प्रबन्ध को ही धमार कहते हैं, ऐसे सभी प्रबन्धों का विशेष परिचय क्र० पुस्तक चौथी में दिया जायगा, जिसे आप आगे चलकर पढ़ेंगे।

स्थायी, अन्तरा, संचारी, आभोग

ये सब गीत के अवयव (हिस्से या अङ्ग) हैं। प्राचीन ग्रन्थकार इन्हें "धातु" कहते हैं। कुछ गीतों में केवल स्थायी अन्तरा यह दो अवयव ही

होते हैं, किन्तु ध्रवपद में बहुधा ये चारों अवयव मिलते हैं। ख्याल में विशेष रूप से स्थायी व अन्तरा ये दो ही अवयव होते हैं। कोई-कोई गायक संचारी को "**भोग**" भी कहते हैं।

आश्रय राग

अपनी हिन्दुस्थानी सङ्गीत पद्धति में थाट का नाम उसी थाट से उत्पन्न हुये किसी प्रसिद्ध जन्य राग के नाम पर रखने का व्यवहार है। यह तत्व हमारे देश के प्राचीन ग्रन्थकारों को भी मान्य था। जिस जन्य राग का नाम इस विधि से रखा जाता है, उसी को हमारी आज की पद्धति में **आश्रय राग** कहा जाता है थाट से उत्पन्न होने वाले अनेक जन्य रागों में इस आश्रय राग का थोड़ा बहुत रूप मार्मिक (समझदार) लोगों को दिखाई देता है, किन्तु आश्रय राग, थाट से उत्पन्न होने वाले सभी अन्य रागों का उत्पादक है, यह सिद्धान्त माननीय नहीं है। थाट को राग का नाम केवल उसकी सुविधा के लिये दिया जाता है। जन्य रागों के स्वतन्त्र नियम अज्ञानवश गायक की ओर से भङ्ग होने पर, उत्पन्न होने वाले राग का प्रकार थाटवाचक राग के समान दिखाई देने लगता है, इसलिये थाटवाचक रागों को आश्रय राग कहने की प्रथा है।

वक्र स्वर, पकड़, मात्रा एवं लय

वक्र स्वर—आरोह अथवा अवरोह करते समय जब एकाध स्वर तक जाकर फिर उससे पिछले स्वर पर वापिस आना पड़ता है तो जिस स्वर से पीछे लौटते हैं उसी को "वक्र स्वर" कहते हैं जैसे—"प ध नि़, ध, सां" इस स्वर-समूह में नि़ स्वर वक्र हो गया, ऐसा समझना चाहिये।

पकड़—रागवाचक मुख्य स्वरसमुदाय को 'पकड़' कहते हैं अर्थात् स्वरों का वह छोटा सा समूह, जिसका स्वरालाप करने से राग की छाया झलकती हो, उसे ही राग की 'पकड़' कहेंगे।

मात्रा—गायन का समय तौलने के माप या प्रमाण को मात्रा कहते हैं।

लय—गायन में काल की गति को 'लय' कहते हैं। लय के प्रकार ३ हैं-विलम्बित, मध्य तथा द्रुत। सावकाश रुक रुक कर आहिस्ता गाने को विलम्बित लय कहते हैं, विलम्बित की दुगुन को मध्यलय तथा मध्य की दुगुन को द्रुतलय कहते हैं।

राग यमन.

कल्याणो यमनो विभाति सकलैस्तीव्रस्वरैर्मण्डितो ।
गांधारः कथितोऽत्र वाद्यथ च संवादी निषादः स्वरः ॥
शेषाः स्युस्त्वनुवादिनः क्वचिदिह स्यान्मध्यमः कोमलो ।
गेयो रात्रिमुखे मनीषिभिरसौ सम्पूर्णरागाग्रणीः ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

यत्र सर्वे स्वरास्तीव्रा वादिसम्वादिनौ गनी ।
निशामुखे तु यमनः क्वचित्कोमलमध्यमः ॥

चन्द्रिकायाम् ।

सबही तीवर सुर जहां वादि गंधार सुहाय ।
अरु सम्वादि निखाद तें ईमन राग कहाय ॥

चन्द्रिकासार ।

गरी निरी सगौ रिगौ पगौ गरी परी च सः ।
इतीमनो भवेद्गांशो रात्र्यां प्रथमयामके ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

'यमन'—यह राग कल्याण थाट से उत्पन्न होता है। इसकी जाति सम्पूर्ण है, इसमें मध्यम स्वर तीव्र तथा अन्य स्वर शुद्ध लगते हैं। वादी स्वर गांधार और सम्वादी निषाद है। इस राग का गायन समय रात्रि

का प्रथम प्रहर है। यमन राग में जब कभी अल्प प्रमाण में कोमल मध्यम का प्रयोग करते हैं तब इसे **यमन कल्याण** ऐसा संयुक्त नाम कोई-कोई विद्वान देते हैं। यह राग सरल व सीधा होने के कारण बहुतों को आता है। यमन राग को कल्याण का **आश्रयराग** कहा जाय तो यह उपपद इसके लिये शोभायमान ही होगा।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सारेग, मंप, ध, निसां। सांनिध, प, मंग, रेसा.

पकड़ः—

निरेगरे, सा, पमंग, रे, सा.

राग यमन—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि ध प म॑	ग रे ग म॑	नि ध म॑ ऽ	प म॑ ग रे
०	३	×	२
ग म॑ प म॑	ग रे सा नि़	ध़ नि़ ऽ म़॑	ऽ ध़ नि़ रे
०	३	×	२
ग रे ग म॑	प ध नि ध	प म॑ ग म॑	ग रे सा ऽ
०	३	×	२

अन्तरा.

सा रे ग सा	रे ग म॑ प	ध नि सां नि	ध प म॑ ग
×	२	०	३
रे ग म॑ प	ध नि रें ऽ	ध ऽ गं रें	ऽ ध रें ऽ
×	२	०	३
सां नि ध प	म॑ प नि ध	प म॑ ग म॑	ग रे सा नि़
×	२	०	३
ध़ नि़ ऽ म़॑	ऽ ध़ नि़ रे	ग रे ग म॑	प ध नि ध
×	२	०	३
प म॑ ग म॑	ग रे सा ऽ		
×	२		

यमनकल्याण–चौताल (विलम्बित लय).

स्थायी.

मं		नि		म	ध						
प	नि	ध	प	प	मं	ग	रे	ग	रे	ग	म
ऐ	ऽ	म	न	क	ऽ	ल्या	ऽ	ण	सु	ग	म
३		४		×		०		२		०	
				नि				नि	ग		
ग	रे	सा	सा	सा	रे	सा	–	सा	रेग	सा	सा
रा	ऽ	ग	नि	सं	ऽ	पू	ऽ	र	नऽ	सु	र
३		४		×		०		२		०	
प				ध							
ग	–	प	ध	सां	–	नि	–	ध	–	प	–
ती	ऽ	व	र	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	में	ऽ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

प		प		म				प			
ग	–	ग	–	प	–	ध	प	सां	–	सां	सां
गा	ऽ	वा	ऽ	दी	ऽ	सु	र	नी	ऽ	स	म
×		०		२		०		३		४	
नि				सां		नि	नि				
सां	रें	सां	–	नि	ध	ध	ध	सां	–	सां	–
वा	ऽ	दी	ऽ	मे	ऽ	ल	क	ल्या	ऽ	णी	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि				नि							
सां	रें	गं	रें	सां	नि	ध	प				
								मं		ध	
शा	ऽ	स्त्र	ब्र	खा	ऽ	न	त	प	ऽ	मं	ऽ
×		०		२		०		३		४	
								नि			
ग	ऽ	रे	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	सा	रे	सा	ऽ
×		०		२		०		३		४	
								प			
सा	रे	सा	ऽ	ग	रे	सा	ऽ	ग	ग	प	ध
×		०		२		०		३		४	
ध											
सां	ऽ	नि	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ				
×		०		२		०					

यमन—एकताल (मध्यलय)

स्थायी.

प			ध	ध		मं					
सां	सां	नि	नि	मं	प	प	प	मं	ग	—	ग
स	ब	गु	नि	ज	न	इ	म	न	गा	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
मं						ग			रे		
ग	—	ग	रे	ग	प	रे	ग	रे	नि़	रे	सा
ती	ऽ	व	र	सु	र	क	र	त	सा	ऽ	थ
×		०		२		०		३		४	
सा	सा	रे	रे	ग	ग	मं	मं	प	प	ध	ध
×		०		२		०		३		४	
						नि					
नि	नि	रें	रें	गं	रें	सां	रें	सां	नि	ध	प
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

मं						प					
प	ग	प	—	ध	प	सां	—	सां	सां	—	सां
सु	र	वा	ऽ	दि	गं	धा	ऽ	र	सा	ऽ	ध
×		०		२		०		३		४	
नि									ध		
सां	सां	रें	—	गं	रें	सां	सां	नि	नि	ध	प
स	म	वा	ऽ	दी	ऽ	क	र	नि	खा	ऽ	द
×		०		२		०		३		४	
						प					
प	ग	ग	प	प	प	नि	नि	ध	प	ध	प
रा	ऽ	त	स	म	य	प्र	थ	म	प्र	ह	र
×		०		२		०		३		४	
			ध						ग		
सां	सां	नि	नि	मं	प	प	ग	प	रे	—	सा
च	तु	र	सु	ज	न	म	न	रि	झा	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	

राग यमन—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

प											
नि	ध	प	म॑	ग	म॑	प	–	म॑	ग	–	ग
भ	ज	म	न	क	रु	णा	ऽ	नि	धा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
		म॑				प			रे		
ग	रे	ग	म॑	प	प	रे	ग	रे	नि़	रे	सा
सु	ख	सं	ऽ	प	द	ए	ऽ	क	धा	ऽ	म
×		०		२		०		३		४	
								ग			
सा	सा	रे	–	ग	ग	म॑	–	प	प	ध	प
श	र	णा	ऽ	ग	त	व	ऽ	त्स	ल	प्र	भु
×		०		२		०		३		४	
म॑									ध		
प	–	ध	ध	नि	नि	सां	सां	नि	नि	ध	प
पू	ऽ	र	त	स	ब	म	न	सु	का	ऽ	म
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

ग⌒‒‒						प					
प	ग	प	प	ध	प	सां	–	सां	सां	सां	सां
मं	ऽ	ग	ल	सु	ख	दा	ऽ	य	क	प्र	भु
×		०		२		०		३		४	
नि								सां	ध	ध	
सां	सां	रें	रें	गं	रें	सां	–	नि	नि	प	प
अ	खि	ल	ज	ग	त	ना	ऽ	य	क	वि	भु
×		०		२		०		३		४	

मं			ध												
प	प		मं	मं		ग	–		प	रे		ग	रे		सा सा
अं	ऽ		त	र		या	ऽ		मी	ऽ		अ	वि		क ल
×			०			२			०			३			४
नि															
सां	सां		रें	रें		गं	रें		सां	सां		निध	नि		ध प
नि	र		गु	न		क	र		च	तु		रऽ	ध्या		ऽ न।
×			०			२			०			३			४

यमनकल्याण—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा रे

अ व

			ग									प			ध
ग	मं	प	रे	ग	रे	सा	–	ग	रे	ग	ग	मं	ग	प	प
गु	न	न	की	ऽ	जि	ये	ऽ	गु	नि	स	न	का	ऽ	जा	ऽ
०				३				×				२			
ग								प			ध				
रे	–	ग	ग	रे	सा	–	सा	मं	ग	प	प	–	पमं	ग	रे
ने	ऽ	गु	न	की	सा	ऽ	र	हो	ऽ	गु	नि	ऽ	गुऽ	नी	ऽ
०				३				×				२			
मं															
ग	म	ग	रे	सा	रे	सा	–	सारे	गमं	प	रे	ग	रे	सा	रे
जा	ऽ	ने	ऽ	गु	न	की	ऽ	साऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र,	अ	व।
०				३				×				२			

अन्तरा.

मं	नि सां		
प ग – प	– प सां ध	सां – सां सां	सां रें सां सां
ब ड़ी ऽ बे	ऽ र स म	झा ऽ ऊं न	स म झ त
०	३	×	२
		नि	ध
सां ध ध सां	– सां सां सां	सां – (सां) –	नि नि (प) –
बे ऽ र बे	ऽ र अ ब	कौ ऽ ऽ ऽ	न क हे ऽ
०	३	×	२
मं			ध
प ग ग प	– प प प	मंप धनि सां –	नि नि (प) –
ए ऽ क बा	ऽ र क ह	दीऽ ऽऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ नी ऽ
०	३	×	२
सां रें	ध ध	प ग	
गं गं सां सां	नि नि प प	ग – प रे	– रे सा रे
कौ ऽ न क	हे ऽ अ ब	बा ऽ र बा	ऽ र, अ ब
०	२	×	२

यमनकल्याण–त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी.

नि़
सा
पि

	नि़ सा		
सा रे ग रे	सा रे सा –	नि़ ध़ सा सा	नि़ ध़ प़ प़
य र वा ते	हा ऽ री ऽ	ने ऽ क न	ज र प र
	३	×	२

नि (above 3rd)		सा (above 1st)	मं (above 1st)
सा – सा सा	– रे सा सा	ग – ग रे	ग मंग मं प
बा ऽ र बा	ऽ र ग इ	हूं ऽ ब लि	हा ऽऽ री ऽ
०	३	×	२
		ग (above 1st), रे (above 4th)	नि (above 3rd)
ग म गरे ग	रे – सा –	रे ग रे नि़	– रे सा सा
ब र जऽ र	ही ऽ हूँ ऽ	बा ऽ र बा	ऽ र मैं, पि
०	३	×	२

अन्तरा.

सासा
मोरे

नि़ (above 1st), ग (above 4th)	प (above 3rd), ध (above 4th)		
सा सा ग प	– प नि नि	(प) प – प	ग – रे प
म न को पू	ऽ ज आ ऽ	ई ली ऽ ने	हा ऽ ल क
३	×	२	०
रे (above 2nd)	नि़ (above 1st)		मं (above 1st)
रे नि़ रे सा	सा – ग रे	ग – ग –	प प ध नि
र प्या ऽ र	सी ऽ स नि	वा ऽ ये ऽ	ह स र स
३	×	२	०
	ग (above 1st), मं (above 3rd)		नि़ (above 1st)
(प) – मं ग	प प पमं रे	ग रे सा –	सा रे ग प
पा ऽ र उ	त र नऽ हा	ऽ र, पी ऽ	य र वा ते
३	×	२	०
रे (above 2nd)			
रे नि़ रे सा			
ऽ हा ऽ री			
३			

यमन—त्रिताल (मध्यलय

स्थायी.

			ग
			प –
			मं ऽ
			नि
ग रें ग रें	सा – सा –	ग – – रे	सा रे सा सा
द र म न	ला ऽ ये ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ स खी
०	३	×	२
नि ध		नि	सा
सा सा नि़ नि़	प़ ध़ प़ प़	सा रे ग रे	सा सा प –
अ न त र	ह त स खी	सो ऽ सु ऽ	द र, मं ऽ
०	३	×	२
	नि		
ग रे ग रे	सा रे सा –		
द र म न	ला ऽ ये ऽ		
०	३		

अन्तरा.

ग		मं	ध ध
प – ग प	प प ध प	प – ध ध	नि नि (प) –
बा ऽ त क	ह त तू तो	रा ऽ त स	खी ऽ री ऽ
०	३	×	२
नि		ग⌒	ग
सा – ग रे	ग ग ग –	प प प (प)	रे – सा –
मो ऽ म न	म न भा ऽ	ये ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

मं प		मं प	ध
प ग ग प	प प प —	प ध ध नि	प ध प —
च तु र सु	घ र मो ऽ	ऽ ऽ रा पि	य र वा ऽ
०	३	×	२
नि॒			सां
सा — ग रे	ग — ग —	गमं पध निध पमं	गरे गरे सा प
आ ऽ ग न	हीं ऽ पा ऽ	येऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽ, मं
०	३	×	२

यमनकल्याण—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

	मं	ग ग	
प नि ध निध	(प) — मं ग	प — रे ग	रे — सा सा
आ ऽ ले नऽ	री ऽ ओं ऽ	ला ऽ दे अ	ली ऽ प र
०	३	×	२
नि॒ नि॒		नि॒	
सा — सा सा	— रे सा सा	सा सा ग रे	ग म (प) —प
वा ऽ र वा	ऽ र जा ऊं	ज़ो ह रा के	फ़ र ज़ं ऽद
०	३	×	२
प	ग	ग	ग, ग
ग म गरे ग	रे — नि॒ सा	रे ग रे गमंप	मं मं प —
ह स नऽ हु	से ऽ न पे	वा ऽ र जाऽऽ	ऽ ऊं मैं ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

	सां ध	सांध	
सारे गम॑ पध निसां	नि नि (प) प	प ग प सांध	सां सां सां
याऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ज ग में इ	ना ऽ ऽ ऽऽ	य त की ऽ
०	३	×	२
नि सां	ध	ध म॑	ग
सां रें रें गं	(मां) नि (प) –	म॑ – ग –	रे – सा –
ला ऽ ज तु	मी ऽ को ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	है ऽ जो ऽ
०	३	×	२
प ग		म॑	म॑ ध
सा म॑ म॑ म॑	प – प –	प नि ध प	प प म॑ ग
अ र ज क	रूं ऽ मो ऽ	पू ऽ र न	की ऽ जे ऽ
०	३	×	२
	ग		
ग म॑ गरे ग	रे – नि़ सा		
ह म नऽ हु	से ऽ न पे	स्थायी के	अनुसार
०	३		

यमनकल्याण– त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

सा

लं

		सा	
सा रे ग रे	सा रे सा सा	ध़ – सा –	– – सा सा
ग र तु र	क जि न छु	वो ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ मो री
०	३	×	२

	ग		नि़ सा
सा ग रे ग	— प — रे	सा रे ग रे	सा रे सा —
ग ग रि या	ऽ भा ऽ री	अ ब दे ऊं	गा ऽ री ऽ
०	३	×	२
सा		सा	
ध़ नि़ ध़ सा	सा — सा —	ध़ नि़ ध़ सा	नि़ ध़ प़ प़
हों ऽ ब्रि ज	ना ऽ री ऽ	नि र ख नि	र ख स ब
०	३	×	२
			ग
सा सा ग रे	ग — ग ग	गम॑ पध निध पम॑	गध पम॑ रे सा
हँ स हँ स	दे ऽ मो हे	ताऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ री, लं
०	३	×	२

अन्तरा.

म॑ प			नि
प ग प —	सां सां ध सां	— सां सां —	सां रें सां सां
तु म तो ऽ	म हा ऽ धी	ऽ ट पी ऽ	अ त त न
×	२	०	३
नि	नि	ध	म॑ नि
सां रें गं रें	सां रें सां सां	नि नि प प	प प ध नि
ला ऽ गो हि	आ ऽ व त	धा ऽ व त	अ त बा ऽ
×	२	०	३
	प	प	सां नि
ध प — प	ग म ग रे	ग — प प	ध ध सां सां
र बा ऽ र	मैं ऽ स न	हे ऽ र त	घे ऽ र त
×	२	०	३

		गं		रें					सां			प			
सां	–	रें	गं	मां	मां	रें	मां	–	ध	–	प	ग	–	ग	रे
हों	ऽ	ला	ऽ	ज	न	म	री	ऽ	जा	ऽ	त	हूं	ऽ	ब्रि	ज
×				२				०				३			
						ग									
गर्म	पध	निध	पर्म	गध	पर्म	रे	मा								
नाऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	री,	लं								
×				२											

यमन—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

											प		ग		
सारे	गर्म	पध	निसां	निध	पर्म	गरे	सासा	प	–	ग	र्मपध	प	रे	–	रे
हूऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	गग	गा	ऽ	ज	मऽऽ	हा	रा	ऽ	ज
०				३				×				२			
नि			ध			प			ग			ग	रे		
सां	(सां)	–	निनि	(प)	–	र्मप	धनि	सां	रे	–	प	रे	नि़	रे	सा
ग	जा	ऽ	नऽ	ना	ऽ	त्रिऽ	ऽऽ	ऽ	द्या	ऽ	ज	ग	दी	ऽ	श
०				३				×				२			

अन्तरा.

र्म				नि				नि					ध		
प	–	सां	सां	सां	रें	सां	–	सां	रेंसां	रें	गंरें	(सां)	नि	(प)	प
गा	ऽ	ऊं	ब	जा	ऽ	ऊं	ऽ	रा	ऽऽ	ग	रूऽ	रा	ऽ	ग	नि
०				३				×				२			
प						प			ग			ग			
सां	(सां)	-	नि,धनि	(प)	–	र्मप	धनि	सां	रे	–	प	रे	नि़	रे	सा
पु	ऽ	ऽ	त्र,बऽ	धू	ऽ	सऽ	ऽऽ	ऽ	न	ऽ	छ	त्ती	ऽ	ऽ	स।
०				३				×				२			

यमन—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

(नि) सा नि ध नि	(ध) म॑ प (म॑) म॑ ग	प — (म॑) प प	— म॑ ग —
आ ऽ ह त	अ न ह त	भे ऽ द ना	ऽ द के ऽ
०	३	×	२
(म॑) ग (म॑) ग रे ग	— म॑ प प	(प) रे रे ग रे	सा रे सा —
प्र थ म भे	ऽ द श्रु ति	य न सों ऽ	हो ऽ वे ऽ
०	३	×	२
(नि) सा सा रे रे	ग ग म॑ म॑	प — प सां	(ध) नि (ध) नि म॑ प
अ न ह त	मु नि ज न	ध्या ऽ न ध	र त ज ब
०	३	×	२
(म॑) प नि ध नि			
आ ऽ ह त			
०			

अन्तरा.

(प) ग — ग प	— प नि ध	सां — (नि) सां सां	— रें सां —
ना ऽ भि कं	ऽ ठ औ र	मू ऽ र्ध स्था	ऽ न सों ऽ
०	३	×	२
(सां) नि — ध सां	— सां सां सां	(नि) सां रें गं रें	सां नि ध प
मं ऽ द्र म	ऽ ध्य औ र	ता ऽ ऽ र	हो ऽ व त
०	३	×	२

मं प – प प	प म म ग –	मं प रे ग रे	नि़ सा रे सा –
म ऽ म सु	र न के ऽ	ना ऽ म ब	खा ऽ ने ऽ
०	३	×	२
सा रे ग म	प ध नि सां	नि ध प म	ग रे सा ऽ।
०	३	×	२

यमनकल्याण–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग ग रे रे ग रे	रे नि़ रे सा सा	सा नि़ ध़ सा सा	ध़ ध़ नि़ नि़ प़ प़
म ना ऽ तू	का ऽ है न	धी ऽ र ध	र त अ ब
०	३	×	२
नि़ सा – रे रे	ग गमंप मं प प	प ग म ग रे	रे नि़ रे सा सा
धी ऽ र ध	रेऽऽ ऽ स ब	का ऽ र ज	सु ध र त।
०	३	×	२

अन्तरा.

मं प प – ग –	मं प प नि ध	सां – सां सां	नि सां रें सां सां
जा ऽ के ऽ	स र र घु	ना ऽ थ बि	रा ऽ ज त
×	२	०	३
सां सां नि – नि ध	सां सां सां –	ध सां (सां) – निध	नि ध प प
बा ऽ के ऽ	स ब ही ऽ	का ऽ ऽ रज	सा ऽ ध त
×	२	०	३

नि		नि	
ध नि ध प	– ध प प	ध – नि ध	प (प) मं ग
तु ल सि दा	ऽ म र घु	ना ऽ थ कु	पा ऽ तें ऽ
×	२	०	३
मं			
ग म ग रे	नि़ रे सा सा		
त्रि घ न म	ब ट र त		
×	२		

यमन -- त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प ध ग		प	ग
निनि (प) – रे	– मा ग रे	ग – – मं	– मं प प
पिऽ या ऽ की	ऽ न ज रि	या ऽ ऽ जा	ऽ दु भ री
०	३	×	२
मं	ध		
प – प प	मं – ग रे	सारे गमं प रे	ग रे सारे सा
मो ऽ ह लि	यो ऽ म न	प्रेऽ ऽऽ ऽ ऽ	ऽ म भऽ री।
०	३	×	२

अन्तरा.

मं		नि रें	
प प सां सां	सां सां सां सां	सां सां नि ध	नि ध प –
क व न ज	त न अ ब	क रि ये ऽ	आ ऽ ली ऽ
०	३	×	२
मं	ग		
प मं ग प	रे – सारे सा	सारे गमं प रे	ग रे सारे सा
ना ऽ हिं प	रे ऽ मोऽ हे	चैऽ ऽऽ ऽ न	ए क घऽ रि।
०	३	×	२

यमन—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि़		रे रे	ध़ ध़
सा ग रे ग	— मा मा रे	ध़ नि़ सा सा	नि़ प़ — प़
क हो स खी	ऽ पि या कै	द र स कै	मे पा ऽ ऊं
×	२	०	३
मं		सा	
प़ नि़ ध़ सा	मा रे सा सा	निसा रेग मंप रे	ग रे सारे मा
क ल न प	र त मो हे	धऽ ऽऽ ऽऽ रि	प ल छिऽ न।
×	२	०	३

अन्तरा.

प		मं	मं ध
मं ग प प	प — ध प	प धप ध निध	प प मं ग
ज ब से ग	यें ऽ मो री	सु धऽ हु नऽ	ली ऽ नी ऽ
×	२	०	३
ध		रे	
ग रे ग प	मा रे मा —	निरे गमं प रे	ग रे सारे सा
त र फ त	जि य रा ऽ	मीऽ ऽऽ ऽ न	ज ल बिऽ न।
×	२	०	३

यमन—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

		मं	
सा रे मा —	ग — रे रे	गमं पग प (प)	ग रे — सा
अ नि में ऽ	की ऽ ऽ त	हींऽ ऽऽ नी ऽ	मा ऽ ऽ ई
३	×	२	०
नि़	नि़	नि़	
सा मा सा	मा ग रे सा	सा सा नि़ ध़	नि़ ध़ — प़
ऽ ढो ल ण	में ऽ ना ले	मि लं दा ऽ	ना ऽ ऽ हिं।
३	×	२	०

अन्तरा.

मं प			
प ग प प	प नि ध सां	नि नि सां —	नि ध प —
इ त उ ठ	उ च क उ	च क ग्र ऽ	फि रं दा ऽ
३	×	२	०
प प	ध ध	मं	
मं मं प ध	नि नि मं प	(पप) (धध) (पमं) ग	प रे ग —
स दा ऽ रं	गी ऽ ग लि	(याऽ) (ऽऽ) (ऽऽ) मां	हीं ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०
ग रे सा —			
अ नि सें ऽ			
३			

राग यमन—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

मं	मं	ग	
प (गमं)	नि ध प —	— रे — सा	ग रे ग ग
अ (रीऽ)	ये ऽ री ऽ	ऽ आ ऽ ली	पि या बि न
	०	३	×
— — प प	ग मं ग प	प ध प प	नि ध प प
ऽ ऽ स खि	क ल ना प	र त मो हे	घ री प ल
२	०	३	×
ग	सा ध		
रे रे सा सा	नि नि (प) —		
छि न दि न	ये ऽ री ऽ		
२	०		

अन्तरा.

मं		प	
प प सां सां	सां – सां सां	सां (सां) नि ध	नि ध प प
ज ब तें पि	या ऽ प र	दे ऽ स ग	व न की नो
०	३	×	२
मं प		नि	ग
प गं रें सां	नि ध प प	ध नि ध प	रे रे सा सा
र ति यां क	ट त मो हे	ता ऽ ऽ रे	गि न गि न।
०	३	×	२

राग यमन–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			सा
			नि़ ध़
			सां ऽ
सा		सा	नि़
नि़ रे ग रे	सा रे सा सा	नि़ ध़ प़ प़	ध़ सा – –
व रे दि सु	र त मा नु	भां ऽ ऽ दि	वे ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
नि़		ग	ग
सा – ग रे	ग – ग –	प ग प (प)	रे – सा नि़ध़
मैं ऽ डी ऽ	सैं ऽ यो ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ वे सांऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

मं प	मं ध	मं	मं
प ग प प	प मं मं ग	ग ग प प	प निध सां (मां)
त्रि न दि ठि	यां ऽ मा नु	क ल ना हिं	प ड़ंऽ दी ऽ
३	×	२	०
	मं प	ग	नि
नि ध प –	प ग ग प	रे – सा –	सा रे ग मं
री ऽ ऽ ऽ	चि त च ढ़	जां ऽ दी ऽ	भू ऽ म र
३	×	२	०
ग	ग		
प मं प –	प – (प) –	रे – सा निध	
पां ऽ दी ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ वे सांऽ	
३	×	२	

राग यमन–त्रिताल (विलंबित लय).

स्थायी.

प ध	ग	ग	
निनि (प) मं ग	प – मं ग	रे ग ग रे	सा रे सा –
भऽ ज हु रि	ना ऽ ऽ म	तू ऽ मो रे	म न वा ऽ
३	×	२	०
नि	नि		मं ग
सा रे ग रे	सा रे सा सा	सा सा ग गरे	ग मं मं प
स ब सु ख	का ऽ र क	भ व भ यऽ	हा ऽ र क
३	×	२	०

म				ध								रे		रे	
प	–	प	प	म	–	म	ग	ग	रे	सारेगम	प	ग	रे	निरे	सा
पू	ऽ	र	न	हो	ऽ	त	म	क	ल	तेऽऽऽ	ऽ	ऽ	रे	काऽ	म।
३				×				२				०			

अन्तरा.

								नि				नि ध			
प	ग	प	धप	मां	–	मां	मां	मां	रेंनि	रें	गं	मां	निनि	(प)	–
य	ह	मं	ऽऽ	मा	ऽ	र	घ	ड़ी	ऽऽ	का	ऽ	स	पऽ	ना	ऽ
३				×				२				०			
म			म	ध								रे			
प	–	प	प	म	–	म	ग	ग	रे	सारेगम	प	ग	रे	निरे	सा
मां	ऽ	च	ए	ऽ	ऽ	क	च	तु	र	कोऽऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नाऽ	म।
३				×				२				०			

यमन—एकताल (विलंबित).

स्थायी.

प ध	म	प	प	ग						म	
निनि	प(प)	ग	गप	रे	ग	ग	ग	ग	रे	ग	म
जिऽ	योऽ	क	रोऽ	को	ऽ	टि	ब	र	स	लों	ऽ
३		४		×		०		२		०	
	ग			नि							
प	रे	निरे	सा	सा	रे	ग	रे	सा	(सा)	नि	निध
ऽ	जा	ऽऽ	में	अ	ति	सु	ख	पा	ऽ	यो	तेऽ
३		४		×		०		२		०	

ध						प		ग			
नि़	ध़	प़	—	प	—	ग	प	रे	नि़	रे	सा
ह्रा	ऽ	रे	ऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

मं		मं								नि	नि
प	ग	प	धप	सां	—	सां	सां	—	सां	सां	सां
तू	ऽ	रा	ऽऽ	ऊ	ऽ	अ	वा	ऽ	द	ब	दो
३		४		×		०		२		०	
नि								मं			मं
रें	रें	सां	निध	नि	—	ध	प	प	पग	—	प
ऽ	म	त	मुऽ	दा	ऽ	ऽ	म	व	हऽ	ऽ	के
३		४		×		०		२		०	
		नि						मं			ध
—	प	ध	—	नि	ध	प	—	प	निध	—	सां
ऽ	म	हुं	ऽ	ऽ	म	दी	ऽ	आ	ऽऽ	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
									रे		
—	नि	(प)	पग	प	—	रे	ग	रे	नि़	रे	सा
ऽ	ले	हि	सऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म।
३		४		×		०		२		०	

यमन- त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

सासा
सुम

ग			ध़ नि़
रेगमंप -रे गरे सा	सा (सा) - नि़ध़	नि़ ध़ प़ -	सा - - -सा
रऽऽऽ ऽन करूँ मैं	तो ऽ ऽ ऽऽ	रा ऽ ऽ ऽ	तू ऽ ऽ ,मा
३	×	२	०
ग रे	नि़	रे	प प
रे गरे नि़रे सा	सा - ग रे	ग - ग -	मं मंग प प
हे बऽ मेऽ रा	आ ऽ वो ऽ	मे ऽ रे ऽ	गु नऽ अ व
३	×	२	०
मं प	ग	रे	रे
प मंपधनि -ध प	प(प) मं ग रे	प - ग रे	नि़ रे सा, सासा
गु नऽऽऽ ऽत न	नने हा ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ र, सुम
३	×	२	०

अन्तरा.

ग	प		
प ग प धप	सां - (सां) -	नि ध सां -रें	सां नि ध प
तू ऽ ही ऽऽ	दा ऽ ता ऽ	तू ऽ ही ऽक	री ऽ ऽ म
३	×	२	०
प सां	ध	मं ध	रे
गं रें निरें सां	नि ध मं,धनि (प)	प मं ग रे	नि़ रे सा, सासा
ते ऽ रोऽ हि	ना ऽ ऽ,ऽऽ म	क र ता ऽ	ऽ ऽ र, सुम।
३	×	२	०

यमन—झूमरा (विलम्बित).

स्थायी.

			निध
			बन
(म) प (प) म ग	(ग ध) प म म	(ग) रे ग - रे	(नि) सा रे सा
रे ऽ ऽ न	लैं ऽ ऽ	यां ऽ ऽ ऽ	लू ऽ गी
३	×	२	०
(नि) सा - नि ध	(नि) सा रे निरे	(रे) प - ग रे	सा (सा) निध
आ ऽ ज सु	हा ऽ गऽ	की ऽ ग ऽ	ऽ ऽ तन
३	×	२	०
सासानिध नि (प) -	(ध) प प प	(ध) म ग रे पपधनि	सांरेंसांनि सां, निनि
वेऽऽऽ ऽ ला ऽ	ब र पा	या ऽ ऽ ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ ऽ बन
३	×	२	०
(प) - म मग			
रे ऽ ऽ बऽ			
३			

अन्तरा.

(ग) प ग प धप	(प) सां सां सां	(प) ग प धप	सां सां -
चं ऽ द्र ऽऽ	ब द न	प र नि पऽ	ट की ऽ
३	×	२	०

नि		ध	
सां – रें रें	सां नि ध	सां (सां) नि ध	नि ध प
लो ऽ च न	च म क	त ल री ऽ	यां ऽ ऽ
३	×	२	०
नि नि		प प प	रें
ध ध सां (प)	प ग ग	ग ग ग रे	प – ग
ब ना ऽ ब	नी ऽ के	मु ख तं ऽ	बो ऽ ल
३	×	२	०
प नि			ग
ग प ध सां	(प) – ग	ग रे ग प	रे – सा
बी ऽ री ब	ना ऽ य	अ न गि न	हूं ऽ गी।
३	×	२	०
नि़			
सा – नि़ ध़			
आ ऽ ज मु	इत्यादि······		
३			

यमन—त्रिताल. (विलम्बित)

स्थायी.

नि

यान

मं	ग	ग	
प (प) – मंग	प – मं ग	रे ग – रे	सा – नि़सा गरे
बी ऽ ऽ यार	सू ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ लि	ल्ला ऽ ऽऽ सद
३	×	२	०

नि		नि	सा सा सा
सा (सा) – निध	सासानिध नि – ध	प – – सा	रे रे रे –
का ऽ ऽ हम	नैऽऽऽ ऽ ऽ न	का ऽ ऽ मु	श कि ल ऽ
३	×	२	०
नि रे	ग		नि
सा ग ग –	प – – रे	ग – – रे	सा रे सा निध
मे ऽ गी ऽ	आ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	सा ऽ न, यान
३	×	२	०

अन्तरा

मं		नि	
प ग प धप	सां – सां –सां	सां रें सां –	रें गं (सां) –
तु म तो ऽऽ	दी ऽ न ऽदु	नी ऽ के ऽ	बा द शा ऽ
३	×	२	०
ध		मं ध	प
सां (सां) – निध	सांसांनिध निध (प)	प मं ग रे	ग प ध निध
या ऽ ऽ रऽ	सूऽऽऽ ऽलि ला ऽ	तु म तो ऽ	मु झ प रऽ
३	×	२	०
	ग		रे
मंपधनिसां रेंसां (सां)	प – ग प	रे ग – रे	नि रे सा निध
मेऽऽऽऽ ऽ ह र	बा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ न, यान।
३	×	२	०

यमन—त्रिताल (विलम्बित)

स्थायी.

गरे

पट

ग	प ध मं	प	रे
गमंप मं प प	निनि प(प) – ग	प (प) ग गप	ग – रे –
तोऽऽ ऽ ऽ रे	कऽ वऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ नऽ	दे ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०

ग—	ग		
प - ग -	प (प) - गरे	ग रे सारे मा	ग रे सारे मा
हों ऽ ऽ ऽ	तो ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ ऽऽ रा	तु ऽ मुऽ
३	×	२	०
मा —	ग	म	म
प ग प रे	गमप म प पप	प ध - निध	प (प) ग रे
ग्या ऽ ऽ ऽ	ऽऽऽ ऽ ऽ नम	हुं ऽ ऽ मद	मा ऽ ए ऽ
३	×	२	०
म		ध	म
ग म प -ध	नि - ध	म ध सांसांनिध निध	प - म मरे
च तु र ऽचा	ल ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽऽऽऽ ऽमु	वा ऽ ऽ, पट।
३	×	२	०

अन्तरा.

म
प
ग

म नि ध		सा ध	
प ध नि नि	सां - (सां)	नि ध, मध	सांसांनिध निध प -
क तो ऽ ह	री ऽ जा ऽ	का ऽ ऽ, भऽ	ईऽऽऽ ऽल वा ऽ
३	×	२	०
म ध	रे	नि मा—	प
प म ग रे	नि रे मा -	सा सां नि ध	मध सांसांनिधनि,ध प(प) मरे
म दा ऽ ऽ	रं ऽ ग ऽ	री भे ऽ आ	नऽ ऽऽऽऽऽ,मु वाऽ, पट।
३	×	२	०

यमन—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

पधमं											
निनि	प(प)	—	मंग	पपमंग	मं	ग	रे	सा	—	गरे	ग
एऽ	रीऽ	ऽ	लाल	मीऽऽऽ	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽजि	या
३		४		×		०		२		०	
ग		ग				ग		ग			
प	ग	प	(प)	प	ग	प	ग	रे	ग	रे	सा
ऽ	ऽ	रू	ऽ	प	ऽ	सू	ऽ	द	ऽ	ऽ	र
३		४		×		०		२		०	
नि़				ग							
सा	गरे	ग	ग	प	(प)	रे	ग	रे	सारे	सारेग	—
ग	ऽऽ	जें	द्र	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
ग		ग									
प	ग	प	(प)	प	ग	रे	सा	सासारेग	-रे	साप़	ध़प़
जा	ऽ	ज	ग	त	में	ऽ	ऽ	लाऽऽऽ	ऽव	लाऽ	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

ग				प			नि		ध		
प	ग	प	धप	सां	—	—	सां	नि	नि	रें	सां
जो	ऽ	जा	ऽऽ	की	ऽ	ऽ	भा	ऽ	ऽ	व	र
३		४		×		०		२		०	

नि				नि		नि				ग	
सांसांनिध	निध	सांसांरें गं	–रें	सां	निध	सां(सां)-,नि	ध	नि	धप	पग	प
सोऽऽऽ	ऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽहि	ये	ऽऽ	गांऽ	ऽ,तऽ	न	ऽऽ	येऽ	गा
३		४		×		०		२		०	
		नि									
पपधनिसां	रें	सां	(सां)	निध	निध	प	–ध	नि	ध	रेंरेंसांनिसां,-निध	
म्हाऽऽऽऽ	ऽ	रे	ऽ	अऽ	तऽ	ऽ	ऽक	गो	ऽ	ऽऽऽऽऽऽ,रिमं	
३		४		×		०		२		०	
ध	ध	मं									
मं,धमं	निनि	प(प)	–,मंग	पपमंग	मं	ग	रे				
ग,ऽऽ	ऽऽ	लऽ	ऽ,लाल	मीऽऽऽ	ऽ	ले	ऽ				
३		४		×		०					

यमन—एकताल (विलम्बित)

स्थायी.

											,रें
											,मं
							सा				प
ग	धधपमंप	परे	–,गरे	सा	–	–	,गरे	ग	–	–	मं
हुँ	ऽऽऽऽऽ	ऽऽ	ऽ,मद	आ	ऽ	ऽ	ऽर	बी	ऽ	ऽ	या
३		४		×		०		२		०	
				ग							
ग	,–मं	प	मंप	प	(प)मं	ग	रे	सा	नि़	ध़	ध़
ऽ	ऽन	बी	ऽऽ	स	लीऽ	ल्ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हो
३		४		×		०		२		०	

म॑				रे	ध			रे			
प़	निध़	सा	-रे	प	म	ग	रे	नि़	रे	सा	-रे
आ	लेऽ	ही	ऽव	म	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म,	ऽम।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

ग											
प	ग	प	सांध	सां	—	सां	सां	—	सांरें	सां	-सां
पं	ज	त	नऽ	पा	ऽ	क	द्वा	ऽ	ऽरेइ	मा	ऽम
३		४		×		०		२		०	
सां						प					
नि	—	निध	सां	सां	सां	सां	(सां)	निध	नि	ध	प
चा	ऽ	देंऽ	मा	सु	मे	मृ	ऽ	तेंऽ	जा	ऽ	लि
३		४		×		०		२		०	
सां				प					रे		
ध	सां	(प)	पमं	ग	प	रे	ग	रे	नि़	रे	सारे
नू	ऽ	रे	वऽ	म	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म,म।
३		४		×		०		२		०	

यमनकल्याण—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

प	म॑			ग				ध							
पप	निध	प(प)-	,मंग	प	—	ग	रे	प	(प)	ग	रे	प	रे	गरें	सा
पल	कन	सेंऽ	ऽ,मग	झा	ऽ	रू	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	ऽऽ	ई
३				×				२				०			
प								म॑						ध	ग
ग	मं	प	ध	सांसांनिध	नि	प(प)		पप	निध	सांनि	रें	सां,निध		निमं	पमं
क	ब	घ	र	आऽऽऽ	ऽ	वे	ऽ	मोग	ऽऽ	ऽऽऽ		प्या,ऽऽ	ऽ	राऽऽ।	
३				×				२				०			

अन्तरा.

ग	प							नि					ध		
प	प	सां	-सां	सां	सांनि	रें	सां	सां	रें	गं	(सां)	सांसांनिध	नि	प	(प)
त	प	त	ऽबु	भा	ऽऽ	ऽ	ऊं	ग	रे	ऽ	ल	गाऽऽऽ	ऽ	ऊं	ऽ
३				×				२				०			

नि				नि			
धनि	सारें	मंमंगंरें,गंरें	सांरें,सां	सां,निध	सांसांनिध,निध	पध	प
तन	मन	धऽऽऽ,ऽन	ऊऽ,न	प,रऽ	बाऽऽऽ.ऽऽ	ऽऽ	रू
३				×			
						ध	ग
पध	निध	मंनि	रें	सां,निध	नि	मं	पम
मोरा	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	प्या,ऽऽ	ऽ	रा	ऽऽ।
२				०			

यमन-एकताल (विलंबित).

स्थायी.

		नि						प		नि	
,गग	रे,गरे	सा(सा)	-,निध	सासानिध	निध	प	-	सा	सा	सा	रे
ऽ,कहे	स,खीऽ	कैऽ	ऽ,सेके	कऽऽऽ	ऽरि	ये	ऽ	भ	रि	ये	ऽ
३		४		×		०		२		०	
				नि				मं			
ग	रे	सा	निसा	सा	-	ग	-	ग	-	ग	रे
ऽ	दि	न	ऽऽ	ऐ	ऽ	से	ऽ	ला	ऽ	ल	न
३		४		×		०		२		०	
ग		ग		प				रे			
प	ग	प	(प)	रे	ग	-	रे	ध	नि	सा	-
के	ऽ	ऽ	ऽ	सं	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

ग—				प				नि			
प	ग	प	धप	सां	–	सां	निसां	सां	(सां)	–	निध
सु	न	री	ऽस	खी	ऽ	मैं	ऽऽ	का	ऽ	ऽ	कहुँ
३		४		×		०		२		०	
		मं		मं				प			
सांसांनिध	निध	प	(प)	प	(प)मं	ग	रे	ग	प	निध	सां
तोऽऽऽ	ऽऽ	सें	ऽ	उ	नऽ	ही	के	जा	ऽ	ऽऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
	सां			प				रे			
–	नि	ध	प	रे	ग	–	रे	ध़	नि़	सा	–
ऽ	न	ऽ	त	ढं	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ।
३		४		×		०		२		०	

यमन—एकताल (बिलम्बित).

स्थायी.

नि़	प़	नि़ध़	,सारे	सा	–	नि़	रे	ग	रे	सा	(सा)
मे	रा	ऽऽ	,मन	वां	ऽ	ऽ	ध	ली	नो	रे	ऽ
३		४		×		०		२		०	
पध	मं—		पग					रे			
निनि	प(प)	रे	मंमं	प	प(प)	ग	रे	ध़	नि़	सा	सा
हांऽ	रेऽ	ऽ	इन	जो	गीऽ	या	के	सा	ऽ	ऽ	थ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

मं				प ध	मं					नि	
ग	मे	प	ध	निनि	प(प)	मंग	गप	ग	रे	सारे	सा
स	दा	रं	ग	कऽ	रऽ	मऽ	कऽ	रो	ऽ	क्यूंऽ	ना
३		४		×		०		२		०	

सा				प ध				ग	सा		
नि	रे	ग	मे	निनि	(प)	मंग	प	रे	नि	रे	सा
इ	न	आ	ऽ	नऽ	ना	ऽऽ	थ	के	हा	ऽ	थ
३		४		×		०		२		०	

यमनकल्याण—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा

सो

सा रे नि											
गग	सा(सा)	—	निध	सासानिध	निध	प	—	प	ग	—	रे
हेऽ	लाऽ	ऽ	ऽऽ	नंऽऽऽ	दऽ	के	ऽ	गा	ऽ	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	

रे	रे			नि						प ध	मं
नि	गग	(सा)	—	सा	ग	गरे	पग	प	प	निनि	प(प)
ऽ	ऽऽ	वो	ऽ	ब	जा	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	वो	तोऽ	रेऽ
३		४		×		०		२		०	

								नि			
—	पग	पग	प,धप	ग	रे	सा	—	सा	(सा)ध	निध	,सा
ऽ	मंऽ	दीऽ	ऽ,ऽल	रा	ऽ	मा	ऽ	ई	ऽऽ	ऽऽ	,सो।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

	मां										
	निध	धम	गरे	ग	म	प	मप,ध	नि	ध	सां	सां
ऽ	मोंऽ	काऽ	समम	अ	म	म	ऽऽ,बि	स	ऽ	ऽ	म
३		४		×		०		२		०	
सांरें										प	
गंगं	(सां)	नि	धध	सांसांनिध	नि	ध	प	ध	प	ग	म
अऽ	ती	ऽ	तअ	नाऽऽऽ	ऽ	ऽ	धा	ऽ	त	म	न
३		४		×		०		२		०	
		प		प ध			ग			रे	
ग	रे	ग	मध	निनि	(प)	—	रे	ग	रे	धनि	सा,सा
रं	ग	के	ऽऽ	दिऽ	खा	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ,सो।
३		४		×		०		२		०	

यमन–एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि
सासा
दिय

ग				नि				प			सा
रे	ग	रे	सा	सा	नि	ध	प	मा	नि	रे	रे
रा	ऽ	ऽ		बा	ऽ	ऽ	ऽ	रू	ऽ	ऽ	गी
३		४		×		०		२		०	

रे		नि		नि	रें
ग रे	सा (सा)	सा निध	सा सा	सा ग	ग –
धि या	के ऽ	ह जऽ	र त	ख्वा ऽ	जे ऽ
३	४	×	०	२	०
प ध	ग	प			
म मग	प प	ध प	ग प	रे –	सा सासा
खि दऽ	र के	न ज	ऽ ऽ	ऽ ऽ	र, दिय।
३	४	×	०	२	०

अन्तरा.

मं		प	प		मं
प पग	प प	ध प	मंग पध	सांसांनिध निध	प (प)
दू धऽ	पू त	औ र	अन धन	लऽऽऽ ऽछ	मी ऽ
३	४	×	०	२	०
मं ध		रे		रे निरें	
प म	ग रे	प ग	प रे	नि गग	(सा) ,सासा
नि स	दि न	श्या ऽ	ऽ म	फ जऽ	र ,दिया
३	४	×	०	२	०

यमन—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

मं	ग		ग ग		नि
पग गमंधप	रे सासा	गरे ग	पग प(प)	रे सा	सां निध
याऽ ऽऽऽर	दा मेंनु	नित दा	नीऽ होऽ	ऽ रा	मैं याऽ
३	४	×	०	२	०

ध			ध नि		नि ग
सां(सां),निध	सांसांनिध निध	प –प	प ध,निध	निसांरेंरेंसांनिसां निध	मंप मंप
निऽ ,मेंनु	मांऽऽऽ ऽव	दाऽनि	हो ग,ऽऽ	ऽऽऽऽऽऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ
३	४	×	०	२	०

प	
निधप प,गमंधप	गरें सासा
याऽऽ ऽ,ऽऽऽर	दाऽ मेंनु
३	४

अन्तरा

मं			मं		
पग पप	पप मंध	प –	पग पध	सां (सां)	निध प
कित वल	मज ऽनूं	वे ऽ	कित वल	कु ऽ	काऽ ऽ
३	४	×	०	२	०

नि			ध नि	
सांसां रें	सां –,निध	सांसंनिधनि (प),प	प ध,निध	
इश्क पैं	या ऽ,मियां	जोऽऽऽऽ रा,नि	हो रा,ऽऽ	स्थायी के अनुसार
३	४	×	०	

यमन—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

				नि
				सा
				स
नि	ग ध	मं ग		
सा रे ग –	प – मं –	ग – रे –	सा – – –	
लो ना रे ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	बा ऽ ऽ ऽ	
३	×	२	०	

नि़ रे			नि़
सा,रेग नि़ (सा)	नि़ ध़ सा नि़	नि़ ग रे	सा – – सा
ऽ,लम मो ऽ	रा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ, स।
३	×	२	०

अन्तरा.

मं		ग	ग
प – मे ग	प – प –	प – रे –	रे ग मे प
सू ऽ हा ऽ	चो ऽ ला ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	अ त रं ग
३	×	२	०
प	ध	ग प	रे
नि ध सां (सां)	नि ध प –	प (प) ग ग	ग – रे रे
भी ऽ ऽ ऽ	ना ऽ ऽ ऽ	आ ऽ ज सु	हा ऽ ऽ ग
३	×	२	०
ग	ध		
ध – (प) –	मे – रे –	ग – रे –	सा – – नि़
की ऽ ऽ ऽ	गा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ते ऽ ऽ, स।
३	×	२	०

यमन— त्रिताल. (मध्यलय)

स्थायी.

सा
नि़ रे
ओ दे

ग प ग रे	नि़ सा रे ग	मे ग मे (प)	– रे – मे
लें ते दे लें	त न द्रे द्रे	त द्रे ऽ न्ना	ऽ दी ऽ म्त
०	३	×	२

ग			
(प) – रे ग	रे सा सा रे	ग रे सा नि़	ध़ नि़ ध़ –
दी ऽ म्ता ऽ	न्न द्रे द्रे तों	ऽ द्रे द्रे त	दा ऽ नी ऽ
०	३	×	२
		ग	
प़ ध़ नि़ रे	ग रे नि़ रे	ग – मे मे	– (प) – –
दा ति दा नि,	उ दे दा नि	दी ऽ म्त द्रे	ऽ न्ना ऽ ऽ
०	३	×	२
			सा
नि़ – रे ग	मे (प) – –	रे ग रे सा	– सा नि़ रे
ता ऽ न्न दे	रे ना ऽ ऽ	दी ऽ म्त दा	ऽ नि, ओ दे
०	३	×	२

अन्तरा.

प प प सां	ध सां – सां	सां – सां –	रें गं रें सां
ना द्रे द्रे दी	ऽ म्दी ऽ म्त	दी ऽ म्दी ऽ	म्त त न दे
०	३	×	२
ध			
नि नि – रें	सां – नि ध	प प रे ग	– रे नि़ सा
रे ना ऽ त	नूं ऽ धि या	ना रे नि ता	ऽ न्न दे रे
०	३	×	२
		रे	
गं – रें –	नि – (प) –	ग – रे सा	– सा नि़ रे
ता ऽ नूं ऽ	दे ऽ रे ऽ	ना ऽ त दा	ऽ नि, ओ दे।
०	३	×	२

यमनकल्याण—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा सा

त न

रे ग रे नि़	— रे सा सा	ध़ नि़ ध़ नि़	सा सा सा रे
ना द्रे द्रे तो	ऽ म्त न न	त द् रे दा	ऽ नि ता रे
०	३	×	२
			मं प
ग ग — ग	ग म ग रे	ग म ग रे	प ग प (प)
दा नी ऽ त	द् रे दा नि	त न न न	न न न न
०	३	×	२
		प	ग
ग — रे ग	ग रे सा सा	नि ध — ध	प — प ग
ना ऽ ऽ त	द रे दा नि	त ना ऽ त	ना ऽ त ना
०	३	×	२
रे			
— ग रे —	सा रे सा सा	ध़ नि़ ध़ सा	सा सा रे नि़
ऽ त ना ऽ	त न ना रे	ना द्रे द्रे दा	नी तुं द्रे द्रे
०	३	×	२
रे रे — मं	ग प प प	प ध प मं	ग रे सा सा
दा नि ऽ त	द् रे दा नि	त न न न	न न, त न
०	३	×	२

अन्तरा.

सा	रे	ग	ऽ	सा	रे	ग	ऽ	ग	रे	प	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ
×				२				०				३			
ग	रे	प	ग	प	प	ध	सां	प	ध	प	मं	ग	रे	सा	ऽ
×				२				०				३			
								धध	पप	पप	धध	पप	पप	ध	–
सा	ग	रे	मं	ग	रे	सा	ऽ	तिर	किट	तक	धिर	किट	तक	धा	ऽ
×				२				०				३			
			ग												
प	(प)	–प	प	ग	रेरे	सा	सा								
धे	त्लां	ऽग	धे	त्लां	ऽग,	त	न								
×				२											

यमनकल्याण—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

–	सारे	ग	–	प(प)	ग	रे	गरे	–सारे	सा	सारेगमंप	रेरे
ऽ	यारे	मन्	ऽ	यल	ली	ऽ	ऽऽ	ऽ,यल	ला	ए	ऽल
४		×		०		२		०		३	
सा(सा)	नि़ध़,सारे										
बाऽ	ऽऽ,यारे										
४											

अन्तरा.

ग		ग	ग						ग		
प	(प)	मंग	,मंमं	प	मंप	प	–	पपमंग	मंमं	प	प
ना	द्रे	ऽऽ	,द्रेते	ला	ऽ	ना	ऽ	तेऽऽऽ	ऽले	ला	ना
३		४		×		०		२		०	

प	सां	ध			
ग प	ध सांनि	निध प	प निध	प(प) गरे	नि,ध मंध
त दी	या ऽना	रेऽ ऽ	ना ऽऽ	द्रे ऽऽ	तों,ऽम द्रेऽ
३	४	×	०	२	०

पपधनि धपमंग	रेंसानिध ,सारे
ना ऽ	ऽ ऽ,यारे
३	४

यमनकल्याण—तिलवाड़ा (विलम्बित).

स्थायी.

	ग	
सा,साध़ निरे	ग – रे गरे	सानि़ रे ममगरे गरे
ऽ ऽ ते,ले नादिर	दी ऽम दी ऽम	दी ऽ म्त ऽन
३	×	२
	नि़ नि़	
सा – नि़रेरेसानि़सा धनि़	(प़)– प़ध़ सासा	सासा – सारेसासा नि़ध़
ना ऽ द्रे ऽऽ	न्ना ऽ उदे लेते	द्रेले ऽ ऽ ल्लाना
०	३	×
नि़रे नि़रे ममगरेग रे	सा – सानि़ रे	गरे सा सा(सा) –,नि़रे
तेले ऽले ला ऽ	ना ऽ ता रे	दा नि ते,ले ,नादिर
२	०	३

अन्तरा.

ग	ध	
पमं प (प) -मंमं	प -ग मं ध	सांसांनिध निध (प) -
दीन्द रा ऽ ऽ,दर	ये ऽद बी ऽ	गो ऽ य ऽम
३	×	२
	ग	ग
गमंपधप पग परे गरे	नि रेनि गरे सा	रेरे पपमंगमंग मं प
बे धी ऽ ऽ	रा ऽ ऽ वे	मित वा वे ऽ
०	३	×
ग		
रे गरे नि रेसा	सा निध प(प) रेसा	सारेगमंप रे,सा सा(सा) -,निरे
द ऽर्द रा ऽवे	पी ऽर गो ऽस्त	आ ऽवे ते,ले ऽ,नादिर ।
२	०	३

यमनकल्याण–झूमरा (विलम्बित).

स्थायी.

पध ग			
निनि निधप --,पमं	सां निध,प -	पपमंगमं धधपमंपमं ग रे	गरे गमंप -
दरा ऽऽऽ ऽ ऽ,दानि	द राऽ,ऽ ऽ	ऽ द रा ऽ	दरा तो मऽ
३	×	२	०
रे			
ग रे सा निसा	मग मम रे	ध सा,रे सा (सा)	ध प -
द ऽ रा ऽ	दर दरा ऽ	दी ऽस्त दा ऽ	ऽ नि ऽ।
३	×	२	०

अन्तरा.

म (म)	(म)ध़ – ‿सा	‿रे ग – –	प (प) –
ऽ ऽ आ व	सा ऽ बऽ	ऽर्स रे ऽ ऽ	आ ऽ ऽ
३	×	२	०
(प)ग ‿प ‿प सां	ध सां सांसां	सांध रे रे –	रे मरे गमपध
द ऽमृ ऽद री	ऽ ऽ वज	रा ऽ ने ऽ	ब र्क र
३	×	२	०

निसांरेंगं रेंसांनिध पमगरे सारेसासा |

ऽ ऽ ऽ ऽ,मदानि |

यमनकल्याण—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

(सा)ग –	रे –	सा सा	(नि़)सा ग	रे (मं)ग	मं प
तू ऽ	ही ऽ	भ ज	भ ज	ऽ रे	ऽ ऽ
०	३	४	×	०	२
(प)नि (ध)प	– (ध)मं	– ग	(मं)ग म	गरे ग	रे सा
म न	ऽ कु	ऽ ष्ण	बा ऽ	सुऽ दे	ऽ व
०	३	४	×	०	२

			ग						ग		
सा	रे	ग	रे	—	सा	सा	रे	ग	रे	सारे	सा
प	द	म	ना	ऽ	भ	प	र	म	पु	रुऽ	ष
०		३		४		×		०		२	
		मं				मं					
सा	रे	ग	मं	प	प	प	रे	ग	रे	सारे	सा
प	र	मे	ऽ	श्व	र	ना	ऽ	रा	ऽ	यऽ	न ।
०		३		४		×		०		२	

———

अन्तरा.

मं			मं			प					
प	ग	ग	प	ध	प	सां	सां	सां	सां	रें	सां
जो	ऽ	ग	जा	ऽ	ग	ज	प	त	प	क	र
×		०		२		०		३		४	
सां		सां	सां			ध			ध	ध	
नि	—	नि	नि	ध	ध	सां	—	नि	नि	प	
वा	ऽ	म	दे	ऽ	व	ना	ऽ	र	द	मु	नि
×		०		२		०		३		४	
मं				मं					प		
प	प	नि	ध	प	ध	प	मं	ग	मं	प	प
व	सी	ऽ	ष्ठ	स	न	का	ऽ	ऽ	दि	क	स
×		०		२		०		३		४	
				नि़				नि़			
प	मं	ग		सा	रे	सा	सा	सा	रे	सा	स
क	ल	सु	र	गा	ऽ	व	त	ध्या	ऽ	व	त
×		०		२		०		३		४	

ध						सां			ध		
म	ग	म	प	–	प	नि	सां	नि	नि	म	प
अ	ऽ	ष्ट	जा	ऽ	म	क	र	त	र	ह	त
×		०		२		०		३		०	
म											
प	रे	ग	रे	सारे	सा						
पा	ऽ	रा	ऽ	यऽ	न						
×		०		२							

यमनकल्याण—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

म			म						म	नि	
प	–	प	प	–	ध	प	–	प	प	ध	सां
पी	ऽ	र	द	ऽ	स्त	गी	ऽ	र	ह	ज	ऽ
×		०		२		०		३		४	
	ध			ध				ग		रे	
नि	नि	ध	प	म	म	ग	रे	रे	ग	ग	म
र	त	ऽ	तु	म	गु	रु	ऽ	सा	ऽ	हे	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ग	रे	सा	नि़	ध़	–	प़	सा	सा	रे	ग	ग
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ब	इ	स	ब	श	र
×		०		२		०		३		४	
म				ध		म		ग			
ग	ध	प	–	म	–	ग	–	रे	–	सा	–
अ	प	नो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	है	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सा						सा			म		
ध़	नि़	ग	रे	सा	–	प	–	म	ग	रे	ग
क	र	म	क	रे	ऽ	मे	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

			सा								
सा	सा	–	सां	–	सां	–	सां	सांनि	रें	सां	–
कि	यो	ऽ	बि	ऽ	द्या	ऽ	दा	ऽऽ	ऽ	न	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि							ध				
सां	रें	गं	रें	सां	–	नि	प	–	प	ग	प
स	ब	ऽ	न	को	ऽ	य	हृ	ऽ	ज	ग	ब
×		०		२		०		३		४	
ग								म			
रे	–	सा	–	सा	सा	रे	–	ग	मं	ग	प
खा	ऽ	न	ऽ	त	र	का	ऽ	बे	ऽ	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
			प	नि		ध					
–	प	ध	ध	ध	नि	नि	रें	सां	–	नि	–
ऽ	दि	ला	वो	अ	प	नो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ध	–	प	–	म	–	ग	–	रे	–	सा	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि़						सा			म		
ध़	नि़	ग	रे	सा	–	प	–	मं	ग	रे	ग
क	र	म	क	रे	ऽ	मे	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

यमनकल्याण—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा			प			ग			ग		
प	—	प	ग	—	ग	रे	ग	—	रे	—	रे
ता	ऽ	न	ता	ऽ	ल	सो	ही	ऽ	गा	ऽ	इ
०		३		४		×		०		२	
						सा			नि़		
सा	—	सा	ग	रे	सा	नि़	ध़	ध़	सा	—	रे
ये	ऽ	अ	न	गि	न	ता	ऽ	न	गा	ऽ	इ
०		३		४		×		०		२	
		प	प			प					
ग	—	ग	ग	—	रे	ग	मॅ	प	प	—	प
ये	ऽ	सु	ना	ऽ	इ	यें	ऽ	ऽ	बे	ऽ	गि
०		३		४		×		०		२	
प						ग			ग		
नि	ध	प	ध	प	—	रे	ग	—	रे	—	सा
प	र	स	त	है	ऽ	सु	ध	ऽ	रा	ऽ	ग
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

मॅ		प	सां						नि		
प	प	सां	ध	सां	—	सां	सां	—	सां	रें	सां
सु	न	अ	त	ही	ऽ	अ	ला	ऽ	प	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
नि़						नि					
सां	गं	रें	गं	मं	रें	सां	—	निध	नि	ध	प
मु	ऽ	ऽ	द्रा	ऽ	में	गा	ऽ	वेऽ	ता	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

म	ध						म		नि		
प	म	–	ग	प	–	–	प	–	ध	नि	प
प्र	मा	ऽ	न	क्रो	ऽ	ऽ	री	ऽ	झा	ऽ	वे
×		०		२		०		३		४	
म										ध	
प	निध	नि	मां	रें	गं	रें	मां	नि	ध	प	–
मा	ऽऽ	नो	ऽ	गु	नि	य	न	के	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
प			ग								
ग	–	प	रे	–	सा						
हो	ऽ	त	कं	ऽ	ठ						
×		०		२							

यमनकल्याण–चौताल (विलम्बित)

स्थायी.

नि			ध	ध		नि					
सां	सां	नि	नि	मं	प	ध	नि	ध	प	–	प
च	र	न	न	सु	ख	चि	रं	ऽ	जी	ऽ	व
०		३		४		×		०		२	
म						म					
प	–	ध	प	–	–	प	प	प	पग	ग	रे
मा	ऽ	ऽ	धो	ऽ	ऽ	द	ल	न	सुऽ	ख	ऽ
०		३		४		×		०		२	
						नि़				रे	
सा	रे	ग	रे	सा	–	सा	–	रे	–	सा	रे
रा	ऽ	ज	क	रो	ऽ	बं	ऽ	सी	ऽ	अ	ध
०		३		४		×		०		२	

	प		ग			ग			रे		
ग	म	—	म	प	—	रे	ग	रे	नि़	रे	सा
र	गा	ऽ	ज	त	ऽ	गा	ऽ	ज	रा	ऽ	ज
०		३		४		×		०		२	
सा			ध	ध							
सां	सां	नि	नि	म	प						
च	र	न	न	सु	ख						
०		३		४							

अन्तरा.

ग						प					
प	—	ग	प	ध	प	सां	—	सां	रें	सां	—
ध	ऽ	र्म	सु	क	ट	छ	ऽ	त्र	ब	ढो	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सां									ध		
नि	—	ध	सां	सां	रें	सां	—	नि	नि	ध	प
ला	ऽ	ख	सु	र	त	ना	ऽ	म	ले	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
र्म	प					नि			र्म		
प	ग	—	प	प	—	ध	नि	ध	प	ध	प
क	हे	ऽ	मि	यां	ऽ	ता	ऽ	न	से	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
		नि	नि					रें			ध
प	प	ध	ध	सां	सां	रें	गं	सां	—	नि	नि
त	न	म	न	ध	न	सु	ख	पा	ऽ	यो	ऽ
×		०		२		०		३		४	
रें			ध								
सां	—	नि	नि	ध	प						
रा	ऽ	ज	रा	ऽ	ज						
×		०		२							

यमनकल्याण—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प			प	मं			प	प			मं
नि	ध	प	मं	ग	—	रे	मं	मं	प	प	प
ए	त	क	त	हूं	ऽ	ऽ	तें	हा	ऽ	री	आ
३		४		×		०		२		०	
				मं		प	ध				
ध	प	—	प	प	ध	ध	सां	नि	ध	नि	ध
म	दा	ऽ	स	ज	न	म	ज	न	म	के	ऽ
३		४		×		०		२		०	
			प				प				रे
प	मं	ग	मं	प	—	प	ग	म	ग	रे	नि़
ऽ	ऽ	ऽ	ह	मा	ऽ	रे	दु	ऽ	ख	ऽ	ह
३		४		×		०		२		०	
				नि़	सा		प	मं			
रे	सा	—	—	सा	प	—	मं	ग	—	ग	रे
ऽ	रो	ऽ	ऽ	सा	की	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
रे				नि़			नि़				
नि़	रे	सा	—	ध़	नि़	—	ग	रे	सा	—	नि़सा
हौ	ऽ	जे	ऽ	कौ	ऽ	ऽ	म	र	के	ऽ	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा

मं			प								
प	प	—	सां	ध	सां	सां	—	सां	सां	—	सां
तु	म	ऽ	सों	ऽ	जो	क	ऽ	न	औ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

नि		मं	रें						नि		
सां	–	गं	गं	–	मं	गं	रें	–	सां	रें	सां
जा	ऽ	मों	जा	ऽ	य	क	हूँ	ऽ	दौ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
सा	ध					मं			रे		
नि	नि	ध	प	म॑	ग	गम	ग	रे	नि़	रे	सा
ह	म	ऽ	को	ऽ	तो	नऽ	हीं	ऽ	ठौ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
नि़		मं							ध		
सा	रे	ग	म॑	ध	नि	रें	सां	नि	नि	ध	प
बि	न	पा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	य	न
×		०		२		०		३		४	
मं	नि		ध		मं						ध
प	ध	नि	म॑	पम॑	ग	म॑	नि	–	ध	प	म॑
प	र	ऽ	के	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	क	त
×		०		२		०		३		४	

यमनकल्याण—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सां					ग				ध		
नि	ध	–	प	म॑	म॑	प	–	प	म॑	–	ग
प्र	थ	ऽ	म	ऽ	श	री	ऽ	र	ज्ञा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
					ग				नि़		
ग	–	रे	ग	म॑	म॑	प	–	रे	सा	रे	सा
ना	ऽ	द	भे	ऽ	द	ती	ऽ	न	स्था	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

नि़						प					
सा	–	रे	–	ग	ग	म	ग	प	पम	ध	प
द्वा	ऽ	वि	ऽ	श	ति	श्रु	ति	शु	चिऽ	स्व	र
×		०		२		०		३		४	
म									ध		
प	–	ध	ध	नि	ध	सां	सां	नि	नि	ध	प
द्वा	ऽ	द	श	वि	क	र	त	ब	खा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

म						नि					
प	–	ग	प	ध	प	सां	–	सां	सां	रें	सां
वं	ऽ	श	जा	ऽ	ति	व	ऽ	र्ण	द्वी	ऽ	प
×		०		२		०		३		४	
सां						सां	रें		ध		
नि	–	नि	ध	सां	–	गं	सां	नि	नि	ध	प
छं	ऽ	द	ऋ	षी	ऽ	वि	नि	ऽ	यो	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
म	प								ध		
प	ग	–	प	–	प	नि	ध	नि	म	ध	प
श्रु	ती	ऽ	जा	ऽ	ति	ती	ऽ	न	ग्रा	ऽ	म
×		०		२		०		३		४	
प			ध		प				रें		
सां	–	नि	प	–	ग	प	–	रे	नि़	रे	सा
ए	ऽ	क	ई	ऽ	स	मू	ऽ	र	छा	ऽ	न।
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

नि़			सा			मं			मं		
सा	–	सा	प	–	प	प	–	प	प	ध	प
शु	ऽ	द्ध	क्रू	ऽ	ट	भे	ऽ	द	ता	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
			नि						ध		
प	प	–	ध	नि	ध	सां	–	नि	नि	ध	प
प	र	ऽ	स्ता	ऽ	र	मे	ऽ	रु	जा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
मं		ध						नि़			
प	–	म	–	ग	–	ग	रे	सा	रे	सा	सा
न	ऽ	छो	ऽ	दी	ऽ	ष्ट	प्र	बो	ऽ	ध	न
×		०		२		०		३		४	
नि़								ग			
सा	–	रे	–	ग	ग	म	–	मं	प	ध	प
सा	ऽ	धा	ऽ	र	ण	को	ऽ	बि	धा	ऽ	न।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

मं						प					
प	ग	प	प	ध	प	सां	सां	सां	–	रें	सां
का	ऽ	क	लि	सु	र	अ	रु	अं	ऽ	त	र
×		०		२		०		३		४	
नि						नि					
सां	सां	रें	रें	गं	रें	सां	नि	ध	नि	ध	प
च	तु	र	ब	र	ण	अ	लं	ऽ	का	ऽ	र।
×		०		२		०		३		४	

ध				ध	
म ग	प –	प –	नि ध	म ध	प प
जा ऽ	ती ऽ	ल ऽ	च्छ न	कौं ऽ	ब ल
×	०	२	०	३	४
प	ध	ध प	प		
सां सां	नि नि	प प	प ग	प रे	– सा
र त	ना ऽ	क र	म त	प्र मा	ऽ न।
×	०	२	०	३	४

यमनकल्याण—धमार. (विलम्बित, मात्रा १४)

स्थायी.

			प ध
			नि प –
			की धों ऽ
ग	प		ग
रे – म म	प – – ग म	ग रे	रे ग म
ऽ ऽ तो वे	चे ऽ ऽ ट ऽ	क ऽ	की धों ऽ
३	×	२	०
	सा रे		
ग रे सा –	ग सा – ऩि ध़	प़ –	प़ सा ध़
टो ऽ ना ऽ	की धों ऽ तो ऽ	वे ऽ	जं त्र ऽ
३	×	२	०
	ग ग रे		सा ध
सा – रे –	प रे – ऩि –	रे सा	नि प ध
मं ऽ त्र ऽ	य ही ऽ ना ऽ	ऽ र	की धों ऽ।
३	×	२	०

अन्तरा.

म॑										नि			
प	–	–	सां	–	ध	सां	सां	–	–	सां	रें	सां	–
जो	ऽ	ऽ	तो	ऽ	ऽ	हे	दे	ऽ	ऽ	ख	ऽ	त	ऽ
×					२		०			३			
नि					रें					ध			
सां	नि	रें	गं	–	सां	–	नि	ध	नि	प	–	प	प
मो	ऽ	ऽ	ह	ऽ	त	ऽ	पि	या	ऽ	को	ऽ	र	हि
×					२		०			३			
म॑	ध		प				ग			सा	ध		ग
प	प	–	म॑	ग	ग	प	रे	–	सा	नि	प	म॑	म॑
क	छू	ऽ	सु	ध	न	मं	भा	ऽ	र	की	धों	तो	वे ।
×					२		०			३			

यमनकल्याण—धमार (विलम्बित).

स्थायी.

प					ध					ग		रे	
नि	ध	प	प	प	म॑	प	म॑	ग	–	रे	ग	ग	प
के	ऽ	ऽ	स	र	घो	ऽ	र	के	ऽ	अं	ऽ	ग	ल
×					२		०			३			
प					सा					रे		ग	
रे	ग	–	रे	सा	ग	ग	सा	नि़	–	नि़	–	रे	ग
गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऊं	अ	ब	तु	म	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ल
×					२		०			३			
ग		म॑	प		नि								
प	म॑	ग	ग	म॑	ध	नि	सां	नि	ध	प	म॑	ग	म॑
क	हां	ऽ	जै	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हों	ऽ	भा	ऽ	ऽ	ज ।
×					२		०			३			

अन्तरा.

					ग								
					रे	ग	प	प	निध	सां	सां	–	सां
					ब	हु	त	दि	नऽ	ऽ	की	ऽ	नी
					२		०			३			
सां													
नि	ध	नि	रें	सां	नि	ध	प	प	रे	ग	रे	सा	–
अ	धे	ऽ	ऽ	का	ऽ	ऽ	इ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	को	ऽ
×					२		०			३			
रे	ग		म॑		नि								
नि़	रे	–	ग	म॑	ध	नि	सां	नि	ध	प	म॑	ग	म॑
फ़	ल	ऽ	स	ब	पै	ऽ	ऽ	हो	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ज।
×					२		०			३			

राग अल्हैयाबिलावल

रागो वेलावलीति प्रथित इह सदा मान्यशुद्धस्वरेषु ।
षड्जन्यासग्रहोऽयं प्रकृतिसुरुचिरो धैवतांशो गमंत्री ॥
कल्याणांगं दधानो विलसति निगयोर्वक्रता चात्र नित्यं ।
प्रातर्गेयोऽभिगीतो रमयति हृदयं शृण्वतामेष पूर्णः ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

वेलावलीरागभवस्त्वल्हैया पूर्णो धवादि सहचारिगान्वितः ।
मृदुर्निषादोऽभिमतोऽत्र किंचिदारोहणे मध्यमवर्जितोऽयम् ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

वेलावली मान्यशुद्धा गसंवादिधवादिनी ।
गनिवक्रा तथा पूर्णा प्रातरेव हि गीयते ॥
वेलावलीसमुद्भूत आरोहे वर्ज्यमध्यमः ।
अल्हैया धगसंवादोऽवरोहे मृदुनिः क्वचित् ॥

चन्द्रिकायाम ।

मृदु मध्यम तीवर सबहि सुर सोहत जेहि मांहि ।
धग वादी संवादि है कहत बिलावल ताहि ॥
मृदु मध्यम सब तीख सुर मध्यमसें न चढैया ।
कहुँ निखाद कोमल लगत धगसंवाद अल्हैया ॥

चन्द्रिकायाम ।

सरी गमौ पधौ निसौ निधौ पमौ गमौ रिगौ ।
शुद्धवेलावली धांशा गेया प्राह्ण मनोहरा ॥
आरोहे चेन्मरिक्तासौ निद्वया गनिवक्रिता ।
अल्हैया स्यात् सुविख्याता धैवतांशपरिष्कृता ॥

अभिनवरागमंजर्याम ।

'अल्हैया बिलावल'—यह राग बिलावल थाट से उत्पन्न होता है। इसकी जाति सम्पूर्ण है। इसराग में सभी स्वर शुद्ध लगते हैं। वादी स्वर धैवत और सम्वादी गान्धार है। गायन समय प्रातःकाल का प्रथम प्रहर है। यह राग कल्याण सरीखा ही दिखता है अतः कभी-कभी इसे प्रातः का कल्याण भी कहते हैं। इस राग में निषाद व गन्धार स्वर वक्रगति से प्रयुक्त होते हैं। इसके आरोह में जब मध्यम वर्जित किया जाता है और अवरोह में किंचित कोमल निषाद लेते हैं तब गुणीजन इसे **अल्हैयाबिलावल** ऐसा नाम देते हैं। प्रचार में अल्हैयाबिलावल अधिकतर सुनाई देता है।

बिलावल का आरोहावरोह स्वरूपः—

सा, रे, ग, म, प, ध, नि, सां । सां नि ध, प मग, रे सा.

अल्हैया स्वरूपः—

सा, रे, गरे, गप, ध, निध, नि सां सां नि ध, प, धनि॒धप, मग, मरे, सा.

अल्हैया की पकड़ः—

गरे, गप, ध, निसां

अल्हैयाबिलावल—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग	प	नि	ध	नि	सां	ऽ	सां	रें	सां
×		२			०		३		
सां	सां	रें	सां	नि	ध	प	ध	म	ग
×		२			०		३		
ग	म	प	म	ग	म	रे	सा	रे	सा
×		२			०		३		
ध	ध	रें	सां	नि	ध	प	ध	म	ग।
×		२			०		३		

अन्तरा.

प	प	नि	ध	नि	सां	ऽ	सां	रें	सां
×		२			०		३		
सां	रें	गं	मं	पं	मं	गं	मं	रें	सां
×		२			०		३		
गं	रें	सां	रें	सां	ध	प	सां	ध	प
×		२			०		३		
ग	म	रे	ग	म	प	ग	म	रे	सा।
×		२			०		३		

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि	
सां	सां
त	ब

नि		ग	रे	ग			ध						ध		
ध	प	म	ग	प	–	नि	नि	सां	–	सां	सां	नि	नि	प	प
क	ह	त	बि	ला	ऽ	व	ल	में	ऽ	द	च	तु	र	ज	ब
०				३				×				२			

धनि	सांरें	सां	सांनि	ध	प	म	ग	ग	रे	ग	म	ग	रे	सा	–
मेऽ	ऽऽ	ल	मिऽ	ला	ऽ	व	त	शु	ऽ	द्ध	मु	र	न	को	ऽ
०				३				×				२			
							ध		रें			ध			
सा	म	ग	प	प	–	नि	नि	सां	गं	सां	सां	नि	नि	सां	सां
प्रा	ऽ	त	स	मैं	ऽ	नि	त	प्र	थ	म	प	ह	र,	त	व
०				३				×				२			

अन्तरा.

			ध						रें			गं			
प	–	नि	नि	सां	–	सां	–	निसां	गं	गं	मं	रें	–	सां	–
धै	ऽ	व	त	वा	ऽ	दी	ऽ	गाऽ	ऽ	स	म	वा	ऽ	दी	ऽ
०				३				×				२			
मं			मं												
गं	मं	पं	गं	मं	रें	सां	सां	धनि	सांरें	सां	सांनि	ध	नि	सां	सां
अ	ऽ	ष्ट	मे	ऽ	द	स	व	गाऽ	ऽऽ	य	मऽ	धु	र,	त	व
०				३				×				२			

अल्हैयाबिलावल—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प			सां			नि				ग	
सां	सां	–	ध	नि॒	प	ध	नि॒	ध	प	म	ग
अ	ल्है	ऽ	या	ऽ	बि	ला	ऽ	ऽ	व	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
म			म			प					
ग	म	रे	ग	म	प	ग	–	मग	म	रे	सा
रा	ऽ	ग	नी	ऽ	वि	ची	ऽ	त्रऽ	मा	ऽ	ई
×		०		२		०		३		४	

			म			प		नि			
मा	मा	सा	ग	म	रे	ग	प	ध	नि	सां	सां
म	क	ल	सू	ऽ	र	शु	ऽ	द्ध	जा	ऽ	में
×		०		२		०		३		४	
नि	सां	रें			ध	ध		नि			
सां	गं	सां	—	नि	नि	प	—	ध	नि	सां	सां
र	स	शां	ऽ	ती	ऽ	को	ऽ	दि	खा	ऽ	ई।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

			नि		ध						
प	—	—	ध	नि	नि	सां	—	सां	सां	—	सां
धै	ऽ	ऽ	व	ऽ	त	जा	ऽ	में	वा	ऽ	दि
×		०		२		०		३		४	
नि						गं					
सां	गं	मंरें	गं	मं	पं	मं	गं	मंगं	मं	रें	सां
गं	ऽ	ऽऽ	धा	ऽ	र	म	म	ऽऽ	वा	ऽ	दि
×		०		२		०		३		४	
		नि				प		प	ध		
सां	—	ध	प	मग	मरे	ग	प	नि	नि	सां	सां
नी	ऽ	द्ध	य	गुऽ	निऽ	च	तु	र	सु	म	त
×		०		२		०		३		४	
नि			रें	सां	ध			नि			
सां	रें	गं	सां	नि	नि	प	—	ध	नि	सां	सां
अ	भि	न	व	रं	ग	दे	ऽ	ब	ता	ऽ	ई।
×		०		२		०		३		४	

अल्हैयाबिलावल-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			नि
			सां सां
			त ब
नि ग रें	ग ध		ध ध
ध प म ग	प – नि नि	सां – सां सां	नि नि प प
क ह त अ	ल्है ऽ या ऽ	रू ऽ प च	तु र ज ब
०	३	×	२
नि	नि	म	म
धनि सांरें सां सां	ध प मग मरें	ग म प मग	रे – सा सा
शुऽ ऽऽ द्ध सु	र न कोऽ ऽऽ	मे ऽ ल मिऽ	ला ऽ व त
०	३	×	२
नि प	ध		ध
सा - गम ग	प – नि नि	सां सां सां सां	नि नि सां सां
दो ऽ नोऽ नि	खा ऽ द ल	ग त सु म	धु र, त ब।
०	३	×	२

अन्तरा.

ध		नि रें	
प – नि नि	सां – सां –	सां गं गं मं	गं रें सां –
धै ऽ व त	वा ऽ दी ऽ	गा ऽ स म	वा ऽ दी ऽ
०	३	×	२
मं पं		सां	ध
गं मं पं गं	मं रें सां सां	ध नि सां सां	नि नि सां सां
स म य क	ह त दि न	प्र थ म प	ह र, त ब।
०	३	×	२

संचारी.

नि़ — नि नि	नि नि	ध	म नि
सा सा ध ध	— ध ध —	नि — प —	प — ध नि
ब ड़ो ऽ ज्ञा	ऽ न वा ऽ	को ऽ जो ऽ	जा ऽ न त
०	३	×	२
नि सां —			म
सां रें सां ध	नि प म ग	म रे ग मग	रे — सा सा
अ ऽ ष्ट भें	ऽ द बि ल	वा ऽ लि सुऽ	मं ऽ म त।
०	३	×	२

आभोग.

म ध		नि रें	
प — नि नि	सां — सां —	सां गं गं मंगं	मं रें सां सां
शु ऽ द्ध अ	ल्है ऽ या ऽ	दे ऽ व गिऽ	रि कु क भ
०	३	×	२
मं पं		नि	ध
गं मं पं गं	मं रें सां सां	धनि सांरें सां सां	नि नि सां सां
सा ऽ ख शु	क ल इ म	नीऽ ऽऽ प र	दा ऽ त ब।
०	३	×	२

बिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग सां	प		
सां सां ध निप	ग गम प म	ग — मरे —सा	सा रे सा —
र ब सों ऽऽ	ने ऽऽ ह ल	गा ऽ ऽऽ ऽतु	म न वा ऽ
०	३	×	२
नि़ म	प ध		गरे
सा — ग मरे	ग प नि नि	सां सां सांसां गंरें	सांरें सांनि धप मग
दू ऽ जो ऽऽ	ना ऽ हिं श	र न वाऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

		प	ध					नि	सां	रें					
प	–	नि	नि	सां	–	सां	सां	सां	गं	गं	मं	गं	रें	सां	सां
मां	ऽ	चो	सु	खी	ऽ	को	उ	ज	ग	में	न	दी	ऽ	स	त
०				३				×				२			
मं				गं				सां	ध						गरें
गं	मं	पं	मंगं	मं	रें	सां	सां	नि	नि	सांसां	गंरें	सांरें	सांनि	धप	मग
ह	र	र	गऽ	मा	ऽ	न	ब	च	न	याऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ।
०				३				×				२			

बिलावल–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग		सां						म				ग			
सां	–	ध	प	म	ग	म	रे	ग	म	प	मग	म	रे	सा	–
जा	ऽ	ग	उ	ठे	ऽ	स	ब	ज	न	तु	मऽ	जा	ऽ	गो	ऽ
०				३				×				२			
नि		म		प		सां	ध			सां					गरे
सा	–	ग	मरे	ग	प	नि	नि	सां	–	रें	सां	सांरें	सांनि	धप	मग
गौ	ऽ	व	नऽ	के	ऽ	च	र	वा	ऽ	ल	च	रैऽ	ऽऽ	ऽऽ	याऽ
०				३				×				२			

अन्तरा.

		प	ध					नि		रें					
प	–	नि	नि	सां	सां	सां	सां	सां	गं	गं	मं	गं	रें	सां	सां
ग्वा	ऽ	ल	बा	ऽ	ल	स	ब	गौ	ऽ	वां	च	रा	ऽ	व	त
०				३				×				२			

	नि							नि			मं				
प	प	ध	नि	सां	–	सां	सां	सां	गंरें	गंमं	पंमं	गं	रें	सां	सां
तु	म	रे	ऽ	का	ऽ	र	न	आ	ऽऽ	वऽ	तऽ	धा	ऽ	व	त
०				३				×				२			
प	म		प			सां	ध	नि							गरे
ग	ग	मरे	ग	प	प	नि	नि	सां	रें	सां	–	सांरें	सांनि	धप	मग
स	दा	ऽऽ	रं	ऽ	ग	म	न	तु	म	सों	ऽ	लाऽ	ऽऽ	ऽऽ	गोऽ ।
०				३				×				२			
ग		नि		प											
सां	–	ध	प	ध	ग	म	गरे								
जा	ऽ	ग	उ	ठं	ऽ	स	वऽ								
०				३											

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

															प
															ग
															म
	प		ध					प							
प	नि	–	नि	सां	–	–	–	सां	सां	ध	प	म	ग	रे	ग
न	ह	ऽ	र	वा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म
३				×				२				०			
								नि							
प	धनि	सां	नि	सां	–	–	–	सां	रें	सां	नि	ध	प	प	प
न	हऽ	ऽ	र	वा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	का
३				×				२				०			

नि		प	
ध नि सां रें	सां नि ध प	ग म प म	ग – रे सा
ह रि ह रि	चु रि यां ऽ	दे ऽ हो मं	गा ऽ ऽ य
३	×	२	०
नि		ध	
सा – सा रे	ग – म –	प प नि नि	सां – सां –
रं ऽ ग रं	गी ऽ ली ऽ	औ र च ट	की ऽ ली ऽ
३	×	२	०
नि	गं		प
सां – गं गं	मं रें सां रें	सां – ध प	म ग रे ग
ता ऽ प र	ध न क टं	कें ऽ ली ऽ	ऽ ऽ ऽ, म
३	×	२	०
प धनि सां नि			
न हऽ ऽ र			
३			

अन्तरा.

ग	सां ध		
प – प प	नि – नि –	सां – – सां	सां रें सां –
औ ऽ र ग	ले ऽ को ऽ	हा ऽ ऽ र	लूं ऽ गी ऽ
३	×	२	०
नि	सां		सां
सां रें गं रें	सां – ध नि	सां – (सां) –	ध – नि प
मो ति य न	था ऽ ल भ	रूं ऽ ऽ ऽ	गी ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०

प															
सां	सां	सां	सांनि	ध	प	मग	मरे	ग	म	(म)	ग	म	रे	सा	-
ख	र	क	खऽ	र	क	मोऽ	रीऽ	चु	रि	यां	ऽ	ख	र	के	ऽ
३				×				२				०			

															प
सां	रें	गं	रें	सां	रें	सां	सां	सां	नि	ध	प	म	ग	रे	ग
बं	ग	रि	मु	र	क	ग	इ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ,	म।
३				×				२				०			

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प	सां			प						म					
सां	सां	ध	प	ग	म	प	म	ग	–	रे	–	सा	रे	सा	-
ह	रि	सों	ऽ	च	ऽ	क्र	ध	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऊं	ऽ
०				३				×				२			

प		प		प			ध								
ग	–	ग	मरे	ग	प	नि	नि	सां	–	सांसां	गंरें	सांरें	सांनि	धप	मग
भी	ऽ	ष	मऽ	ना	ऽ	म	क	हा	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऊंऽ
०				३				×				२			

अन्तरा.

				सां		ध									
प	–	प	प	ध	नि	नि	सां	सां	–	सां	सां	–	रें	सां	–
पां	ऽ	ड	व	से	ऽ	न	स	मे	ऽ	त	सा	ऽ	र	थी	ऽ
०				३				×				२			

नि		सा	सां
सां – रें गं	गं रें सां सां	ध – सां (सां)	ध नि प –
शो ऽ णि त	पू ऽ र ब	हा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऊं ऽ
०	३	×	२
प	सां प	म	म
प प सां सां	ध प ग मरें	ग म प मग	रे – सा –
य ह न क	रूं ऽ तो ऽऽ	आ ऽ न तेऽ	हा ऽ री ऽ
०	३	×	२
नि सा	नि		रें
सा – गं –	मं रें ध नि	सां – सांरें सांनि	धप मग म ग
का ऽ पां ऽ	ध्व ज तें उ	ता ऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽ रूं
०	३	×	२

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प सां			
सां – ध प	गम प – म	ग – म रे	सा रे सा सा
ला ऽ ड़ि ली	ऽऽ ला ऽ ड़	फू ऽ ऽ ले	आ ऽ व त
०	३	×	२
नि ग प		सां	म
सा – म म	– प – प	धनि सांरें सांनि धप	मग मग रे सा
ला ऽ ड़ि ली	ऽ ला ऽ ल	फूऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ले ऽ
०	३	×	२
सा सां			
सां – ध प			
ला ऽ ड़ि ली			
०			

अन्तरा.

सां—			नि
प – प ध	सां सां सां सां	सां – सां सां	सां रें सां –
कू ऽ ज के	ऽ लि न व	रं ऽ ग बि	हा ऽ गी ऽ
०	३	×	२
नि	ध सां	प	म
सां रें गं रें	सां (सां) ध प	गप धनि सांरें सांनि	धप मग रे मा
सु र त हिं	डो ऽ रे ऽ	भूऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ले ऽ।
०	३	×	२
मा सां			
मां – ध प			
ला ऽ ड़ ली			
०			

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प सां	प	म	म
सां सां ध प	ग प म ग	रे गम प मग	रे – सा –
ब लि ब लि	जा ऽ ऊं म	धु रऽ सु रऽ	गा ऽ वो ऽ
०	३	×	२
नि		सा	सा
सा रे ग म	रे सा रे सा	ध़ नि़ रे सा	ध़ नि़ प़ –
अ ब कि बे	ऽ र मे रे	कुँ व र क	न्है ऽ या ऽ
०	३	×	२

प	प प ध		
ग – गम रे	ग प नि नि	सांसां गंरें सांनि धनि	सांनि धप मग रेम
नं ऽ दुऽ हि	ना ऽ च दि	आऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ वोंऽ।
०	३	×	२
मा सां			
मां मां ध प			
ब लि ब लि			
०			

अन्तरा.

	ध		
प – प –	नि ध नि –	सां सां सां –	सां रें सां –
ता ऽ री ऽ	दे ऽ दे ऽ	अ प ने ऽ	क र की ऽ
०	३	×	२
		सां	सां
सां रें गं मं	रें सां रें सां	ध नि (सां) –	ध नि – प
प र म प्री	ऽ त उ प	जा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ वो
०	३	×	२
नि सां		ग	
धनि सां सां ध	नि प मग मरे	रे गम प मग	म रे सा सा
आऽ ऽ न जौ	ऽ न्त धुऽ नऽ	सु नऽ ड रऽ	प त क त
०	३	×	२
प प	प ध		
ग – ग मरे	ग प नि नि	सां – सांसां गंरें	सांरें सांनि धप मग
मो ऽ भु जऽ	कं ऽ ठ ल	गा ऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ वोऽ।
०	३	×	२
ग सां			
सां सां ध प			
ब लि ब लि			
०			

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म म ध	प	म	रे
ग म नि नि	ध प म प	ध प म ग	— म — ग
क व न ब	ट रि या ऽ	ग इ लो ऽ	ऽ मा ऽ इ
०	३	×	२
म	प		
ग म प —	ग म प म	ग — — रे	सा — रे सा
दे ऽ ऽ ऽ	हो ऽ ऽ ब	ता ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽ य
०	३	×	२
सां	नि	नि	रे
सां सां गं रें	सां नि ध नि	सां नि ध प	म म ग ग
इ त ही ऽ	इ त मो ग	चु र वा ग	इ ल वा ऽ ।
०	३	×	२

अन्तरा.

ध		नि सां	नि
प प नि नि	सां — सां —	सां रें सां सां	ध प ध —
ले ने ग इ	सौ ऽ दा ऽ	अ रे ह ट	वा ऽ रे ऽ
०	३	×	२
	मं	सां	ग रे
सां सां गं गं	रें — सां —	ध नि सां सांनि	ध प म ग
इ त नि ग	ली ऽ में ऽ	ग इ लो कऽ	व नु वा ऽ
०	३	×	२

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

	नि
	सां सां
	अ ति

नि प रे	ध		ध ध
ध प गम ग	प प नि नि	सां — सां सां	नि नि प प
अ रु गाऽ ब	र न पि या	नैं ऽ न तु	म्हा रे अ ब
०	३	×	२
नि			
धनि सांरें सां सां	ध प मग मरे	ग मग प मग	म रे सा —
माऽ ऽऽ न हुँ	र ति रऽ सऽ	भ येऽ ऽ रऽ	ग म गे ऽ
०	३	×	२
नि सा	ध	रें	ध
सा म ग प	— प नि नि	सां सां सां सां	नि नि सां सां
क र त के	ऽ लि पि या	प ल क बि	सा रे, अ ति।
०	३	×	२

अन्तरा.

म ध		नि मं	
प — नि नि	सां सां सां —	सां गंरें गं मं	गं रें सां —
मं ऽ द मं	ऽ द डो ऽ	ल तऽ सं ऽ	क र सों ऽ
०	३	×	२
मं		सां	ध
गं मं पं मंगं	मं रें सां सां	धनि सांरें सां सां	नि नि सां सां
सो ऽ भि तऽ	म ऽ ध्य म	नोऽ ऽऽ ह र	ता रे, अ ति।
०	३	×	२

संचारी.

नि़ नि नि	नि नि नि	नि	नि
सा – ध ध	– ध ध ध	ध नि प प	प ध नि
बा ऽ र बा	ऽ र अ व	लो ऽ कि प	र म रु चि
०	३	×	२
नि सां		म	म
सां रें सां ध	नि प मग मरे	ग म प मग	रे – सा –
क प ट ने	ऽ ह मऽ नऽ	ह र त हऽ	मा ऽ रे ऽ।
०	३	×	२

आभोग.

म नि		नि मं	
प – ध नि	सां सां सां सां	सां गंरें गं मं	गं रें सां सां
सू ऽ र श्या	ऽ म दे खे	सु खऽ पा ऽ	व त दु ख
०	३	×	२
गं		नि	ध
गं मं पं मंगं	मं रें सां सां	धनि सांरें सां सां	नि नि सां सां
मो ऽ च नऽ	लो ऽ च न	होऽ ऽऽ र त	ना रे, अ ति।
०	३	×	२

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

ध
सां
दे

सां		ग	प
धनि धप म पम	ग रे सा –	रे ग ममगरे ग	ग प प –
ऽऽ याऽ ऽ ऽक	हां ऽ ऽ ऽ	ग ये ऽऽऽऽ ऽ	लो ऽ ग ऽ
३	×	२	०

प ध	नि	सां	म
नि नि सां –	सां (सां) – –	ध नि प –	ध ग म सां
ब्रिज के ऽ	ब सै ऽ ऽ	या ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ, दै।
३	×	२	०

अन्तरा.

ध		नि रें	
प – नि ,नि	सां – रें सां	सां गं गं मं	गं रें सां –
ना ऽ मो ,रे	पं ऽ ख ना	पा ऽ य ल	पा ऽ सो ऽ
३	×	२	०
सां	प प ध	सां	म
ध धनि धप मगमरे	ग प नि –नि	सां (सां) ध निप	ध ग म सां
ना ऽऽ कोऽ ईऽऽऽ	सु धि को ऽले	वै ऽ या ऽऽ	ऽ ऽ ऽ, दै।
३	×	२	०

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म
,नि
,पी

प			रे
ध प गम गरे	सा – – सा	सारे गम ग –	पपमग म ग गम,नि
व न ऽऽ लागो	मा ऽ ऽ ध	मत अर वा ऽ	ऽऽऽऽ ऽ ऽ ऽऽ,पी
३	×	२	०
प		नि	म
ध प गम पम	ग रे सा सा	सा रे ग ग	गम पपमग रेग गम,नि
व न ऽऽ लागो	मा ऽ ऽ ध	म त ब र	वाऽ ऽऽऽऽ ऽऽ ऽऽ,पी
३	×	२	०

अन्तरा.

म नि		गं गं	प सां
प पप, पप धनिध	सांसां सांसां सांरें सां	रेंरें गं रें सां	सां (सां) ध निप
मां गत,मध वाऽऽ	मइ सन अब का	करि हों मो री	मा ऽ ऽ ऽऽ
×	२	०	३
	नि सां	प ध म	
पप प पपधनिसां रें	सां – धनि प	ध ग म ,नि	
कल ली याऽऽऽ ऽ	ना ऽ हीऽ न	घ र वा ,पी	
×	२	०	

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

म
नि
,हो

		प					ध
ध	प	गम	,गरे	सा	–	सासारेरेसानि	नि,सारे
ल	न	ऽऽ	,मांडे	जा	ऽ	नेऽऽऽऽऽ	ऽ,हम
३				×			
				ग			
ग	म	ग	–	मग	–ग	ममगरेग	,म,गम
वा	ऽ	री	ऽ	वारी	ऽकि	थीऽऽऽऽ	,कु,रऽ
२				०			
				म			
प	–	नि	ध	प	प(प)	ग	मरे
वा	ऽ	ऽ	न	जी	ऽऽ	ऽ	ऽऽ
३				×			

ग प	धनिसांरें	–,सांनि	(प)	पपधनि	–ध	प	प म गम,नि
ग २	रेऽऽऽ	ऽ,लग	वे	होऽऽऽ ०	ऽमि	यां	ऽऽ,ढो ।

अन्तरा.

पप
तप

सां –सां सां –रें	सां – निध नि	ध सां – नि (प)	ध पध सांरें गं गं
दी ऽता ती ऽरा ३	ती ऽ दऽ या ×	ऽ ऽ ऽ वे २	सोऽ गाऽ ऽ सु ०
गं रें गं रें सां	नि ध सांसां रेंसां नि नि	सां सां – ध प	प म पपधनि –ध पगम,नि
ना ऽ ऽ वे ३	दर ऽम न ऽ ×	दी ऽ मो ती २	ऽऽऽऽ ऽमा ला ऽऽ,ढो ०

अल्हैयाबिलावल–एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा
मा

ग रे ग	रेसा धप	नि ध –	– ध नि	ध सां	– –,धप
ई ऽ ३	एक तोक ४	था ऽ ×	ऽ ऽ ०	ऽ ऽ २	ऽ ऽ,भोऽ ०

								सा			
म	ग	ममगरेग,	पम	ग	रे	सा	—	ग	रे	सा	—
रे	ऽ	ऽऽऽऽऽ,	सुन	सैं	ऽ	यां	ऽ	र	ऽ	हो	ऽ
३		४		×		०		२		०	
नि ग				प ध							
सासा	मग	प	मप	निनि	(प)	—	मप	धधपम	पम	ग	—
उन	बिन	ना	ऽऽ	जाऽ	ये	ऽ	ऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽघ	री	ऽ
३		४		×		०		२		०	
				ग						ध	
ममगरे	ग	—	मप	म	ग	रे	सा	नि़	सा	नि़	,सा
ऽऽऽऽ	ऽ	ऽ	पल	छी	ऽ	ऽ	न	ऽ	ऽ	ऽ	,मा
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

			ध					नि			
पप	सांसां	सांसां	निनि	रें	सां	—	निसां	पसां	नि	सांसांनिधनि	सां
मुझ	बिर	हिन	ऽऽ	ऽ	को	ऽ	ऽऽ	बिर	हा	भाऽऽऽऽ	री
३		४		×		०		२		०	
नि	नि							नि			
सांसां	सां,गंमं	गंरें	सां	सांसांनिधनि	धनि	सां	निसां	सां	(सां)	धनि	,धप
जारे	जा,ऽऽ	रेऽ	ऽ	जऽऽऽऽ	ऽत	न	ऽऽ	क	छु	ऽऽ	,बऽ
३		४		×		०		२		०	
प ध				नि							
निनि,धप	मग	म	धप	ध	—						
ताऽ,एऽ	कऽ	ऽ	तोक	था	ऽ						
३		४		×							

अल्हैयाबिलावल—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

सांसांनिध	ध निनि	सां	सांसां रेंरें,सांनिसां	सां	ध	निप	प ध ,निनि	सां सां	ध,निप	ध पध	पधनि
साऽऽऽ	ऽरी	र	नऽ,बऽऽ	ना	ऽ	ऽऽ	,बन	आ	ऽ,ऽऽ	ईऽ	ऽऽऽ
३		४		×		०		२		०	
ध	प	मग	मरे	म ग	—म	ग म	(म)	ग	रे	प ग	प
ला	ऽ	ऽऽ	ऽमु	हा	ऽग	स	न	ऽ	ऽ	मं	ऽ
३		४		×		०		२		०	
धनि	—,धप	ध	प	ममगरे	ग	ग मग	प	ग म	(म)ग	मरे	सा
ऽऽ	ऽ,गऽ	ल	ऽ	गाऽऽऽ	ऽ	ईऽ	ऽ	ला	ऽऽ	ऽऽ	ऽ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

प	पप	प	सांसांनिधनिध	सां	सां	नि सांरें	सां	सांसां	रेंगं	—	गं मं(मं)
हा	थन	में	दीऽऽऽऽऽ	बां	हीं	चूऽ	रा	मुख	तमो	ऽ	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
गंरें	सां	प सां	(सां)	सां ध	निप	धनिसांरें	सां	सां ध	निप	ध पध	पधनि
लऽ	ऽ	ब्या	ऽ	हा	ऽऽ	नऽऽऽ	आ	ऽ	ऽऽ	ईऽ	ऽऽऽ
३		४		×		०		२		०	
ध	प										
ला	ऽ	स्थायी के अनुसार									
३											

अल्हैयाबिलावल—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

	ध	नि		म	रे म
	निध निसां	सां ध	नि ध	प गम	ग ,पम
	काऽ हूऽ	को ऽ	ऽ ऽ	ना ऽऽ	ऽ ,इन
	४	×	०	२	०
म		नि सा	रे	म म	नि
ग रे	सा –	सा प	गमपपमगरेगग	गग धध	ध,निध सांसांनिधनि
को ऽ	ऽ ऽ	मा या	ऽऽऽऽऽऽऽ ऽऽ	अब हम	ये,ऽऽ ऽऽऽऽऽ
३	४	×	०	२	०
(प) ध,गम					
रे ऽ,ऽऽ					
३					

अन्तरा.

म	सां ध				
प प	नि –नि	सां –	सां निसां	सां सां	रें गंरें
अ ब	मो ऽरा	मैं ऽ	यां ऽऽ	को सं	दे ऽस
३	४	×	०	२	०
नि	सां —	ग		नि सा	रे
सां (सां)	ध निप	मग (म)	गरे सा	सा प	गमपपमगरे गग
वा ऽ	ऽ ऽऽ	लेऽ ऽ	जाऽ मा	मा या	ऽऽऽऽऽऽऽ ऽवे
३	४	×	०	२	०
	ध नि			मम	नि
प ध,गम	निध सां	(सां) ध	नि प	गग धध	ध,निध सांसांनिधनि
ऽ ऽ,ऽऽ	काऽ हू	को ऽ	ऽ ऽ	अब हम	ये,ऽऽ ऽऽऽऽऽ
३	४	×	०	२	०
(प) ध,गम					
रे ऽ,ऽऽ					
३					

अल्हैयाबिलावल—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

	ग
	म
	कं

								नि			
नि	धप	म	,पम	ग	रे	सा	निसा	सा	-रे	गरे	सा
ऽ	थाऽ	ऽ	,ऽऽ	मो	ऽ	रे	ऽऽ	ये	ऽऽ	ऽजि	न
३		४		×		०		२		०	
				ग		प		म			ध
सासानिध	सा,निरे	ममगरे	ग	म	ग	ग	प	प	प	ध	गम
जाऽऽऽ	ऽ,ऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽ	बो	ऽ	रे	ऽ	आ	रे	ऽ,	कंऽ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

म		सां	ध								
प	-	नि	निनि	सां	-	सां	-	सांसां	रें	गं	मं
ना	ऽ	को	ऽऊ	ऐ	ऽ	मी	ऽ	मोरि	भा	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
				म	सां	रें	सां	म			ध
(मं)	गं	मंरें	सां	प	धसां	सां	ध,निप	प	प	ध	गम
ऽ	ऽ	ऽऽ	वे	बे	गिले	आ	वो,ऽऽ	आ	रे	ऽ,	ऽ,कं।
३		४		×		०		२		०	

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प	–
दी	ऽ

ध ग (ग्रेस: ध) – प	– नि ध नि	सां – सां (ग्रेस: नि) ध	नि सां सां सां
म्त दी ऽ म्दी	ऽ म्त न द्रे	ना ऽ त न	ना ऽ त न
०	३	×	२
सां ध नि॒ प	ध नि॒ ध प	– म ग –	म रे सा –
नि ता ऽ न्न	त न दे रे	ऽ त दा ऽ	ऽ ऽ श्री ऽ
०	३	×	२
सा सा सां –	सां नि ध नि	सां – गं	सांसां निनि (प) –
य ल ली ऽ	या ऽ ल्ला ऽ	ला ऽ ल ले	दिर दिर, दी ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

प	–
दी	ऽ

– सांसांनिध निनि (ग्रेस: ध)	सां – सां –	रेंगं मंपं गंमं रें	सां –सां नि –नि
ऽ रऽऽऽ ऽ दि	ले ऽ आ ऽ	माऽ ऽऽ ऽऽ च	दि ऽल स ऽत
०	३	×	२

रें ध			
सांसां सां नि नि	सां रें सां –	– ध प म	ग –ग ग –
गूऽ ऽ ऽ न	ह र वा ऽ	ऽ द ऽ र्ब	ग ऽलु च ऽ
०	३	×	२
रे			
मम गग म ग	– म प –	म ग म रे	सा – सा ग
इमेऽ ऽऽ ब खु	ऽ न्द री ऽ	या ऽ ऽ ऽ	स्ती ऽ आ ऽ
०	३	×	२
म प – प	प – पप धनि	सांरें सां – ध	प –प, प –
श के ऽ व	तू ऽ फाऽ ऽऽ	ऽऽ द ऽ र्ब	ग ऽलु, दी ऽ ।
०	३	×	२

अल्हैयाबिलावल–त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी.

प
ओ

			रे
प नि ध नि	सां – – –सां	ध प म गग	प (म) – ग
द त ऽ न	दी ऽ ऽ ऽमु	दी ऽ ऽ ऽमु	त दा ऽ नि
३	×	२	०
	म		
ग म (प) म	ग – रे सा	– सा सासा रेग	– रे सा –सा
ता रे दा नि	ता ऽ ऽ दीं	ऽ नी दाऽ ऽऽ	ऽ नि दी ऽमु
३	×	२	०

सा सा सा रे	ग ग ग ग	म पप ग रे (म)	ग प ध नि (नि)
नि त न त	न दे रे त	न दिर नो ऽ	म्त न न न
३	×	२	०
सां – ध – (रें)	सां – सां सां	ध प म ग	रे सा – प
दी ऽ म्दी ऽ	म्दी ऽ म्त न	दे रे ता रे	दा नि ऽ, ओ।
३	×	२	०

अन्तरा.

प प सां सां	सां सां – रें	सां – सांसां रेंगं	– रें सां नि
त ना दे रे	ना तो ऽ म्त	दी ऽ म्तोऽ ऽऽ	ऽ म्त न न
०	३	×	२
सांसां निध नि नि (ध)	सां – (सां) –	ध पप (म) ग	ग म ध ध (म नि नि)
तोऽ ऽऽ ऽ म्त	दी ऽ म्दी ऽ	ऽ ऽम ऽ ऽ	त दि या ना
०	३	×	२
ध – नि प (नि)	सांसां निध नि सांसां	रेंगं रें सां सां	धनि प – ध (प)
रे ऽ ऽ ऽ	ताऽ ऽऽ ऽ दाऽ	ऽऽ न्नि त दा	ऽऽ न्नि ऽ त
०	३	×	२
ग – ग प (ध)			
दी ऽ ऽम, ओ			
०			

बिलावल—तिलवाड़ा (विलम्बित).

स्थायी.

निध	प	मप	गरे	ग	-रे	सा	निसा
द्रेंद्रे	द्रें	ऽऽ	तन	दे	ऽरे	ना	ऽऽ
३				×			
						प ध	ध
सारें	गम	ग	—	गमपपमग	रेंग,मध	निनि	प
तन	दें रे	ना	ऽ	ऽ	उऽ,ऽऽ	द	त
२				०			
म							
प	ममगरेंग	-रे	गरे	सा	निसा	पग	मप
ऽ	न	ऽऽ	दंरे	ना	ऽ	वे	तदा
३				×			
				प	सां		
सांसांनिध	नि	(प)	—	सां	धनि	प	गम
ऽ	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ ।
२				०			

अन्तरा

पप	सांसां	सांसां	निसां	सांसां	सां	निसां	सांसांरेंगं
नाद्रे	तुंद्रे	तना	ऽ	द्रेत	ना	ऽ	ऽ
३				×			
	नि						ध
-रें	सां	नि	—	नि	सांसांरेंरेंसांनि	धनि	-नि
ऽत	दा	रे	ऽ	ता	रे	ऽऽ	ऽदा
२				०			

सां	निसां	सांसां	गंरें	गं	मं	गंरें	गंरें
नी	ऽ	यला	ऽऽ	या	ऽ	ल्लाऽ	ऽग्र
३				×			
				सां			ध
सां	—प	धनिसांरें	—सां	धनि	प	ध	गम
ला	ऽग्र	लं	ऽग्र	ला	ऽ	ऽ	लेऽ।
२				०			

बिलावल—तिलवाड़ा (विलम्बित).

स्थायी.

			ग भ				
			मनि	ध	प	गम	,गरे
			तन	न	ना	ऽऽ	,द्रे
				३			
				ध			
सा	—	निसा	सासारेरे	सासानिनि	—	सा	—रे
ना	ऽ	ऽ	द्रे	ऽ	ऽ	ना	ऽत
×				२			
			रे				
ग	—	गम	ग	गमपप	मगरेग	—	मप
दा	ऽ	ऽऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	दर
०				३			
म	ग	रे	ऽ	सा	रे	ममगरे	ग
ता	ऽ	ऽ	ऽ	र्दा	ऽ	ऽ	ऽ
×				२			

(नि़) सा	(नि़) रे	सा	नि़सा	सामग	प	-ध	प	प	धनिसांरें	सां	सांध
नी	ऽ	ऽ	ऽ	नाद्रेऽ	तो	ऽम	द्रे	ता	रे	दा	नी
०				३				×			
ध	(प) ध	नि़	ध	प	म	गमपपमग	रेग	(ग म) मनि़	धप	गम	-,गरे
त	दा	ऽ	नि	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	तन	नना	ऽऽ	ऽ,द्रे।
२				०				३			

——

अन्तरा.

पग	पप	सांसांनिधनि	धनि	सां	रें	सां	—	सांसां	(गं) रें	गं	रें
धेते	लेला	ना	ऽरे	ना	ऽ	रे	ऽ	तारे	दा	ऽ	ऽ
३				×				२			
सांसांनिधनि	धनि	सां	—	सां	(सां)	धनि़	प	धनि़	धप	गम	पम
नि	ऽत	दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	नीऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽत
०				३				×			
ग	रे	सा	—	गम	पप	सांसांनिधनि	(ध) -नि	सां	—	—	निसां
दा	ऽ	नि	ऽ	नाद्रे	द्रेतु	द्रे	ऽद्रे	दीं	ऽ	ऽ	ऽ
२				०				३			
सांसां	रें	मंमंगंरेंगं	-रें	सांसांनिधनि	—	सां	—	गंगंरेंसां	निधपम	गरेसासा	मनि़
तादि	या	ना	ऽरे	तो	ऽ	म्द्रे	ऽ	ना	ऽ	ऽ	तन।
×				२				०			

अल्हैयाबिलावल—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

प		सां							
सां	—	ध	नि	प	म	प	म	ग	मरे
लें	ऽ	ते	ऽ	रि	ल	क	री	ऽ	ऽऽ
×		२			०		३		
म									
ग	म	प	ग	मग	म	रे	सा	रे	मा
लें	ऽ	ते	ऽ	रीऽ	का	ऽ	म	ऽ	रि
×		२			०		३		
		नि	नि	नि	नि	नि	नि		
सा	सा	ध	ध	ध	ध	ध	ध	नि	प
ब	छ	रा	ऽ	च	रा	ऽ	व	ऽ	न
×		२			०		३		
सां							सां		
ध	नि	रें	—	सां	सां	सां	ध	नि	प
हूं	ऽ	न	ऽ	हिं	जा	ऊं	मा	ऽ	ई।
×		२			०		३		

अन्तरा.

प	—	प	निध	निध	सां	—	सां	सां	सां
मं	ऽ	ग	केऽ	ऽऽ	ग्वा	ऽ	ल	ब	ल
×		२			०		३		
								सां	
सांध	निध	सां	सां	रें	सां	—	सां	ध	निप
भऽ	ऽऽ	द्र	बि	न	ए	ऽ	क	लो	ऽऽ
×		२			०		३		

प		नि	नि				सां		
ग	म	ध	ध	—	सां	सां	ध	नि	प
ए	ऽ	क	लो	ऽ	ब	न	में	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
सां							सां		
ध	नि	रें	—	सां	सां	सां	ध	नि	प
हूँ	ऽ	न	ऽ	हिं	जा	ऊं	मा	ऽ	ई।
×		२			०		३		

अल्हैयाबिलावल—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	रे		ग		ध				सां		
गम	ग	—	प	नि	नि	सां	—	सां	ध	नि	प
सऽ	र	ऽ	स	ऽ	प्र	ता	ऽ	प	ते	ऽ	ज
०		३		४		×		०		२	
नि									ग		
ध	नि	ध	प	गम	प	म	ग	—	म	रे	सा
ब	ऽ	ल	ते	ऽऽ	ऽ	हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रो
०		३		४		×		०		२	
नि				सां	ध				सां		
सा	म	ग	प	नि	नि	रें	सां	—	ध	नि	प
रा	ऽ	ख	ले	सि	रि	भ	ग	ऽ	वा	ऽ	न।
०		३		४		×		०		२	
प	ध		प		ध						
ध	ग	प	नि	—	नि	सां	—				
स	र	ऽ	स	ऽ	प्र	ता	ऽ				
०		३		४		×					

अन्तरा.

			प	सां							
प	प	–	नि	ध	नि	सां	–	सां	सां	रें	सां
स	ब	ऽ	बि	धि	ऽ	हो	ऽ	सु	जा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
नि				मं					सां		
सां	रें	गं	मं	रें	रें	सां	–	सां	ध	नि̲	प
गु	नि	ज	न	क	र	त	ऽ	ब	खा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
						सां		सां			
सां	सां	मंगं	मं	रें	सां	नि	सां	ध	सां	सां	सां
च	तु	ऽऽ	रा	ऽ	इ	जा	ऽ	न	त	स	ब
×		०		२		०		३		४	
			सां				ध		प		
रें	सां	–	ध	नि̲	प	ध	ग	प	नि	ध	नि
म	हा	ऽ	ग्या	ऽ	न	ऽ	स	र	स	ऽ	प्र ।
×		०		२		०		३		४	

अल्हैयाबिलावल–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प
ग
पा

							सां				प
प	नि	ध	नि	रें	सां	–	ध	नि̲	प	–	ग
ल	ना	ऽ	ऽ	प	ल	ऽ	प	ऽ	ल	ऽ	गा
३		४		×		०		२		०	

				म			म				नि
म	रे	गम	प	प	म	ग	रे	–	सा	–	सा
ऽ	ऊं	पऽ	ल	झु	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऊं	ऽ	ला
३		४		×		०		२		०	
म				प			सां				प
ग	मग	प	प	रें	सां	–	ध	प	मग	मरे	ग
ल	नऽ	ऽ	की	सु	भ	ऽ	घ	ड़ि	रेऽ	ऽऽ,	पा।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

			सां	सां	ध						
प	प	प	नि	नि	नि	सां	–	सां	रें	सां	–
अ	ग	र	चं	द	न	का	ऽ	प	ल	ना	ऽ
×		०		२		०		३		४	
			मं						सां		
सां	–	रें	गं	मं	रें	सां	–	–	ध	नि	प
रे	ऽ	स	म	ऽ	की	डों	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
प	मं				ध				सां		
गं	रें	–	सां	ध	रें	सां	–	–	ध	नि	प
झु	ला	ऽ	व	ऽ	त	मैं	ऽ	ऽ.	या	ऽ	सु
×		०		२		०		३		४	
प		सां					प				
सां	–	ध	प	म	ग	मरे	ग				
हा	ऽ	ग	भ	री	ऽ	ऽऽ,	पा				
×		०		२		०					

अल्हैयाबिलावल—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प			सां			नि				ग	
सां	–	सां	ध	नि॒	प	ध	नि॒	ध	प	म	ग
आ	ऽ	ज	औ	ऽ	र	का	ऽ	ल	औ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
म	म					ग					
ग	ग	मरे	ग	म	प	म	–	ग	म	रे	सा
दि	न	ऽऽ	प्र	ऽ	ति	औ	ऽ	र	औ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
नि़		नि॒	नि॒		नि				सां	ध	
सा	–	ध	ध	–	ध	नि॒	प	–	नि	नि	सां
दे	ऽ	खि	ये	ऽ	र	सि	क	ऽ	गि	री	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि				रें						सां	
सां	–	रें	गं	सां	निध	नि	प	–	निध	नि	सां
रा	ऽ	ज	ध	र	नऽ	ऽ	मा	ऽ	इऽ	री	ऽ ।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

			नि		ध				नि		
प	प	–	ध	नि	नि	सां	सां	–	सां	रें	सां
दि	न	ऽ	प्र	ऽ	ति	न	ई	ऽ	छ	ऽ	बि
×		०		२		०		३		४	
			रें			गं			गं		
सां	सां	गं	गं	मं	पं	मं	गं	मंगं	मं	रें	सां
ब	र	ऽ	ने	ऽ	सो	कौ	ऽ	नऽ	क	ऽ	ब
×		०		२		०		३		४	

म		नि	नि—			प	ध		प	ध	
ग	म	ध	ध	नि	प	नि	नि	प	नि	नि	सां
पा	ऽ	न	की	ऽ	जे	री	ऽ	झ	र	हि	ये
×		०		२		०		३		४	

नि			रें							सां	
सां	रें	गं	नि	सां	निध	नि	प	–	निध	नि	सां
म	दा	हि	म	र	नऽ	ऽ	मा	ऽ	इऽ	री	ऽ ।
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

						नि					
म	–	म	प	–	प	ध	नि	ध	प	–	प
सो	ऽ	भा	श्या	ऽ	म	अं	ऽ	ग	अं	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	

		नि							नि		
प	–	ध	नि	सां	–	रें	सां	सां	ध	नि	प
ला	ऽ	ज	त	को	ऽ	टि	क	अ	नं	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	

म	म								म		
ग	ग	मरे	ग	म	प	म	ग	मग	रे	–	सा
छ	वि	ऽऽ	की	ऽ	उ	ठ	त	तऽ	रं	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	

नि		नि	नि			प			सां		
सा	–	ध	ध	नि	प	सां	सां	सां	ध	नि	प
वि	ऽ	श्व	को	ऽ	ऽ	म	न	ह	र	ऽ	नि ।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

			सां	सां							
प	–	प	ध	सां	सां	–	मां	सां	–	रें	सां
च	ऽ	त्र	भू	ऽ	ज	ऽ	ग्र	भू	ऽ	गि	रि
×		०		२		०		३		४	
		मं	रें							नि	
मां	–	गं	गं	मं	रें	सां	–	रें	मां	ध	प
धा	ऽ	री	क्रो	ऽ	स	रू	ऽ	प	मु	द	र
×		०		२		०		३		४	
म		नि	नि		नि	नि			नि		
ग	म	ध	ध	–	ध	ध	नि॒	प	ध	नि	सां
दे	ऽ	खि	ये	ऽ	सिं	गा	ऽ	र	बा	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
नि				नि					ध		
मां	सां	रें	गंरें	सां	निध	नि	प	नि	नि	सां	–
ब्र	र	न	बऽ	र	नऽ	ऽ	मा	ऽ	ई	री	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अल्हैयाबिलावल—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प		नि				प			प		ध
सां	सां	ध	प	मग	मरे	ग	प	–	नि	–	नि
मो	ति	य	न	कीऽ	ऽऽ	झा	ल	ऽ	र	ऽ	ल
०		३		४		×		०		२	
		नि				सां			नि		
सां	–	सां	रें	सां	मां	ध	नि	सां	ध	नि॒	प
गी	ऽ	हे	ऽ	म	ज	री	ऽ	ऽ	मा	ऽ	नो
०		३		४		×		०		२	

प		नि				ग			म		
सां	—	ध	प	मग	मरे	रे	ग	मग	रे	—	सा
ही	ऽ	र	न	सोंऽ	ऽऽ	च	हूँ	ऽऽ	ओ	ऽ	र
०		३		४		×		०		२	
नि			म			सा	ग				
सा	रे	ग	रे	—	सा	ग	रे	—	सा	रे	सा
हो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	उ	जा	ऽ	गा	ऽ	र।
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

						सां	मं				
सां	सां	—	सां	—	मां	गं	रें	—	सां	—	सां
रा	जा	ऽ	रा	ऽ	म	उ	म	ऽ	रा	ऽ	व
×		०		२		०		३		४	
नि							नि	सां		सां	
सां	गं	रें	सां	रें	सां	सां	सां	ध	प	ध	—
पा	ऽ	य	ब	क	सि	स	आ	ज	न	यो	ऽ
×		०		२		०		३		४	
प	नि	ध	सां	—	सां	सां	गं	रें	सां	रें	सां
न	व	ऽ	रो	ऽ	ज	अ	प	नि	अ	प	नी
×		०		२		०		३		४	
सां			सां								
ध	सां	—	ध	नि	प						
बा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रि						
×		०		२							

अल्हैयाबिलावल–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	प		नि							सां	
	ग	प	प	नि	सां	रें	सांनि	सां	सां	ध	प
ऽ	सु	र	त	ऽ	बि	सा	ऽऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ
०		३		४		×		०		२	
	म				प				नि		
म	ग	मरे	गम	प	ग	म	रे	–	सा	रे	सा
ऽ	का	ऽऽ	हूंऽ	ऽ	ह	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	री
०		३		४		×		०		२	
नि		म	म	म		प					
सा	–	ग	ग	गम	रे	ग	प	धनि	ध	प	म
नं	ऽ	द	नं	दऽ	न	गि	रि	ऽऽ	धा	ऽ	ऽ
०		३		४		×		०		२	
	प										
गरे	ग										
रीऽ,	सु										
०											

अन्तरा.

म			नि		ध						
प	–	–	ध	नि	नि	सां	सां	–	सां	रें	सां
सू	ऽ	ऽ	नो	ऽ	भ	व	न	ऽ	दू	ऽ	ख
×		०		२		०		३		४	
नि		मं	मं	मं					सां		
सां	गं	रें	गं	रें	सां	रें	सां	सां	ध	नि	प
दू	ऽ	ऽ	नो	ऽ	ल	ग	त	री	आ	ऽ	लि
×		०		२		०		३		४	

प	प		प			नि					
ग	ग	मरे	ग	प	प	ध	नि	सां	सां	रें	सां
अ	ब	ऽऽ	लों	ऽ	न	आ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	री
×		०		२		०		३		४	
नि	सां		प	ध			प				
सां	ध	प	ध	ग	म	गरे	ग				
ब	न	ऽ	वा	ऽ	ऽ	रीऽ,	मु				
×		०		२		०					

अल्हैयाबिलावल—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा			सां			नि					
सां	—	सां	ध	नि	प	ध	नि	ध	प	म	ग
आ	ऽ	ज	को	ऽ	सिं	गा	ऽ	र	सु	भ	ग
×		०		२		०		३		४	
म			म								
ग	म	रे	ग	म	प	म	ग	म	रे	—	सा
सां	ऽ	व	रे	ऽ	गु	पा	ऽ	ल	जू	ऽ	को
×		०		२		०		३		४	
			म			प			नि		
सा	सा	—	ग	म	रे	ग	प	—	ध	नि	सां
क	ह	ऽ	त	ऽ	न	ब	न	ऽ	आ	ऽ	वे
×		०		२		०		३		४	
सां											
रें	—	गं	रें	सां	सां	निध	नि	—	प	निध	नि
दे	ऽ	ख	हि	ब	न	आऽ	ऽ	ऽ	वे	रीऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

प	प	प	सां	सां	सां	सां	—	रें	सां	—	सां
भू	ष	न	ब	स	न	भां	ऽ	ति	भां	ऽ	ति
×		०		२		०		३		४	
सां			सां			नि			सां		
नि	—	नि	नि	ध	नि	सां	रें	सां	ध	नि̱	प
अं	ऽ	ग	अं	ऽ	ग	अ	ङ्ग	त	कां	ऽ	ति
×		०		२		०		३		४	
नि̱						प		नि			
ध	नि̱	ध	प	म	ग	ग	प	ध	नि	सां	सां
ल	ट	प	टी	ऽ	सु	दे	ऽ	स	पा	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
नि			मं	मं							
सां	—	रें	गं	रें	सां	निध	नि	—	प	निध	नि
चि	ऽ	त्त	को	ऽ	चु	राऽ	ऽ	ऽ	वे	रीऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

प	प	प				नि					
ग	ग	ग	प	प	प	ध	नि	ध	प	—	प
म	क	र	कुं	ड	ल	ति	ल	क	भा	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
म						सां			सां		
प	—	नि	ध	सां	—	रें	सां	सां	ध	नि̱	प
क	ऽ	स्तू	ऽ	री	ऽ	अ	ति	र	सा	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	

प	प	म				ग		सा			
ग	गरे	गम	प	म	ग	म	रे	रे	सा	रे	सा
चि	तऽ	वऽ	न	लो	ऽ	च	न	बि	शा	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
नि़		नि	नि							सां	
सा	—	ध	ध	—	ध	सां	सां	—	सां	धनि	प
को	ऽ	टि	का	ऽ	म	ल	जा	ऽ	वे	ऽऽ	रि ।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

म											
प	—	प	सां	सां	—	रें	सां	सां	सां	—	सां
कं	ऽ	ठ	सि	री	ऽ	मो	ति	न	मा	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
नि		गं			रें						
सां	—	रें	गं	गं	गं	मं	रें	सां	सां	ध	प
फैं	ऽ	टा	ऽ	क	टि	ज	री	दु	सा	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
प	प	नि	नि	नि	नि	नि			नि		
ग	ग	ध	ध	ध	ध	ध	नि	प	ध	नि	सां
छ	वि	ऽ	नि	र	ख	नि	र	ख	आ	ली	री
×		०		२		०		३		४	
सां		मं									
रें	—	गंमं	रें	सां	सां	निध	नि	—	प	निध	नि
धी	ऽ	रऽ	ज	म	न	लाऽ	ऽ	ऽ	वे	रीऽ	ऽ ।
×		०		२		०		३		४	

अल्हैयाबिलावल—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प		प			प						
ग	–	ग	प	–	नि̱	ध	प	म	प	म	ग
बा	ऽ	र	बा	ऽ	र	अ	ऽ	ऽ	व	ऽ	त
०		३		४		×		०		२	
	प		म					म			
	ग	मरे	गम	प	–	म	ग	रे	सा	रे	सा
ऽ	मे	ऽऽ	रेऽ	री	ऽ	का	ऽ	न्हे	कुं	व	र
०		३		४		×		०		२	
नि								नि	नि	ध	
सा	–	–	रे	सा	–	सा	सा	ध	ध	नि̱	प
नं	ऽ	ऽ	द	को	ऽ	ल	प	क	भ	प	क
०		३		४		×		०		२	
प	ध			नि					सां		
ध	ग	–	प	ध	सां	रें	सां	सां	ध	प	ध
च	प	ऽ	ला	ई	ऽ	क	र	त	नि	ड	र।
०		३		४		×		०		२	
ध											
ग	–										
बा	ऽ										
०											

अन्तरा.

			प								
प	प	–	सां	–	सां	रें	सां	सां	–	सां	सां
प	न	ऽ	घ	ऽ	ट	ज	मु	ना	ऽ	त	ट।
×		०		२		०		३		४	

×		०		२		०		३		४	
नि			गं			गं			नि	सां	
सां	–	सां	रें	गं	गं	मं	रें	–	सां	धनि	प
बा	ऽ	ट	घा	ऽ	ट	ब्रि	ज	ऽ	बि	थिऽ	न

×		०		२		०		३		४	
प	पं		नि		नि				सां		
ग	ग	ध	ध	–	ध	नि	प	–	ध	सां	सां
ल	गो	ऽ	ई	ऽ	र	ह	त	ऽ	सं	ऽ	ग

×		०		२		०	
			सां		प	ध	
रें	सां	सां	ध	प	ध	ग	–
ड	ग	र	ब	ग	र	बा	ऽ

संचारी.

×		०		२		०		३		४	
प	प	प				नि					
ग	ग	ग	प	–	प	ध	नि	ध	प	–	प
आ	व	त	जा	ऽ	त	खे	ल	त	खा	ऽ	त

×		०		२		०		३		४	
म		नि				नि					
प	–	ध	नि	सां	–	सां	–	सां	सां	ध	प
नै	ऽ	न	न	की	ऽ	सैं	ऽ	न	दे	ऽ	त

×		०		२		०		३		४	
प				म		ग					
ग	–	रे	ग	गम	प	म	ग	म	ग	सारे	सा
पां	ऽ	य	प	रऽ	त	प	र	स	त	तऽ	न

नि		नि	नि			प			सां		
सा	सा	ध	ध	नि	प	सां	–	–	ध	नि	प
भ्म	ग	ऽ	र	ऽ	ऽ	भ्म	ऽ	ऽ	ग	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

			सां								
प	–	–	ध	सां	सां	रें	सां	–	सां	सां	–
धी	ऽ	ऽ	र	ऽ	ज	के	ऽ	ऽ	अ	भू	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि			रें			गं		मं		सां	
सां	सां	गं	गं	गंमं	पं	मं	गं	रें	सां	धनि	प
म	न	ऽ	भा	ऽऽ	ई	बा	ऽ	तें	क	रऽ	त
×		०		२		०		३		४	
प		नि	नि			प	ध		सां		
ग	–	ध	ध	नि	प	ध	ग	प	ध	सां	सां
दे	ऽ	ख	दे	ऽ	ख	क	र	त	हां	ऽ	सि
×		०		२		०		३		४	
सां			सां		प	ध					
रें	सां	सां	ध	प	ध	ग	–				
स	ब	हि	न	ग	र	वा	ऽ				
×		०		२		०					

अल्हैयाबिलावल–धमार(विलम्बित).

स्थायी.

ग			ध				ध		नि				
प	–	नि	नि	सां	–	–	नि	प	ध	नि	ध	प	–
ए	ऽ	जू	ऽ	का	ऽ	ऽ	ल	की	ग्वा	ऽ	लि	न	ऽ
३				×					२		०		

प	प	म	
म प म ग	ग म रे ग म	प मग	म रे –
ए ऽ मे ऽ	रो ऽ ऽ ऽ ऽ	म नऽ	ले ऽ ऽ
३	×	२	०
नि॒	प		नि॒
सा रे सा –	सा – – ग –	प –	धनि॒ ध प
ग ऽ ई ऽ	ले ऽ ऽ ग ऽ	ई ऽ	ऽऽ री ऽ।
३	×	२	०
प ध			
ग प नि नि			
ए ऽ जू ऽ			
३			

अन्तरा.

सां			नि
नि – निध सां सां	सां –	रें सां –	सां रें गं मं
सां ऽ ऽऽ झ भ	ई ऽ	अ ज ऽ	हूँ ऽ न हिं
×	२	०	३
	ध	ध	नि
गं रें – सां –	नि नि	प – –	ध नि सां –
आ ऽ ऽ ई ऽ	झू ऽ	ठे ऽ ऽ	ब च न ऽ
×	२	०	३
नि सां		प ध	ध
सां ध नि॒ ध प	– प	नि॒ध ग –	प – नि नि
दे ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ग	ईऽ र ऽ	ए ऽ जू ऽ।
×	२	०	३

बिलावल—धमार (विलम्बित).

स्थायी.

			प ध
			ध ग –
			ए ता ऽ
सां ध	ध		सां
प – नि नि	सां – – नि नि	सां –	रें सां –
री ऽ ड फ	बा ऽ ऽ ज त	मो ऽ	ह न ऽ
३	×	२	०
सां	प प म		
ध धनि प –	ग ग मरे ग म	प मग	ग रे –
छ बिऽ छा ऽ	ज त ऽऽ ना ऽ	च तऽ	ग त ऽ
३	×	२	०
	नि मां		प ध
सा – – सा	सां सां – ध –	नि प	ध ग –
सों ऽ ऽ अ	नं ऽ ऽ द ऽ	ऽ ता	रे, ता ऽ।
३	×	२	०

अन्तरा

नि सां ध			नि
सां – – नि नि	सां –	सां – सां	सां रें सां –
बा ऽ ऽ ज त	ता ऽ	ल ऽ मृ	दं ऽ ग ऽ
×	२	०	३
नि रें		मं	नि
सां गं – गं –	– मं	रें – –	सां रें सां सां
बी ऽ ऽ न ऽ	ऽ धु	न ऽ ऽ	ने ऽ व र
×	२	०	३
सां	सां	प ध	
ध सांनि रें सां सां	ध निप	ध ग –	
की ऽऽ ऽ झ न	का ऽऽ	र, ता ऽ	
×	२	०	

राग खमाज

खंमाजो यत्र तीव्रा ऋषभगधनयो मो मृदुर्निमृदुःस्या-
दारोहे रिर्निषिद्धः प्रभवति परिपूर्णोऽवरोहे पवक्रः ।
वादी गांधार एव प्रविलसति तथा संप्रवादी निषादो
रात्र्यां यामे द्वितीये प्रमदयति मनः श्रोतुरप्येष रागः ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

मृदुमो निद्वयो गांशो निसम्वादी खमाजकः ।
नारोहे ऋषभो यामे द्वितीये निशि गीयते ॥

चन्द्रिकायाम् ।

चढ़त रिखब न लगाइये कोमल मनी विराज ।
गनि वादीसम्वादितें कहियत राग खमाज ॥

चन्द्रिकासार ।

निसौ गमौ पनी सश्च सनी धमौ पधौ मगौ ।
खंमाजो गांशको नित्यं द्वितीयप्रहरे निशि ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

"खमाज"—यह राग खमाज थाट से उत्पन्न होता है। इसमें निषाद कोमल तथा शेष स्वर शुद्ध लगते हैं। वादी गंधार और सम्वादी निषाद है। इसके आरोह में रिषभ स्वर वर्जित किया जाता है, अर्थात इसकी जाति षाडव-सम्पूर्ण है। इस राग का गायन समय रात्रि का दूसरा प्रहर माना जाता है। इसके आरोह में धैवत स्वर का विशेष महत्व नहीं है तथा अवरोह में अनेक बार पंचम वक्र करके लगाया जाता है। आरोह में तीव्र निषाद ले सकते हैं। इस राग का वैचित्र्य **ग, म, प, नि** इन स्वरों पर अवलम्बित है एवं इन्हीं स्वरों पर अनेक तानें आकर समाप्त होती हुई द्रष्टिगोचर होती हैं।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सा, ग म, प, ध नि̱ सां, सां नि̱ ध प, म ग, रे सा।

पकड़—

नि̱ध, मप, ध, मग.

खमाज—आड़ाचौताल (मध्यलय).

[मात्रा १४]

स्थायी.

सा ग	म प	ग म	नि ध	म प	ध ग	ऽ म
×	२	०	३	०	४	०
प नि	सां रें	नि सां	नि ध	म प	ध ग	ऽ म।
×	२	०	३	०	४	०

अन्तरा.

मं गं	रें मं	गं रें	सां नि	सां रें	नि सां	नि ध
×	२	०	३	०	४	०
म प	ध ग	ऽ म	ग ऽ	प म	ग रे	सा ऽ
×	२	०	३	०	४	०
सा ग	म ग	रे सा	सां गं	मं गं	रें सां	नि सां
×	२	०	३	०	४	०
प नि	सां रें	नि सां	नि ध	म प	ध ग	ऽ म
×	२	०	३	०	४	०

खमाज—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

	ध
	सां सां
	त ब

ध ध	ध		
नि नि धप म	म प ध म	ग – – म	ग – सा सा
क ह तऽ च	तु र ऽ ख	मा ऽ ऽ ज	रा ऽ ग नि
०	३	×	२
ग	म	ध	ध प ध
सा सा म ग	म – नि ध	म ध नि सां	नि ध सां सां
ज ब ह रि	कां ऽ भु जि	मे ऽ ल क	र त, त ब।
०	३	×	२

———

अन्तरा.

ग नि		सां	सां
म ग म ध	– नि सां –	ध नि सां –	मं गं रें सां
सु र गं धा	ऽ र को ऽ	वा ऽ दी ऽ	स म झ त
०	३	×	२
मं	गं रें		ध प ध
गं मं पं गं	मं गंरें नि सां	नि नि सां सां	नि ध सां सां
खां ऽ ड व	सं पुऽ र न	त ज त रि	ख ब, त ब।
०	३	×	२

———

खमाज—आड़ाचौताल (विलंबित).

स्थायी.

सां				नि				ग	ध				
नि	नि	सां	सां	सां	(सां)	नि	धप	म	प	नि	धप	(म)	ग
स	ब	स	खि	यां	ऽ	मि	लऽ	ख	मा	ऽ	जऽ	गा	वो
×		२		०		३		०		४		०	
		म						सां					प
ग	सा	ग	म	प	नि	सां	सां	नि	—	सां	सां	धनि	ध
ह	रि	कां	ऽ	सु	जि	सु	र	मे	ऽ	ल	ब	नाऽ	वो।
×		२		०		३		०		४		०	

अन्तरा.

म								सां				ध	
गम	गम	प	—	नि	नि	सां	—	नि	सां	नि	सां	नि	ध
आऽ	ऽऽ	रो	ऽ	ह	न	में	ऽ	रे	ऽ	ख	ब	त	ज
×		२		०		३		०		४		०	
सां				नि				प		सां			
नि	—	सां	निसांरेंसां	सां	—	नि	धप	म	प	नि	धप	(म)	ग
वा	ऽ	दि	गंऽऽऽ	धा	ऽ	र	मऽ	धु	र	दि	खऽ	ला	वो।
×		२		०		३		०		४		०	

खमाज–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

	प रे		
सा सा ग ग	म म ग –	म प – ग	म – – ग
अ रे म न	ह र सौं ऽ	क रे ऽ तु	प्री ऽ ऽ त
×	२	०	३
नि̱			सां
ध नि̱ ध प	ध नि̱ ध प	प सां नि सां	ध नि̱ ध –
मा ऽ त पि	ता ऽ सा हि	अ खि ल ज	ग त को ऽ
×	२	०	३
	सां	प	
ग म प ध	नि̱ – ध प	ग म प –	ध (म) – ग
अं ऽ त स	मैं ऽ ना ऽ	दू ऽ जो ऽ	को मी ऽ त
×	२	०	३

अन्तरा.

म नि̱		सां	
ग म ध नि	सां नि सां –	नि – सां सां	(सां) – नि̱ ध
य ह सं ऽ	सा ऽ रा ऽ	भू ऽ ठ प	सा ऽ रा ऽ
×	२	०	३
		प	
ग म प ध	सां नि̱ ध प	ग म प –	ध (म) – ग
ह र रं ग	क हे जूं ऽ	सि क ता ऽ	कि भी ऽ त ।
×	२	०	३

खमाज—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

	नि	प प	
प नि सां सां	सां (सां) नि धप	नि नि धप गम	ग – – ग
सां ऽ व ल	मो ह ना मैंऽ	तें डे रेऽ कुर	बा ऽ ऽ न
२	०	३	×
सां	रें ध	प प	
नि – सां गं	नि सां नि पध	सां नि धप गम	ग – – म
सां ऽ व ल	मो ह ना मैंऽ	तें डे रेऽ कुर	बा ऽ ऽ न
२	०	३	×

अन्तरा.

म		सां	नि
ग म नि धनि	सां – नि सां	नि सां सां निसां	सां (सां) नि ध
बि न वे ऽऽ	खे ऽ सा नु	क ल ना ऽऽ	प डं दी ऽ
०	३	×	२
ग म	सां		
म – ग म	प – नि –	सां – गं (सां)	प नि – सांसां
तूं ऽ में ऽ	डे ऽ ही ऽ	आ ऽ ऽ न	सां ऽ ऽ वल।
०	३	×	२

खमाज—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि		म	नि
सां सां नि नि	ध ध (म) ग	ग म प ध	सां नि सां –
न म न क	रूं ऽ मैं ऽ	स ऽद्गु रु	च र णा ऽ
०	३	×	२

नि	रें रें	सां	प
सां सां गं मं	गं गं नि सां	नि नि सां –	नि सां नि॒ ध
स ब दु ख	ह र णा ऽ	भ व नि ऽ	स्त र णा ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

प नि			सां
ग म ध नि	सां नि सां सां	नि – सां –	नि सां नि॒ ध
शु ऽ द्ध भा	ऽ व ध र	अं ऽ तः ऽ	क र णा ऽ
०	३	×	२
नि	रें रें	सां	प
सां सां गं मं	गं – नि सां	नि – सां सां	निसांरें निसां नि॒ ध
सु र न र	कि ऽ न्न र	वं ऽ दि त	चऽऽ रऽ णा ऽ।
०	३	×	२

खमाज–दादरा (मध्यलय).

स्थायी.

नि॒	म	ग	
सा सा सा	ग – ग	म – म	प प ध
सु धि न	ली ऽ नि	ज ऽ बसें	ग ये ऽ
×	०	×	०
ध		ध	
सां – नि॒	ध – म	प ध म	ग – –
नै ऽ न	वा ऽ ल	गा ऽ य	के ऽ ऽ
×	०	×	०

सां नि	—	नि	सां	—	नि	सां	—	सां	प	प	ध
नै	ऽ	न	वा	ऽ	ल	गा	ऽ	य	मे	रो	ऽ
×			०			×			०		
पध	सां	नि॒	ध	—	म	गम	पध	म	ग	—	—
जीऽ	ऽ	य	रा	ऽ	ह	राऽ	ऽऽ	य	के	ऽ	ऽ।
×			०			×			०		
ग म	सा	सा									
सु	धि	न									
×											

अन्तरा.

ग म	ग	म	ध नि॒	ध	नि	सां	—	नि	सां	सां	—
त	र	फ	त	हूँ	ऽ	रै	ऽ	न	दि	ना	ऽ
×			०			×			०		
प	—	नि	नि	सां	—	नि सां	(सां)	—	नि॒	ध	—
चै	ऽ	न	न	हीं	ऽ	उ	न	ऽ	बि	ना	ऽ
×			०			×			०		
नि॒ सा	सा	सा	म ग	ग	—	ग म	—	म	प	प	ध
अ	ज	म	पि	या	ऽ	बै	ऽ	ठ	र	हे	ऽ
×			०			×			०		

ध		ध	
सां – नि	ध ध म	प ध म	ग – –
सौ ऽ त	न घ र	जा ऽ य	कै ऽ ऽ।
×	०	×	०
ग सा सा			
सु धि न			
×			

खमाज–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि़ म रें			सां ध
सा ग – ग	म – म प	ध म ग म	प नि – नि
न मा ऽ नुँ	गी ऽ न मा	ऽ नुँ गी ऽ	न मा ऽ नुँ
×	२	०	३
		सां	
सां – – –	नि सां – –	नि – सां –	नि सां – सां
गी ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	मैं ऽ तो ऽ	ऽ ऽ ऽ उ
×	२	०	३
		प	
सां ध सां –	नि – ध धप	ग म प –	ध म ग –
न्हीं ऽ ऽ ऽ	कै ऽ ऽ मऽ	ना ऽ यें ऽ	ऽ बि ना ऽ।
×	२	०	३

अन्तरा.

		नि	
नि नि नि सां	सां सां नि सां	सां – (सां) –	नि नि ध प
जा ओ जि जा	ओ जि स खि	वे ऽ तो ऽ	अ प ने ऽ
०	३	×	२

प				प				नि			रे				
ग	म	प	ध	ग	म	ग	–	सा	ग	–	ग	म	–	म	प
र	स	के	ऽ	र	सि	या	ऽ	न	जा	ऽ	ऊं	गी	ऽ	न	जा
०				३				×				२			
					सां		ध								
ध	म	ग	म	प	नि	–	नि	सां	–	–	–	नि	सां	–	–
ऽ	ऊं	गी	ऽ	न	जा	ऽ	ऊं	गी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
०				३				×				२			
सां															
नि	–	सां	–	नि	सां	–	सां	सां	ध	सां	–	नि	–	ध	धप
मैं	ऽ	तो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	उ	न्हीं	ऽ	ऽ	ऽ	के	ऽ	ऽ	मऽ
०				३				×				२			
प															
ग	म	प	–	ध	म	ग	–								
ना	ऽ	ये	ऽ	ऽ	वि	ना	ऽ								
०				३											

खमाज—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

															प
															गम
															सखि
				नि			प			प					म
प	नि	सां	सां	सां	नि	धप	नि	नि	धप	ग	म	ग	–	–	गम
मे	रो	म	न	ली	ऽ	नोऽ	स	लो	नेऽ	स	ज	ना	ऽ	ऽ,	सखि
२				०				३				×			

सां	प प	प	सां
प नि – सांसां	सां (सां) नि,धप सां	नि ध ग म	ग – – निसां
मे रो ऽ मन	ली ऽ नो,ऽऽ स	लो ने स ज	ना ऽ ऽ, सखि
२	०	३	×
सां	रें	प ध	ग म
नि प नि सांरें	नि सां पध सांसां	नि धप गम प	म ग – गम
मे रो ऽ मन	ली ऽ नोऽ ऽस	लो नेऽ सऽ ज	ना ऽ ऽ, सखि
२	०	३	×
रे	रे सा	प	म
प ग म ग	नि – सा सां	नि ध ग म	ग – – गम
मे रो म न	ली ऽ नो स	लो ने स ज	ना ऽ ऽ, सखि
२	०	३	×

अन्तरा.

प नि		सां	
ग म ध नि	सां – नि सां	नि नि सां सां	सां निसां नि ध
सां ऽ व रि	सू ऽ र त	र स भ रि	मू ऽऽ र त
०	३	×	२
प नि		प नि	
ग गम ध नि	सां धनिसां सां सां	गम धनि सां– निसां	निनि सांसां सांसां निध
सां ऽऽ व रि	सू ऽऽऽ र त	सांऽ वरि सूऽ रत	रस भरि मूऽ रत
०	३	×	२
प नि			
ग म ध नि	सां – धनिसां सांसां	प नि सां सां	सांनि सां नि ध
सां ऽ व रि	सू ऽ ऽऽऽ रत	र स भ रि	मूऽ ऽ र त
०	३	×	२

ग म	सां	प	नि
म – ग म	प प नि नि	सां (सां) निध गग	म ध – निसां
बं ऽ सी ऽ	ब ट ज मु	ना ऽ ऽऽ सखि	मे रो ऽ मन
०	३	×	
प	प	प	
सां नि धप सां	नि धप ग म	ग – – गम	
ली ऽ नेऽ स	लो नेऽ स ज	ना ऽ ऽ, सखि	
०	३	×	

खमाज—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म
गम
मोरे

		प	म
प नि सां सां	सां नि ध प	ध ग म	ग – – गम
सैं यां न हिं	आ ऽ ये मैं	ऽ का रि क	रू ऽ ऽ, मोरे
२	०	३	×
सां	रें	प	सां
प नि – सांरें	नि सां (नि) धप	ध ग म	ग – – निसां
सैं यां ऽ नहिं	आ ऽ ये मैंऽ	ऽ का रि क	रू ऽ ऽ, मोरे
२	०	३	×
	सां	सां प	प
नि प – धरें	सां – नि धप	पध नि ध गम	ग – – गम
सैं यां ऽ नहिं	आ ऽ ये मैंऽ	काऽ ऽ ऽ रिक	रू ऽ ऽ, मोरे
२	०	३	×

	प	प	म
प प – धप	ग प म ग	ध ग म	ग – – गम
सैं यां ऽ नहिं	आ ऽ ये ऽ	ऽ का रि क	रू ऽ ऽ, मोरे
२	०	३	×
प नि सां सां			
सैं यां न हिं			
२			

अन्तरा.

प नि॒			प
ग म ध नि	सां – नि सां	नि सां –	सां (सां) नि॒ ध
का ऽ सें क	हूँ ऽ अ ब	ऽ ए री ऽ	ऽ ऽ स खि
२	०	३	×
प नि॒		सां	प
ग म ध नि	सां सां नि सां	प नि सां –	सां (सां) नि॒ ध
का ऽ सें ऽ	क हूँ अ ब	ए ऽ री ऽ	ऽ ऽ स खि
२	०	३	×
सां सां	सां	प	म
नि नि – सांधां	सांध नि॒ ध प	नि॒ ध – गम	ग – – गम
जि या ऽ घब	राऽ ऽ वे मैं	ऽ का ऽ रिक	रू ऽ ऽ, मोरे।
२	०	३	×

खमाज—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध	
प	ध
अ	ब

ध				प		ग	रे								
सां	नि̱	ध	प	म	प	म	ग	म	म	प	–	सां	–	प	ध
क	ब	त	क	त	र	सा	ये	र	खि	यो	ऽ	जी	ऽ	अ	ब
२				०				३				×			
ध					प	ग	रे					ग		ग	
सां	नि̱	ध	प		मप	म	ग	म	म	प	–	म	ग	म	ग
क	ब	त	क	ऽ	तर	सा	ये	र	खि	यो	ऽ	मैं	तो	नै	न
२				०				३				×			
रें				सां	सां			ध							
नि̣	सा	नि	नि	नि	नि	सां	सां	पनि	सांरें	सां	नि̱	ध	प		पध
भ	र	छ	बि	दे	ख	न	की	हूंऽ	ऽऽ	ग	र	जी	ऽ	ऽ	अब
२				०				३				×			
ध					प	ग	रे								
सां	नि̱	ध	प		मप	म	ग		मम	प	–	सां	–	–	–
क	ब	त	क	ऽ	तर	सा	ये	ऽ	रखि	यो	ऽ	जी	ऽ	ऽ	ऽ ।
२				०				३				×			

अन्तरा.

	नि̱			सां				ध							
	धनि̱	ध	ध	नि̱	–	ध	प	म	–	प	ध	(म)	–	ग	–
ऽ	कद	र	पि	या	ऽ	मैं	ऽ	तो	ऽ	रे	ऽ	वा	ऽ	री	ऽ
२				०				३				×			

सां	नि	ध	
नि नि सां –	सां (सां) नि ध	म – – पध	(म) – ग –
बि न दा ऽ	मों ऽ में ऽ	चे ऽ ऽ रिते	हा ऽ री ऽ
२	०	३	×
	रें	नि	सां
गं – मं गं	नि – सां सां	प नि – सांरें	नि सां निध पध
हूँ ऽ रा ऽ	जी ऽ जि स	में ऽ ऽ तोरि	म र जीऽ अब
२	०	३	×
ध	प ग रे		
सां नि ध प	– मप म ग	मम प ध	सां – – –
क ब त क	ऽ तर मा ये	ऽ रखि यो ऽ	जी ऽ ऽ ऽ।
२	०	३	×

खमाज--त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

	प सां		प
	प प सां धसांनि	नि धप ध म	मपधसां निधपध ग म
	धु न मों ऽऽऽ	आ जेऽ मों स	खीऽऽऽ ऽऽऽऽ मु र
	२	०	३
ग – – –	म नि ध नि	सां – नि नि	सां सां सां (सां)
ली ऽ ऽ ऽ	च लो ऽ च	लो ऽ व हीं	हु ई हैं ऽ
×	२	०	३
प			
नि ध ग म			
पी ऽ, कहीं			
×			

अन्तरा.

			रें
म म ध नि	सां नि सां सां	प नि सां रें	नि निसां निध म
त र प त	र प नि त	र ह त हुँ	म ऽज नीऽ क
२	०	३	×
ग म प ध	पध निसां नि सां	नि सां पनिसांरें सांनिसां-	नि ध ग म
द र थि न	नाऽ ऽऽ हिं ल	ग त मांऽऽऽ राऽऽऽ	जी ऽ, क हीं ।
२	०	३	×

खमाज—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि	नि		प
सां नि सां सां	धनि पध सां सां	नि धप म प	ध (म) गम पध
स म झ त	नाऽ हिंऽ प न	घ टऽ पि या	मैं हा ऽऽ रीऽ
×	२	०	३
सां	नि ध	ग	ग म
नि नि सां सां	धनि पध सां नि	ध धप म ग	सा - ग म
स म झ त	नाऽ हिंऽ प न	घ टऽ पि या	रा ऽ र क
×	२	०	३
सां		गं रें रें	प
प प नि नि	प नि सां सां	मं गं नि सां	सां (मां) धनि ध
र त प नि	यां भ र त	चै यां न छु	वो ना ऽऽ रि ।
×	२	०	३

अन्तरा.

सां		प	प प
नि नि नि सां	सां सां नि धप	ग म प धप	ग म ग –
श्र व न सु	न त ना हिंऽ	ढी ऽ ट लंऽ	ग र वा ऽ
०	३	×	२
सां रें		प	प प
नि सां गं नि	सां सां नि धप	ग म प धप	ग म ग –
क र त रा	ऽ र मो ऽऽ	ह न प रऽ	वा ऽ री ऽ
०	३	×	२
नि	सां	सां	नि
सा सा ग म	प प नि नि	नि सां – सां	प नि सां सां
उ म र क	र त बि न	ति श्या ऽ म	जि त क र
०	३	×	२
सां रें	नि — प		
गं नि सां सां	सां नि ध ध		
पि या जि या	सों हा ऽ रि		
०	३		

खमाज–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

	ध		
नि नि सां सां	सां – निध म	मपधसां निधपध ग म	ग – – ग
अ रे मो रे	मैं ऽ याऽ ख	ताऽऽऽ ऽऽऽऽ का ह	मा ऽ ऽ र
२	०	३	×
नि नि सां रें	सांध सां निध म	मपधसां निधपध ग म	ग – – सा
अ रे मो रे	सैंऽ ऽ याऽ ख	ताऽऽऽ ऽऽऽऽ का ह	मा ऽ ऽ जों
२	०	३	×

			नि
ग – ग म	प – नि –	नि – सां –	सां निध पम गग
ओ ऽ ल त	ना ऽ हीं ऽ	ए ऽ कौ ऽ	बा ऽऽ ऽऽ ऽर
२	०	३	×

अन्तरा.

ग म प नि	नि सां सां –	नि नि सां –	सां नि (प) म
औ ऽ र जु	लु म जो ऽ	चा ह ना ऽ	क र ना क
२	०	३	×
ग म ग म	प नि – नि	नि नि सां नि	सां निसांरेंरे सांनिधप –प
द र पि या	दे ना ऽ ना	दि ल से उ	ता ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽर
२	०	३	×

खमाज—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि म	ग		नि प
सा – ग ग	म म गम पध	नि सां – निसां	सां (सां) नि धध
श्या ऽ म सु	द र ऽऽ बन	मा ली ऽ ऽऽ	के ऽ स खीऽ
०	३	×	२
सां		प	
नि सां – सांध	सां नि धप ध	ग म सां नि	धप (म) ग ग
द र ऽ सऽ	ऽ बि नाऽ ऽ	जि या ऽ त	रऽ सा ऽ य।
०	३	×	२

अन्तरा.

ग		नि प	नि
म नि ध नि	सां – नि सां	सां (सां) नि धध	सां (सां) नि ध
सो ह ऽ नि	सू ऽ र त	मो ऽ ह नि	मू ऽ र त
०	३	×	२
ग		सां	
म ग गम पध	नि सां सां सां	नि सां निसां सां	(सां) नि ध पध
ह र ऽऽ रंग	की ऽ छ बि	मो ऽ ऽऽ म	न ब मी सखि
०	३	×	२
सां		प——	
नि सां – सांध	सां नि धप ध	ग म सां नि	धप (म) ग ग
द र ऽ मऽ	ऽ बि नाऽ ऽ	जि या ऽ त	रऽ मा ऽ य।
०	३	×	२

खमाज–त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

	ध	सां	प—— प
ग सा ममगरेग ,ग	म गम – पध	नि सां – निसां	सां (सां) नि ध
प र देऽऽऽऽ ऽम	वा ऽऽ ऽ जिन	जा इ ऽ ऽऽ	यो ऽ रे ऽ
०	३	×	२
सां		म——	
नि सां सां निसांरेसां	नि – ध म	ग म सां नि	ध (म) ग –ग
पा न न छाऽऽऽ	ई ऽ प न	व रि ऽ या	ऽ भं व ऽर।
०	३	×	२

अन्तरा.

ग म			प
म नि ध नि	सां नि सां निसां	प नि सां सां	सां (सां) नि धप
का हे ऽ की	ऽ ते री ऽऽ	ना ऽ व न	व रि या ऽऽ
०	३	×	२
		सां	रें ध
म ग गम	पधनिसां –नि सां निसां	नि – सां –	नि सां निध पध
ऽ का हे ऽऽ	काऽऽऽ ऽते रा ऽऽ	बा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ साऽ तेरा
०	३	×	२
सां सां		प	
नि सां सां ध	सां नि धप ,म	ग म सां नि	ध (म) ग –ग
रा ख न हा	ऽ रा ऽऽ ऽय	ता ऽ ऽ ये	ऽ भं व ऽरा
०	३	×	२

खमाज—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प नि
ओ द

			प म
नि सां – नि	ध प ध म	ग – – –	ग म प म
ना तो ऽ म्त	न न दे रे	ना ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ता रे
०	३	×	२
		ग म	
ग – रे –	सा – – –	नि सा सा ग	– म प प
दा ऽ ऽ ऽ	नी ऽ ऽ ऽ	धि ति लि तो	ऽ म्त न न
०	३	×	२
सां	गं	रें सां	प सां
नि नि सां सां	रें गं रें सा	नि नि सां नि	– ध नि सां
दिर दि ना रे	तो ऽ म्त न	त द रे दा	ऽ नि, ओ द।
०	३	×	२

अन्तरा.

	नि		
ग ग म नि॒	ध प ध नि	सां – सां नि	सां – – –
य ल लि य	ल लि य ल	लों ऽ य ल	लों ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
नि	गं		नि
सां गं रें गं	– नि नि रें	– नि नि सां	– ध नि सां
धि ति लि तो	ऽ म्त न तो	ऽ म्त न तो	ऽ म्त न त
×	२	०	३
सां ध	प सां		
नि नि सां नि॒	– ध नि सां		
त द् रे दा	ऽ नि, ओ द्		
×	२		

खमाज–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी

ध			
नि॒ ध नि॒ प	ध नि॒ (सां) –	नि॒ ध ‿प म	ग ‿ग मम गग
ओ दे त न	दे रे ना ऽ	ऽ दी ऽम त	नो ऽम दिर दिर
२	०	३	×
	प		
रे सा ग मम	नि॒ ध ग म	नि॒नि॒ धध निनि सां	– रें सां नि॒नि॒
दा नि दी ऽम	दी ऽ म्दा रा	दिर दिर दिर दी	ऽ म्त दी ऽम
२	०	३	×
नि			
(सां) – ध नि	(सां) – ध प	म ग रे म	ग रे सा सा
दी ऽ म्त न	ना ऽ नि त	त द रे त	द रे दा नि।
२	०	३	×

अन्तरा.

म त्रि			
ग म ध नि	सां – नि सां	सां सां रें सां	नि॒ ध नि सां
स ऽ ब्ज नि	म ऽ त्म ना	गि र्दा ऽ द्गि	र्दे ऽ वे ऽ
०	३	×	२
मं			
गं मं रें सां	नि सां (सां) नि॒	ध ध नि॒ रेंरें	म (म) रे सासा
ख ऽ ल्मे नु	मे ऽ रो मा	ऽ गि र्दा ऽद्	गि र्दे ऽ ऽम
०	३	×	२
		सां	मं
म ग – म	नि॒ – ध –	नि – सां –	– गं मं रें
ब रा ऽ बि	रं ऽ गे ऽ	सो ऽ जों ऽ	ऽ म् ऽ क
०	३	×	२
			ध
सां नि सां (सां)	नि॒ ध ध नि॒	रें सां नि॒ सांसां	नि॒ ध नि॒ प
ऽ ल्मू ऽ नि	मा ऽ गि र्दा	ऽ दृगि र्दे ऽम	ओ दे त न।
०	३	×	२

खमाज–झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

मं	सां		
ग म प	नि सां	निसांरें सां नि॒	धप ध
सो लै क	ला ऽ	जाऽऽ में स	माऽ नि
३	×	२	०
मं			प
ग म प	सां नि॒	धप गम पध	म ग
अ मृ त	जै सी	बोऽ लऽ तऽ	बा नि
३	×	२	०

म													
ग	सा	ग	|	ग	म	|	प	नि	प	|	नि	सां
मु	ख	क	|	म	ल	|	द्यु	ति	नि	|	र	ख
३			|	×		|	२			|	०	
नि				रें									
सां	मं	गंरें	|	नि	सां	|	निसांरें	सां	नि	|	धप	ध
चं	ऽ	द्रऽ	|	जो	ऽ	|	तिऽऽ	हु	ल	|	जाऽ	नि
३			|	×		|	२			|	०	

अन्तरा.

ग													
म	ग	म	|	प	नि	|	प	नि	नि	|	सां	सां
क	टि	के	|	ह	रि	|	क	द	लि	|	जं	घ
३			|	×		|	२			|	०	
							नि	रें					
नि	सां	नि	|	सां	सां	|	सां	सां	नि	|	धप	ध
ना	भि	क	|	प	र	|	की	ऽ	र	|	वाऽ	गे
३			|	×		|	२			|	०	
ग				म									
म	ग	सा	|	ग	म	|	प	नि	प	|	नि	सां
अ	ल	क	|	प	र	|	वा	गे	भ्र	|	म	र
३			|	×		|	२			|	०	
नि				रें									
सां	मं	गंरें	|	नि	सां	|	निसांरें	सां	नि	|	धप	ध
चा	ऽ	लऽ	|	म	द	|	गऽऽ	ज	म	|	माऽ	नि।
३			|	×		|	२			|	०	

खमाज—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा		म			प		म		
नि़	सा	ग	म	प	ग	म	सां	–	नि॒
सु	धि	बि	स	र	ग	ई	आ	ऽ	ज
×		२			०		३		
					ध	प			
ध	म	प	–	ध	ग	म	ग	–	–
अ	प	नें	ऽ	गु	न	न	की	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
म		ध							
ग	म	नि॒	ध	नि	सां	–	नि	सां	–
तु	म	दा	ऽ	ऽ	ता	ऽ	दो	ऊ	ऽ
×		२			०		३		
ध									
प	नि	सां	–	सां	नि	सां	नि॒	–	ध
ज	ग	के	ऽ	खे	व	न	हा	ऽ	र।
×		२			०		३		
ध							प		
प	ध	म	ग	म	प	प	सां	–	नि॒
सु	धि	बि	स	र	ग	ई	आ	ऽ	ज
×		२			०		३		

अन्तरा.

म		ध		ध					
ग	म	नि॒	ध	पध	नि	सां	सां	–	सां
मा	ऽ	ढे	ऽ	मऽ	ढै	ऽ	या	ऽ	छ
×		२			०		३		

नि					सां				
प	नि	सां	–	सां	नि	सां	नि॒	ध	पध
व	न	ला	ऽ	गि	अ	ख	त	र	ऽऽ
×		२			०		३		
ग									
म	–	ग	–	म	प	ध	नि	सां	रें
पी	ऽ	र	ऽ	फ	की	ऽ	र	ऽ	स
×		२			०		३		
		ध	म		ध		ग		
नि॒	ध	ग	प	–	नि॒	धप	म	ग	–
भी	ऽ	गु	नी	ऽ	सु	रऽ	मु	नी	ऽ।
×		२			०		३		

खमाज—झपताल. (मध्यलय).

स्थायी.

सां					मां				
नि	–	सां	सां	सां	नि	सां	नि॒	–	धप
सं	ऽ	ग	त	अ	ना	ऽ	घा	ऽ	तऽ
×		२			०		३		
प							ग		
ग	–	म	प	सां	नि॒	धप	म	ग	–
दे	ऽ	सि	मा	ऽ	र	गऽ	लि	ये	ऽ
×		२			०		३		
ग		ग			रें		रें		
प	–	म	ग	म	ग	–	नि़	सा	सा
हो	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रा	ऽ	ग।
×		२			०		३		

अन्तरा.

म		ध							
ग	म	नि॒	ध	नि	सां	–	सां	–	सां
जै	ऽ	जै	ऽ	गु	नी	ऽ	तैं	ऽ	तैं
×		२			०		३		
		सां							
प	नि	नि	सां	–	नि	सां	नि॒	ध	–
क	ठि	न	जा	ऽ	न	त	है	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
सा		ध⁀	⁀	ध			प		
नि	सां	नि॒	ध	म	प	ध	ग	म	ग
य	ह	है	ऽ	खि	लो	ना	ना	ऽ	ग
×		२			०		३		

खमाज–चौताल. (विलम्बित).

स्थायी.

नि						सां					
सां	–	नि	सां	–	सां	नि	–	सां	नि॒	–	नि॒
रं	ऽ	ग	ला	ऽ	ल	रू	ऽ	प	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
	प		ध⁀	⁀				प			
ध	ग	म	प	सां	नि॒	ध	–	म	ग	–	ग
अ	ध	ऽ	र	ऽ	अ	धो	ऽ	क	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
	रे		म						प		
ग	नि़	सा	ग	–	म	प	–	ध	ग	–	म
द्रि	ग	न	ला	ऽ	ल	डो	ऽ	रे	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	

प						ध	ध		प		
सां	—	नि	ध	—	म	प	प	ध	म	—	ग।
को	ऽ	रे	ला	ऽ	ल	भ्न	ल	ऽ	के	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

ग			ध								
म	ग	म	नि	ध	नि	सां	—	नि	सां	—	सां
क	र	ऽ	ला	ऽ	ल	चू	ऽ	रि	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
सां						नि					
नि	—	नि	सां	—	सां	सां	निं	सां	नि	—	नि
सी	ऽ	स	फू	ऽ	ल	द्रु	में	ऽ	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
	प					सां					
ध	ग	म	प	—	ध	नि	सां	नि	सां	—	सां
ए	ती	ऽ	ला	ऽ	ल	बी	ऽ	च	प्या	ऽ	रि
×		०		२		०		३		४	
नि						ध	ध		प		
सां	रें	नि	ध	—	म	प	प	ध	म	—	ग
ला	ऽ	ल	ला	ऽ	ल	प	ल	ऽ	कें	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

						सां					
नि	नि	नि	सां	सां	सां	नि	—	सां	नि	नि	ध
अ	स	न	ब	स	न	ला	ऽ	ल	द	स	न
×		०		२		०		३		४	

	प							प			
ध	ग	म	प	सां	नि॒	ध	–	म	म	ग	–
च	म	क	ला	ऽ	ल	ला	ऽ	ल	ल	ही	ऽ
×		०		२		०		३		४	

	रे									प	
ग	नि़	सा	ग	–	म	प	प	–	ध	ग	म
ल	ल	ऽ	ना	ऽ	प	ग	न	ऽ	प	र	त
×		०		२		०		३		४	

						ध	ध		प		
नि॒	–	–	ध	–	म	प	प	ध	म	–	ग
ला	ऽ	ऽ	ल	ऽ	मुं	ग	न	ऽ	के	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

म											
ग	–	म	नि॒	ध	नि	सां	सां	नि	सां	–	सां
मा	ऽ	ला	ला	ऽ	ल	स	ब	हि	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	

ध						सां		नि			
प	नि	–	सां	–	सां	नि	सां	सां	नि॒	–	ध
दु	ल	ऽ	री	ऽ	को	रे	स	म	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	

	प					सां					
ध	ग	म	प	–	ध	नि	सां	नि	सां	–	सां
स	दा	ऽ	रं	ऽ	ग	प्या	ऽ	रे	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	

						ध	ध		प		
रें	–	नि॒	ध	–	म	प	प	ध	म	–	ग
ला	ऽ	ल	ही	ऽ	में	ल	ल	ऽ	के	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

खमाज—चौताल. (विलम्बित).

स्थायी.

ग
म
ते

				ध		सां			प	प	
ग	म	प	ध	सां	—	ध	नि	ध	म	म	प
ऽ	रो	ही	ऽ	चं	ऽ	द्र	ब	द	न	शो	ऽ
३		४		×		०		२		०	
प		प								ग	म
नि	ध	म	ग	ग	सा	ग	मप	ग	म	म	नि
भा	स	द	न	म	द	न	दऽ	ह	न	म	न
३		४		×		०		२		०	
				सां			नि				प
ध	नि	सां	—	रें	नि	सां	सां	नि	धप	ध	,म
ऽ	र	स	ऽ	ब	स	ऽ	क	र	नऽ	ऽ,	ऽते
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

प						सां	सां				
ग	म	निध	नि	सां	सां	नि	नि	सां	सां	—	सां
द	र	सऽ	प	र	स	प	र	ऽ	स्प	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
सां				रें							
नि	सां	रें	—	नि	सां	नि	नि	सां	नि	—	ध
उ	प	जा	ऽ	व	त	अ	ति	अ	नं	ऽ	द
×		०		२		०		३		४	

ध		सां				ग					
सां	सां	ध	नि̱	धप	मग	म	नि̱	ध	नि	सां	-
स	क	ल	सु	खऽ	दऽ	स	ब	ऽ	बि	धी	;
×		०		२		०		३		४	
सां	रें		नि				प				
रें	नि	सां	सां	नि̱	धप	ध	म				
दु	ख	ऽ	ह	र	नऽ	ऽ,	ते				
×		०		२		०					

खमाज—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	ग			ध		ध	सां				
	म	ग	म	प	ध	सां	ध	सां	नि̱	ध	म
ऽ	मा	ऽ	इ	री	ऽ	ब	र	ऽ	जो	ऽ	ना
०		३		४		×		०		२	
प	ध			प						प	
म	प	नि̱	ध	म	ग	ग	सा	गम	पध	ग	म
मा	ऽ	ऽ	न	त	ऽ	अ	त	हीऽ	हऽ	ठी	लो
०		३		४		×		०		२	
ग						सां			ध		
म	नि̱	ध	नि	सां	–	रें	नि	सां	सां	नि̱	धप
ते	ऽ	ऽ	रो	ही	ऽ	कुं	व	र	का	ऽ	न्हऽ।
०		३		४		×		०		२	
	प										
ध	म										
ऽ	मा										
०											

अन्तरा.

म			ध								
ग	म	–	नि	ध	नि	सां	–	नि	सां	–	सां
ज	म	ऽ	ना	ऽ	के	नी	ऽ	र	ती	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
			ध						रें		
म	म	–	नि	ध	नि	सां	–	रें	नि	सां	सां
ज	म	ऽ	ना	ऽ	के	नी	ऽ	र	ती	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
नि					सां						
प	नि	–	सां	–	रें	सां	–	नि	सां	नि	ध
धे	ऽ	ऽ	नू	ऽ	च	रा	ऽ	ऽ	ऽ	व	त
×		०		२		०		३		४	
प					नि	सां					
ग	–	म	प	–	ध	नि	सां	नि	सां	–	सां
बां	ऽ	सु	री	ऽ	ब	जा	ऽ	य	गा	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	
सां			नि				ध				
रें	नि	सां	सां	नि	धप	ध	म				
नी	ऽ	की	ता	ऽ	नऽ	ऽ	मा				
×		०		२		०					

खमाज–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सां					सां			नि			
नि	सां	नि	सां	–	रें	सांनि	सां	सां	नि	–	धप
आ	ऽ	ज	तो	ऽ	स	खी	ऽ	री	दे	ऽ	खेऽ
×		०		२		०		३		४	

प			ध					प			
ग	–	म	प	सां	नि॒	ध	–	म	ग	–	सा
ग	ऽ	म	चं	ऽ	द्र	छ	ऽ	त्र	धा	ऽ	ये
×		०		२		०		३		४	
			म			ध					
सा	सा	–	ग	–	म	प	ध	नि	सां	सां	–
ग	ज	ऽ	की	ऽ	म	वा	ऽ	रि	की	ये	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सां					सां			नि			प
रें	नि	सां	सां	–	रें	सां	–	सां	नि॒	ध	ध
च	ले	ऽ	जा	ऽ	त	बा	ऽ	ट	में	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

ग			म								
म	ग	म	नि॒	ध	नि	सां	–	नि	सां	–	सां
के	ते	ऽ	आ	ऽ	स	बा	ऽ	र	सो	ऽ	है
×		०		२		०		३		४	
सां	सां					सां					
नि	नि	सां	सां	–	सां	नि	सां	निसां	नि॒	–	ध
के	ते	ऽ	सो	ऽ	है	ब	कै	ऽऽ	दा	ऽ	ज
×		०		२		०		३		४	
प											
म	ग	म	प	–	ध	नि	सां	नि	सां	–	सां
के	ते	ऽ	के	ऽ	ते	न	की	ब	बो	ऽ	ले
×		०		२		०		३		४	

सां गं	रें नि	सां	सां	सां	–	रें नि	सां	सां	नि	ध	प ध
आ	नं	ऽ	द	के	ऽ	ठा	ऽ	ठ	में	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

खमाज—दीपचन्दी (मध्यलय).

स्थायी.

गम	पध	प	–	म	–	–	ग	रे	ग	मा	मारे	ग	रे
हो ऽ	ऽऽ	री	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ज	ऽ	ऽ	ज	रेऽ	ऽ	ऽ
३				×			२				०		
ग	म	प	म	प	–	–	प	–	–	प	मप	मग	रेग
चा	ऽ	ऽ	हे	का	ऽ	ऽ	ल	ऽ	ऽ	ज	रेऽ	ऽऽ	ऽऽ
३				×			२				०		
गम	पध	प	–	म	–	–	ग	रे	ग	मा	मारे	ग	रे
हो ऽ	ऽऽ	री	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ज	ऽ	ऽ	ज	रेऽ	ऽ	ऽ
३				×			२				०		
ग	म	प	म	प	–	–	प	–	–,	प	ध	म	–
चा	ऽ	ऽ	हे	का	ऽ	ऽ	ल	ऽ	ऽ,	अ	री	ऽ	ऽ
३				×			२				०		
प	–	ध	–	नि	नि	–	सां	–	–	रें	नि सांसां	निध	नि
मे	ऽ	रो	ऽ	म	न	ऽ	मो	ऽ	ऽ	ह	नाऽ	ऽऽ	ऽ
३				×			२				०		

ध	–	प	–	मपधसां	सांनिध	नि		ध	प	–	ध	मप	मग	रेग	
मो	ऽ	मे	ऽ	आऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽ		न	ऽ	ऽ	मि	लेऽ	ऽऽ	ऽऽ।	
३				×				२				०			

अन्तरा.

	प	प	प	–	ध	–	नि	–	–	सां	–	–	–
ऽ	बि	न	पी	ऽ	या	ऽ	कैं	ऽ	ऽ	से	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
रें	–	गं	रें	–	–	सां	सां	–	–	(नि) सां	नि	ध	प
फा	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ह	मा	ऽ	ऽ	गे	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
नि	नि	–	सां	–	–	रें	सां	–	–	नि	ध	नि	प
अ	बी	ऽ	र	ऽ	ऽ	गु	ला	ऽ	ऽ	ल	ऽ	ऽ	पे
×			२				०			३			
प	ध	(सां) नि	ध	प	–	ध	म	ग	(रे) ग	गम	पध	प	ध
आ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ल	गो	ऽ	ऽ	होऽ	ऽऽ	री	ऽ।
×			२				०			३			

खमाज—दीपचन्दी (चाचर) (मध्यलय).

स्थायी.

	सा	सा	ग	–	–	ग	म	–	–	(प)ग	म	प	ध
ऽ	अ	च	रा	ऽ	ऽ	छो	रो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अ	ब
×			२				०			३			
(मां)नि	–	–	(सां)नि	–	मां	–	–	(नि)ध	सां	नि	ध	प	–
ज़ा	ऽ	ऽ	ये	ऽ	घो	ऽ	ऽ	ह	म	कों	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
	(सां)नि	नि	मां	–	–	–	(नि)सां	नि	ध	नि	–	प	–
ऽ	क	ब	में	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ई	ऽ	हूँ	ऽ	मैं	ऽ
×			२				०			३			
	म	म	गम	गम	पध	निसां	(ध)नि	(ध)प	ध	म	गरे	ग	सा
ऽ	चिं	ट	राऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ब	न	ऽ	सें	ऽऽ	ऽ	ऽ।
×			२				०			३			

अन्तरा.

(प)म	–	म	(ध)नि	ध	–	नि	सां	–	सां	मां	–	–	–
सा	ऽ	मु	हो	ऽ	ऽ	गी	टो	ऽ	ह	में	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
(सां)नि	–	–	(सां)नि	–	–	नि	सां	सां	–	नि	नि	ध	(र)ध
बा	ऽ	ऽ	ट	ऽ	ऽ	त	क	त	ऽ	हु	इ	हैं	ऽ
×			२				०			३			

सां													
नि	—	—	नि	—	—	नि	सां	सां	—	नि	नि	नि	ध
या	ऽ	ऽ	ही	ऽ	ऽ	क	द	र	ऽ	क	ह	के	ऽ
×			२				०			३			
प													
म	—	—	पध	नि	—	धप	ध	म	—	ग	—	—	—
दो	ऽ	ऽ	खऽ	ऽ	ऽ	लऽ	गे	ऽ	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
मं													
गं	मं	—	रें	—	—	सां	सां	—	—	नि	नि	सां	—
दे	ऽ	ऽ	र	ऽ	ऽ	की	न्हीं	ऽ	ऽ	इ	त	नी	ऽ
×			२				०			३			
—	प	नि	सां	—	—	रें	नि	सां	—	नि	ध	प	ध
ऽ	प	नि	यां	ऽ	ऽ	भ	र	न	ऽ	मैं	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां													
नि	—	नि	सां	—	—	—							
जा	ऽ	य	द्यो	ऽ	ऽ	ऽ	स्थायी के			अनुसार			
×			२										

खमाज—दीपचन्दी (मध्यलय).

स्थायी.

सा	—	—	ग	—	—	ग	म	म	—	ग	म	प	ध
जा	ऽ	ऽ	वों	ऽ	ऽ	क	द	र	ऽ	ऽ	ऽ	ना	हीं
×			२				०						

नि	—	—	सां	—	—	—	—	सां	सां	सां	ध	सां	नि
बो	ऽ	ऽ	लो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ह	म	से	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
ध	प	ध	(म)	—	—	ग	म	म	—	गम	पध	निसां	नि
जा	ऽ	ऽ	बो	ऽ	ऽ	क	द	र	ऽ	नाऽ	ऽऽ	ऽऽ	हीं
×			२				०			३			
सां	—	—	सां	—	—	निनि	सां	(सां)	—	नि	—	ध	—
बो	ऽ	ऽ	लो	ऽ	ऽ	अरे	ह	म	ऽ	से	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
	नि	—	नि	—	—	सांसां	सां	ध	सां	नि	—	ध	—
ऽ	ह	ऽ	म्से	ऽ	ऽ	बहु	तें	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
	म	म	मप	मप	धसां	निध	प	ध	प	म	ग	रे ग	—
ऽ	तु	म	रेऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	द	म	से	ऽ	ऽ	ऽ।
×			२				०			३			

अन्तरा.

म	ग	म	नि	ध	—	नि	सां	—	नि	सां	—	सां	—
भू	ऽ	ऽ	ठी	ऽ	ऽ	ल	गा	ऽ	ऽ	व	ऽ	त	ऽ
×			२				०			३			

ग	म ध प		
म – –	नि॒नि॒ धध – नि	सां – –	नि सां सां सां
भू ऽ ऽ	ठीऽ ऽऽ ऽ ल	गा ऽ ऽ	ऽ ऽ व त
×	२	०	३
नि नि	सां – सां –	सां नि सां	नि॒ – ध –
ऽ ना हिं	मो ऽ हे र	भा ऽ ऽ	व ऽ त ऽ
×	२	०	३
नि – –	– – सां सां	सां ध सां	नि॒ – ध –
हो ऽ ऽ	ऽ ऽ ह र	जा ऽ ऽ	ई ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
			रें
म म	मप मप धसां नि॒ध	प ध प	म ग ग –
ऽ तु म	रेऽ ऽऽ ऽऽ जम	ऽ ज म	से ऽ ऽ।
×	२	०	३

खमाज— दीपचन्दी (विलंबित).

स्थायी.

म			
ग नि॒ सा	ग – – ग	म म –	ग म प ध
हो ऽ ऽ	री ऽ ऽ खे	ल त ऽ	ऽ ऽ मो में
×	२	०	३
सां सां		सां	प
नि नि –	सां – – सां	नि सां –	नि॒ – ध ध
न ई ऽ	रे ऽ ऽ न	ई ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३

सां नि	—	—	सां	—	सां	—	निसां	निसां	—	नि	—	—	धप
का	ऽ	ऽ	भ	ऽ	यो	ऽ	नऽ	नंऽ	ऽ	दी	ऽ	ऽ	अऽ
×			२				०			३			
प ग	म	—	सां	—	नि	धप	ग	म	—	ग	—	—	—
नो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	खे	पिऽ	या	ऽ	ऽ	से	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			

अन्तरा.

ग म	ग	म	ध नि	—	ध	नि	सां	सां	—	सां नि	सां	सां	—
ब	र	ऽ	जो	ऽ	ऽ	रि	क	र	ऽ	मो	ऽ	री	ऽ
×			२				०			३			
सां नि	—	—	सां	—	नि	सां	सांरें	रें नि	सां	नि	—	ध	—
बै	ऽ	ऽ	यां	ऽ	ऽ	ग	हऽ	त	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
ग म	ग	म	प	—	—	ध	नि	सां	—	सां	—	सां	—
अ	प	ऽ	नी	ऽ	ऽ	क	ह	त	ऽ	औ	ऽ	र	ऽ
×			२				०			३			
सां रें	रें नि	—	सां	—	—	रें	नि	सां	—	नि	—	ध	—
क	छू	ऽ	ना	ऽ	ऽ	सु	न	त	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			

सां		रें	
नि – –	सां – – सां	नि सां –	नि – ध प
आ ऽ ऽ	ज ऽ ऽ ला	ऽ ज ऽ	मो ऽ री ऽ
×	२	०	३
प		प	
ग म –	सां – नि धप	ग म –	ग – – –
ग ई ऽ	ऽ ऽ रे गऽ	ई ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ ।
×	२	०	३

खमाज—धमार (विलम्बित).

स्थायी.

		म	
	ग सा	ग – म	प ध नि सां
	अ ब	कें ऽ म	मैं ऽ फा ऽ
	२	०	३
सां सां	प	सां	प
नि नि सां नि ध	नि ध	नि सां –	नि – ध म
गु न ऽ में ऽ	ऽ खे	ल न ऽ	आ ऽ ऽ ये
×	२	०	३
ध			
प ध – म ग	ग सा		
हो ऽ ऽ री ऽ	अ ब		
×	२		

अन्तरा.

ग म ध			नि
म ग म नि –	ध नि	सां नि सां	सां – – सां
अ प ऽ ने ऽ	ऽ री	अ प ऽ	ने ऽ ऽ मं
×	२	०	३

सां मं	गं	–	गं नि	–	|	सां	–	|	सांगं	नि	सां	|	नि॒	–	ध	–
दि	र	ऽ	से	ऽ	|	ऽ	ऽ	|	निऽ	क	ऽ	|	मी	ऽ	ऽ	ऽ
×						२			०				३			
ग म	ग	म	प	–	|	–	ध	|	सां नि	मां	–	|	मां	–	मां	–
को	ई	ऽ	मां	ऽ	|	ऽ	व	|	री	ऽ	ऽ	|	को	ऽ	ई	ऽ
×						२			०				३			
सां नि	सां	–	नि॒	ध	|	नि॒	प ध	|	सां नि	मां	–	|	नि॒	–	ध	म
गो	ऽ	ऽ	री	ऽ	|	ऽ	खे	|	ल	न	ऽ	|	आ	ऽ	ऽ	ये
×						२			०				३			
ध प	ध	–	म	ग	|	ग	सा	|				|				
हो	ऽ	ऽ	री	ऽ	|	अ	व	|				|				
×						२										

खमाज—धमार (विलम्बित).

स्थायी.

																	सा
																	आ
म ग	–	म	|	प	ध	नि	सां	|	नि सां	नि	सां	नि॒	ध	|	–	ध पध
ये	ऽ	ऽ	|	रं	ग	सों	ऽ	|	भी	ऽ	ऽ	जे	ऽ	|	ऽ	मोऽ
०				३					×						२	

नि सां —	नि — ध म	ध प ध म ग —	— सा
ह न ऽ	ऽ ऽ सु ख	दे ऽ ऽ या ऽ	ऽ, आ।
०	३	×	२

अन्तरा.

ग म ग म नि —	ध नि	नि सां —	नि सां सां सां
मो ऽ ऽ र ऽ	ऽ मु	क ट ऽ	ऽ ऽ क टि
×	२	०	३
नि रें सां मं गं नि —	सां —	सां नि सां —	नि — ध —
मो ऽ ऽ हे ऽ	पी ऽ	तां ऽ ऽ	ब ऽ र ऽ
×	२	०	३
प म ग म प —	— ध	नि सां —	रें नि सां —
मु र ऽ ली ऽ	ऽ अ	ध र ऽ	सो ऽ हे ऽ
×	२	०	३
सां प नि सां — नि ध	— नि	नि सां —	नि — ध म
ये ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ मो	ह न ऽ	ऽ ऽ सु ख
×	२	०	३
ध प ध म ग —	— सा		
दे ऽ ऽ या ऽ	ऽ, आ		
×	२		

राग भैरव

रागादिर्भैरवाख्यो मृदुऋषभमधस्तीव्रगस्तीव्रनिश्च ।
वाद्यस्मिन् धैवतोऽस्यादृषभ इह तु संवादिरूपोऽभिगीतः ।
आरोहेऽल्पर्षभत्वं क्वचिदपि मृदुनिः प्राहुरेके विकल्पं ।
प्रातःकालेषु नित्यं जगति सुमतिभिः सुस्वरं गीयतेऽसौ ।।

कल्पद्रुमांकुरे ।

प्रथमो भैरवो रागो मृदुमर्षभधैवतः ।
वादी धैवत एवात्र संवादी चर्षभो मतः ।।

चन्द्रिकायाम ।

भैरव कोमल रिमध सुर तीव्र गंधार निखाद ।
धैवत वादी सुर कह्यो तासु रिखब सम्वाद ।।

चन्द्रिकासार ।

मगौ मपौ धपौ मगौ रिगौ मपौ मगौ रिसौ ।
भैरवो नित्यपूर्णः स्याद्धैवतांश प्रभातगः ।।

अभिनवरागमंजर्याम् ।

"भैरव"—यह राग भैरव थाट से उत्पन्न होता है। इसकी जाति सम्पूर्ण है। रिषभ तथा धैवत स्वर इसमें कोमल प्रयुक्त होते हैं, शेष स्वर शुद्ध लगते हैं। वादी स्वर धैवत व सम्वादी रिषभ है। इस राग का गायन समय प्रातःकाल माना जाता है। कभी-कभी इस राग के अवरोह में कोमल निषाद का प्रयोग कोई-कोई गायक कुशलता पूर्वक करते हैं। इस राग की प्रकृति गम्भीर है। भैरव राग की सब विशेषता रे, ध इन स्वरों पर निर्भर है। इन स्वरों के आन्दोलन से यह राग अधिक रक्तिदायक होता है। इसके आरोह में रिषभ का अल्पत्व रहता है। मध्यम से रिषभ की मींड इसमें बहुत सुन्दर दिखाई देती है।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सा रे ग म, प ध, नि सां। सां नि ध, प मग, रे, सा।

पकड़—

सा, ग, म प, ध, प.

———

भैरव–त्रिताल (मध्यलय). (कलावंती)

स्थायी.

रे	ग	रे	ग	म	प	ग	म	नि	ध	ऽ	ग	ऽ	म	ग	रे
०				३				×				२			
ग	म	प	ग	म	नि	ध	..	रें	ऽ	सां	गं	ऽ	ग	ऽ	म
०				३				×				२			
नि	ध	रें	ऽ	ध	ऽ	रें	ऽ	ग	म	प	ग	म	ग	रे,	नि।
०				३				×				२			

अन्तरा.

ग	ग	प	प	ध	ध	नि	नि	ध	नि	नि	ध	म	प	ग	म
×				२				०				३			
ध	ऽ	नि	ध	ऽ	रें	ऽ	मां	गं	ऽ	रें	ऽ	पं	ऽ	गं	मं
×				२				०				३			
धं	ऽ	ध	ऽ	नि	ध	ऽ	नि	रें	गं	नि	रें	ध	नि	म	ध
×				२				०				३			
ग	म	प	ग	म	ग	रे,	नि								
×				२											

भैरव—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

ऽ	सा	ऽ	रे॒	ऽ	रे॒	ग	ऽ	ऽ	म	ऽ	प
०		३		४		×		०		२	
						नि	नि		नि		
				—	सां	सां	ध॒	—	ध॒	—	प
ऽ	ध॒	ऽ	नि	ऽ	ये	म	म	ऽ	सू	ऽ	र
०		३		४		×		०		२	
						म			म		
—	म	ग	मरे॒	ग	प	प	म	ग	रे॒	—	सा
ऽ	मो	ऽ	मऽ	न	में	ऐ	मे	ऽ	आ	ऽ	ये।
०		२		४		×		०		२	

अन्तरा.

			नि								
प	—	—	ध॒	—	नि	सां	सां	—	नि	सां	सां
आ	ऽ	ऽ	रो	ऽ	हि	अ	व	ऽ	रो	ऽ	हि
×		०		२		०		३		४	
नि	नि								नि		
सां	ध॒	—	नि	सां	सां	रें	—	सां	ध॒	—	प
स	रे	ऽ	ग	म	की	ऐ	ऽ	सि	हो	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
नि॒	ऽ	ऽ	ध॒	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ग	ऽ	ऽ	रे॒	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	रे॒	ऽ	रे॒
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

			नि	नि	नि				नि		
सा	सा	ध	ध	ध	ध	—	ध	—	ध	—	प
पु	न	ऽ	दु	ग	न	ऽ	की	ऽ	जे	ऽ	तो
×		०		२		०		३		४	
नि									नि		
ध	—	ध	नि	सां	सां	सां	नि	सां	ध	—	प
ऐ	ऽ	मे	ली	ऽ	जे	सु	र	ऽ	न	ऽ	को
×		०		२		०		३		४	
प	म	ग								ग	
ग	ग	रे	—	ग	प	म	ग	म	रे	रे	सा
त	ब	आ	ऽ	वे	स	ब	न	के	म	त	में
×		०		२		०		३		४	
नि़						ग			ग		
ध़	—	ध़	नि़	सा	सा	रे	—	—	रे	—	सा
कं	ऽ	ठ	को	ऽ	सु	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

ध़	नि़	सा	नि़	सा	रे	सा	रे	ग	रे	ग	म
×		०		२		०		३		४	
ग	म	प	म	प	ध	प	ध	नि	ध	नि	सां
×		०		२		०		३		४	
सां	नि	ध	नि	ध	प	ध	प	म	प	म	ग
×		०		२		०		३		४	
म	ग	रे	ग	रे	सा	ऽ	सा				
×		०		२		०					

भैरव—मूलताल (मध्यलय).

मात्रा १०.

स्थायी.

नि				प		प		ग	
ध॒	—	प	प	म	प	ध॒	प	म	ग
धै	ऽ	व	त	को	ऽ	म	ल	क	र
×		०		२		३		०	
		म		ग		ग		ग	
मग	मरे॒	ग	प	म	ग	म	रे॒	रे॒	सा
रेऽ	ऽऽ	ख	व	सु	र	को	ऽ	म	ल
×		०		२		३		०	
नि़		नि़		सा		ग			
सा	—	ध़॒	ध़॒	नि़	सा	रे॒	रे॒	सा	सा
मं	ऽ	द	र	स्था	ऽ	न	म	धु	र
×		०		२		३		०	
ग									
मग	मग	रे॒	रे॒	मग	प	मग	मग	रे॒	सा
भैऽ	ऽऽ	र	व	शांऽ	ऽ	तिऽ	प्रऽ	चु	र ।
×		०		२		३		०	

अन्तरा.

		नि		सां					
प	—	ध॒	ध॒	नि	—	सां	नि	सां	सां
धै	ऽ	व	त	अं	ऽ	श	वि	च	र
×		०		२		३		०	

नि								नि	
ध॒	–	नि	सां	रें॒	सां	नि	सां	ध॒	प
रे	ऽ	ख	व	क	र	स	ह	च	र
×		०		२		३		०	
प				सां		नि		नि	
ध॒	रें॒	सां	–	नि	सां	ध॒	–	ध॒	प
सं	ऽ	पू	ऽ	र	न	सू	ऽ	द	र
×		०		२		३		०	
सां	नि	ध॒	प	म	ग	रे॒	रे॒	सा	ऽ।
×		०		२		३		०	

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

	म			सा				नि़							
सारे॒	ग	रे॒	सा	नि़	सा	रे॒	सा	ध़॒	–	नि़	नि़	सा	–	सा	सा
भैऽ	ऽ	र	व	ल	ऽ	छ	न	गा	ऽ	य	गु	नी	ऽ	व	र
०				३				×				२			
म				ग		ग					प	ग			
ग	–	म	म	म	म	रे॒	रे॒	रे॒	गरे॒	गम	म	म	रे॒	सा	सा
को	ऽ	म	ल	सु	र	ध	र	ग	मऽ	नीऽ	ऽ	सु	ध	क	र
०				३				×				२			
सा		म		नि				ग			प	ग			
नि़	सा	ग	म	ध॒	–	प	–	म	रे॒	गम	म	रे॒	–	सा	सा
प्रा	ऽ	त	स	में	ऽ	री	ऽ	झ	त	नाऽ	ऽ	री	ऽ	न	र।
०				३				×				२			

अन्तरा.

म				नि						सां					
प	—	प	प	ध	—	नि	नि	सां	—	सां	नि	सां	नि	सां	नि
धैं	ऽ	व	त	हो	ऽ	त	प्र	धा	ऽ	न	जी	ऽ	व	मु	र
०				३				×				२			
सां								सां				सां		नि	
ध	—	ध	ध	नि	नि	सां	सां	रें	—	सां	सां	नि	सां	ध	प
रे	ऽ	ख	व	स	ह	च	र	हो	ऽ	त	पु	र	ऽ	स्म	र
०				३				×				२			
ग								नि				नि			
म	—	ग	म	प	—	प	प	ध	ध	सां	सां	ध	—	प	प
मा	ऽ	ल	व	ठा	ऽ	ठ	लि	ख	त	अ	ति	सू	ऽ	द	र
०				३				×				२			
				नि											
प	ध	सां	—	ध	ध	प	—	मग	मरे	गम	प	म	ग	रे	सा
भ	ऽ	की	ऽ	र	स	मों	ऽ	गाऽ	ऽऽ	यऽ	गु	नि	च	तु	र।
०				३				×				२			

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म		नि													
ग	म	ध	ध	प	—	पध	मप	म	ग	(म)	रे	—	रे	—	सा
सां	ऽ	ब	स	दा	ऽ	शिऽ	वऽ	भो	ऽ	ला	ऽ	ऽ	प्या	ऽ	रे
०				३				×				२			
नि़		नि़						सा				ग			
सा	सा	ध़	ध़	नि़	नि़	सा	सा	रे	रे	रे	रे	रे	—	सा	सा
र	ट	म	न	नि	स	दि	न	प	र	म	द	या	ऽ	घ	न
०				३				×				२			

सा		म						सां	सां					ग	
नि़	सा	ग	म	प	ध	नि	सां	रें	रें	सां	नि	ध	प	म	ग
त	ज	मा	ऽ	या	ऽ	को	भ्र	को	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ला	ऽ।
०				३				×				२			

अन्तरा.

			नि			सां						सां			
प	–	प	ध	–	ध	नि	नि	सां	–	सां	सां	नि	सां	सां	सां
का	ऽ	म	क्रो	ऽ	ध	म	द	मो	ऽ	ह	रु	म	ऽ	त्स	र
०				३				×				२			
सां				सां				नि	सां			नि			
नि	ध	ध	ध	नि	नि	सां	सां	सां	रें	सां	सांनि	ध	–	प	प
लो	ऽ	भ	क	ह	त	ख	ट	रि	पु	ह	तऽ	पा	ऽ	म	र
०				३				×				२			
			ध											प	
–	ध	–	रें	सां	नि	सां	नि	ध	नि	ध	प	म	प	ग	म
ऽ	छां	ऽ	ड	भ	र	म	श	र	न	जा	ऽ	य	च	तु	र।
०				३				×				२			

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म		नि				ग		ग				ग			
ग	म	ध	ध	पम	प	म	ग	रे	–	मग	(म)	रे	–	सा	–
ध	न	ध	न	मूऽ	ऽ	र	त	कृ	ऽ	ष्णऽ	मु	रा	ऽ	री	ऽ
०				३				×				२			
नि़	नि़							ग				सा		म	
सा	ध़	–	नि़	सा	सा	सा	सा	रे	–	सा	–	नि़	सा	ग	म
सु	ल	ऽ	च्छ	ऽ	न	गि	रि	धा	ऽ	री	ऽ	छ	बि	सुं	ऽ
०				३				×				२			

नि	ध नि		
प प ध —	सां — ध प	पध निसां सांरें सांनि	धनि धप मग म
द र ला ऽ	गे ऽ अ ति	प्याऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ री
०	३	×	२

अन्तरा.

म	नि		
प — प —	ध ध नि नि	सां सां सां सां	नि सां सां —
बं ऽ सी ऽ	ध र म न	मो ह न सु	हा ऽ वे ऽ
०	३	×	२
सां रें		नि	नि
रें रें मं मं	रें — सां —	सां सां रें सां	ध — प —
ब लि ब लि	जा ऽ ॐ ऽ	मो रे म न	भा ऽ वे ऽ
०	३	×	२
म	नि		
ग म ग म	प — ध प	पध निसां सांरें सांनि	धनि धप मग म
स ब रं ग	ज्ञा ऽ न बि	चाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ री
०	३	×	२

भैरव—त्रिताल, (मध्यलय).

स्थायी.

म नि		ग	ग
ग म ध ध	प — ध प	म ग (म) रे	— रे — सा
अ ब न ज	गा ऽ वो ऽ	प्या ऽ रे ऽ	ऽ मैं ऽ का
०	३	×	२
सा	नि	सा ग	
नि — सा सा	ध ध नि सा	रे रे रे रे	— रे सा सा
ला ऽ ग लि	अ खि मो रि	अ ब हुं ने	ऽ क प ल
०	३	×	२

सा म		नि ध	ग
नि॒ सा ग म	प ध नि सां	ध सां — नि	ध प म ग
क भ प क	नि सि मा री	जा गी ऽ ज	गा इ तु म ।
०	३	×	२

अन्तरा.

म म	नि		
प — प प	ध — नि नि	सां सां सां सां	नि सां सां सां
सो ऽ व न	दे ऽ मो हे	अ नं द भु	व न ग र
०	३	×	२
नि			नि
ध — ध —	नि — सां —	निसां रें सां सां	ध — प —
ला ऽ गू ऽ	गी ऽ तो ऽ	रेऽ ऽ छ ति	या ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
रें		नि नि	प
— प ध सां	सां नि ध प	प ध ध प	मप ग — म
ऽ श र न	अ ब तू ऽ	जि न जा ऽ	बोऽ आ ऽ ज ।
०	३	×	२

———

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म नि	प		म
ग म ध ध	प — ध मप	धध मप प —	म ग प मग
अ न त क	हा ऽ जि नऽ	जाऽ ऽऽ ऽ ऽ	बो ऽ पि याऽ
०	३	×	२

ग			ग
रे – – –	सा – – –	सारे ग म (म)	रे रे सा –
मो ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ	हीऽ ऽ ऽ ऽ	र हि ये ऽ
०	३	×	२
सा		सां नि	प
नि सा ग म	प ध नि सां	रें – सां ध	नि धप ग म
ए ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ मो रे	धा ऽ म श्या	ऽ मऽ तु म
०	३	×	२

अन्तरा.

	नि		
प प प प	ध ध नि नि	सां सां सां –	नि सां सां –
ज न म ज	न म नि सि	दि न हूँ ऽ	ते ऽ री ऽ
×	२	०	३
नि			नि
ध – ध –	नि – सां सां	रें रें सां –	नि सां ध प
हूँ ऽ था ऽ	री ऽ च र	न न की ऽ	चे ऽ री ऽ
×	२	०	३
	ध नि		ग
ग म प ध	सां सां ध प	म ग (म) ग	रे – सा –
बि न ति सु	म न सु न	ली ऽ जे ऽ	मे ऽ री ऽ
×	२	०	३
सा म		नि	
नि सा सा ग	– म प प	ध – नि नि	सां – सां –
प्र भु गु ला	ऽ ब ब्रि ज	जी ऽ व न	मा ऽ धो ऽ
×	२	०	३
प ध			
ध रें सांनि ध	नि धप म ग		
सु द रऽ श्या	ऽ मऽ तु म		
×	२		

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

		नि	
ध़ध़प मप म ग	म म प प	ध़ — — —	प — — —
ख्याऽऽ ऽऽ ला ऽ	मु झ भ र	दे ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
ग	म		
म ग (म) ग	रे़ — ग प	म ग म ग	रे़ — सा —
म त वा ऽ	रे ऽ मो रे	बी ऽ त ग	ई ऽ ली ऽ
०	३	×	२
सा		नि	नि
नि़ सा ग म	प ध़ नि सां	(सां) — ध़ सां	नि ध़ — प
सि ग री ऽ	रै ऽ न भ	ई ऽ ली ऽ	ऽ भो ऽ र
०	३	×	२

——

अन्तरा.

	नि		
प प प प	ध़ — नि —	सां सां — सां	नि सां सां —
ह म तु म	पी ऽ वें ऽ	छ का ऽ छ	का ऽ वें ऽ
०	३	×	२
नि		गं	सां नि
ध़ ध़ ध़ ध़	नि नि सां —	रें़ — सां सां	नि सां ध़ प
दु र ज न	लु ग वा ऽ	दे ऽ ख ड	रा ऽ वें ऽ
०	३	×	२
सा		सां सां	
नि़ सा ग म	प ध़ नि सां	रें़ रें़ सां नि	ध़ प ध़ म
क र ली ऽ	यों ऽ अ ति	शो ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ र।
०	३	×	२

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा रे̱	सा सा	नि̣	
रे̱ मग रे̱ रे̱	नि̣ सा रे̱ सा	ध̱̣ – नि̣ –	सा सा सा –
प वऽ न च	ल त पु र	बै ऽ या ऽ	सि य री ऽ
०	३	×	२
ग ग			म
म ग म ग	रे̱ – ग प	म ग (म) –	रे̱ – सा सा
मो रा अँ ग	वा ऽ ऽ ज	ड़ा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ य पि
०	३	×	२
ग	नि		म
नि̣ सा म ग	म ध̱ प –	मग मरे̱ गप मग	रे̱ – – सा
य र वा ऽ	ग र वा ऽ	लेऽ ऽऽ चोऽ लऽ	गा ऽ ऽ य।
०	३	×	२

अन्तरा.

नि	सां		नि
प – ध̱ ध̱	नि – सां सां	नि सां सां सां	सां रें̱ सां –
आ ऽ वो स	दा ऽ रं ग	ह म तु म	सु क वा ऽ
×	२	०	३
नि	प	नि	सां नि
नि सां ध̱ प	ग म प –	ध̱ – सां –	नि सां ध̱ प
क र हीं ऽ	जा ऽ में ऽ	जा ऽ में ऽ	ऽ ऽ नि सि
×	२	०	३

म		ग	ग नि
प म ग मग	रे – सा सा	नि सा म ग	म ध प –
त्रि हा ऽ ऽऽ	ऽ ऽ य पि	य र वा ऽ	ग र वा ऽ
×	२	०	३
		सा रे	
मग मरे ग प	मग मरे रे सा	रे मग रे रे	
लेऽ ऽऽ बो ल	गाऽ ऽऽ ऽ य	प वऽ न च	
×	२	०	

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि	नि		
ध – ध ध	ध – प –	धध पम प –	म – ग –
भों ऽ र भ	ई ऽ लो ऽ	प्याऽ ऽऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
ग	ग	ग	ग
म ग (म) ग	रे – ग प	म ग म ग	रे – सा –
म त वा ऽ	रे ऽ मों ऽ	ग र वा ऽ	ला ऽ गों ऽ
०	३	×	२
सा		नि ध	नि
नि सा ग म	प ध नि सां	ध रें सां –	ध ध प ग
ह म तु म	क र रं ग	र स की ऽ	ब ति यां ऽ
०	३	×	२
ग नि			
गम ध – ध	प – ध म		
भोंऽ ऽ ऽ भैं	ई ऽ लो ऽ		
०	३		

अन्तरा.

म	नि		सां
ग म प प	ध – नि नि	सां – सां सां	नि सां सां –
आ ऽ प पि	वे ऽ औ र	मो ऽ को पि	ला ऽ वे ऽ
०	३	×	२
नि	सां	सां	नि
ध ध ध –	नि – सां सां	रें रें सां सां	नि सां ध प
म न को ऽ	भे ऽ द क	ब हुँ न ब	ता ऽ वे ऽ
०	३	×	२
प	नि ध	प	ग
ध ध सां सां	ध नि ध प	ग – म मग	रे – सा –
उ मं ग सुँ	च र नों ऽ	ला ऽ ग तऽ	है ऽ री ऽ
०	३	×	२
सा		सां	नि
नि सा ग म	प ध नि सां	रें रें सां –	ध ध प –
द र स हे	ऽ त मो रि	र मि ली ऽ	छ ति यां ऽ।
०	३	×	२
प नि			
ग म ध ध	प – ध म		
भो ऽ र भ	ई ऽ लो ऽ		
०	३		

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि नि			
सा ध ध ध	– प प प	धध पम प –	म – ग –
मे ह र की	ऽ न ज र	कीऽ ऽऽ ऽ ऽ	जे ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

[ग]म ग [ग]म (म)	[म]रे॒ रे॒ सा सा	[सा]रे॒ ग म (म)	[म]रे॒ – सा –
मु ख सं ऽ	प द स ब	दी ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ जे ऽ
०	३	×	२
[सा]नि़ सा गम [नि]ध॒	– नि सां सां	[नि]ध॒ नि सां रें॒	सां नि ध॒ प
तू ऽ कऽ री	ऽ म क र	ता ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ र।
०	३	×	२
[ग]म ध॒ ध॒ [नि]ध॒			
मे ह र की			
०			

अन्तरा.

[ग]म म प प	[नि]ध॒ – नि नि	सां – – –	नि सां सां –
नि त उ ठि	आ ऽ म ति	हा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ री ऽ
२	०	३	×
[नि]ध॒ – ध॒ ध॒	नि नि सां सां	[सां]रें॒ रें॒ सां सां	[सां]नि सां [नि]ध॒ प
सा ऽ फ न	ज र ते रे	द र का भि	का ऽ री ऽ
२	०	३	×
[ग]म ग रे॒ सा	[सा]नि़ सा [म]ग म	प ध॒ नि सां	[सां]रें॒ रें॒ सां सां
ज ग में ऽ	क र म फ	ज ल की श	र म र ख
२	०	३	×
[नि]ध॒ – प मगम	[ग]म ध॒ ध॒ [नि]ध॒		
ली ऽ जें ऽऽऽ	मे ह र की		
२	०		

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी

		म	
		प	म
		प्र	भु

म															
रे	—	—	सा	—	रे	नि	सा	म	—	—	—	—	—	—	—
दा	ऽ	ऽ	ता	ऽ	स	ब	न	के	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
०				३				×				२			
म								ध		नि	ध				
रे	—	म	म	प	—	प	ध	सां	सां	ध	नि	ध	प	म	म
तू	ऽ	र	ट	रे	ऽ	म	न	ध	रि	प	ल	छि	न,	प्र	भु।
०				३				×				२			

अन्तरा.

				नि											
प	—	प	—	ध	—	नि	—	सां	—	सां	सां	—	सां	सां	सां
जो	ऽ	तू	ऽ	चा	ऽ	हे	ऽ	दू	ऽ	ध	पू	ऽ	त	अ	न
०				३				×				२			
नि											सां		नि		
ध	ध	नि	नि	सां	सां	सां	—	रें	सां	—	नि	सां	ध	—	प
ध	न	ल	छ	मि	इ	मा	ऽ	न	वा	ऽ	को	ऽ	ना	ऽ	म
०				३				×				२			

ध़ ध़	नि		म रे
प ध़ सां —	ध़ नि ध़ प	म (म) — म	रे — प म
ले ऽ वा ऽ	के ऽ र व	को ना ऽ म	ले ऽ, प्र भु
०	३	×	२
म			
रे — — सा	— रे नि़ सा		
दा ऽ ऽ ता	ऽ स ब न		
०	३		

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा प	नि नि		नि
नि़ सा ग म	ध़ — ध़ ध़	— ध़ प प	ध़ ध़ प ध़
ए ऽ हूँ तो	बा ऽ र बा	ऽ र जा ऊं	तु म्ह रे गु
३	×	२	०
म	म नि नि		ग म
प प म ग	ग म ध़ ध़	— ध़ पम प	म — म रे
सैं ऽ यां ऽ	ह म रि बा	ऽ त कोऽ ऽ	मा ऽ न ले
३	×	२	०
प			ग
— — ग प	म — ग —	(म) — रे —	रे — सा —
ऽ ऽ प्या ऽ	रे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०

अन्तरा.

म	नि		सां
प प प –	ध॒ – नि नि	सां सां सां –	नि सां सां सां
नी के आ ऽ	बो ऽ तु म	ह म रे ऽ	ढिं ग वा क
×	२	०	३
	सां नि	प नि	ध॒
रे॒ रे॒ सां –	नि सां ध॒ प	ग म प ध॒	– ध॒ रे॒ सां
हि ल वा ऽ	ब ति यां ऽ	औ ऽ र डा	ऽ रुं ग र
×	२	०	३
सां	प		सा प
नि सां ध॒ प	म ग म ग	रे॒ – सा –	नि़ सा ग म
ह र वा ऽ	प्या ऽ रे ऽ	मो ऽ रे ऽ	ऽ ऽ हूं तो
×	२	०	३

भैरव–त्रिताल (विलंबित मध्यलय).

स्थायी.

ग			
म म नि॒ ध॒	प प पध॒ मप	ध॒ध॒ पम प –	म ग प मग
पि या ऽ मि	ल न कीऽ ऽऽ	बाऽ ऽऽ ऽ ऽ	री ऽ अ रिऽ
०	३	×	२
ग	ग	सा	ग
रे॒ – – –	रे॒ रे॒ सा –	ध़॒ ध़॒ नि़ सा	रे॒ रे॒ सा –
ए ऽ ऽ ऽ	रि स खी ऽ	ज त न क	छु ब ता ऽ
०	३	×	२
सा म		सां	
नि़ सा ग म	प – ध॒ प	पध॒ निसां सां ध॒	नि॒ ध॒प म गम
मैं ऽ तो ऽ	री ऽ ब लि	हाऽ ऽऽ री बा	ऽ रिऽ मैं ऽऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

म				नि											
ग	म	प	प	ध	ध	नि	नि	सां	सां	सां	सां	नि	सां	सां	–
ब	हु	त	दि	न	न	पा	छे	पि	या	मो	रे	आ	ऽ	ये	ऽ
०				३				×				२			
सां				गं				प			नि				
रें	–	गं	मंगं	रें	–	सां	–	ध	रें	सां	ध	नि	धप	म	गम
मं	ऽ	ग	लऽ	गा	ऽ	वो	ऽ	म	खि	यां	सा	ऽ	रिऽ	मैं	ऽऽ।
०				३				×				२			

भैरव–त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

ग			म	नि								रे		ग	
म	–	गम	पप	ध	–	प	मप	धधपम	प	म	ग	म(म)	रे	रे	सा
बा	ऽ	ऽऽ	लमु	बा	ऽ	ऽ	ऽऽ	मोऽऽऽ	ऽ	रे	ऽ	सैंऽ	ऽ	ऽ	यां
३				×				२				०			
म	नि			नि								ग		ग	
गम	ध	–	सां	ध	–	प	मप	धधपम	प	म	ग	म(म)	रे	रे	सा
सऽ	दा	ऽ	रं	गी	ऽ	ले	ऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	रे।
३				×				२				०			
			म												
निसा	म	गम	पप												
ऽऽ	बा	ऽऽ	लमु												
३															

अन्तरा.

ग		नि						सां				नि			सां
म	प	धध	निनि	सां	सां	सां	-सां	नि	सां	सां	-	ध	ध	ध	नि
हूं	तो	तुम	बिन	त	र	स	ऽग	ई	ऽ	ली	ऽ	द	र	स	वे
३				×				२				०			
			नि	गं			नि	म		नि		ग		ग	
सां	सां	निसां	,सां	रें	सां	निसां	धध	गमपध	निसां	ध	प,मप	म	(म)रे	रे	सा
ऽ	गि	ऽऽ	ऽव	ता	ऽ	ऽऽ	बोऽ	लैऽऽऽ	ऽऽ	हों	ब,ऽऽ	लै	ऽऽ	ऽ	यां।
३				×				२				०			

भैरव—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

म
गम
जीऽ

नि						ग	
ध	प	मप	धध,पमप	म	गम	म(म)रे	सा,निसा
य	रा	ऽऽ	हुऽलऽऽ	से	ऽऽ	ऽऽऽ	ना,मोऽ
३				×			
सा				नि			
म	-	गम	,प	ध	-	प	मप
रे	ऽ	ऽऽ	ऽपि	या	ऽ	के	ऽऽ
२				०			

				ग			
धधपम	प	म	ग	म(म)	गम	रे	सा
वेऽऽऽ	ऽ	ख	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	न
३				×			
सा						नि	
नि	सा	रे	सा	नि	सा	ध	प
बी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न	ऽ
२				०			
सा	म		निनि			नि	
निसा	गम	पप	धध	सां	निसां	ध	प,गम
उन	बिन	रहि	लोन	जा	ऽऽ	ऽ	य,अरि
३				×			
नि							म
ध	—	प	मप	धधपम	प	मग	म,गम
ये	ऽ	ऽ	ऽऽ	माऽऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ,जीऽ
२				०			

अन्तरा.

		म	नि	ध			
		गमप	ध	सां	—	सां,निसा	सांसां
ऽ	ऽ	बेऽगा	वे	खा	ऽ	वे,ऽऽ	सब
३				×			
नि	नि			सां		सां	नि
धध	धध	सां	सां	निसां	रेंसां	निसां	धप
मिल	नभ	ई	लो	दूऽ	वर	भइ	लाऽ
२				०			

म	नि	म		सा	म		
गम	ध	पधपप	मग	निसा	गम	पप	पधनिसांरेंसां
काऽ	से	कऽहिऽ	येऽ	कौऽ	नख	बरि	याऽऽऽऽसु
३				×			
नि			म	नि			
ध	—	प	,गम	ध	प,मप	धधपमप	गम,गम
ना	ऽ	वे	ऽ,अरि	ये	ऽ,ऽऽ	माऽऽऽऽ	ऽऽ,जिऽ ।
२				०			

भैरव— एकताल (विलंबित).

स्थायी.

											प
											नि
											ए
							नि	नि			
ध	प	म	गमप,म	प	—	मप	ध	ध	प,मप	म	ग
क	प	ल	ऽऽऽ,छि	न	ऽ	ऽऽ	क	ब	हू,ऽऽ	ना	ऽ
३		४		×		०		२		०	
ग	म			ग				सा			ग
म	प	गम	ग(म)ग	रे	—	सा	निसा	नि	सा	—	रे
बि	स	रोंऽ	ऽऽऽ	मा	ऽ	ई	ऽऽ	ला	ऽ	ऽ	ल
३		४		×		०		२		०	
	ग			नि			म			नि	
रे	रे	सा	निसा	सा	म	म	प	—	प	ध	— .
न	त	न	ऽऽ	नै	न	न	आ	ऽ	गे	ठा	ऽ
३		४		×		०		२		०	

ध		नि	नि								म
सां	–	सां	ध	नि	प	ध	म	प	ग	म	नि
ड़ो	ऽ	र	हे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ,	ए।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

म	नि									नि	
गम	ध	–	नि	सां	सां	सां	सां	निसां	सां	ध	नि
सऽ	बँ	ऽ	न	सु	न	त	जै	ऽऽ	से	रं	ग
३		४		×		०		२		०	
	गं				नि			म	नि		
सां	रें	सां	निसां	रेंरें,सांनिसां	ध	नि	प	गम	ध	–	प,मप
ऽ	र	स	ऽऽ	उऽ,पऽऽ	जो	ऽ	ऽ	एऽ	हो	ऽ	स,ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
				निनि	निनि			नि			
म	गमप,म	प	प	धध	धध	सां	सां	ध	नि	सां	रें
दा	ऽऽऽ,रं	गी	ले	मम	दसा	ऽ	सो	बं	दी	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
गं		नि	नि								म
रें	सां	सां	ध	नि	प	ध	म	प	ग	म	नि
ऽ	ऽ	क	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ,	ए।
३		४		×		०		२		०	

भैरव—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

		नि		म			
		सा	सारे,गरे	ग	म	–	गम
ऽ	ऽ	औ	ऽऽ,सर	ला	ऽ	ऽ	ऽऽ
३				×			

रे	म		मम	|	म			
म	प	मग	,पप,मगम	|	रे	–	सा	निसा
ऽ	ऽ	ऽऽ	,ग,रऽऽ	|	ही	ऽ	ऽ	ऽऽ
२				|	०			
सा	ग			|	निनि	नि		
निसा	रे	–	सा	|	सांसा	धृ	–	–
तुम	रे	ऽ	आ	|	वऽ	न	ऽ	ऽ
३				|	×			
सा		ग		|	सा	नि	नि	
नि	सा	रे	सा	|	नि	सा	धृ	–
का	ऽ	ऽ	ई	|	ब	ल	मा	ऽ
२				|	०			
नि	नि	धृ		|	नि	ग		
धृ	धृ	सा	–सा	|	सा	रे	–	,ग
क	ब	आ	ऽवे	|	मो	रे	ऽ	,पि
३				|	×			
म	–	गम	,मम	|	(म)रे	रेसा	रेरेसानि	सा
या	ऽ	ऽऽ	,सुख	|	दाऽ	ऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽ
२				|	०			
		नि	म	|				
नि	धृ	सा	,गरे	|				
ई	ऽ,	औ	,सर	|				
३				|				

अन्तरा.

ग	म	नि		|				
मम	पप	धध	,निनि	|	सां	–	निसां	सांसां
सग	रीरैं	ऽन	,मग	|	जो	ऽ	ऽऽ	वत
३				|	×			

				नि			
रें	—	सां	निसां	ध	धध	सां	निसां,सांसां
बी	ऽ	ती	ऽऽ	भो	रभ	ये	ऽऽ,तब
२				०			
सां		नि					
नि	सां	ध	प	म	गम	प	प,प
आ	ऽ	ये	ऽ	वो	ऽऽ	हि	ऽ,भ
३				×			
नि				सां	गं		
ध	—	सां	निसां	निसां	रें	—	सांसां
ली	ऽ	जो	ऽऽ	तुम	रे	ऽ	मन
२				०			
		नि					
धधनिसांनिधपम	गपमगरेरेसा-	सा	निसागरे				
भाऽऽऽऽऽऽऽ	ऽऽऽऽऽऽइऽ	औ	ऽऽ,सर				
३							

भैरव—त्रिताल (विलंबित).

स्थायी.

															सा
															निसा
															पल
नि				म				ग				ग		सा	
सा	ध	सा,	सारे	ग	म	गम	म	म	ग	म	रेंरे	रे	—	सा	,निसा
क	ऽ	ऽ,	दरि	या	ऽ	ऽऽ	व	मे	ऽ	ऽ	ऽरा	सां	ऽ	ई	,राऽ
३				×				२				०			

ग सा नि॒	सा ग म	ग	म म
रे॒ —सा नि॒सा ध॒ध॒	नि॒सा रे॒सा ग म	म ग म रे॒	ग म रे॒ सा,सारे॒
ई ऽका पर वत	पर वत क रे	रा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ई ऽ,कर
३	×	२	०
म म	नि प	ग	रे॒
ग म गम ,गम	ध॒ सां ध॒ प,मप	म ग म रे॒	मग (म) रे॒ सा,सासा
ता ऽ ऽऽ ,कर	ता ऽ ऽ ऽ,गुऽ	सां ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽ ई ऽ,पल ।
३	×	२	०

अन्तरा.

प नि सां		नि नि	नि
म प ध॒ ,निनि	सां सां निसां सां	सां ध॒ नि ,सांसां	रें॒ सां निसां ध॒प
जो चा हे ,सोइ	इ छा ऽऽ सों	हो वे ऽ ,जुग	रा ऽ ऽऽ जऽ
३	×	२	०
नि	सां सां मं	सां	ग म म
ध॒ध॒पमप मग,म ध॒ निसां	रें॒रें॒ सांसां मं(मं) रें॒सां	नि सां ध॒ प	म गम रे॒ सा,सासा
ओऽऽऽऽ हींऽ,क रे सब	कुद रत ओंऽ सीऽ	ता ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽऽ ई ऽ,पल ।
३	×	२	०

भैरव—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

	ग		नि॒	नि॒
सासा	रे॒ —	नि॒सा नि॒सारे॒,सा	ध॒ —प॒	ध॒ —
ऽ काना	बां ऽ	ऽऽ ऽऽऽ,सु	री ऽब	जा ऽ
४	×	०	२	०

सा	निसा,सा	रेरेसानिसा	(नि) ध़,निसा	(सा) म	गम
ऽ	ऽऽ,वे	ऽऽऽऽऽ	री,अऽ	री	ऽऽ
३		४		×	
(ग) म(म)	रे	–	सा	(नि) सा	निसा,सा
ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मो	ऽऽ,ह
०		२		०	
(सा) म	–	गम	,मप	(नि) ध़	–
ना	ऽ	ऽऽ	,मुख	हे	ऽ
३		४		×	
प	पमप	(ग) म	मरे	गमप	म
र	तऽऽ	ढूं	ऽऽ	ऽऽऽ	क
०		२		०	
(ग) (म)म	रे	सा,निसा	,सासा		
ढूंऽ	ऽ	क,ऽऽ	,काना		
३		४			

अन्तरा.

					(ग) म
					स
(नि) ध़	–नि	सांसां	सां	(नि) ध़	–
म	ऽसु	रन	की	ता	ऽ
३		४		×	

				नि	नि
धधनिसांरें	-रें	सां	निसां	सां,निसां	ध
नSSSSS	Sन	सों	SS	मो,SS	रा
०		२		०	
पमप	धध,पमप	म	गम,म	पधनिसां	निसां
SSS	जीS,यSS	रा	SS,क	रSSS	SS
३		४		×	
		म	म		
धध,पमप	म	ग	रे	गमप	म
तS,हीSS	टू	S	S	SSS	क
०		२		०	
ग					
(म)म	रे	सा,निसा	,सासा		
टू	S	क,SS	,काना		
३		४			

भैरव—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि				म				ग	म		
सा	–	निसा	,सारे	ग	म	म	गम	म	प	–	मग
को	S	SS	,यल	बो	S	ले	SS	S	S	S	माS
३		४		×		०		२		०	
ग				ग							नि
म(म)	रे	सा	निसा	म	–	गम	,पम	प	–	मप	ध
SS	S	ई	SS	मो	S	SS	,ढिंग	ला	S	SS	S
३		४		×		०		२		०	

				ग		म	गम				
नि	ध	प	मप	म	–	गम	मप	म	(म)	रे	सा
ऽ	ल	के	ऽऽ	बा	ऽ	ऽऽ	सऽ	पैं	ऽ	ऽ	ऽ ।
३		४		×		०		२		०	
निसा	–सा	–	-,सारे								
ऽऽ	ऽ,को	ऽ	ऽ,यल								
३		४									

अन्तरा.

प		नि				सां		नि			
गम	प,मप	ध	-,ध	सां	–	निसां	सां	ध	---	–	निसां
काऽ	हे,ऽऽ	को	ऽ,नि	सि	ऽ	दिऽ	न	बो	ऽ	ऽ	लग
३		४		×		०		२		०	
				ग				नि		ग	
रें	सां	निसां	धप	म	(म)	रे	सा	साम	–	म	प
ना	ऽ	वऽ	नऽ	आ	ऽ	व	त	मोरे	ऽ	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
म				ग					ग		
प	नि	ध	प	म	प	गमपधप	म	ग	म(म)	रे	सा
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	द्वा	ऽ	ऽऽऽऽर	पैं	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ ।
३		४		×		०		२		०	
सा	–	निसा	,सारे								
को	ऽ	ऽऽ	,यल								
३		४									

भैरव—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

(नि) सा	
बि	

(गा) म	—	गम	पप	(नि) ध	—	प	मप	धधम	प	म	ग
ना	ऽ	ऽऽ	हरि	को	ऽ	न	ऽऽ	खऽऽऽ	ऽ	च	ऽ
३		४		×		०		२		०	
(ग) रे	ग	म	प	म	—	ग	(ग) म(म)	(म) रे	—	सा	सा
र	ऽमो	री	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	त	बि।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

प	मप	(नि) ध	नि	सां	—	सां	(नि) सां	(गं) रें	—	सां	सां
ह्मा	ऽऽ	है	को	सो	ऽ	च	ऽक	रे	ऽ	म	न
३		४		×		०		२		०	
(सां) नि	सां	(नि) ध	प	(म) प	म	गम	प	प	—	(नि) ध	—
मू	ऽ	र	ख	नि	त	ऽऽ	उ	ठि	ऽ	भो	ऽ
३		४		×		०		२		०	
—	नि	सां	निसां	रें	—	सां	नि	सां	(नि) ध	प	मपध।
ऽ	ज	न	ऽऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	ऽ	ऽऽऽबि
३		४		×		०		२		०	

ग		नि			ग
म गम	प प	ध —	— प	मप ,प	म ग
ना ऽऽ	ह रि	कौ ऽ	ऽ न	ऽऽ ,ख	ब र
३	४	×	०	२	०
म					
रे ग	म प				
ऽ मो	री ऽ				
३	४				

भैरव—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा

क

ग	ग	नि	ग नि
रे — सा निसा,सा	रे — सा निसा	सा ध सा —सा	रे — सा —सा
री ऽ म ऽऽ,र	ही ऽ म ऽऽ	बं ऽ दे ऽन	वा ऽ ज ऽवा
३	×	२	०
सा	नि		ग
म — गम —,प	ध —ध प मप	धधपम प म ग	म(म) रे सा —सा
के ऽ ऽऽ ऽ,प	र ऽव र ऽऽ	दीऽऽऽ ऽ गा ऽ	ऽऽ ऽ र, ऽक ।
३	×	२	०

अन्तरा.

प नि सा		नि	प नि
गम प,मप ध निनि	सां सां निसां सां	रें सां,निसां ध प	गमधधपमप गम ध निसां
जित दे,ऽऽ खू तित	तूं ही तूं ऽ ही	भ र,ऽऽ र हो	तेऽऽऽऽऽऽ रिकु द रत
३	×	२	०

नि		ग	ग म
सां निसां,सां ध॒ प	गमपध॒पमप म ग रे॒	रे॒ ग मग मप	म(म) ग रे॒ सा,सा
कों ऽऽ,कौं ऽ न	पाऽऽऽऽऽऽ वे ऽ ऽ	रा ऽ ऽऽ, जनि	याऽ ऽ ऽ ज,क।
३	×	२	०

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म		नि	
ग प म ध॒	प प म ग	म – ध॒ –	– – प म
त न न त	न न त न	दे ऽ नीं ऽ	ऽ ऽ त न
०	३	×	२
	ग		
धध पम प –	म – म म	(म) – रे॒ म	ग रे॒ ग म
देऽ ऽऽ ऽ ऽ	नीं ऽ त न	दे ऽ नीं दे	ऽ नीं दी ऽ
०	३	×	२
			ग
प म रे॒ रे॒	रे॒ प म ग	रे॒ रे॒ रे॒ रे॒	रे॒ – सा –
ऽ म्दी ऽ म्त	त दि या ना	रे त द रे	दा ऽ न्नी ऽ
०	३	×	२
सा		नि़	
नि़ सा सा सा	ध़॒ नि़ सा सा	सा सा रें॒ सां	नि ध॒ प प
ना दिर दिर दा	नि तुं दिर दिर	दा नी ऽ त	द रे दा नि।
०	३	×	२

अन्तरा.

ग म धृ(नि) –	– – नि नि	सां – सां सां	सां – सां रें
दिर दिर दी ऽ	ऽ ऽम दिर दिर	दी ऽ म्दिर दिर	दी ऽ म्त दी
×	२	०	३
– सां – सां	सां सां ध नि	सां नि ध प	म ग रे सा
ऽ म्दी ऽ म्त	न न ना ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
सा रे ग म	प ध नि सां	नि रें सां नि	ध प म ग
×	२	०	३
(ग)म – ध(नि) –	स्थायी के	अनुसार	
दे ऽ नीं ऽ			
×			

भैरव--त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि सां नि ध	– प म(ग) ग	म ध(नि) – प	ध म प म
ओ द न तो	ऽ म्त न न	त दा ऽ रे	ता रे दा नि
०	३	×	२
(ग)म – म रे	ग म प म	(ग)म – रे (ग)रे	– सा सा सा
दी ऽ म्त न	न न न न	ना ऽ रे ना	ऽ रे त न
०	३	×	२

म	प		
ग म प प	ग म प ध	नि सां नि ध	प म प ध
नि ता ऽ न्न	तों ऽ म्त दि	या ना रे त	द रे त न।
०	३	×	२

अन्तरा.

	म नि नि	नि नि	
म म प प	ग म ध ध	ध ध नि नि	सां सां सां सां
य ल ल मु	य ल ल मु	य लि य ल	ल ल ल ल
०	३	×	२
नि सां		गं	
ध ध ध नि	सां नि सां सां	रें – सां सां	नि ध प प
य ल लि या	ऽ ल्ल ल ल	ले ऽ य ल	ल ल ल ल
०	३	×	२
		नि नि	
रें सां – नि	धध पप गग मम	पप पप धध धध	
तक् ड्डा ऽ न्तिर	किट तक नग धिर	किट तक तक धिर	
०	३	×	

		नि
निनि सांसां सां सां	मं रें सां –	सां ध नि ध
किट तक तक् ड्डा	ऽ न्तक् धा ऽ	तक ड्डा ऽ न्तक्
२	०	३

म म	
प – म रे	म रे सा –
धा ऽ तक् ड्डा	ऽ न्तक् धा ऽ
×	२

भैरव—सूलताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा				ग					
रे̱	—	रे̱	—	रे̱	—	—	रे̱	सा	—
आ	ऽ	ये	ऽ	भै	ऽ	ऽ	र	व	ऽ
×		०		२		३		०	
नि़		नि़							
सा	—	ध़̱	—	सा	—	नि़	सा	सा	-
भो	ऽ	ला	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	थ	ऽ
×		०		२		३		०	
				म			म		
रे̱	—	सा	सा	ग	(मग)	म	रे̱	—	सा
भै	ऽ	र	वि	अ	(रऽ)	ऽ	धां	ऽ	गि
×		०		२		३		०	
सा				नि		नि			
नि़	सा	ग	म	ध̱	—	ध̱	ध̱	प	—
फों	ऽ	फों	ऽ	फों	ऽ	क	र	त	ऽ
×		०		२		३		०	
(मग)	(मरे̱)	ग	प	म	ग	म	रे̱	—	सा
(भूऽ)	(ऽऽ)	ष	न	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग।
×		०		२		३		०	

अन्तरा.

प	प	ध̱	—	नि	नि	सां	सां	—	सां
नं	दी	की	ऽ	अ	स	ऽ	वा	ऽ	री
×		०		२		३		०	

नि						सां		नि	
ध	—	—	नि	सां	रें	नि	सां	ध	प
आ	ऽ	ऽ	नं	ऽ	दि	सो	ऽ	हे	ऽ
×		०		२		३		०	
प				नि			नि		
ग	म	प	प	ध	—	मां	ध	—	प
ए	क	क	र	सो	ऽ	हे	कैं	ऽ	ची
×		०		२		३		०	
ध		नि					ग		
ध	सां	ध	प	म	ग	म	रे	—	सा
बा	ऽ	ह	न	को	ऽ	ऽ	बा	ऽ	घ।
×		०		२		३		०	

भैरव—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

प	
नि	
तू	

					नि				
ध	प	म	मग	म	ध	ध	प	—	ध
अ	ब	या	ऽऽ	द	क	र	रे	ऽ	ऽ
०		३			×		२		
					ग				
प	मप	म	—	ग	म	रे	ग	म	प
बं	ऽऽ	दे	ऽ	ऽ	अ	प	नें	ऽ	अ
०		३			×		२		

					सा		म		
म	ग	म	रे॒	सा	नि़	सा	ग	म	प
ल्ला	ऽ	ऽ	ऽ	को	जो	ऽ	कु	छ	भ
०		३			×		२		
		प			नि॒				प
प	–	ध॒	–	सां	ध॒	–	प	–	नि॒
ला	ऽ	हो	ऽ	वे	ते	ऽ	रो	ऽ	तू।
०		३			×		२		

अन्तरा.

	म	नि							
प	प	ध॒	–	नि	सां	सां	सां	–	सां
ला	इ	ला	ऽ	हि	इ	ल्लि	ल्ला	ऽ	मु
०		३			×		२		
सां							नि		
ध॒	–	नि	सां	सां	रें॒	सां	ध॒	–	प
हं	ऽ	म	द	र	सु	लि	ल्ला	ऽ	ऽ
०		३			×		२		
	ग					म	नि		ध॒
प	प	म	ग	म	प	प	ध॒	–	सां
न	बी	जी	ऽ	का	क	ल	मा	ऽ	ज
०		३			×		२		
सां		नि			नि				
ध॒	–	ध॒	–	सां	ध॒	ध॒	प	–	ध॒
बां	ऽ	प	ऽ	र	ध	र	रे	ऽ	ऽ।
०		३			×		२		
प	मप	म	–	ग					
बं	ऽऽ	दे	ऽ	ऽ		स्थायी के	अनुसार		
०		३							

भैरव—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

म					नि				
रे	—	सा	रे	सा	ध	—	सा	—	—
ज्ञा	ऽ	न	म	द	मा	ऽ	ते	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
		म					म		
मग	मग	रे	ग	प	म	ग	रे	—	सा
जेऽ	ऽऽ	न	र	ऽ	नि	स	दी	ऽ	न
×		२			०		३		
सा		म			नि		ध		
नि	सा	ग	म	म	ध	—	सां	—	सां
ति	न	को	ऽ	क	ब	ऽ	हू	ऽ	न
×		२			०		३		
नि		प							
ध	प	ग	म	प	म	ग	म	रे	सा
हो	ऽ	त	ऽ	खु	मा	ऽ	ऽ	ऽ	रि।
×		२			०		३		

अन्तरा.

प		नि			सां				
म	प	ध	—	—	नि	सां	सां	—	—
स	त	के	ऽ	ऽ	प्या	ऽ	ला	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
नि		सां							
ध	ध	नि	सां	सां	रें	सां	निसां	ध	प
भ	र	भ	ऽ	र	पी	ऽ	ऽऽ	व	त
×		२			०		३		

प							ग		
म	प	मग	मरे॒	गप	म	ग	रे॒	–	सा
र	स	नाऽ	ऽऽ	सऽ	वा	द	ले	ऽ	त
×		२			०		३		
ग		प			नि		नि		
नि़	सा	ग	म	प	ध॒	ध॒	ध॒	सां	सां
ध्या	ऽ	न	ध	र	जा	को	ला	ऽ	गि
×		२			०		३		
नि					ग				
ध॒	प	ग	म	प	म	ग	म	रे॒	सा
र	ह	त	जि	य	ता	ऽ	ऽ	ऽ	रि।
×		२			०		३		

संचारी.

सा		नि	नि	नि	नि		नि		
नि़	सा	ध॒	ध॒	ध॒	ध॒	–	ध॒	–	प
म	न	क	र	र	सा	ऽ	य	ऽ	न
×		२			०		३		
नि		सां			सां		नि		
ध॒	ध॒	नि	सां	–	नि	सां	ध॒	–	प
त	न	क	रो	ऽ	मा	ऽ	टी	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
		म			ग				
मग	मग	रे॒	ग	प	म	ग	म	रे॒	सा
पांऽ	ऽऽ	चो	ऽ	ऽ	आ	ऽ	ऽ	त	म
×		२			०		३		
नि़	नि़	सा			ग		ग		
सा	ध़॒	नि़	सा	–	रे॒	–	रे॒	–	सा
अ	गि	नी	ऽ	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	री।
×		२			०		३		

आभोग.

		नि			सां				
प	प	ध	—	ध	नि	सां	सां	—	सां
ह	रि	दा	ऽ	स	डा	ऽ	गु	ऽ	र
×		२			०		३		
सां		मं		पं	मं		गं		
रें	—	गं	मंगं	मं	रें	—	रें	—	सां
के	ऽ	प्र	भूऽ	ऽ	ध्या	ऽ	ऽ	ऽ	न
×		२			०		३		
सां		ध			सां		नि		
ध	ध	रें	सां	—	नि	सां	ध	—	प
ध	र	त	ही	ऽ	मा	ऽ	नो	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
		म							
मग	मग	रे	ग	प	म	ग	म	रे	सा
स्वांऽ	ऽऽ	ति	बुं	द	डा	ऽ	ऽ	ऽ	रि।
×		२			०		३		

भैरव-झपताल. (मध्यलय).

स्थायी.

सां					सां			नि	
रें	—	रें	सां	—	नि	सां	सां	ध	प
मौ	ऽ	म	दी	ऽ	मौ	ऽ	म	दी	ऽ
×		२			०		३		
प			प						
ग	म	रे	ग	प	मग	म	रे	सा	सा
ज	प	त	हूँ	ऽ	रैऽ	ऽ	न	दि	न
×		२			०		३		

नि़	नि़				ग				
सा	धृ	–	नि़	सा	रे	–	रे	सा	सा
ब	ड़े	ऽ	तु	म	पी	ऽ	र	ज	ग
×		२			०		३		
म			म						
ग	म	रे	ग	प	म	ग	म	रे	सा
दी	ऽ	न	ख्वा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ।
×		२			०		३		

अन्तरा.

म			नि		सां				
प	–	प	ध	–	नि	सां	–	सां	–
ना	ऽ	म	के	ऽ	लि	ये	ऽ	से	ऽ
×		२			०		३		
नि			सां		गं			नि	
ध	ध	ध	नि	सां	रें	रें	सां	ध	प
त	प	त	स	ब	क	ट	त	है	ऽ
×		२			०		३		
प		ध			नि		ध		
ध	ध	रें	सां	सां	ध	–	नि	ध	प
क	ट	त	दु	ख	फं	ऽ	द	युं	हि
×		२			०		३		
प			म						
ग	म	रे	ग	प	म	ग	म	रे	सा
रा	ऽ	व	रा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ।
×		२			०		३		

भैरव—झपताल (मध्यलय).

स्थायी

प					नि			म	म
ध	—	ध	ध	ध	ध	—	प	प	प
आ	ऽ	ज	नँ	द	ला	ऽ	ल	स	खि
×		२			०		३		
प			म		ग		ग		
ग	म	रे	ग	म	रे	रे	रे	सा	—
प्रे	ऽ	म	मा	ऽ	ध	क	पि	ये	ऽ
×		२			०		३		
नि़					ग				
ध़	—	ध़	नि़	सा	रे	—	रे	सा	—
सं	ऽ	ग	ल	ल	ना	ऽ	लि	ये	ऽ
×		२			०		३		
प		ग			म		ग		
ग	म	रे	ग	म	रे	—	रे	रे	सा
ती	ऽ	र	ज	मु	ना	ऽ	ब	र	न।
×		२			०		३		

अन्तरा.

		म	नि						
प	—	प	ध	—	नि	नि	सां	सां	सां
फू	ऽ	लि	के	ऽ	स	र	क	म	ल
×		२			०		३		
नि			सां		सां			नि	
ध	—	ध	नि	सां	रें	सां	सां	ध	प
मा	ऽ	ल	ती	ऽ	स	घ	न	ब	न
×		२			०		३		

प					ध			नि	
ग	—	म	प	ध	सां	—	सां	ध	प
मं	ऽ	द	सो	ऽ	गं	ऽ	ध	सी	ऽ
×		२			०		३		
प		म			प		म		
ग	म	नि	ध	प	ग	म	रे	रे	सा
त	ल	स	मी	ऽ	रे	ऽ	ब	र	न।
×		२			०		३		

भैरव—मूलताल (मध्यलय).

स्थायी.

सां				सां		नि			म
नि	—	सां	—	नि	सां	ध	—	प	प
सा	ऽ	धो	ऽ	बि	ऽ	द्या	ऽ	ध	र
×		०		२		३		०	
प		ग				प			
ग	गम	रे	ग	म	प	ग	मग	रे	—
गु	नऽ	नि	धा	ऽ	न	गु	नऽ	दा	ऽ
×		०		२		३		०	
		सा				ग			
सा	—	नि़	नि़	सा	सा	रे	—	सा	—
ता	ऽ	स	र	स्व	ति	मा	ऽ	ता	ऽ
×		०		२		३		०	
प		नि			नि		नि		
ग	म	ध	—	सां	ध	—	ध	—	प
को	ऽ	आ	ऽ	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	स
×		०		२		३		०	

अन्तरा.

(प)म	प	—	(म)प	(नि)ध॒	—	नि	नि	सां	सां
न	मो	ऽ	न	मो	ऽ	रि	ध	सि	ध
×		०		२		३		०	
(नि)ध॒	—	—	(सां)नि	सां	(गं)रें॒	—	सां	(नि)ध॒	प
के	ऽ	ऽ	स्वा	ऽ	मी	ऽ	स	क	ल
×		०		२		३		०	
(प)ध॒	सां	(नि)ध॒	प	प	मग	म	(ग)रे॒	—	सा
बि	ऽ	द्या	ऽ	प	रऽ	ऽ	वे	ऽ	स।
×		०		२		३		०	

संचारी.

(नि़)सा	(नि)ध॒	(नि)ध॒	(नि)ध॒	(नि)ध॒	—	—	(नि)ध॒	—	प
जो	ऽ	इ	न	को	ऽ	ऽ	ध्या	ऽ	वे
×		०		२		३		०	
(ध॒)प	ध॒	नि	सां	सां	रें॒	सां	(नि)ध॒	—	प
म	न	इ	ऽ	च्छा	फ	ल	पा	ऽ	वे
×		०		२		३		०	
(प)ग	म	रे॒	ग	म	प	मग	(ग)रे॒	—	सा
दू	ऽ	र	हो	ऽ	त	ऽऽ	क्ले	ऽ	स।
×		०		२		३		०	

आभोग.

प	—	प	(नि)ध	—	नि	सां	—	सां	सां
ता	ऽ	न	से	ऽ	न	कें	ऽ	प्र	भु
×		०		२		३		०	
(नि)ध	ध	—	नि	सां	सां	रें	सां	(नि)ध	प
तु	म	ऽ	ही	ऽ	को	ध्या	ऽ	वे	ऽ
×		०		२		३		०	
(प)ध	सां	(नि)ध	प	म	ग	म	रे	(ग)रे	सा
ब्र	ऽ	ह्मा	ऽ	वि	ऽ	ष्णु	म	हे	स।
×		०		२		३		०	

भैरव—ब्रह्मताल (मध्यलय).

स्थायी.

(नि)ध	—	प	पध	प	म	प	—	म	ग
खे	ऽ	ल	नऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	गे	ऽ
×		०		२		३		०	
(म)ग	म	प	—	पध	मप	म	ग		
ह	रि	जू	ऽ	होऽ	ऽऽ	री	ऽ		
४		५		६		०			
(ग)म	मग	म	रे	(म)प	म	ग	(म)रे	—	सा
त्रि	जऽ	की	ऽ	ड	ग	रि	या	ऽ	में।
७		८		९		१०		०	

अन्तरा.

		नि		सां					
प	प	ध	ध	नि	—	सां	—	सां	—
छि	र	क	त	रं	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ
×		०		२		३		०	
नि		सां				नि			
ध	ध	नि	सां	रें	सां	ध	प		
ब्रि	ज	जु	व	ति	न	पै	ऽ		
४		५		६		०			
प	ध	नि		म			म		
ध	सां	ध	प	प	म	ग	रे	—	सा
ब	ग	र	ऽ	ब्र	ग	ऽ	र	ऽ	में
७		८		९		१०		०	

भैरव—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	ग					नि			नि		
	म	ग	म	प	—	ध	ध	ध	ध	—	प
ऽ	वी	ऽ	ऽ	श्नू	ऽ	च	र	न	ज	ऽ	ल
०		३		४		×		०		२	
	ग					म					म
	म	ग	मरे	गम	प	प	म	ग	म	रे	रे
ऽ	ब्र	ऽ	ऽऽ	ह्माऽ	ऽ	क	मं	ऽ	ऽ	ऽ	ड
०		३		४		×		०		२	
	सा		ग			नि			सा		
सा	नि	सा	रे	सा	—	ध	—	—	नि	सा	सा
ल	शि	व	ज	टा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ज	ऽ	त
०		३		४		×		०		२	

	मग	(म)रे	—	(म)ग	प	(प)म	—	ग	म	रे	—
ऽ	देऽ	ऽ	ऽ	वी	ऽ	गं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
०		३		४		×		०		२	
सा	(ग)म										
गे,	वी										
०											

अन्तरा.

	प	—	(नि)ध	—	नि	सां	—	नि	सां	सां	—
ऽ	भा	ऽ	गी	ऽ	ऽ	र	ऽ	ऽ	ऽ	थी	ऽ
×		०		२		०		३		४	
(सां)रें	रें	सां	(गं)रें	सां	—	(सां)नि	—	सां	(नि)ध	—	प
स	क	ल	ज	ग	ऽ	ता	ऽ	ऽ	र	ऽ	नी
×		०		२		०		३		४	
(म)प	मग	म	प	—	प	(प)सां	(नि)ध	—	(नि)ध	—	प
भु	मीऽ	ऽ	भा	ऽ	र	उ	ता	ऽ	र	ऽ	नि
×		०		२		०		३		४	
(म)प	मग	मरे	रे	(म)ग	प	(ग)म	—	ग	(म)रे	—	सा
अ	नऽ	ऽऽ	ध	न	ऽ	बे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	लि
×		०		२		०		३		४	

सा	सा		ग	ग		सा		ग			
नि़	नि़	सा	रे॒	रे॒	सा	रे॒	ग	रे॒	ग	म	प
क	टा	ऽ	च्छ	न	के	ता	ऽ	ऽ	र	न	के
×		०		२		०		३		४	
म				म			ग				
प	म	ग	मग	रे॒	—	सा	म				
त	रं	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	गे,	बे				
×		०		२		०					

संचारी.

ग	म								नि		
म	ग	म	प	—	प	ध॒	ध॒	ध॒	ध॒	प	प
ह	र	ऽ	द्वा	ऽ	र	प्र	या	ग	सा	ग	र
×		०		२		०		३		४	
नि						सां			नि		
ध॒	—	—	नि	सां	—	रें॒	सां	—	ध॒	—	प
बे	ऽ	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ति	री	ऽ	बे	ऽ	नी
×		०		२		०		३		४	
म				म		म			म		
प	म	ग	मरे॒	ग	प	प	म	ग	रे॒	—	सा
स	र	ऽ	स्वऽ	ती	ऽ	वि	द्या	ऽ	दा	ऽ	नी
×		०		२		०		३		४	
नि़	नि़		सा			सा			म		
सा	ध़॒	ध़॒	नि़	सा	सा	म	—	ग	रे॒	—	सा
क	र	त	दु	ऽ	ख	भं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गे।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

			नि						सां		
प	—	प	ध	—	नि	सां	—	—	नि	सां	सां
ता	ऽ	न	से	ऽ	न	के	ऽ	ऽ	प्र	ऽ	भु
×		०		२		०		३		४	
नि			सां							नि	
ध	—	ध	नि	सां	सां	रें	—	सां	निसां	ध	प
रो	ऽ	ग	दु	ऽ	ख	दू	ऽ	र	कऽ	रो	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ग			म	नि							
म	गम	प	प	ध	—	नि	नि	सां	नि	सां	सां
पा	ऽऽ	प	ह	रो	ऽ	नि	र	म	ल	क	रो
×		०		२		०		३		४	
म			ग				ग				
प	म	ग	म	रे	—	सा	म				
य	ही	ऽ	अं	ऽ	ऽ	गे,	बे				
×		०		२		०					

भैरव—चौताल. (विलम्बित).

स्थायी.

	ग								नि		
	म	ग	म	प	ध	नि	ध	—	ध	—	प
ऽ	शा	ऽ	र	दा	ऽ	स	र	ऽ	स्व	ऽ	ती
०		३		४		×		०		२	
		म		म		म			ग		
मग	मग	रे	रे	ग	म	प	म	ग	म	रे	सा
सऽ	ऽऽ	बं	क	ला	ऽ	स	मा	ऽ	रा	ऽ	स
०		३		४		×		०		२	

सा			ग			सा					
नि़	सा	–	रे॒	–	सा	नि़	सा	ध़	नि़	सा	सा
स	ऽ	ऽ	र्वा	ऽ	नि	म	ऽ	ऽ	गैं	ऽ	म
०		३		४		×		०		२	
				म		ग					
मग	मग	म	रे॒	ग	– प	म	–	ग	म	रे॒	सा
रीऽ	ऽऽ	ऽ	त्र	यी	ऽ	रू	ऽ	प	ध	र	न
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

			नि			सां					
प	प	प	ध॒	ध॒	ध॒	नि	सां	नि	सां	सां	सां
ख	ल	नि	द	ल	नि	कं	ऽ	द	क	र	नि
×		०		२		०		३		४	
						सां				नि	
नि	ध॒	ध॒	नि	सां	सां	रें	–	सां	निसां	ध॒	प
बि	र	द	बे	ऽ	द	पा	ऽ	ल	कऽ	र	नि
×		०		२		०		३		४	
						नि		ध॒		नि	
प	पध॒	नि	सां	सां	सां	ध॒	–	नि॒	ध॒	ध॒	प
दी	ऽऽ	न	न	सु	ख	दा	ऽ	नि	स	र	नि
×		०		२		०		३		४	
ग		म								ग	
म	म	रे॒	रे॒	मग	प	म	ग	म	रे॒	रे॒	सा
अ	सु	र	न	नेऽ	ऽ	स्ता	ऽ	र	क	र	नि
×		०		२		०		३		४	
ग			सा					प	ध॒		
म	रे॒	सा	म	ग	म	प	–	ध॒	रें	सां	–
ह	र	नि	भू	ऽ	मि	भा	ऽ	र	म	हा	ऽ
×		०		२		०		३		४	

नि		नि	ध		
ध	—	ध	नि	ध	प
मो	ऽ	ह	ह	र	नि
×		०		२	

संचारी.

ग						प			ध		
म	म	गम	प	प	प	ध	ध	—	नि	ध	प
प	ति	तऽ	पा	व	नि	नि	रा	ऽ	क	र	नि
×		०		२		०		३		४	
						नि			ध		
प	पध	नि	सां	रें	सां	ध	—	ध	नि	ध	प
आ	ऽऽ	द्भु	त	ग	ति	दे	ऽ	व	त	र	नि
×		०		२		०		३		४	
म		ग	म								
ग	म	रे	ग	म	प	म	—	ग	म	रे	सा
प	र	म	रू	ऽ	प	धा	ऽ	ऽ	र	ऽ	नि
×		०		२		०		३		४	
नि			सा						नि		
सा	—	सा	म	ग	म	प	—	—	ध	—	प
वि	ऽ	श्व	भा	ऽ	र	हा	ऽ	ऽ	र	ऽ	नि।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

		नि									
प	—	ध	—	नि	नि	सां	सां	नि	सां	सां	सां
चिं	ऽ	ता	ऽ	म	नि	आ	नं	द	क	र	नि
×		०		२		०		३		४	

नि										नि	
ध	—	ध	नि	सां	सां	रें	—	सां	निसां	ध	प
ने	ऽ	क	ज	न	म	दू	ऽ	ख	दऽ	ल	नि
×		०		२		०		३		४	
						नि		ध			
प	पध	नि	सां	रें	सां	ध	…	नि	ध	प	प
क	रऽ	नि	सु	ख	बि	ला	ऽ	स	स	क	ल
×		०		२		०		३		४	
ग		ग				ग			म		
म	ग	म	नि	ध	प	म	ग	मग	रे	—	सा
आ	ऽ	नं	ऽ	द	की	खा	ऽ	नीऽ	दा	ऽ	नि
×		०		२		०		३		४	
सा		म				नि					
नि	सा	ग	म	प	—	ध	—	ध	नि	सां	सां
ला	ऽ	य	क	नें	ऽ	स्ता	ऽ	र	सू	ऽ	ख
×		०		२		०		३		४	
नि		ध		नि			ग				
ध	—	नि	ध	ध	प	मप	म				
सिं	ऽ	धु	त	र	नि	ऽऽ	शा				
×		०		२		०					

भैरव—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

										नि	
									सा	सा	म
								ऽ	स	ध	न
								२		०	
				नि							
ग	म	प	—	ध	—	—	प	ध	म	प	म
ऽ	ब	न	ऽ	छा	ऽ	ऽ	यो	ऽ	स	ध	न
३		४		×		०		२		०	

				नि						ग	
ग	म	प	—	ध	—	—	प	—	—	प	मग
ऽ	ब	न	ऽ	छा	ऽ	ऽ	या	ऽ	ऽ	द्रु	मऽ
३		४		×		०		२		०	
म				प						सा	
रे	ग	म	प	मप	म	ग	म	रे	सा	नि़	सा
ऽ	बे	ली	ऽ	माऽ	धो	ऽ	भ	व	न	अ	ति
३		४		×		०		२		०	
	ग			नि़	नि़					प	
सा	रे	—	सा	सा	ध़	नि़	सा	रे	सा	ग	म
प्र	का	ऽ	स	ब	र	न	ब	र	न	पू	ऽ
३		४		×		०		२		०	
											नि़
रे	ग	प	प	म	—	ग	म	रे	—	सा	सा
ष्प	रं	ऽ	ग	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	यो,	स
३		४		×		०		२		०	
सा	म	गम	प								
घ	न	ऽब	न								
३		४									

अन्तरा.

			नि						सां		
प	—	प	ध	—	नि	सां	सां	—	नि	सां	सां
को	ऽ	कि	ला	ऽ	खं	ज	न	ऽ	का	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
नि	नि								नि		
सां	ध	ध	नि	सां	सां	रें	रें	सां	ध	—	प
क	पो	त	अ	ऽ	ति	अ	नं	द	का	ऽ	रि
×		०		२		०		३		४	

(नि)ध	प	मप	म	ग	म		प	—	(नि)ध	नि	सां
च	हूँ	ऽऽ	आ	ऽ	र	झ		ऽ	ब	र	ऽ
×		०		२		०		३		४	
रें	सां	नि	सां	—	(नि)ध	नि	ध	प	मग	—म	प
सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	यो	ऽ	स	घ	नऽ	ऽब	न
×		०		२		०		३		४	
(नि)ध	—	—	प								
छा	ऽ	ऽ	यो								
×		०									

संचारी.

म	म	गम	प	—	प	(नि)ध	—	ध	(नि)ध	—	प
स	प्त	ऽऽ	सू	ऽ	र	ती	ऽ	न	ग्रा	ऽ	म
×		०		२		०		३		४	
प	प	—	(नि)ध	—	ध	(ध)सां	—	सां	(नि)ध	—	प
ए	क	ऽ	ई	ऽ	स	मू	ऽ	र	छा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
(म)ग	म	ग	(म)रे	ग	प	म	—	ग	(म)रे	—	सा
ओ	ऽ	क्त	जो	ऽ	क्त	ला	ऽ	ग	डां	ऽ	ट
×		०		२		०		३		४	
(ग)म	ग	म	प	प	—	(नि)ध	—	—	(नि)ध	—	प
क	र	ऽ	दि	ख	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	यों।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

			म	नि		सां					
प	प	–	प	ध॒	–	नि	सां	नि	सां	–	सां
क	हे	ऽ	मि	यां	ऽ	ता	ऽ	न	से	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

नि	नि								नि		
सां	ध॒	–	नि	सां	–	रें॒	सां	निसां	ध॒	–	प
सु	नो	ऽ	शा	हे	ऽ	अ	क	ऽऽ	ब	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

म								नि			
प	नि॒	ध॒	प	ग	म	प	–	ध॒	नि	सां	–
प्र	थ	म	रा	ऽ	ग	भैं	ऽ	ऽ	र	व	ऽ
×		०		२		०		३		४	

					नि		म				
रें॒	–	सां	नि	सां	ध॒	प	प	प	मग	–म	प
गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	या	ऽ	स	ध	नऽ	ऽअ	न
×		०		२		०		३		४	

नि			
ध॒	–	–	प
छा	ऽ	ऽ	यो
×		०	

भैरव–चौताल. (विलम्बित).

स्थायी.

ग
म
बा

	ग			नि़॒			सा				
रे॒	रे॒	–	सा	ध़॒	–	ध़॒	नि़॒	सा	सा	–	रे॒
ऽ	द	ऽ	र	भू	ऽ	म	भू	ऽ	म	ऽ	आ
३		४		×		०		२		०	

	ग			नि	नि						
—	रे	—	सा	सां	धृ	नि	सा	रे	सा	—	रे
ऽ	ऽ	ऽ	ये	ब	र	न	ब	र	न	ऽ	ब
३		४		×		०		२		०	
											ग
ग	रे	ग	प	म	—	ग	म	रे	—	सा	म
र	स	त	ऽ	प्या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रे,	बा।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

ग	नि										
म	ध	—	नि	सां	—	सां	सां	—	नि	सां	सां
सु	नी	ऽ	सु	नी	ऽ	घ	न	ऽ	घो	ऽ	र
×		०		२		०				४	
नि									नि		
ध	—	—	नि	सां	सां	रें	—	सां	ध	—	प
चा	ऽ	ऽ	त्र	कु	च	को	ऽ	र	मो	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
म					म	प					
प	ग	म	प	—	प	ध	ध	सां	ध	—	प
बो	ऽ	ऽ	ल	ऽ	त	सु	हा	ये	नं	ऽ	द
×		०		२		०		३		४	
म							ग				
प	म	—	ग	म	रे	सा	म				
दु	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रे,	बा				
×		०		२		०					

संचारी.

			नि	नि	नि	नि			नि		
सा	सा	—	ध	ध	ध	ध	—	ध	ध	—	प
तै	से	ऽ	ही	ब	न	कुं	ऽ	ज	के	ऽ	लि
×		०		२		०		३		४	
				नि					नि		
प	प	प	प	ध	ध	सां	—	सां	ध	—	प
बि	ह	र	त	भु	ज	कं	ऽ	ठ	मे	ऽ	लि
×		०		२		०		३		४	
म						म			म		
ग	मग	मरे	ग	म	प	प	म	ग	रे	—	सा
अ	नुऽ	ऽऽ	रा	ऽ	गे	दो	ऊ	ऽ	रू	ऽ	प
×		०		२		०		३		४	
	सा					ग			ग		
	नि़	ध़	नि़	सा	—	रे	—	—	रे	—	सा
ऽ	रू	ऽ	प	ऽ	ऽ	गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रे ।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

	म		नि								
प	प	—	ध	—	नि	सां	सां	—	नि	सां	सां
स	खी	ऽ	ज	ऽ	न	ब	लि	ऽ	हा	ऽ	रि
×		०		२		०		३		४	
नि									नि		
ध	—	ध	नि	सां	सां	रें	सां	सां	ध	—	प
ले	ऽ	त	रू	ऽ	प	नै	न	नि	हा	ऽ	रि
×		०		२		०		३		४	

प	ग	म	प	–	ध	सां	नि	सां	सां	ध	प
सा	ऽ	हे	सू	ऽ	हे	ह	स	न	ब	स	न
×		०		२		०		३		४	

म			म				ग
प	म	ग	रे	–	सा	–	रे
मै	न	ऽ	बा	ऽ	रे	ऽ,	बा
×		०		२		०	

भैरव—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

ग
म
ये

				नि							ग
गम	प	प	–	ध	–	प	पम	प	म	ग	म
ऽऽ	ग	न	ऽ	ना	ऽ	ऽ	यऽ	ऽ	क	ऽ	स
३		४		×		०		२		०	
ग									ग		
रे	ग	म	प	म	–	ग	म	रे	रे	सा	–
ब	सु	ख	ऽ	दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	य	क	ऽ
३		४		×		०		२		०	
सा		ग		सा			सा			ग	
नि़	सा	रे	सा	नि़	सा	ध़	नि़	सा	सा	म	–
मो	ऽ	प	र	की	ऽ	ऽ	जे	ऽ	क्रि	पा	ऽ
३		४		×		०		२		०	

	म			म			ग				ग
रे॒	ग	म	प	प	म	ग	म	रे॒	–	सा	म
ऽ	दी	ऽ	जे	बु	ध	ऽ	आ	ऽ	ऽ	नि,	ये ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

			नि		सां						
	प	–	ध॒	–	नि	सां	सां	–	नि	सां	सां
ऽ	लं	ऽ	ओ	ऽ	द	र	आ	ऽ	नं	ऽ	द
×		०		२		०		३		४	
नि			सां						सां	नि	
ध॒	ध॒	ध॒	नि	सां	सां	रें	–	सां	(निसां)	ध॒	प
क	र	न	स	क	ल	वि	ऽ	घ्न	(हुऽ)	र	न
×		०		२		०		३		४	
नि									नि		
ध॒	(--	नि॒)	ध॒	–	प	प	–	–	ध॒	–	प
मो	ऽ	ऽ	द	ऽ	ब	ढ़ा	ऽ	ऽ	व	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
			नि			ध॒			नि		
प	(मप)	–	ध॒	–	ध॒	सां	सां	–	ध॒	–	प
मं	(ऽऽ)	ऽ	ग	ऽ	ल	म	हा	ऽ	मं	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
म							ग				
प	म	ग	(म	रे॒)	–	सा	म				
ग	त	ऽ	दी	ऽ	ऽ	नि,	ये				
×		०		२		०					

संचारी.

प						नि			नि		
म	प	गम	प	–	प	ध	–	ध	ध	–	प
इ	त	ऽऽ	नो	ऽ	प्र	सा	ऽ	द	पा	ऽ	ऊं
×		०		२		०		३		४	
प			सां			ध			नि		
ध	ध	–	नि	सां	–	रें	सां	–	ध	–	प
स	दा	ऽ	ह	री	ऽ	गु	न	ऽ	गा	ऽ	ऊं
×		०		२		०		३		४	
ग				म		ग					
म	मग	म	रे	गम	प	म	म	ग	म	रे	सा
सु	धऽ	बु	ध	हिऽ	त	चि	त	ऽ	क्षां	ऽ	ड़ि
×		०		२		०		३		४	
									नि		
रे	सा	–	म	–	म	प	–	प	ध	–	प
त	न	ऽ	म	ऽ	न	औ	ऽ	र	ध्या	ऽ	ऊं।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

			नि			सां					
प	–	प	ध	–	ध	नि	सां	–	सां	–	सां
प्रे	ऽ	म	दा	ऽ	स	ति	हा	ऽ	रो	ऽ	हि
×		०		२		०		३		४	
नि			सां					सां		नि	
ध	–	ध	नि	सां	सां	रें	सां	नि	सां	ध	प
ध्या	ऽ	न	ध	र	त	नि	स	दि	न	उ	र
×		०		२		०		३		४	

							नि		सां		
प	म	गम	प	–	प	प	ध॒	–	नि	सां	सां
तु	म	ऽऽ	तो	ऽ	पु	र	न	ऽ	ज	ग	त
×		०		२		०		३		४	

म							ग
प	म	ग	म	रे॒	–	सा	म
गु	र	ऽ	ग्या	ऽ	ऽ	नि,	ये
×		०		२		०	

भैरव—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	ग					नि॒					
	म	ग	म	प	–	ध॒	–	–	प	मप	प
ऽ	गं	ऽ	ऽ	गा	ऽ	ध	ऽ	ऽ	र	ऽऽ	त्रि
०		३		४		×		०		२	
		म	म			ग					
म	ग	रे॒	ग	म	प	म	–	ग	म	रे॒	सा
न	य	न	सू	ऽ	ल	पा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नि
०		३		४		×		०		२	
सा			ग			सा					
नि़	सा	सा	रे॒	–	सा	ध़॒	–	नि़	सा	–	सा
भ	ऽ	स्म	अं	ऽ	ग	नी	ऽ	ल	कं	ऽ	ठ
०		३		४		×		०		२	
	ग					म					
	म	ग	म	प	–	प	म	ग	म	रे॒	सा
ऽ	गौ	ऽ	ऽ	री	ऽ	अ	र	ऽ	धं	ऽ	ग।
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

			नि			सां					
प	प	प	ध॒	—	ध॒	नि	सां	—	सां	—	सां
क	र	त्रि	सू	ऽ	ल	ग	रे	ऽ	मुं	ऽ	ड
×		०		२		०		३		४	
नि						सां					
सां	सांनि	रें॒	—	सां	—	नि	सां	—	ध॒	—	प
मा	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
प			नि			म			म		
म	—	प	ध॒	—	प	प	म	ग	रे॒	—	सा
भा	ऽ	ल	चं	ऽ	द्र	मृ	त्युं	ऽ	ज	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	
सा			प			नि			सां		
नि़	सा	—	ग	म	प	ध॒	—	—	नि	सां	सां
भृं	ऽ	ऽ	गी	ऽ	सो	हे	ऽ	ऽ	भू	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
नि					नि						
सां	रें॒	सां	नि	सां	ध॒	प	म				
सं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ,	गं				
×		०		२		०					

भैरव—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि़
सा
स

ग				नि			नि				म
म	गम	प	प	ध॒	—	—	ध॒	—	प	—	प
ब	ऽऽ	मि	लि	गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वो	ऽ	ब
३		४		×		०		२		०	

		म		म			ग			सा	
मग	मरे	ग	प	प	म	ग	म	रे	—	सा	नि
जाऽ	ऽऽ	बो	ऽ	मि	र	ऽ	दं	ऽ	ऽ	ग	आ
३		४		×		०		२		०	
	ग			ग						म	
सा	रे	—	रे	रे	—	—	सा	—	निसा	ग	म
ऽ	ज	ऽ	ह	मा	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽऽ	ला	ऽ
३		४		×		०		२		०	
म			ग	म			म				नि
रे	ग	मग	प	प	म	ग	रे	—	सा	—	सा
ल	न	जूऽ	की	ब	र	स	गां	ऽ	ठ	ऽ,	स।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

			नि						सां		
प	प	प	ध	—	नि	सां	सां	—	नि	सां	सां
क	न	क	था	ऽ	र	भ	र	ऽ	भ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
नि						नि			नि		
ध	—	—	नि	सां	—	रें	सां	निसां	ध	—	प
मू	ऽ	ऽ	त्ता	ऽ	ऽ	फ	ल	ऽऽ	क	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
म						नि			नि		
प	म	गम	प	—	मप	ध	—	सां	ध	—	प
क	रि	ऽऽ	न्यौ	ऽ	ऽऽ	छा	ऽ	ऽ	व	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
म			म				नि				
प	म	ग	रे	—	सा	—	सा				
पा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	यो	ऽ,	स				
×		०		२		०					

संचारी.

नि़			नि	नि		नि	नि		नि	नि	
सा	सा	–	ध॒	ध॒	–	ध॒	ध॒	–	ध॒	ध॒	प
न	व	ऽ	न	व	ऽ	प	ल्ल	ऽ	व	न	की
×		०		२		०		३		४	

						नि			नि		
प	–	ध॒	नि	सां	–	सां	–	निसां	ध॒	–	प
मा	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	द्वा	ऽ	ऽऽ	र	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

प						म					
ग	मग	मरे॒	ग	म	प	प	म	ग	म	रे॒	सा
द्वा	ऽऽ	ऽऽ	र	ऽ	न	बं	धा	ऽ	ऽ	ऽ	यो
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

म			नि						सां		
प	–	–	ध॒	–	नि	सां	–	–	नि़	सां	सां
बं	ऽ	ऽ	सी	ऽ	ध	र	ऽ	ऽ	प्र	ऽ	भु
×		०		२		०		३		४	

नि			सां					सां		नि	
ध॒	–	–	नि	सां	–	रें	सां	नि	सां	ध॒	प
को	ऽ	ऽ	ज	स	ऽ	सु	नि	य	त	है	ऽ
×		०		२		०		३		४	

ग						ध॒		सां			
म	ग	म	प	–	ध॒	सां	–	ध॒	ध॒नि	ध॒	प
स	ब	ऽ	ही	ऽ	को	ला	ऽ	ग	तऽ	है	ऽ
×		०		२		०		३		४	

म							नि़
प	म	ग	म	रे॒	–	सा	सा
सु	हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	यो,	स
×		०		२		०	

भैरव–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

ग		
रे	–	सा
ला	ऽ	ल

		नि									ग		
नि	सा	ध	–	सा	–	–	म	–	म	ग	म	प	–
अ	ल	सा	ऽ	ने	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	भो	ऽ	ऽ
३				×					२		०		
				म							ग		
म	ग	म	–	रे	–	–	सा	–	नि	सा	रे	–	सा
रे	ऽ	ही	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ल
३				×					२		०		
सा		नि											
नि	सा	ध	–										
अ	ल	सा	ऽ										
३													

अन्तरा.

			नि							सां			
प	–	–	ध	–	–	नि	सां	सां	–	नि	सां	सां	सां
कौ	ऽ	ऽ	न	ऽ	ऽ	बा	ऽ	म	ऽ	हि	त	चि	त
×					२		०			३			
नि												नि	
ध	ध	–	नि	–	सां	–	रें	सां	–	नि	सां	ध	प
सों	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	चा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ये	ऽ
×					२		०			३			

म नि सां		नि	
प ध – नि –	सां –	ध – –	प – गम प
स ग ऽ री ऽ	ऽ ऽ	रै ऽ ऽ	न ऽ ऽऽ ज
×	२	०	३
ग		ग	सा नि
म – ग म रे	– सा	रे – सा	नि सा ध –
गा ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ये	ला ऽ ल	अ ल सा ऽ।
×	२	०	३

भैरव–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

			ग
			रे – सा
			आ ऽ ज
सा	ग	नि	
सा ध सा –	म – – म गम	ध –	प म ग
र स मा ऽ	ते ऽ ऽ हो ऽऽ	री ऽ	खे ऽ ऽ
३	×	२	०
	ग		
म – ग म	म रे – रे –	सा –	रे – सा
ले ऽ ऽ ऽ	ला ऽ ऽ ऽ ऽ	ल ऽ	आ ऽ ज
३	×	२	०

अन्तरा.

			नि			सां				सां			
प	–	मप	ध	–		नि	सां	–	–	नि	सां	सां	सां
ता	ऽ	ऽऽ	री	ऽ	ऽ	दै	दै	ऽ	ऽ	ना	ऽ	च	त
×					२		०			३			
नि												नि	
ध	–	–	नि	सां	सां	सां	रें	–	सां	नि	सां	ध	प
गा	ऽ	ऽ	व	त	सं	ग	ग्वा	ऽ	ऽ	ऽ	ल	ब्रि	ज
×					२		०			३			
ध					म		ग						
सां	ध	प	ग	मग	रे	सा	रे	–	सा				
बा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ल	आ	ऽ	ज				
×					२		०						

राग पूर्वी.

पूर्वी रागः सकलविदितः कोमलाभ्यां रिधाभ्यां ।
मध्यस्तीव्रो मृदुरपि सदैवात्र तीव्रौ गनी स्तः ॥
गो वाद्यत्र प्रविलसति तत्साहचर्ये निषादः ।
संपूर्णोऽसौ सरसविबुधैः सायमेव प्रगीतः ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

मृदू रिधौ मध्यमौ द्वौ वादिसम्वादिनौ गनी ।
पूर्वीरागः सायमुक्तः पूर्णारोहावरोहणः ॥

चन्द्रिकायाम् ।

कोमल रिध तीवर गनी दोऊ मध्यम लाग ।
गनि वादी सम्वादितें बनत पूर्वी राग ॥

चन्द्रिकासार ।

निसौ रिगौ॒मगौ मपौ धपौ मगौ मगौ रिसौ ।
सम्पूर्णा पूर्विका सायं गांशा मद्वयभूषिता ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

'पूर्वी'—यह राग पूर्वीथाट से निकला है ! इसमें रिषभ, धैवत कोमल लगते हैं, मध्यम दोनों प्रकार के लिये जाते हैं एवं शेष स्वर शुद्ध प्रयुक्त होते हैं। इसकी जाति सम्पूर्ण है। वादी स्वर गन्धार और सम्वादी निषाद है। इस राग का गायन समय दिन का अन्तिम प्रहर माना जाता है। पूर्वी राग का वैचित्र्य सा, ग, प, नि इन स्वरों पर दिखाई देता। इसकी प्रकृति गम्भीर है। उत्तर भारत की ओर तीव्र धैवत का प्रयोग इस राग में कहीं-कही दिखाई पड़ता है। कोई-कोई गायक इसमें दोनों धैवत भी लगाते हैं।

आरोहावरोहः—

सा, रे̱ ग, म॑ प, ध̱, नि सां । सां नि ध̱ प, म॑, ग, रे̱ सा ॥

पकड़ः—

नि़, सा रे̱ ग, म ग, म॑, ग, रे̱ ग, रे̱ सा।

पूर्वी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि़	रे॒	ग	ग	म॑	ग	रे॒	ग	रे॒	सा
×		२			०		३		
नि़	नि़	सा	रे॒	ग	रे॒	ग	म	ग	ग
×		२			०		३		
म॑	ग	म॑	ध॒	म॑	रें॒	नि	ध॒	नि	ध॒
×		२			०		३		
प	म॑	ग	म॑	ध॒	म॑	ग	ग	रे॒	सा
×		२			०		३		

अन्तरा.

म॑	ग	म॑	ध॒	म॑	सां	ऽ	नि	रें॒	सां
×		२			०		३		
नि	रें॒	गं	रें॒	सां	नि	रें॒	नि	ध॒	प
×		२			०		३		
म॑	ध॒	नि	ध॒	रें॒	नि	ध॒	नि	ध॒	प
×		२			०		३		
सां	नि	ध॒	प	म॑	ग	रे॒	ग	रे॒	सा
×		२			०		३		

पूर्वी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

^ग								^म॑			
म॑	ग	रे॒	सा	नि़	नि़	सारे॒	ग	प	म॑ग	म॑	ग
ए	री	स	खी	तो	है	पूऽ	र	बी	मुऽ	ना	ऊं
×		०		२		०		३		४	
^म॑											
प	ध॒	प	ध॒	म॑	प	म॑	ग	म॑	रे॒	ग	ग
का	ऽ	म	व	र	ध	नि	के	क	र	सु	र
×		०		२		०		३		४	
^सा								^ध॒			
नि़	रे॒	ग	—	म॑	ध॒	नि	ध॒	रें॒	नि	ध॒	प
सं	ऽ	पू	ऽ	र	न	मे	ऽ	ल	मि	ला	ऊं।
×		०		२		०		३		४	
^म॑											
प	म॑	ग	रे॒	सा	नि़						
ए	री	स	खी	तो	है						
×		०		२							

अन्तरा.

^ग				^ध॒		^नि					
म॑	—	ग	—	म॑	ध॒	सां	—	सां	नि	सां	सां
वा	ऽ	दी	ऽ	गं	ऽ	धा	ऽ	र	ब	ना	ऊं
×		०		२		०		३		४	
^सां						^सां		^नि			
नि	नि	रें॒	गं	रें॒	सां	नि	—	रें॒	नि	ध॒	प
स	म	बा	ऽ	दी	ऽ	स	ऽ	म	म	गा	ऊं
×		०		२		०		३		४	

मंप	ध़	म	प	म	ग	म	ग	रे़	ग	रे़	सा
अऽ	ऽ	स्त	स	म	य	तु	रि	य	प	ह	र
×		०		२		०		३		४	
सा				ध़							
नि़	रे़	ग	ग	म	ध़	नि	ध़	रें	नि	ध़	प
च	तु	र	सु	ज	न	म	न	को	रि	झा	ऊं
×		०		२		०		३		४	
मं											
प	म	ग	रे़	सा	नि़						
ए	री	स	खी	तो	हे						
×		०		२							

पूर्वी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

मं															
प	ध़	म	पमं	ग	म	ग	रे़	ग	–	नि़	रे़	ग	म	ग	ग
पू	ऽ	र	विऽ	के	ऽ	सु	र	गा	ऽ	य	गु	नी	ऽ	व	र
०				३				×				२			
								मं							
ग	रे़	ग	म	प	ध़	म	प	ग	रे़	ग	म	ग	रे़	सा	ऽ
०				३				×				२			
						ध़		ध़				ध़			
						म	ध़	रें	नि	ध़	नि	म	–	गम	ग
नि़	नि़	सा	रे़	ग	ऽ	ज	हां	अं	ऽ	ग	म	नो	ऽ	हऽ	र।
०				३				×				२			
मंप	ध़	म	पमं												
पुऽ	ऽ	र	विऽ												
०															

अन्तरा.

ध				ध				ध				नि			
मं	–	ग	ग	मं	–	ध	मंध	सां	–	सां	सां	सां	रें	सां	सां
वा	ऽ	दि	गं	धा	ऽ	र	निऽ	खा	ऽ	द	सु	स	ह	च	र
०				३				×				२			
नि															
सां	–	सां	सां	नि	–	ध	ध	नि	रें	नि	ध	नि	ध	प	प
म	ऽ	ध्य	म	जो	ऽ	ग	दि	खा	ऽ	व	त	सुं	ऽ	द	र
०				३				×				२			
सा								ध							
नि	–	सा	रे	ग	–	मं	ध	रें	नि	ध	नि	धप	पमं	गम	ग
सं	ऽ	धि	प्र	का	ऽ	श	स	म	य	क	ह	तऽ	चऽ	तुऽ	र।
०				३				×				२			

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा
नि
ब

	मं							मं							
रे	ग	प	प	ध	प	–	प	प	ध	मं	पमं	ग	म	ग	ध
न	त	ऽ	ब	ना	ऽ	ऽ	ॐ	ब	न	न	हिंऽ	आ	ऽ	वे	ह
३				×				२				०			
															सा
मं	ग	–	रे	सा	–	–	–	निरे	गमं	पध	पमं	ग	रे	सा	नि
रि	के	ऽ	बि	ना	ऽ	ऽ	ऽ	हेऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	आ	लि,	ब।
३				×				२				०			

अन्तरा.

ध	ध	सां	प
म ग म धम	सां – रें सां	नि ध निरें निध	नि ध प ध
का ऽ रि कऽ	रू ऽ अ ब	कैं से सऽ मऽ	भा ऽ ऊं स
३	×	२	०
			सा
म ग – म	ग रे सा सा	निरे गम पध पम	ग रे सा नि
म भ ऽ त	ना ऽ हिं न	हेऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽ आ लि, ब
३	×	२	०

—— ——

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

मं	म	ग	
प ध मं पमं	ग म ग रे	म ग – रे	ग मं प –
आ ऽ व नऽ	क हि ग ये	अ ग ऽ म्भ	इ ल वा ऽ
०	३	×	२
मं ध		ध	रे
प प मं –	ग म ग –	म मंध म ग	ग रे सा –
उ न को ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	अ जऽ फ र	क त हैं ऽ
०	३	×	०
		ध ध	मं
नि रे ग म	प – – –	म – म –	ग म ग –
अं खि मो रि	बां ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ई ऽ
०	३	×	२

अन्तरा.

(ग)म॑ म॑ ग ग	(ध)म॑ – ध मध	(ध)सां – सां सां	सां रें सां –
स कु न बि	चा ऽ गो ऽऽ	रे ऽ मो रे	ब म ना ऽ
×	२	०	३
(नि)सां – सां सां	नि ध नि सांरें	(ध)नि – – ध	(नि)ध – प प
वे ऽ ग मि	ल न वा ऽऽ	हो ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ य
×	२	०	३
(म॑)प (ध)म॑ – (ध)म॑	(म॑)ग म ग –	नि़ रे ग म॑	प – – प
स दा ऽ रं	गी ऽ ले ऽ	आ ऽ ल म	गी ऽ ऽ र
×	२	०	३
(म॑)प – (ध)म॑ –	(म॑)ग म ग –		
सां ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ई ऽ		
×	२		

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

(म॑)प ध प म॑	ग म ग रे	ग – (सा)नि़ रे	ग म ग –
क ग वा ऽ	बो ऽ ले ऽ	मो ऽ रिं अ	ट रि या ऽ
०	३	×	२

ग रे ग मे	प – – –	मे ग – मे	ग रे सा –
ट रि या ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	स कु ऽ म्भ	इ ल वा ऽ
०	३	×	२
(सा) नि नि सा रे	ग ग मे ध	रें नि ध प	मे ग म ग
स खि मो री	भु ज वा ऽ	फ र क न	ऽ ला ऽ गी।
०	३	×	२

अन्तरा.

(ग) मे मे ग ग	(ध) मे – ध मेध	(ध) सां – सां सां	(नि) सां रें सां –
अ व न क	रो ऽ तु मऽ	मो ऽ रे पि	य र वा ऽ
०	३	×	२
(नि) सां – सां सां	नि ध नि ध	(सां सां) नि निरें नि ध	नि ध प –
डा ऽ रुं ग	रे ऽ फू ऽ	ल नऽ के ऽ	ह र वा ऽ
०	३	×	२
(सा) नि नि सा रे	ग ग मे ध	रें नि ध प	मे ग म ग
स खि री ऽ	उ न प र	त न म न	वा ऽ री ऽ।
०	३	×	२
ग ध प मे			
क ग वा ऽ			
०			

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग म॑ ग रे॒	— सा नि़ —	सा रे॒ ग —	— — म ग
रं गी ली रा	ऽ म की ऽ	अ खि यां ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

(ग)म॑ म॑ ग ग	(ध॒)म॑ म॑ ध॒ म॑ध॒	(ध॒)सां — सां सां	रें॒ — सां सां
सु र न र	मु नि ज नऽ	जी ऽ व न	खं ऽ ज न
०	३	×	२
(सां)नि नि सां —	नि ध॒ नि ध॒	रें॒ रें॒ नि ध॒	म॑ ग म ग
म न रं ऽ	ज न प खि	यां ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

(ग)म॑ म॑ — ग	(ध॒)म॑ — ध॒ म॑ध॒	सां सां सां सां	रें॒ — सां —
कृ पा ऽ क	टा ऽ छ लऽ	छ न छ बि	आ ऽ छे ऽ
०	३	×	२
(सां)नि निरें॒ रें॒ गं	रें॒ सां नि ध॒	रें॒ रें॒ नि ध॒	म॑ ग म॑ रे॒
मृ गऽ छौ ऽ	ना ऽ छ कि	यां ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ।
०	३	×	२

पूर्वी--त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			सा
			च
सा ध			मं
निरे ग म ध	मध निसां नि ध	— प (प) —	ग म ग ध
लोऽ री मा इ	ओऽ ऽऽ लि या	ऽ ऽ पी ऽ	ऽ ऽ कें द
३	×	२	०
	नि		
म ग रे सा	— सां — नि	ध प म प	म ग म ग
र बा ऽ र	ऽ पू ऽ बिं	दु ल हि न	ब ना ऽ ई
३	×	२	०
सा	ध ध		
नि रे ग म	म मध म ग	मरे ग — म	ग रे सा सा
गा ऽ व त	क रऽ जो ऽ	रऽ रा ऽ ग	रं ऽ ग, च
३	×	२	०

अन्तरा.

ग	ध	नि	
म म ग —	म म ध —	सां सां सां —	रें — सां —
सु ल ता ऽ	न म शा ऽ	य क मा ऽ	नो ऽ जू ऽ
२	०	३	×
नि		सां	
सां — सां सां	नि निध नि ध	नि निरें नि ध	नि — ध प
व्या ऽ ह न	च ढिऽ या ऽ	स बऽ प्र थ	वी ऽ ऽ ब
२	०	३	×

				मं				सा				ध			
मंप	मंपध	मं	पमं	ग	म	ग	ग	नि	रे	ग	मं	मं	मंध	मं	ग
राऽ	ऽऽऽ	ती	ऽऽ	म	न	रं	ग	ध	न	ध	न	वा	ऽऽ	की	रा
२				०				३				×			
मं	रे	ग	मं	ग	रे	सा	सा								
ऽ	त	रं	ग	सं	ऽ	ग,	च								
२				०											

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा	
नि	
म	

				मं											
रे	ग	–	रे	ग	म	ग	–	मंप	ध	मं	पमं	ग	म	ग	–
धु	रा	ऽ	न	जा	ऽ	वो	ऽ	कौऽ	ऽ	न	वऽ	हां	ऽ	हैं	ऽ
३				×				२				०			
ग		ध		ध				मं							सा
मं	ग	मं	ध	रें	नि	ध	प	प	ध	मं	पमं	ग	म	ग	नि
कु	ब	जा	ऽ	ना	ऽ	री	ऽ	ना	ऽ	रि	अऽ	ना	ऽ	रि,	म।
३				×				२				०			

अन्तरा.

ध		ध										नि	रें		
मं	ग	मं	ध	सां	–	सां	सां	नि	रें	गं	रेंसां	सां	नि	ध	प
हूँ	ऽ	तो	पे	वा	ऽ	रि	अ	र	ज	मो	रिऽ	मा	ऽ	नो	ऽ
३				×				२				०			

ग मं	ग	धृ मं	धृ	धृ रें	नि	धृ	प	मं प	धृ	मं	पमं	ग	म	ग	सा नि़
उ	त	हूं	न	जैं	ऽ	यो	ऽ	कु	ऽ	ष्ण	मुऽ	रा	ऽ	रि,	म
३				×				२				०			

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी

सा नि़	रे़	ग	रेग	प	—	—	प	मं प	धृ	मं	पमं	ग	म	ग	—
का	ऽ	ज	रऽ	का	ऽ	ऽ	रे	अ	ति	सु	कुऽ	मा	ऽ	रे	ऽ
३				×				२				०			
ग मं	रे़	ग	मं	धृ मं	—	ग	—	मं	रे़	ग	मं	ग	रे़	सा	—
नैं	ऽ	न	ति	हा	ऽ	रे	ऽ	ला	ऽ	ग	त	प्या	ऽ	रे	ऽ।
३				×				२				०			

अन्तरा.

ग मं	मं	ग	ग	धृ मं	मं	धृ	मंधृ	धृ सां	सां	सां	सां	सां	रें़	सां	—
नि	र	ख	त	ल	ग	त	कऽ	र	त	म	न	ब	स	में	ऽ
३				×				२				०			
सां नि	रें़	गं	रें नि	रें़	नि	धृ मं	धृ मंधृ	मं	ग	ग	मं	ग	रे़	सा	—
च	प	ल	चं	ऽ	प	अ	निऽ	या	ऽ	रे	ऽ	प्या	ऽ	रे	ऽ।
३				×				२				०			

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध॒ ध॒	रे॒	सा	
म॑ म॑ध॒ म॑ ग	ग – रे॒ सा	नि़ – सा रे॒	ग – म॑ ग
मा इऽ मे रे	नै ऽ न न	बा ऽ न प	री ऽ री ऽ
०	३	×	२
सा सा			प
नि़ सा प प	प – प –	म॑प ध॒ म॑ पम॑	ग म ग –
जा ऽ दि न	नै ऽ ना ऽ	स्या ऽ म नऽ	दे ऽ खों ऽ
०	३	×	२
नि	ध॒		
सा सा ग ग	म॑ – ध॒ म॑ध॒	रें॒ रें॒ नि ध॒	म॑ ग रे॒ सा
बि स र त	ना ऽ हिं घऽ	री ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ री ऽ
०	३	×	२

अन्तरा.

ग	ध॒	ध॒	
म॑ म॑ ग –	म॑ म॑ ध॒ म॑ध॒	सां – सां सां	रें॒ – सां सां
चि त में ऽ	ब स ग इऽ	सां ऽ व रि	सू ऽ र त
०	३	×	२
नि			
सां सां सां –	नि – ध॒ ध॒	रें॒ रें॒ नि ध॒	नि ध॒ प –
उ र तें ऽ	ना ऽ हिं ढ	री ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
ध॒	ध॒ ध॒		
म॑ – ध॒ नि	म॑ म॑ध॒ म॑ ग	म॑ रे॒ ग म॑	ग रे॒ सा –
मी ऽ रा ऽ	ह रिऽ के ऽ	हा ऽ थ बि	का ऽ नी ऽ
०	३	×	२

नि̣	ध		
सा सा ग ग	म – ध मध	रें रें नि ध	म ग रे सा
स र ब स	दे ऽ नि बऽ	री ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ री ऽ।
०	३	×	२

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

				सा
				नि̣
				व
		मं ध	मं	
रे ग – रे	ग म ग –	प ध मं पमं	ग म ग –	
हीं क्यों ऽ न	जा ऽ ओ ऽ	कृ ऽ ष्ण कऽ	न्हा ऽ ई ऽ	
३	×	२	०	
ध	ध	मं	सा	
म ग म ध	रें नि ध प	प ध मं पमं	ग म ग नि̣	
जा ऽ य र	हो ऽ मो सें	क र के ढिऽ	टा ऽ इ, व।	
३	×	२	०	

अन्तरा.

ग	ध		
मं मं ग –	मं मं ध मं	सां सां सां सां	सां रें सां –
स ग री ऽ	र ति यां ऽ	जि न घ र	बी ऽ ती ऽ
३	×	२	०
नि		सां	
सां नि रें गं	– रें सां सां	नि निरें नि ध	नि ध प –
क हो ऽ ना	ऽ थ अ ब	को ऽऽ ऽ ये	री ऽ ती ऽ
३	×	२	०

सा						ध॒		ध॒				प			सा
नि̣	–	रे॒	ग	–	ग	मं	ध॒	रें॒	नि	ध॒	प	ग	म	ग	नि̣
ग्वा	ऽ	ल	सू	ऽ	त	तो	हे	श	र	म	न	आ	ऽ	ई,	व ।
३				×				२				०			

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

	ध॒	ध॒													सा
नि	नि	मं	ग	गमं	रेग	–	रे॒	सा	–	–	–				नि̣
मौ	ऽ	जा	ऽ	माऽ	ऽऽ	ऽ	णी	हो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	थें
०				३				×				२			
				ध॒					रें					ध॒	
सा	सा	ग	ग	मं	ध॒	नि	सां	सां	नि	ध॒	प	प	–	मं	ग
मा	णी	ग	र	र	सि	या	ऽ	रै	ऽ	ण	स	मै	ऽ	रा	ऽ
०				३				×				२			
				मं	ध॒										
मं	रे॒	ग	मं	नि	नि	मं	ग	गमं	रेग	–	रे॒	सा	–	–	–
णी	ऽ	सों	ऽ	च	ऽ	त्र	ऽ	साऽ	ऽऽ	ऽ	णि	हो	ऽ	ऽ	ऽ ।
०				३				×				२			

अन्तरा.

ध॒				ध॒											
मं	मंमं	मं	ग	मं	–	ध॒	मं	सां	सां	सां	सां	सां	रें॒	सां	–
भां	गड	ली	पि	वो	ऽ	सु	ख	क	रो	म	न	रं	ग	में	ऽ
०				३				×				२			

सां नि	रें	गं	रें	सां	–	रें	सां		मं प	–	प	ध म	ग	मरे	ग
सा	लु	डा	रे	आं	ऽ	च	ल	ऽ	छा	ऽ	गि	हो	ऽ	ऽऽ	ऽ।
०				३				×				२			

पूर्वी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध म	म	ग	रे	सा	सा	सा नि	–	रे	ग	म	ग
न	इ	रे	ल	ग	न	मो	ऽ	रि	ला	ऽ	गि
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

ध म	–	ध	–	सां	सां	सां	–	सां	रें	सां	सां
ते	ऽ	रे	ऽ	रं	ग	में	ऽ	नि	स	दि	न
×		०		२		०		३		४	
सां नि	–	रें	गं	रें	सां	सां नि	रें	नि	ध म	–	ग
हों	ऽ	ऽ	र	ह	त	रं	ऽ	ग	पा	ऽ	गि।
×		०		२		०		३		४	
ध	म										
न	इ										
×											

पूर्वी—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

	(सा)	नि॒	सारे॒	ग	—	^{म॑}रे॒	^गरे॒	ग	ग	^{म॑}प	—
ऽ	पी	ऽ	रनि	जा	ऽ	मो	दी	ऽ	न	औ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
^{ध॒}म॑	^{म॑}गम	ग	—	^{म॑}रे॒	^गरे॒	ग	^{ध॒}म॑	—	ध॒	^{सां}नि	निरें॒
ऽ	लिऽ	या	ऽ	स	ब	ऽ	मे	ऽ	रि	ई	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
निध॒	नि	ध॒	प	^{म॑}प	प	ध॒	म॑	प	म॑	^{म॑}ग	म
छाऽ	दो	ऽ	ऽ	भ	र	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	पू	ऽ
३		४		×		०		२		०	
ग	रे॒सा	नि॒	सारे॒	ग	—						
र,	पीऽ	ऽ	रनि	जा	ऽ						
३		४		×							

अन्तरा.

^{ध॒}म॑	ग	^{ध॒}म॑	ध॒	^{नि}सां	—	सांनि	रें॒	—	सां	^{नि}ध॒	निरें॒
दो	ऽ	ऊ	ज	हां	ऽ	मेंऽ	दी	ऽ	न	इ	माऽ
३		४		×		०		२		०	
नि	^{ध॒}नि	ध॒	प	^{ध॒}म॑ध॒	^{ध॒}म॑	^गम॑	ग	^{ध॒}म॑	ध॒	^{सां}नि	^{सां}निरें॒
न	पा	ऽ	ऊं	आऽ	नं	द	स	हि	त	ध	नऽ
३		४		×		०		२			

		मं			मं
निध नि	ध प	प –	ध मं	प मं	ग म
जोऽ की	ऽ जें	मा ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	मू ऽ
३	४	×	०	२	०

ग रेसा	नि सारे	ग –
र, पीऽ	ऽ रनि	जा ऽ
३	४	×

पूर्वी–त्रिताल (विलम्बित)

स्थायी·

मंग
दुन

		मं	
रे सा नि सारे	ग म ग –	प ध मं पमं	ग म ग –
वा ऽ ऽ हेमा	ई ऽ ऽ ऽ	क र दे ऽऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०
सा		ध	मं ध मं
नि – – सारे	ग म ग –	सां नि ध प	प मं धमं
जो ऽ ऽ बस	हो ऽ वे ऽ	पि या ऽ ऽ	मो ऽ रा दुन
३	×	२	०
ग रेसा नि सारे	ग म ग –		
वा ऽऽ ऽ हेमा	ई ऽ ऽ ऽ		
३	×		

अन्तरा.

ग ध॒	ध॒	नि	ध॒
म॑ ग म॑ ध॒	सां - रें॒ सां	ध॒ नि नि सांरें॒	नि ध॒ प -
ग रे को ऽ	हा ऽ दूं गी	क र को कंऽ	ग न वा ऽ
३	×	२	०
ग ध॒	सां	म॑	म॑
म॑ ग - म॑ध॒	नि रें॒नि ध॒ प	प ध॒ म॑ पम॑	ग म ग ध॒म॑
औ र ऽ गुन	मा ऽनु गी ऽ	तो ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ रा, दुन
३	×	२	०
ग रे॒सा नि॒ सारे॒	ग म ग -		
वा ऽऽ ऽ हेमा	ई ऽ ऽ ऽ		
३	×		

पूर्वी—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा ध॒	रे॒		
रे॒ ग गम॑म॑ गम॑	ग रे॒ सा -	रे॒रे॒सानि॒सा नि॒ - सारे॒	ग म ग -
नै ऽ ऽऽऽ याऽ	मो ऽ री ऽ	पाऽऽऽऽऽ ऽ ऽ रक	रो ऽ रे ऽ
३	×	२	०
		म॑	
गम॑रे॒ग प - ,पम॑	ध॒ - प -	प ध॒ म॑ पम॑	ग म ग -
अऽऽऽ ब ऽ ,निऽ	जा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ मी ऽ।
३	×	२	०
सा ध॒			
रे॒ ग गम॑म॑ गम॑			
नै या ऽऽऽ ऽऽ			
३			

अन्तरा.

ध ध	नि		रें
म ग म ध	सां – सां ,सांनि	रें – सां सां	निध निनि ध प
तु म हो ऽ	पी ऽ र ,गंऽ	भी ऽ ऽ र	ग्याऽ ऽऽ ऽ न
३	×	२	०
ध ध	ध	म	
प म ग मध	रें नि ध प	प ध म पम	ग म ग –
अं ऽ ऽ तर	जा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ मी ऽ
३	×	२	०
सा ध			
रे ग गमम गम			
नै या ऽऽऽ ऽऽ			
३			

पूर्वी—एकताल. (विलम्बित).

स्थायी.

ग
ध
पि

ध				म	
म गरे	सानि ,सारे	ग म	ग –	प ध	म पम
य ऽर	वाऽ ,कीऽ	बा ऽ	से ऽ	तो ऽ	में ऽऽ
३	४	×	०	२	०
प		ग	ध	रे	
ग म	ग –	मरे ग	मध म,गम	ग रे	सा –
आ ऽ	वे ऽ	तूंऽ ऽ	मोऽ हे,ऽऽ	भा ऽ	वे ऽ
३	४	×	०	२	०

सा			ध	ध				म	ध		ग
नि़	सारे	ग	मध	सां	नि	ध	प	प	म	गम	ग,ध
ला	गग	रे	मोरे	पि	या	ऽ	ऽ	प्या	ऽ	ऽऽ	रि,पि
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

ध	सां							नि			
मध	निसां	सांसां	-,सांनि	रें	—	सां	—	सां	सां	नि	ध
तूऽ	जिन	लजा	ऽ,वऽ	ही	ऽ	ऽ	ऽ	तो	सी	तू	हि
३		४		×		०		२		०	
सां	ध			ध	ध			ध		सां	
रेंनि	नि	ध	पप	म	म	ग	,ग	म	ध	नि	रेंनि
वड़	भा	ऽ	गिन	ग	हे	ऽ	,सु	ल	ऽ	छ	ऽन
३		४		×		०		२		०	
ध				म							ग
नि	ध	प	—	प	ध	म	पम	ग	म	ग	,ध
न्या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	री	,पि ।
३		४		×		०		२		०	

पूर्वी—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

ग
ध
म

								म				सां			
म	ग	रेरेसानि़	-,सारे	ग	गम	ग	—	प	प	म	ध	नि	निरेंनि	ध	प
न	ऽ	मऽऽऽ	ऽ,स्तऽ	जा	ऽऽ	मे	ऽ	इ	श्कं	ऽ	ऽ	अ	ऽऽखु	दे	ऽ
३				×				२				०			

प प म ग	म रेरे ग –	म ध म गम	ग रे सा –ध
ख ब ऽ ऽ	ऽ ऽर्न दा ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ रं, ऽम।
३	×	२	०

अन्तरा.

म –ग म ध,मध	सां –नि रें सां	सां निध नि ध	रें नि ध प
ग ऽर्स रे ऽ,बुऽ	रं ऽद री रा	प ऽऽ वीं ऽ	ऽ ऽ ये ऽ
३	×	२	०
म ध म ग	म रे ग –	म ध म गम	ग रे सा, –ध
स ऽ र्नी ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	दा ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ रं, ऽम।
३	×	२	०
म ग रेसा नि,सारे			
न ऽ ऽम ऽ,स्तऽ			
३			

पूर्वी—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

ध म ग –	रे सा – निसा	नि – – सारे	ग गम ग –
च र ऽ ऽ	न प ऽ ऽऽ	र ऽ ऽ ऽऽ	स ऽऽ त ऽ
३	×	२	०
मरे गप – प	ध – प –	प ध म पम	ग म ग –
एऽ रोऽ ऽ आ	नं ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ द ऽ।
३	×	२	

मं				रे॒				नि॒ मा				मं		रे॒	
ध॒	म	ग	गमं	ग	रे॒	सा	–	सारे॒	नि॒	–	सारे॒	ग	गम	ग	गमं
सु	ख	ऽ	ऽऽ	भ	ऽ	यो	ऽ	तन	म	ऽ	नऽ	ध	ऽऽ	न	ऽऽ।
३				×				२				०			

अन्तरा.

ध॒		ध॒		ध॒			नि	नि							
मं	ग	मं	ध॒,मंध॒	सां	–सां	रें॒	सां	सां	सां	–	सांनि	रें॒	रें॒	सां	–
ऐ	सो	पी	र,जऽ	रा	ऽज	रो	ऽ	ज	र	ऽ	बऽ	क	स	न	ऽ
३				×				२				०			
नि				ध॒				ध॒							
सां	सां(सां)	–	निध॒	नि	–	ध॒	ध॒	नि	–	रें॒	निध॒	नि	ध॒	प	–
नि	जाऽ	ऽ	मुऽ	दी	ऽ	ऽ	न	औ	ऽ	ऽ	लिऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ
३				×				२				०			
ध॒								मं							
मं	–	ध॒	नि	रें॒	निध॒	निध॒	प	प	ध॒	मं	पमं	ग	म	ग	गमं
ए	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	धऽ	नऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	न	ऽऽ।
३				×				२				०			

पूर्वी–एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

रे॒			ध॒			ध॒					
ग	मंग	,मंप	निनि	ध॒	प	मं	पमं	ग	म	ग	–
ये	ऽऽ	,मेह	ऽऽ	बू	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ब	ऽ
३		४		×		०		२		०	

ध				रे				नि			
म	धम॑	–	,गम॑	ग	रे	सा	–	सासा	सा,रेरेसानि	–	,रेम
पी	SS	S	,रेS	चे	S	स्ती	S	हज	र,तSSS	S	,मुल
३		४		×		०		२		०	

		रे									
ग	–	ग	म	म॑	ग	म	रे	ग	रे	प	प
ता	S	S	S	S	S	S	S	S	S	S	न
३		४		×		०		२		०	

म॑	ध			ध						ध	
प	म॑ध	रें	नि	नि	ध	प	प	प	ध	म॑	पम॑
नि	जाS	S	मु	दी	S	S	न	औ	S	S	SS
३		४		×		०		२		०	

		रे	म॑
ग	मरे	ग,म॑ग	पनि
S	Sलि	या,SS	मेहे
३		४	

अन्तरा.

प		प				नि		नि			
मम॑	ग	म	धप	सां	–सां	सांरें	सां	सां	–सां	नि	ध
कर	ता	र	आS	पी	Sब	नाS	यो	नू	Sर	ते	S
३		४		×		०		२		०	

सां	ध			म॑							ध
निरें	निनि	ध	प	प	ध	म	पम॑	ग	म	ग	,म॑ध
SS	माS	मू	S	S	S	S	SS	S	S	रे	,सुS
३		४		×		०		२		०	

नि	रें	निध	नि	ध	प	म	म	ग	म	रे	ग
र	ऽऽ	तऽ	ऽ	खू	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ब	ये
३		४		×		०		२		०	
म	ग	,मप	निनि								
ऽ	ऽ	,मेह	ऽऽ								
३		४									

पूर्वी—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

मं,-ध मं-,गमं ग रेसा	रेरेसानि, सारे ग मग	गमंरेग प – पप	मंध रेंनि ध प
ए,ऽऽ म,कऽ दू ऽम	साऽऽऽ, ऽऽ है ऽब	त्रिऽऽऽ ला ऽ यत	सब ऽवि ध ऽ
३	×	२	०
पमं ध म गमं	ग – रे सा	सानि – ध मं,गमं	ग – रे सा
लाऽ ऽ य ऽक	की ऽ ऽ नो	अल्ला ऽ ऽ ये,रऽ	सू ऽ ऽ ल
३	×	२	०
मं,-ध मं,गमं ग रेसा			
ए,ऽऽ म,कऽ दू ऽम			
३			

अन्तरा.

म ध सां सांनि	रें – सां –	सां (सां) नि ध	नि रेंनि ध प
स ब मि लऽ	आ ऽ ये ऽ	औ ली या ऽ	अं ऽबि या ऽ
३	×	२	०

	ध							म				रे			
म	ग	म	ध	नि	रेंनि	ध	पप	पमं	ध	म	गमं	ग	–	रे	सा
च	हुँ	चो	ऽ	ऽ	ऽक	में	तुऽ	म्हाऽ	ऽ	री	ऽऽ	धू	ऽ	ऽ	म।
३				×				२				०			

पूर्वी–त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

सासा
दर्द

सा	ग		ध					मं ध				रे			
नि	सारेग	मंरेग	प,मंध	नि	ध	प	मंप	प	म	गम	ग	ग	म	मंरे	ग
की	मऽफा	ऽऽऽ	ऽ,ईऽ	अ	ल्ला	ऽ	ऽऽ	अ	ल्ला	ऽऽ	हो	अ	ल्ला	ऽऽ	ऽ
३				×				२				०			
सा					मं			ध							
निरेगमंप	पमं	ध	प	पपधधपमं	पमं	गम	ग	मंध	म	गरे	ग	–	रे	सा	सासा
अऽऽऽऽ	ऽऽ	ऽ	ल्ला	ऽऽऽऽऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	हो	अऽ	क	ऽऽ	ऽ	ऽ	ब	र,	दर्द।
३				×				२				०			

अन्तरा.

मं						नि		नि		रें		मं			
प,पमं	धप	सांसां	–सां	रें	–	सां	,सां	सां	निध	नि,रेंनि	धप	प	प	म	ग
अ,ल्लाऽ	ऽहि	अल्ला	ऽसु	भा	ऽ	न	,अ	क	ऽऽ	ऽ,ऽब	रऽ	आ	ले	ऽ	ऽ
३				×				२				०			

ग	ध ध रे	सा	प
म रे ग –	म,मध म,गम गरे सा	निरे गम प मप	नि ध प –
ऽ ऽ हं ऽ	दु,ऽऽ ली,ऽऽ ऽऽ ल्ला	लाहे लाहे ला ऽऽ	ऽ व ल्ला ऽ
३	×	२	०
म ध	ग रे	ध	
प म – ग	म रे ग ग	मध म – गरे	ग –रे सा, सासा
अ ल्ला ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ हो	अऽ क ऽ ऽऽ	ऽ ऽब र, दर्द।
३	×	२	०

पूर्वी—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा	ध	रे		सा	
निरेगग –	गमम –गम	ग –	रे सा	रे सा	– निसा
सऽऽला ऽ	ऽऽऽ ऽ,हेऽ	का ऽ	ऽ र	कु जा	ऽ ऽऽ
३	४	×	०	२	०
सा		सा	सा		म
निसारेरेसा निरे	ग रेसा	निसारेरेसा नि	निरे गरे	ग –	गममममग म
ऽऽऽऽऽ ऽऽ	म नऽ	ऽऽऽऽऽ ऽ	ऽऽ ऽख	रा ऽ	ऽऽऽऽऽऽ ऽ
३	४	×	०	२	०
रे		म			
गरे प	– मप	प ध	म पम	ग म	ग –
वकु जा	ऽ ऽऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ
३	४	×	०	२	०

अन्तरा.

ध		ध									
म,मंध	मंग	म	धप	सां	सांनि	रें	सां	रेंरेंसांनि	सां,निध	नि	ध
वि,ऽऽ	बित	फा	ऽव	त	ऽऽ	र	हे	अऽऽऽ	ऽ,ज्कुऽ	जा	ऽ
३		४		×		०		२		०	
सां				मं							
नि	रेंनि	निध	प	प	ध	म	पमं	ग	म	ग	—
स्ता	बुकु	जाऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ।
३		४		×		०		२		०	

पूर्वी—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि़
सा
पि

सा		प						मं		ध	
नि़	रे	गप	मंध	नि	ध	प	मंप	प	ध	म	पमं
या	ऽ	सऽ	नऽ	वा	ऽ	ऽ	ऽऽ	मो	ऽ	री	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
मं				सा							
ग	मरे	ग	—	नि़	रे	ग	,गरे	पपमंग	मंरे	ग	—
मो	ऽरि	मा	ऽ	जै	ऽ	जै	बति	यांऽऽऽ	ऽह	ती	ऽ
३		४		×		०		२		०	
ध				प				रे			
म	ध	रेंनि	धप	म	ध	म	गमं	ग	—	रे	सा,सा
त	ब	ऽव	हांऽ	को	ऽ	ऽ	उन	था	ऽ	ऽ	ऽ,पि।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

(ध)म	ग	पर्म	धुप	सां	–	सां	निसां	(सां)नि	रें	गं	रेंसां
ए	ऽ	हूऽ	ऽन	जा	ऽ	ने	ऽऽ	वे	ऽ	हू	ऽन
३		४		×		०		२		०	
(नि)सां	(रें)नि	ध	प	(म॑)प	ध	(ध)म॑	पर्म	(म॑)गम	गरे	ग	गग
जा	ऽ	ने	ऽ	मा	ऽ	ई	रीऽ	उन	कर	भे	द,ब
३		४		×		०		२		०	
(ध)म॑	ध	रेंनि	धुप	(म॑)प	ध	म॑	पर्म	ग	म	(रे)ग	,सा
ता	ऽ	वम	ताऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	,पि
३		४		×		०		२		०	

पूर्वी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध	म॑	ग	म॑	ग	रे	सा	–	नि़	रे	ग	म	ग	–	–	ग
त	न	न	त	न	न	तो	ऽ	म्त	न	दे	रे	ना	ऽ	ऽ	ता
२				०				३				×			
म	रे	म	ग	ग	–	प	प	–	ध	प	–	प	(प)	–	म॑
ऽ	दीं	ऽ	नि	ता	ऽ	ऽ	नू	ऽ	म्त	नू	ऽ	म्त	दा	ऽ	रे
२				०				३				×			
ग	म	ग	ग	ग	–	म॑	रे	ग	म॑	ग	रे	सा	–	सा	सा
ता	रे	दा	नि	दी	ऽ	म्त	न	न	न	न	न	ना	ऽ	रे	ना
२				०				३				×			

– सा सा नि़	रे॒ ग म रे॒	ग म॑ प ध॒	(प) – – म॑
ऽ रे त न	नि ता ऽ न्त	नि त न म	तो ऽ ऽ म्ता
२	०	३	×
– ध॒ रें॒ नि	म॑ – – [ध॒]म॑	– ग म॑ ग	रे॒ सा – सा
ऽ द्री ऽ नि	ता ऽ ऽ द्री	ऽ नि ता ऽ	ऽ द्री ऽ नि।
२	०	३	×

अन्तरा

[ग]म॑ म॑ ग ग	[ध॒]म॑ म॑ ध॒ ध॒	[ध॒]म॑ – [म॑]सां सां	सां – सां सां
ओ द त न	ओ द त न	दी ऽ म्त न	दी ऽ म्त न
०	३	×	२
रें॒ सां – सां	सां सां सां नि	नि रें॒ गं रें॒	सां सां सां सां
त द्रे ऽ न्ना	त न द्रे द्रे	त दा ऽ रे	ता रे दा नि
०	३	×	२
नि निरें॒ नि ध॒	प – प प	(प) – म॑ ग	म ग ग ग
दि याऽ ना रे	तो ऽ म्दे रे	ना ऽ रे ना	ऽ रे धा किट
०	३	×	२
ग ग म॑ ध॒	ध॒ म॑ सां सां	सां सां सां सां	सां सां नि रें॒
तक धुम किट तक	धि त्ता किड नग	नग तिर तिट कत	गदि गिन धा ऽ
०	३	×	२
नि ध॒ प म॑	[ध॒]म॑ ग ग म॑	ग रे॒ सा –	
तिट कत गदि गिन	धा ऽ तिट कत	गदि गिन धा ऽ	
०	३	×	

पूर्वी—तिलवाड़ा (विलम्बित).

स्थायी.

मं			सा	मं—							
धुमं	गरे	सा	नि़रेगरे	ग	प	मं,गम	ग	पप	पमं	धु	प
तन	देरे	ना	ऽऽऽत	द्रे	ऽ	ऽ,ऽऽ	ना	तदा	ऽऽ	ऽ	रे
३				×				२			
				ग				मं			
मंपधुनि	–	धु	प	प	(प)	मं	पमं	ग	म	ग	–
ताऽऽऽ	ऽ	ऽ	रे	या	ऽ	ऽ	नीऽ	दा	ऽ	नी	ऽ
०				३				×			
ग				रे				सा			
रे	ग	मं	धु,मंग	ग	–रे	सा	–सा	नि़	रे	गरे	सा
ता	ऽ	ऽ	ऽ,रेऽ	ना	ऽरे	दी	ऽम	तो	ऽ	ऽम्त	द्रे
२				०				३			
सा				सा				ग			
रे	नि़	धु़	प़	नि़रे	ग	गम	गरे	रे	म	ग	–गमं
ना	ऽ	ऽ	ऽ	तन	न	ऽऽ	देऽ	रे	ऽ	ना	ऽ,ऽऽ
×				२				०			

अन्तरा.

		ध									
		मंमंधु	सांसां	सांनि	रें	सां	–सां	निसांरेंगं	–रें	सां	–धु
ऽ	ऽ	तनन	देरे	ताऽ	ऽ	नू	मुऽ	याऽऽऽ	ऽरे	दी	ऽम्त
३				×				२			
सां				प							
नि	रेंनि	धु	प	मं	गरे	म	ग	नि़रेगमं	धुनिरेंगं	–रें	सां
दी	म्तन	ना	ऽ	दे	ऽरे	त	नूं	उदाऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽ,ऽ	नि
०				३				×			

निरें	गं	पंपंमंगं	मंगं	नि	रेंगं	मंमंगंरेंसांनि	धपमंगरेसा
तदी	या	नाऽऽऽ	ऽरे	तो	म्द्रेऽ	नाऽऽऽऽऽ	ऽऽऽऽऽऽ
२				०			

पूर्वी–सूलताल (मध्यलय)

स्थायी.

								प	मं
								क	र
ध	नि	सां	सां	नि	ध	नि	ध	प	प
क	पा	ऽ	ल	लों	ऽ	च	न	त्र	य
×		०		२		३		०	
धमं	ध	मं	ग	मं	रे	ग	रे	सा	सा
पं	ऽ	च	ब	द	न	द	श	भु	ज
×		०		२		३		०	
सानि	–	सा	रे	ग	–	मंप	पमं	ध	मं
भू	ऽ	षि	त	भू	ऽ	ष	नऽ	शि	व
×		०		२		३		०	
ध	नि	सां	सां	नि	ध	धनि	ध	मंप	मं
ज	टा	ऽ	मु	कु	ट	ध	र	क	र।
×		०		२		३		०	

अन्तरा.

प									
म॑	—	ध॒	नि	सां	नि	सां	—	सां	सां
नी	ऽ	ल	कं	ऽ	ठ	शो	ऽ	भि	त
×		०		२		३		०	
सां									
नि	—	सां	रें॒	—	सां	नि	सां	नि	ध॒प
रू	ऽ	ड	मा	ऽ	ल	वि	धु	ब	लऽ
×		०		२		३		०	
ध॒									
म॑	म॑ध॒	म॑	ग	म॑	रे॒	ग	रे॒	सा	सा
त्रि	पुऽ	रा	ऽ	सु	र	म	र	द	न
×		०		२		३		०	
नि॒		सा						म॑	
सा	—	सां	—	नि	ध॒	नि	ध॒	प	म॑
गौ	ऽ	री	ऽ	सु	ख	व	र	क	र
×		०		२		३		०	

संचारी.

नि॒		सा							
सा	—	प	—	प	म॑	ध॒	—	प	प
व्या	ऽ	घ्रां	ऽ	ब	र	अं	ऽ	ब	र
×		०		२		३		०	
म॑									
प	—	म॑	—	ध॒	—	नि	ध॒	प	प
भ	ऽ	स्म	ऽ	भू	ऽ	ष	न	क	टि
×		०		२		३		०	

ध	ध								
म	म	—	ग	म	रे	म	ग	रे	सा
मु	जं	ऽ	ग	फ	न	प	व	र	त।
×		०		२		३		०	

आभोग.

ध									
म	—	ध	नि	सां	सां	सां	—	रें	सां
ता	ऽ	न	से	ऽ	न	के	ऽ	प्र	भु
×		०		२		३		०	
सां						सां			
नि	—	रें	गं	रें	सां	रें	नि	ध	प
बो	ऽ	प्र	वी	ऽ	न	भ	व	ब्रि	ज
×		०		२		३		०	
ध			ध						
म	—	ध	म	—	गरे	ग	रे	सा	—
मु	ऽ	क्ति	मु	ऽ	क्तिऽ	क	र	के	ऽ
×		०		२		३		०	
नि़		सा							
सा	सा	सां	—	नि	ध	नि	ध	प	म
नि	त	पौं	ऽ	ची	ऽ	स	ब	क	र
×		०		२		३		०	

पूर्वी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा					रे				
नि़	रे	ग	ग	म	ग	—	रे	सा	सा
अ	ब	च	तु	र	दं	ऽ	डि	म	त
×		२			०		३		

(सा)नि़	रे॒	(प)ग	म॑	प	प	म॑	ग	म	ग
वें	ऽ	क	ट	सु	ना	ऽ	ऽ	ऽ	वे
×		२			०		३		
(म॑)प	—	प	म॑	(प)म॑	ध॒	नि	ध॒	प	प
द्रा	ऽ	द	श	सु	र	न	के	ख	ट
×		२			०		३		
(म॑)प	—	म॑	—	ग	(म॑)प	म॑	ग	म	ग
च	ऽ	क्र	ऽ	ब	ना	ऽ	ऽ	ऽ	वे
×		२			०		३		

अन्तरा.

(प)म॑	ग	(प)म॑	ध॒	म॑	सां	सां	रें॒	सां	—
र	ग	र	गी	ऽ	र	गु	रि	गी	ऽ
×		२			०		३		
(सां)नि	रें॒	गं	रें॒	सां	(सां)नि	सां	नि	ध॒	प
रि	गु	रु	गु	र	चा	ऽ	वे	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
(ध॒)म॑	ग	(ध॒)म॑	ध॒	—	(ध॒)रें॒	नि	(ध॒)नि	ध॒	प
ध	न	ध	नी	ऽ	ध	नु	धि	नि	ऽ
×		२			०		३		

(मं)प	प	ध	(ध)मं	प	(मं)प	मं	ग	म	ग
धि	नु	धु	नु	म	ना	ऽ	ऽ	ऽ	वे।
×		२			०		३		

संचारी.

(नि)सा	–	(सा)प	–	प	प	–	ध	–	प
द्धा	ऽ	स	ऽ	त	ती	ऽ	मे	ऽ	ल
×		२			०		३		
(ध)मं	मं	ध	–	ध	नि	ध	प	प	प
प्र	ति	म	ऽ	ध्य	म	सों	ज	नि	त
×		२			०		३		
(ध)मं	–ध	(ध)मं	–	ग	मं	ग	रे	रे	सा
रा	ऽऽ	गां	ऽ	ग	स	ब	ज	न	क
×		२			०		३		
(रे)नि	रे	ग	प	प	प	मं	ग	म	ग
आ	ऽ	दे	ऽ	क	हा	ऽ	ऽ	ऽ	वे
×		२			०		३		

आभोग.

(ध)मं	ग	(ध)मं	ध	प	सां	सां	सां	–	सां
आ	ऽ	रो	ऽ	ह	अ	व	रो	ऽ	ह
×		२			०		३		

(सां)नि	रें	गं	रें	सां	(सां)नि	—रें	नि	ध	प
के	ऽ	मे	ऽ	द	को	ऽऽ	सा	ऽ	ध
×		२			०		३		
(ध)म	ग	(ध)म	—	ध	(ध)रें	निध	नि	ध	प
भा	ऽ	षां	ऽ	ग	रु	उऽ	पां	ऽ	ग
×		२			०		३		
(प)म	प	ध	म	प	प	म	ग	म	ग
च	तु	र	उ	प	जा	ऽ	ऽ	ऽ	वे।
×		२			०		३		

पूर्वी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

(सा)रे	ग	(ध)म	—	ध	(ध)सां	—	नि	ध	प
पा	ऽ	यो	ऽ	है	पी	ऽ	रे	ऽ	पु
×		२			०		३		
(म)प	ध	(ध)म	प	म	(म)ग	म	ग	—	—
र	न	प	र	म	जो	ऽ	धा	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
(ध)म	—ध	म	ग	म	(रे)ग	—	रे	—	सा
द	ऽऽ	स्त	गी	ऽ	रे	ऽ	हो	ऽ	त
×		२			०		३		

सा					ग		ध॒		
नि़	रे॒	ग	—	रे॒	म	ग	प	—	प
सु	ख	सं	ऽ	ऽ	प	द	ना	ऽ	म
×		२			०		३		
म॑		ध॒			म॑				
प	ध॒	म	—	(पम॑)	ग	—	म	ग	—
ली	ऽ	ये	ऽ	(निऽ)	स्ता	ऽ	र	हैं	ऽ
×		२			०		३		

अन्तरा.

ध॒		ध॒							
म	ग	म	—	ध॒	नि	सां	सां	—	सां
मा	ऽ	नों	ऽ	दो	उ	ज	हां	ऽ	न
×		२			०		३		
सां					सां				
नि	रें॒	गं	रें॒	सां	नि	सां	नि	ध॒	प
में	ऽ	मो	ऽ	इ	नूं	ऽ	दी	ऽ	न
×		२			०		३		
ध॒		ध॒			रे॒				
म	ध॒	म	ग	म	ग	—	रे॒	—	सा
मी	ऽ	रा	ऽ	जि	गौ	ऽ	से	ऽ	स
×		२			०		३		
		ध॒			ध॒		रें॒		
ग	—	म	—	ध॒	सां	—	नि	रें॒	नि
क	ऽ	ले	ऽ	न	का	ऽ	औ	ऽ	लि
×		२			०		३		
		ध॒			म॑				
ध॒	प	म	—	(पम॑)	ग	—	म	ग	—
या	ऽ	को	ऽ	(सऽ)	हा	ऽ	र	है	ऽ
×		२			०		३		

पूर्वी–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

(ग)म	ग रे	सा सा	(सा)नि —	सारे ग	म ग
ऽ मे	री ऽ	प त	रा ऽ	खऽ ली	ऽ जो
०	३	४	×	०	२
(मं)प प	— (मं)प	ध प	(मं)प (ध)म	— (ग)म	ग (ध)मंध
ह ज	ऽ र	ऽ त	शे ऽ	ऽ ख	ऽ सऽ
०	३	४	×	०	२
म —	ग (रे)ग	रे सा	(नि)सा (रे)नि	रे ग	प प
ली ऽ	म पी	ऽ र	अ ल्ला	ऽ हो	ऽ मु
०	३	४	×	०	२
प —	(मं)प ध	प —	(मं)प (ध)म	— (ग)म	— ग
हं ऽ	म द	के ऽ	का ऽ	ऽ र	ऽ न।
०	३	४	×	०	२
— (ग)म					
ऽ मे					
०					

अन्तरा.

(ग)म ग	मंध नि	सां सां	सां सां	— (सां)नि	रें सां
हों ऽ	आऽ जी	ऽ ज	गु न्हा	ऽ गा	ऽ र
×	०	२	०	३	४

						ध॒					
नि	सां	–	नि	–	ध॒	नि	–	–	ध॒	–	प
ति	हा	ऽ	रो	ऽ	क	हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ॐ
×		०		२		०		३		४	
ध॒	ध॒							ध॒			
म॑	म॑	ध॒	नि	सां	–	सांरें	नि	नि	ध॒	प	प
हो	ऽ	तु	मी	ऽ	ऽ	जऽ	ग	त	के	ऽ	नि
×		०		२		०		३		४	

म॑	ध॒		ग				ग
प	म॑	–	म॑	–	ग	–	म॑
स्ता	ऽ	ऽ	र	ऽ	न	ऽ	मे
×		०		२		०	

पूर्वी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	सा		म॑			म॑			म॑		
	नि़	रे॒	ग	प	प	प	–	म॑	ग	म॑	ग
ऽ	लो	ऽ	च	ऽ	न	ला	ऽ	ल	ला	ऽ	ल
०		३		४		×		०		२	
ग			ध॒								
म॑	रे॒	ग	म॑	–	ध॒	म॑	ग	म॑	ग	रे॒	सा
चु	न	ऽ	री	ऽ	ऽ	ला	ऽ	लं	ला	ऽ	ल
०		३		४		×		०		२	
नि़	रे॒										
सा	नि़	रे॒	ग	म॑	ध॒	नि	निरें	नि	ध॒	प	प
ही	रा	ऽ	मो	ऽ	ति	ला	ऽऽ	ल	ला	ऽ	ल
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

(ग)म	ग	—	(ध)म	—	ध	(सां)नि	सां	नि	सां	—	सां
ग	रे	ऽ	बी	ऽ	च	हा	ऽ	र	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
(सां)नि	—	रें	गं	रें	सां	नि	निरें	नि	(ध)नि	ध	प
ना	ऽ	सि	का	ऽ	बे	स	ऽऽ	र	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
(ग)म	ग	—	(ध)म	—	ध	नि	निरें	नि	ध	प	प
पि	या	ऽ	ला	ऽ	ल	प्या	ऽऽ	रि	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
(मं)प	ध	म	ग	म	ग	—	(सा)नि				
से	ऽ	ज	ला	ऽ	ल	ऽ,	लो				
×		०		२		०					

पूर्वी—चौताल (विलंबित).

स्थायी.

(मं)प	—	(ध)म	(ध)म	ग	—	(ग)प	—	(ध)म	म	गम	ग
ग्या	ऽ	न	न	मों	ऽ	ग्या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	नी
×		०		२		०		३		४	
(ग)म	—	ग	रे	सा	—	(सा)नि	रे	ग	रे	सा	—
मा	ऽ	न	न	मों	ऽ	मा	ऽ	ऽ	ऽ	नी	ऽ
×		०		२		०		३		४	

(सा)नि़	–	सा	रे॒	ग	–	(म॑)प	–	म॑	ध॒	प	म॑ध॒
रं	S	ग	न	मों	S	रं	S	ग	त	है	SS
×		०		२		०		३		४	
(सां)नि	निरें॒	नि	ध॒	–	प	नि	ध॒	प	म॑	गम	ग
रा	SS	ग	रं	S	ग	क	हि	ये	S	SS	S
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

(ध॒)म॑	ग	(ध॒)म॑	ध॒	(सां)नि	सां	–	सां	–	नि	रें॒	सां
सा	S	ध	न	में	S	S	सा	S	धे	S	सु
×		०		२		०		३		४	
(सां)नि	–	रें॒	गं	रें॒	सां	(सां)नि	निरें॒	नि	ध॒	–	प
धा	S	र	न	में	S	सा	SS	व	धा	S	न
×		०		२		०		३		४	
म॑	म॑ध॒	म॑	ग	(ध॒)म॑	ध॒	(सां)नि	निरें॒	निध॒	नि	ध॒	प
आ	SS	ठ	न	में	S	आ	SS	ठS	गां	S	ठ
×		०		२		०		३		४	
(सां)नि	निरें॒	निध॒	नि	ध॒	प	नि	ध॒	प	–	(ध॒)म॑	ग
आ	SS	ठS	पा	S	ठ	र	हि	ये	S	S	S
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

नि		सा				म					
सा	—	प	प	प	—	प	—	ध	—	प	प
भू	ऽ	ठ	न	के	ऽ	आ	ऽ	गे	ऽ	द	स
×		०		२		०		३		४	
ध			सां			सां			ध		
म	—	ध	नि	सां	सां	नि	निरें	नि	नि	ध	प
पां	ऽ	च	भू	ऽ	ठ	छां	ऽऽ	ड़ि	डा	ऽ	रे
×		०		२		०		३		४	
ध				ग		रे					
म	मध	म	ग	म	ग	ग	—	रे	रे	सा	—
सां	ऽऽ	च	न	की	ऽ	सं	ऽ	ग	त	मों	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सा			म —			म		ध			
नि	—	रे	ग	प	प	प	प	म	—	गम	ग
सां	ऽ	च	आं	ऽ	च	र	हि	ये	ऽ	ऽऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

ध		ध		सां					सां		
म	ध	म	ध	नि	सां	सां	सां	—	नि	सां	सां
म	ज	लि	स	में	ऽ	म	जा	ऽ	ल	ऽ	स
×		०		२		०		३		४	
सां						मां			ध		
नि	सां	—	नि	—	ध	नि	रें	नि	नि	ध	प
क	ही	ऽ	ये	ऽ	द	या	ऽ	ल	दा	ऽ	स
×		०		२		०		३		४	

(ध॒)म॑	ध॒	(ध॒)म॑	ग	(ध॒)म॑	ध॒	(सां)नि	रें॒	नि	(ध॒)नि	ध॒	प
ज	हां	जै	ऽ	मी	ऽ	बा	ऽ	त	व	हीं	ऽ
×		०		२		०		३		४	
(सां)नि	निरें॒	(सां)नि	–	ध॒	प	प	प	(ध॒)म॑	–	गम	ग
त	हांऽ	तै	ऽ	मी	ऽ	क	हि	ये	ऽ	ऽऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

पूर्वी-धमार (विलम्बित).

स्थायी.

										(म)प	प	म॑	ग
										आ	हो	ऽ	ऽ
											०		
(ग)म॑रे॒	ग	(प)म॑	प	ध॒	–	प	म॑	–	प	म॑	(म॑)ग	म	–
ऽऽ	ऽ	कै	से	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न	पा	ऽ
३				×					२		०		
ग	–	(रे॒)नि़	रें॒	(रे॒)म॑	–	–	ग	–	रे॒	–	ग	–	–
चो	ऽ	गे	ऽ	भ	ऽ	ऽ	र	ऽ	ऽ	ऽ	हो	ऽ	ऽ
३				×					२		०		
(रे॒)नि़	रे॒	सा	–	(नि़)सा	नि़	रे॒	ग	–	–	म॑	ग	रे॒	सा
री	ऽ	में	ऽ	ज	ब	ऽ	जो	ऽ	ऽ	ग	ये	ऽ	ऽ
३				×					२		०		

सा									ध					ध		
नि़	रे़	ग	म	|	प	—	—	म	ध़	|	रें़	नि	|	म	—	ग
ऽ	ऽ	तु	म	|	भा	ऽ	ऽ	जे	ऽ	|	ऽ	अ	|	हो	ऽ	ऽ
३					×						२			०		

अन्तरा.

ध		नि																नि
म	—	ध़	सां	—	|	—	नि	|	रें़	—	—	|	सां	—	—	सां
गा	ऽ	ऽ	री	ऽ	|	ऽ	ऽ	|	दूं	ऽ	ऽ	|	गी	ऽ	ऽ	दि
×						२			०				३			
रें									नि	रें			ध			
नि	—	रें़	गं	—	|	रें़	सां	|	सां	नि	—	|	नि	ध़	प	—
ला	ऽ	ऽ	ऊं	ऽ	|	ऽ	स	|	ब	न	ऽ	|	पै	ऽ	ऽ	ऽ
×						२			०				३			
	ध		ग						ध				सां			
पध़	म	—	म	—	|	ग	—	|	म	—	ध़	|	नि	—	सां	रें़
मुऽ	ख	ऽ	मी	ऽ	|	ऽ	ऽ	|	हों	ऽ	ऽ	|	गी	ऽ	ऽ	ऽ
×						२			०				३			
ध			ध						ध				ग			
नि	ध़	प	म	ध़	|	रें़	नि	|	म	—	ग	|	मरे़	ग	म	प
आ	ऽ	ऽ	जे	ऽ	|	ऽ	अ	|	हो	ऽ	ऽ	|	ऽऽ	ऽ	कै	से।
×						२			०				३			

पूर्वी—धमार (विलम्बित).

स्थायी.

													नि़
													सा
													भ

											प		
नि़	रे॒	ग	म॑	प	ध॒	–	प	–		ध॒	म॑	प	म॑
लो	री	ते	रो	जु	ब	ऽ	ना	ऽ	ऽ	भ	लो	ऽ	ऽ
३				×					२		०		
				ग	म॑								
ग	म	ग	–	म॑	रे॒	–	ग	–		म॑	ग	रे॒	–
री	भ	लो	ऽ	भ	लो	ऽ	ते	ऽ	ऽ	रो	भा	ऽ	ऽ
३				×					२		०		
			नि़				ध॒				ग		
सा	–	–	सा	सा	ध॒	–	म॑	–	प	म॑	म	ग	सा
ग	ऽ	ऽ	सु	हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग,	भ।
३				×					२		०		

अन्तरा.

प	ध॒		सां										
ध॒	म॑	ध॒	नि	–	सां	सां	सां	–	–	नि	सां	सां	–
भ	लो	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ल	सं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ
×					२		०			३			

(नि)सां – – नि ध॒	नि ध॒	(सां)नि –रें निध॒	नि ध॒ प –
हो ऽ ऽ री ऽ	ऽ ऽ	खे ऽऽ लऽ	त भ लो ऽ
×	२	०	३
(प)म॑ प ध॒ (ध॒)म॑ –	प म॑	(ग)म ग सा	
र चौ ऽ तैं ऽ	ऽ ऽ	फा ग, भ	
×	२	०	

राग मारवा.

रागेऽस्मिन् मारवाख्ये किलगमधनयस्तीव्रकाः स्युर्मृदू रिः ।
वाद्यस्मिन्स्याद्द्वितीयो स्वरपविरहितो लच्ययोगानुरोधात् ।।
संवादी धैवतोऽसौ स्फुटमिहगमनं साध्यतेऽतिश्रमेण ।
सङ्गीताभ्यासशीलैर्नियतमविरतं गीयते सायमेव ।।

कल्पद्रुमांकुरे ।

तीव्रौ गमौ धनी चैव मृदूरिर्धैवतर्षभौ ।
संवादिवादिनौ चापः स मारुः सायमीरितः ।।

चन्द्रिकायाम् ।

तीखे गमधनि सुर रिखब कोमल पंचम नाहिं ।
धरि संवादीवादितें कहत मारवा ताहिं ।।

चन्द्रिकासार ।

धमौ गरी गमौ गश्च रिसौ निधौ मधौ सरी ।
मारवा ऋषभांशाढ्याऽपा सायं चित्ररूपिणी ।।

अभिनवरागमंजर्याम् ।

'मारवा'—यह राग मारवा थाट से उत्पन्न होता है। इसमें रिषभ कोमल व मध्यम तीव्र है, शेष स्वर शुद्ध लगते हैं। पंचम इसमें वर्जित है, अतः इसकी जाति षाड़व-षाड़व मानी गई है। इसके आरोह में निषाद स्वर अनेक बार वक्र गति से दिखाई देता है। वादी स्वर रिषभ और सम्वादी धैवत है। इस राग की सम्पूर्ण विशेषता रे, ग, ध इन स्वरों पर निर्भर है। अवरोह में रिषभ जब वक्र गति में प्रयुक्त होगा, तब यह राग स्पष्ट होकर खुलेगा। इस राग में मींड़ का काम प्रायः नहीं होता और वह सुन्दर भी नहीं लगता। मारवा राग का गायन समय दिन का अन्तिम प्रहर है। इस राग के पश्चात् कल्याण थाट के रागों में प्रवेश करना सहज-साध्य है, अतः इसे "परमेल प्रवेशक" राग भी कोई-कोई मानते हैं।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सा रे॒, ग, म॑ ध, निध, सां । सां निध, म॑ ग रे॒ सा ।

पकड़ः—

ध म॑ ग रे॒, ग म॑ ग, रे॒, सा ।

मारवा—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि़	रे॒	ग	म॑	नि	ध	ऽ	म॑	ग	रे॒	ग	म॑	ग	रे॒	सा	ऽ
३				×				२				०			
नि़	रे॒	नि़	ध़	म़॑	ध़	सा	ऽ	नि़	रे॒	ग	म॑	ग	रे॒	सा	ऽ।
३				×				२				०			

अन्तरा.

म॑	ध	म॑	ग	म॑	ध	सां	ऽ	नि	रें॒	गं	म॑ं	गं	रें॒	सां	ऽ
३				×				२				०			
रें॒	नि	ध	नि	ध	म॑	ध	म॑	ग	रे॒	ग	म॑	ग	रे॒	सा	ऽ।
३				×				२				०			

मारवा—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध म॑

ऽ	ध	ग	म॑	ध	म॑	ग	रे॒	नि़	रे॒	नि़	ध़	म़॑	ध़	सा	नि़
३				×				२				०			
ऽ	रे॒	ग	नि़	रे॒	ग	म॑	ध	ग	नि	ध	रें॒	नि	म॑	ध	रें॒
३				×				२				०			
ग	नि	ध	म॑	ग	म॑	ध	रे॒	ग	म॑	ग	रे॒	नि़	रे॒,	ध	म॑।
३				×				२				०			

अन्तरा.

ग म॑

ध	नि	ऽ	सां	नि	ऽ	रें॒	गं	मं॑	गं	रें॒	गं	नि	रें॒	नि	ध
०				३				×				२			
रें॒	ऽ	रें॒	नि	ध	म॑	ग	रे॒	ऽ	ध़	नि़	ऽ	रे॒	ग	म॑	ग
०				३				×				२			
रे॒	ऽ	मं॑	गं	रें॒	गं	मं॑	धं	ऽ	रें॒	ऽ	नि	ध	म॑	ग	रे॒
०				३				×				२			
नि़	रे॒	ध	म॑	ऽ	ध	ग	म॑	ध	म॑	ग	रे॒				
०				३				×							

मारवा—झपताल. (मध्यलय).

स्थायी.

सा ध	—	म॑	म॑	ध	म॑	ध	म॑	ग	रे॒
ती	ऽ	व	र	ग	म	ध	नि	सु	र
×		२			०		३		
सारे॒	ग	रे॒ ग	ग	म॑	ग	रे॒	ग	रे॒	सा
मेऽ	ऽ	ल	न	स	ज	त	म	धु	र
×		२			०		३		

नि़					रे				
सा	सानि़	रे	रे	रे	नि़	ध़	म़ध़	सा	सा
वि	कS	र	त	रि	ख	ब	भीS	त	र
×		२			०		३		
		रे							
सारे	ग	ग	ग	म॑	ग	रे	ग	रे	सा
माS	S	रु	व	क	ह	त	च	तु	र।
×		२			०		३		

अन्तरा.

		ध	ध		ध				
ग	—	म॑	म॑	ध	म॑	सां	सां	सां	सां
रा	S	ग	गा	S	व	त	सु	क	र
×		२			०		३		
नि					रें				
सां	—	रें	रें	रें	नि	रें	नि	ध	ध
पं	S	च	म	वि	वा	S	दि	सु	र
×		२			०		३		
ध									
म॑	ध	म॑	ग	रे	म॑	ग	रे	रे	सा
सं	S	वा	S	द	रि	ध	बि	च	र
×		२			०		३		
सा					ग				
रे	—	रें	रें	रें	रे	रे	ग	रे	सा
अ	S	स्त	दि	न	अ	ति	रु	चि	र।
×		२			०		३		

मारवा—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

(ग)म॑ ग – रे॒	सा सा नि़ नि़	रे॒ – ग ग	(ध)म॑ – ध ग
जा ओ ऽ मो	ह न मो रे	फं ऽ द प	रो ऽ ना ऽ
०	३	×	२
(सां)नि (सां)निरें नि ध	(ध)म॑ (ध)म॑ध म॑ ग	रे॒ – ग म॑	ग रे॒ सा –
क पऽ टि कु	टि लऽ ह म	आ ऽ प भ	ले ऽ हो ऽ
०	३	×	२
(सा)नि़ नि़ ध़ (सा)नि़	– नि़ रे॒ रे॒	ग – ग ग	(ध)म॑ – ध ग
गु न नि धा	ऽ न अ रु	श्या ऽ म स	लो ऽ ना ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

ग – ग ग	(ध)म॑ – ध म॑ध	(ध)सां – सां सां	सां रें सां सां
मं ऽ द म	ती ऽ ह मऽ	का ऽ न्ह च	तु र तु म
०	३	×	२
(नि)सां सां रें रें	(रें)नि रें नि ध	म॑ म॑ ध ध	म॑ – ग ग
बि र ह बि	था ऽ भ ले	ह म को स	ता ऽ व त
०	३	×	२
(म॑)ग – म॑ रे॒	ग – म॑ म॑	ग – म॑ ग	रे॒ – सा –
मं ऽ दि र	में ऽ अ ब	दे ऽ र प	रे ऽ गी ऽ
०	३	×	२

सा			ध
ध़ – ध़ –	नि़ – रे॒ रे॒	ग ग ग –	म॑ – ध ध
क्यू ऽ पू ऽ	छो ऽ तु म	ह म रो ऽ	रो ऽ ना ऽ
०	३	×	२

मारवा—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा म॑	ध	ध ध	ग ग
नि़ नि़ रे॒ ग	ग ग म॑ ध	सां – नि नि	म॑ ध म॑ ग
ज ग त ज	न नि ज ग	दं ऽ व भ	वा ऽ ऽ नि
०	३	×	२
		नि़	
म॑ ग – रे॒	रे॒ सा सा सा	ध़ ध़ ध़ म॑	ध़ सा सा सा
कृ पा ऽ क	र नि दु ख	ह र नि सु	ख क र नि
०	३	×	२
सा	ध	म॑ ध	
नि़ नि़ रे॒ ग	ग ग म॑ ध	नि नि ध म॑	ग रे॒ सा सा
प्र ण त ज	न श र नि	भ व ज ल	धि त र नि
०	३	×	२

अन्तरा.

ध			
म॑ – ध सां	– सां सां –	सां सां सां सां	सां रें॒ सां –
मैं ऽ प ती	ऽ त से ऽ	व क च र	न न को ऽ
०	३	×	२
सां	सां सां		ध
नि नि रें॒ रें॒	नि नि रें॒ नि	– रें॒ नि ध	म॑ ध म॑ ग
मु झ प र	कृ पा ऽ द	ऽ ष्टि अ ब	की ऽ जे ऽ
०	३	×	२

	ध		
म॑ रे॒ – ग	– ग म॑ ध	म॑ ग – म॑	ग रे॒ सा –
म हा ऽ मा	ऽ य जो ऽ	ग नी ऽ शि	वा ऽ नी ऽ
०	३	×	२
सा	ध	म॑	
नि़ नि़ रे॒ ग	ग ग म॑ ध	नि नि ध म॑	ग रे॒ सा सा
प्र ण त ज	न श र नि	भ व ज ल	धि त र नि
०	३	×	२

मारवा—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा	ध		ध
नि़ नि़ रे॒ ग	– ग म॑ ध	नि ध – नि	म॑ ध म॑ ग
का उ कि री	ऽ त को उ	क रे ऽ स	खी ऽ री ऽ
०	३	×	२
		ध़	
म॑ रे॒ ग म॑	ग रे॒ सा –	म़॑ – ध़ –	सा सा सा –
मी ऽ त पि	य र वा ऽ	जो ऽ जो ऽ	क रि ये ऽ
०	३	×	२
सा –	रे॒ – सा सा	नि़ रे॒ ग म॑	ग रे॒ सा –
ऽ ऽ सो ऽ	सो ऽ स ब	अ प ने ऽ	म न की ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

ध			
म॑ – ध सां	– सां सां सां	सां सां सां सां	सां रें॒ सां –
हों ऽ अ धी	ऽ न त न	म न ध न	तु म रे ऽ
०	३	×	२

नि नि रें॒ –	नि नि रें॒ नि	– रें॒ नि ध	म॑ ध म॑ ग
तु म तो ऽ	मे ह र बा	ऽ न स ब	के ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
रे॒ रे॒ – ग	– ग म॑ म॑	ग ग म॑ ग	रे॒ – सा –
स दा ऽ रं	ऽ ग प र	रं ग ब र	सा ऽ यो ऽ।
०	३	×	२

मारवा—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

(सा)ध ध म॑ ध	म॑ ग रे॒ रे॒	रे॒ गरे॒ ग म॑	ग रे॒ सा –
अ व गु न	ब क स क	र मऽ क र	मे ऽ रे ऽ
०	३	×	२
(ध)म̣॑ – ध̣ ध̣	सा – सा सानि̣	रे॒ गरे॒ ग म॑	ग रे॒ सा –
ए ऽ क र	ता ऽ र सऽ	र नऽ द र	ते ऽ रे ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

(म॑)ग ग ग –	(ध)म॑ – ध म॑ध	सां – सां सां	सां रें॒ सां –
इ त नो ऽ	ही ऽ व रऽ	मां ऽ ग त	अ ब मैं ऽ
०	३	×	२
(सां)नि नि रें॒ रें॒	नि रें॒ – (रें)नि	– रें॒ नि ध	(ध)म॑ ध म॑ ग
दि न दि न	ब ढ़ो ऽ ग्या	ऽ न स र	सा ऽ व त
०	३	×	२

						ध									
म	रे॒	रे॒	ग	–	ग	म	ध	म	ग	–	म	ग	रे॒	सा	–
ता	ऽ	न	रा	ऽ	ग	ता	ऽ	ल	सू	ऽ	र	मे	ऽ	रे	ऽ
०				३				×				२			
सा															
ध	ध	म	ध	म	ग	रे॒	रे॒								
अ	ब	गु	न	ब	क	स	क								
०				३											

मारवा—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा										रे					
ध	ध	म	ध	म	ग	रे॒	–	सारे॒	ग	ग	म	ग	रे॒	सा	सा
सु	घ	र	सु	घ	र	बैं	ऽ	ठेऽ	ऽ	स	ब	गु	नि	ज	न
०				३				×				२			
ध										रे					
म़	–	ध़	–	सा	सा	सा	–	सारे॒	ग	ग	म	ग	रे॒	सा	–
दे	ऽ	खो	ऽ	गु	न	की	ऽ	रीऽ	ऽ	त	अ	नो	ऽ	खी	ऽ ।
०				३				×				२			

अन्तरा।

ध				ध				ध							
म	–	ग	ग	म	म	ध	–	म	म	सां	–	सां	–	सां	–
स	ऽ	म	सु	र	न	सों	ऽ	गु	न	को	ऽ	गा	ऽ	वे	ऽ
०				३				×				२			
नि			सां			रें			रें						
सां	सां	–	नि	–	रें	नि	–	रें	नि	–	ध	म	ध	म	ग
उ	नं	ऽ	चा	ऽ	स	कू	ऽ	ट	ता	ऽ	न्सु	ना	ऽ	वे	ऽ ।
०				३				×				२			

	ग ध		
म॑ रे॒ – ग	– ग नि नि	ध म॑ ग म॑	ग रे॒ सा –
स दा ऽ रं	ऽ ग री ऽ	झ त स ब	म न को ऽ।
०	३	×	२

मारवा—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग		सा	
ध – म॑	ग – रे॒ सा	नि़ – रे॒	ग – – म॑
ऽ आ ऽ ना	वे ऽ मि ल	ऽ जा ऽ ना	वे ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
		सा	
ध – म॑	ग – रे॒ सा	नि़ – रे॒	ग – – –
ऽ आ ऽ ना	वे ऽ मि ल	ऽ जा ऽ ना	वे ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
ध	ध		ध
म॑ – ग	म॑ – ध –	नि ध – नि	म॑ ध म॑ ग
ऽ सा ऽ मि	दा ऽ ऽ ऽ	श र ऽ द्धि	गा ऽ ना ऽ।
०	३	×	२
रे॒			
रे॒ ध – म॑			
ऽ आ ऽ ना			
०			

अन्तरा.

ग	ध	ध	
म॑ ग ग	म॑ – ध ध	म॑ सां – सां	सां – सां –
ऽ चं द न	का ऽ क ठ	ड़ा ऽ ऽ ब	ना ऽ या ऽ
०	३	×	२

	सां	सां	सां	निसां	रें	नि	ध		म॑	नि	ध	म॑	ग	रे॒	ग
ऽ	ता	प	र	बैऽ	ऽ	ठे	ऽ	ऽ	ता	ऽ	ना	वे	ऽ	ऽ	ऽ।
०				३				×				२			
ध	ध	–	म॑												
ऽ	आ	ऽ	ना												
०															

मारवा—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा
बो

नि़	रे॒	ग	म॑	ध	म॑	ध	म॑	ग	रे॒	ग	म॑
ल	न	बि	न	क	ब	ऽ	हूं	ऽ	चै	न	न
३		४		×		०		२		०	
ग	रे॒	सा	सा	(ध़)म़॑	ध़	रे॒	सा	–	सा	रे॒	–
हिं	प	र	त	पि	य	र	वा	ऽ	जो	चा	ऽ
३		४		×		०		२		०	
(रे॒)ध	म॑	ध	–	निरे॒	गम॑	ध	ग	म॑	ग	रे॒	सा
हे	र	स	ऽ	आऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वे	मा,	बो
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

(ध) म॑	—	ध	ध	सां	—	सां	सां	(नि) सां	नि	रें॒	रें॒
औ	ऽ	र	न	सें	ऽ	तु	म	भ	ला	ऽ	इ
×		०		२		०		३		४	
(रें॒) नि	रें॒	नि	ध	म॑	ध	म॑	ग	रे॒	—	—	म॑
पी	ऽ	त	क	रो	ऽ	म	न	के	ऽ	ऽ	रं
×		०		२		०		३		४	
ग	रे॒	सा	—	नि़	रे॒	ग	म॑	ध	सां	रें॒	—
गी	ऽ	ले	ऽ	ह	में	बो	ल	न	सु	ना	ऽ
×		०		२		०		३		४	
रें॒रें॒	निध	निनि	धम॑	धध	म॑ग	रे॒,	सा				
ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ,	बो				
×		०		२		०					

मारवा—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

(सा) ध	ध	म॑	ग	रे॒	सा	नि़	—	रे॒	ग	—	ग
च	लो	ह	टो	गि	र	धा	ऽ	रि	श्या	ऽ	म
×		०		२		०		३		४	
(रें॒) नि	(नि) रें॒	नि	ध	म॑	ग	नि	ध	म॑	ग	रे॒	सा
न	इ	सी	चु	न	रि	मो	रि	बि	ग	र	त
×		०		२		०		३		४	

मा						ध					
नि̣	–	रे̱	ग	ग	ग	म॑	–	ध	सां	सां	सां
हा	ऽ	हा	क	र	त	पां	ऽ	य	प	र	त
×		०		२		०		३		४	
नि	नि										
सां	रें̱	नि	ध	म॑	ग	म॑	ग	रे̱	ग	रे̱	सा
क	र	प	क	र	त	क	छु	ना	ड	र	त।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

म॑						ध					
ग	–	ग	ग	म॑	ध	सां	सां	सां	सां	सां	सां
बा	ऽ	ट	च	ल	त	अ	च	रा	ग	हृ	त
×		०		२		०		३		४	
ध		सां									
सां	सां	नि	रें̱	नि	ध	म॑	–	नि	ध	म॑	ग
म	डु	की	ऽ	स	र	सों	ऽ	ढु	र	क	त
×		०		२		०		३		४	
सा				ध							
रे̱	–	ग	ग	म॑	ध	म॑	ग	म॑	ग	रे̱	सा
जा	ऽ	य	क	हों	ऽ	घ	र	को	ऽ	अ	ब
×		०		२		०		३		४	
नि	सां										
सां	रें̱	नि	ध	म॑	ग	म॑	ग	रे̱	ग	रे̱	सा
ह	टो	ह	टो	अ	ब	च	तु	र	श्या	ऽ	म।
×		०		२		०		३		४	

मारवा- त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा															
म॑	म॑	ग	म॑	ग	रे॒	सा	-	सा	सा	ध़	-	सा	सा	रे॒	-
सु	न	स	न	ब	ति	यां	ऽ	स	ग	री	ऽ	र	ति	यां	ऽ
०				३				×				२			
ग				ध				ध							
रे॒	रे॒	ग	ग	म॑	ध	सां	सां	सां	रें॒	नि	ध	म॑	ग	रे॒	सा
उ	च	ट	जि	या	ऽ	मो	रा	ड	र	पा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वे ।
०				३				×				२			

अन्तरा.

ध				ध		ध									
म॑	म॑	ध	ध	म॑	ग	म॑	ध	सां	सां	सां	सां	सां	-	रें॒	-
र	ह	त	अ	के	ऽ	लो	ऽ	थ	र	थ	र	कां	ऽ	पे	ऽ
०				३				×				२			
सां				सां				ध				ध			
नि	नि	रें॒	-	नि	निरें॒	नि	ध	म॑	म॑	ध	ध	म॑	-	ग	-
जि	य	रा	ऽ	उ	नऽ	बि	न	ल	र	ज	त	मो	ऽ	रा	ऽ
०				३				×				२			
रे॒								ध							
सा	-	ग	ग	म॑	-	ध	ध	रें॒	-	नि	ध	म॑	ग	रे॒	सा
का	ऽ	सें	क	हूँ	ऽ	स	ग	रो	ऽ	दु	ख	पा	ऽ	ऽ	वे ।
०				३				×				२			

मारवा—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

ध ध				ग	ध			सां		ध	
मंमं	धमं	गरे	सा	मंग	मंध	सां	—	नि	रेंनि	मंध	मंग
झांझ	ऽन	मोऽ	रा	झन	काऽ	ई	ऽ	न	ऽसु	नाऽ	ईऽ
३		४		×		०		२		०	
ध				सा		सा					
मंध	मं गरे	गरे	सा	नि,निरे	निध	निरे	गग	मंमंगमं	गरे	गरे	सा
लोऽ	ग,ऽऽ	ऽऽ	वा	पि,याऽ	काई	मुख	दिखा	ऽऽऽऽ	ऽइ	ओऽ	र ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

ध						नि				ध	
मंध	सांसां	सांसां	निरें	सां	—	सां	-,निध	नि	रेंनि	मं	ध
लेऽ	चलो	नग	रऽ	मैं	ऽ	मैं	ऽ,सुऽ	र	ऽझ	न	ऽ
३		४		×		०		२		०	
						ध		नि			
निध	मंग	रे	—	रे	—	मं	ध	सां	नि	रें	नि
मिल	बिछु	रे	ऽ	आ	ऽ	नं	द	क	ऽ	ऽ	रे ।
३		४		×		०		२		०	

मारवा—झूमरा (विलम्बित).

स्थायी.

ध	मंमं			ध		ध	ध	ध	ध				
मंध	धध,मंग	रेसा	रेनि	मं	—	मं	म	म	म	ध	म	ग	रे
नऽ	नंऽ;दीऽ	याऽ	ऽ,छुऽ	वा	ऽ	व	ना	मो	री	ऽ	रे	ऽ	ऽ
३				×			२				०		

३				×			२				०		
रे॒	ग	म॑	ध	म॑ध	म॑ध	(ध)रे॒	ग	म॑	ग	रे॒	ग	रे॒	सा
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	स	ब	घ	र	ऽ	घ	र
सा	नि़	रे॒	(ध)नि़नि़	(ध)म॑	ध़	सा	सा	सा	सानि़	रे॒	(ध)म॑	(ध)म॑	(ध)म॑
च	वा	ऽ	वक	र	ऽ	त	फि	र	तऽ	ऽ	र	ह	त
	नि	ध	-	म॑	-	ग	(सा)नि़	रे॒	ग	म॑	ध	म॑	(ध)म॑
ऽ	नि	त	ऽ	झूं	ऽ	ठ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	च।

अन्तरा.

३				×			२				०		
(ध)म॑ध	म॑ग	रे॒	,रे॒	ग	म॑	ध	(ध)म॑ध	सां	-	सां	रें॒	सां	-
काऽ	हूऽ	के	,ला	गा	ऽ	ये	बुऽ	झा	ऽ	ये	क	हा	ऽ
सां	-	सांनि	रें॒	(रें॒)नि	ध	-	(ध)म॑	-	ध	-	(ध)म॑	ग	रे॒
हो	ऽ	तऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	इ
(सा)नि़	रे॒	ग	म॑	ध	-नि	ध	(नि़)ध़	नि़	रे॒	ग	(ध)म॑	ध	(ध)म॑
सां	ऽ	च	को	ऽ	ऽक	हां	आं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	च।

मारवा—एकताल (विलम्बित)

स्थायी.

ध	ध			ध						सा	
म	मध	म	ग	म	—	ध	म	ग	रे	रे	ग
जि	याऽ	नि	क	सो	ऽ	इ	आ	ऽ	वे	आ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
								नि़			
रे	ग	—	म	ग	रे	सा	—	सानि़	रे	नि़	ध़
वे	मो	ऽ	री	मा	ऽ	इ	ऽ	रीऽ	ऽ	पि	य
३		४		×		०		२		०	
ध़					नि़	नि़					
म़	ध़	सा	सा	—	सा	रे	रे	धधमध	धमगरे	गमंमग	रेसानि़सा
ग	व	न	को	ऽ	ग	इ	ल	वाऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

		ध						नि			
म	ग	म	ध	सां	—	सां	—	सां	सांनि	रें	—
उ	न	बि	न	मैं	ऽ	का	ऽ	वि	रऽ	हा	ऽ
३		४		×		०		२		०	
सां	सां			ध	ध						
नि	निरें	नि	ध	म	म	ध	म	ग	रे	सा	—
दु	खऽ	वा	ऽ	नि	स	ऽ	दि	ना	ऽ	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
सा	सा			नि़							
नि़	नि़रे	नि़	ध़	सा	सानि़	रे	—	रेंरेंनिरें	रेंनिधम	धधमग	मगरेसा
नि	तऽ	भ	इ	ल	वाऽ	ऽ	ऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ
३		४		×		०		२		०	

मारवा—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

											नि॒ सा
											मा
ध म॑	ध म॑	—	धनि	ध म॑	ध म॑	ग	ध म॑	ध	म॑	ग	रे॒
ई	ऽ	ऽ	मोहे	का	हु	ऽ	की	ऽ	क	हा	ऽ
३		४		×		०		२		०	
ग	रे॒	सा	नि॒सा	नि॒ सा	ध म॑ध	म॑	गरे॒	रे॒ ग	रे॒	सा	नि॒सा
ऽ	प	री	ऽऽ	अ	पऽ	ने	पीऽ	त	म	को	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
सा नि॒रे॒	नि॒	ध॒ म॑	ध॒	नि॒ सा	रे॒	—	ध म॑	ग	रे॒	सा	नि॒ सा
राऽ	खों	गी	ऽ	ग	रे	ऽ	ल	गा	ऽ	य,	मा।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

											गग
											कोऊ
ध म॑	ध	ध म॑	सां	सां	—	सां	—	नि सां	सां	सां निसां	निसांरे॑रे॑
ला	ऽ	ख	क	हो	ऽ	तो	ऽ	ए	क	नाऽ	ऽऽऽगि
३		४		×		०		२		०	

				ध		ध		ध			सां
नि	ध	म	ग	म	ग	म	ध	म	सां	सां	नि
नों	ऽ	री	ऽ	ए	रि	हूँ	तो	दे	ऽ	ख	री
३		४		×		०		२		०	
				सां							नि
रें	गं	रें	सां	रें	नि	ध	म	ग	रे	सा	सा
ऽ	झ	र	हि	उ	न	को	सु	भा	ऽ	य,	मा।
३		४		×		०		२		०	

मारवा–त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा
पि

सा				म	ध			रे				नि			
नि	रे	ग	म	ध	म	ग	रे	ग	रे	सा	–सा	सा	रे	सा	–
या	ऽ	मो	रे	अ	न	त	ऽ	दे	ऽ	स	ऽग	ई	ल	वा	ऽ
३				×				२				०			
ध	ध							नि							
म	म	–	गरे	ग	रे	सा	–	ध	नि	ध	म	ग	रे	सा	,सा
ना	जा	ऽ	तूंऽ	ऽ	क	ब	ऽ	घ	र	ऽ	आ	ऽ	वें	गे	,पि।
३				×				२				०			

अन्तरा.

ध								नि				सां		ध	
मध	सांसां	सांसां	सांसां	रें	–	सां	–	सांसां	सां	नि	रें	नि,निरें	निध	म	ग
उन	केद	रस	देख	वे	ऽ	को	ऽ	अखि	यां	ऽ	ऽ	त,रऽ	सर	हीं	ऽ
३				×				२				०			

ध म	ध	सां	सां	सांनि	रें	सां	—	नि सां	सांनि	रें	रें	रें रे	ग रे	सा	—सा
उ	न	बि	न	मोऽ	ऽ	हे	ऽ	क	छूऽ	ऽ	न	भा	ऽ	वे,	ऽपि
३				×				२				०			

मारवा—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि़	रे
उ	द

ग	मे	ध	मे	ध	मे	ग	रे	सा	—	—	—	—	—	नि़	रे
त	न	दे	रे	ना	दी	ऽ	म्त	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	उ	द
०				३				×				२			
ग	मे	ध	मे	ध	मे	ग	रे	सा	—	ध़ मे़	ध़	नि़	रे	नि़	रे
त	न	दे	रे	ना	दी	ऽ	म्त	ना	ऽ	त	न	न	न	द	रे
०				३				×				२			
ग	नि़	—	रे	ग	मे	ध	ध	मे	नि	—	ध	रें	—	नि	—
ना	दी	ऽ	म्त	न	न	दिर	दिर	त	दे	ऽ	नीं	दे	ऽ	नीं	ऽ
०				३				×				२			
रें गं	रें गं	रें	नि	रें	नि	ध	मे	मं ध	नि	रें	—	नि रें	नि	ध	मं
ता	ऽ	रे	त	दा	रे	दा	नि	दी	ऽ	ऽ	ऽ	म्त	न	न	न
०				३				×				२			

मं	रे॒ ग	ग	
ध – ध मं	ग ग मं –	मं ग रे॒ सा	नि़ ध़ नि़ रे॒
तो ऽ म्त न	न न दी ऽ	म्त न न न	न न, उ द।
०	३	×	२

अन्तरा.

मं	मं		
नि नि ध मं	ध ध मं ग	मं ध नि रें॒	– सां सां –
दिर दिर ता ना	दिर दिर ता ना	दे ऽ नों दे	ऽ नों दी ऽ
×	२	०	३
सां – नि रें॒	गं मं धं मं	धं मं गं रें॒	गं मं गं मं
म्दी ऽ म्त न	न न दे रे	ना त दा रे	दा नि दी ऽ
×	२	०	३
रें॒ गं नि रें॒	ध नि मं ध	ग मं रे॒ ग	नि़ रे॒ ग मं
म्त न न न	दे रे ना त	दि या ना रे	दा नि दी ऽ
×	२	०	३
			रें॒ रें॒
रे॒ ग मं ध	मं ध नि रें॒	नि रें॒ गं गं	गं गं रें॒ नि
म्त न न न	दे रे ना त	दि या ना रे	दा ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
ध मं ग रे॒	सा – नि़ रे॒		
ऽ ऽ ऽ ऽ	नी ऽ, उ द		
×	२		

मारवा—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध	–	म॑	ध	म॑	ग	रे॒	रे॒	सा	–	नि़	(नि़रे॒)
तो	ऽ	म्त	न	न	त	न	न	तों	ऽ	म्त	(नऽ)
×		०		२		०		३		४	
नि़	ध़	(ध़	ध)	–	म॑	म॑	ध	म॑	ग	रे॒	रे॒
दे	रे	न	दा	ऽ	रे	त	न	न	दे	रे	ना
×		०		२		०		३		४	
रे॒	–	ग	–	रे॒ग	म॑	ग	रे॒	रे॒	सा	सा	सा
तो	ऽ	म्तो	ऽ	म्त	न	न	न	न	दे	रे	ना
×		०		२		०		३		४	
नि़	रे॒	ग	म॑	ध	नि	–	म॑	ध	म॑	ग	म॑
ना	द्रे	तु	द्रे	त	दीं	ऽ	म्त	दीं	ऽ	म्त	दीं
×		०		२		०		३		४	
रे॒	ग	म॑	ध	ग	म॑	ग	रे॒	सा	नि़	ध़	–
ऽ	म्त	न	द्रे	त	दि	या	ना	रे	त	दीं	(ऽम)।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

ध	–	ध	म॑	ग	रे॒	ग	म॑	ध	सां	–	सां
दी	ऽ	म्त	न	दे	रे	त	द	रे	दा	ऽ	नि
×		०		२		०		३		४	

नि	रें	गं	रें	सां	सां	नि	—	रें	नि	ध	मं
तों	ऽ	ऽ	म्त	न	न	दी	ऽ	ऽ	म्त	न	न
×		०		२		०		३		४	
ध	नि	ध	मं	ग	रे	ग	मं	ध	—	ग	मं
ता	ऽ	रे	त	न	न	ना	द्रे	द्रे	ऽ	तुं	द्रे
×		०		२		०		३		४	
ग	रे	सा	—	ध़	—	म़	म़	ध़	सा	सा	ग
द्रे	त	दा	ऽ	नी	ऽ	धा	ती	ना	धा	किट	धुम
×		०		२		०		३		४	
मं	ध	सां	—	मंध	सां	—	रें	सां	सां	नि	नि
किट	तक	थों	ऽ	तक्	थों	ऽ	धुम	किट	तक	धा	किड
×		०		२		०		३		४	
रें	गं	—	रें	सां	सां	रें	नि	—	ध	मं	ग
नग	धे	ऽ	धुम	किट	तक	धे	त्लां	ऽ	न्न	धा	ऽ
×		०		२		०		३		४	
रे	ग	—	मं	ध	—	ग मं	ग	रे	सा	ध़	—
धे	त्लां	ऽ	न्न	धा	ऽ	धे	त्लां	ऽ	न्न	धा	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

मारवा—तिलवाड़ा (विलम्बित).

स्थायी.

सा	म॑ ध							सा			
नि॒रे॒	गम॑	ध	म॑ग	रे॒	सा	सा(सा)	–नि॒ध॒	नि॒	रे॒	सा	नि॒नि॒रे॒नि॒ध॒
तन	नन	ऽ	तन	ना	ऽ	नाऽ	ऽन,न	ना	रे	दो	स्तनऽ,देरे
३				×				२			
				म॑							
म॒	ध॒म॒	सा	रे॒	गग	म॑ध	म॑ग	रे॒	–सा	–सा	नि॒	रे॒ध॒
या	ऽऽ	ऽ	रे	दानि	मोंऽ	ऽऽ	ऽ	ऽमां	ऽडे	ऽ	ऽऽ
०				३				×			
सा											
नि॒	रे॒	ग	गम॑,ध	म॑	ग	रे॒	सासा				
ना	ऽ	ऽ	ऽऽ,ऽ	ऽ	ऽ	रे	दोस्				
२				०							

अन्तरा.

			ध	ध				नि	नि	सां	
		म॑ग	म॑ध	म॑	सां	सां	–सां	सां	–ध	नि	रें
ऽ	ऽ	बेऽ	ऽव	फा	ऽ	ई	ऽन	क	ऽखुं	दा	ऽ
३				×				२			
रें						रें		ध			
म॑	ग॒	रें	सां	निसां	–रें	नि	–ध	म॑	ध	म॑ग	रे॒रे॒
से	ऽ	ऽ	ड	ऽऽ	ऽजं	ग	ऽहँ	सा	ऽ	ईऽ	ऽन
०				३				×			
नि॒		सा									
सानि॒	रे॒ध॒	नि॒	रे॒	म॑	ग	रे॒	सासा				
कऽ	ऽखुं	दा	ऽ	से	ऽ	ऽ	डर				
२				०							

मारवा—झपताल (विलम्बित).

स्थायी.

रे॒	सा	(सा)ध़	सा	सा	सा	सानि़	रे॒	सा	सा
म	हा	द	ल	बि	क	ऽऽ	भ	ट	प्र
×		२			०		३		
(सा)नि़	रे॒	ग	—	म॑	ग	रे॒	सा	—	सा
ब	ल	रा	ऽ	ज	र	घु	वी	ऽ	र
×		२			०		३		
(नि़)सा	रे॒	सा	ग	ग	(ध)म॑	म॑	ध	म॑	ध
ति	ल	क	स	मु	झ	स	ट	ह	ट
×		२			०		३		
नि	ध	म॑	ग	—	म॑	ग	रे॒	—	सा
न	क	र	रा	ऽ	मे	ऽ	पा	ऽ	ई ।
×		२			०		३		

अन्तरा.

(म॑)ग	—	म॑	ध	ध	(ध)म॑	—	सां	सां	—
नी	ऽ	ल	न	ल	री	ऽ	झ	रा	ऽ
×		२			०		३		
(नि)सां	—	रें॒	रें॒	—	(रें॒)नि	रें॒	नि	ध	ध
जा	ऽ	ब	ली	ऽ	लं	ऽ	क	क	रि
×		२			०		३		

व मं	नि	ध	मं	ग	मं	ग	रे॒	सा	सा
पं	ऽ	क	ह	नु	मं	ऽ	त	छि	न
×		२			०		३		
नि़ सा	—	रें॒	नि	ध	मं	ग	रे॒	—	सा
ए	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	ई ।
×		२			०		३		

मारवा—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

ग ध	मं	ध	मं	ग	ध	मं	ग	—	ग	रे॒	सा
प्र	थ	ऽ	म	ऽ	मं	ज	न	ऽ	क	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
नि़ सा	नि़	रे॒	नि़	—	ध़	सा नि़	रे॒	ग	रे॒	सा	—
अ	ऽ	ऽ	स्ना	ऽ	न	अं	ज	न	दि	ए	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सा नि़	—	रे॒	ग	—	ग	ध	मं	ध	सां	—	सां
ला	ऽ	ऽ	ग	ऽ	त	नै	ऽ	ऽ	न	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

									रे		
सां	रें	नि	ध	म	नि	ध	म	ग	ग	रे	सा
नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	को
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

म						नि					
ध	म	ध	सां	—	—	सां	नि	रें	रें	सां	—
ना	ऽ	क	की	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न	थ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि						नि					
सां	—	नि	रें	सां	सां	सां	नि	रें	नि	ध	ध
आ	ऽ	ऽ	ऽ	न	न	में	ऽ	ऽ	बी	ऽ	री
×		०		२		०		३		४	
म					ग						
ध	म	ध	म	ग	ध	म	ग	म	ग	रे	सा
अ	ल	ऽ	क	ऽ	फु	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
नि़						ध		ध			
सा	नि़	रे	ग	—	ग	म	ध	म	ध	सां	सां
सिं	दु	र	मां	ऽ	ग	मा	ऽ	थे	के	स	र
×		०		२		०		३		४	

सां									रे		
रें	नि	ध	मे	नि	ध	मे	ग	-	ग	रे	सा
टी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	को।
×		०		२		०		३		४	

मारवा—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

ग	
ध	
अ	

ध							न			सा	
मे	ग	रे	सा	सा	-	-	सा	-	सा	नि	रे
ना	ऽ	ह	त	ना	ऽ	ऽ	द	ऽ	अ	का	ऽ
३		४		×		०		२		०	
				नि						नि	
ग	रे	-	सा	सा	सानि	रे	नि	ध	-	सा	-
स	वा	ऽ	यु	मं	ऽऽ	ऽ	दे	ऽ	ऽ	न्या	ऽ
३		४		×		०		२		०	
				मे			रे				सा
सानि	रे	-	रे	ग	मे	ग	ग	रे	सा	-	ध
रोऽ	न्या	ऽ	रो	बा	ऽ	ऽ	द	ऽ	ल	ऽ,	अ
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

ध		नि				नि					
म	ध	सां	सां	सां	—	सां	सां	नि	रें	—	सां
चि	त	च	प	ला	ऽ	च	म	ऽ	क	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
सां						नि			रें		
नि	—	रें	गं	रें	सां	सां	सांनि	रें	नि	—	ध
बो	ऽ	ल	बूं	ऽ	द	ब	रऽ	ऽ	ख	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
ध						ध					
म	ध	मग	म	ग	—	मध	सां	नि	रें	नि	ध
ता	ऽ	रऽ	स	मे	ऽ	अऽ	मा	ऽ	ऽ	न	ए
×		०		२		०		३		४	
म							सा				
ध	म	ग	रे	ग	रे	सा	ध				
स	मी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र,	अ				
×		०		२		०					

मारवा—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

ध								नि			
म	ध	म	ग	रे	सा	सा	—	सा	रे	—	सा
गां	ऽ	व	गां	ऽ	व	की	ऽ	लु	गै	ऽ	यां
×		०		२		०		३		४	
नि						म					
सा	—	सा	रे	—	रे	ग	म	ग	रे	—	सा
दौ	ऽ	रि	दौ	ऽ	रि	आ	ऽ	इ	आ	ऽ	इ
×		०		२		०		३		४	

नि						ध			ध		
सा	रे॒	सा	ग	–	ग	म	ग	–	म	–	ध
री	ऽ	झ	री	ऽ	झ	प्या	रे	ऽ	की	ऽ	ब
×		०		२		०		३		४	
ध			ध			ध					
म	ध	–	म	ग	–	म	ध	म	ग	रे॒	सा
लै	ऽ	ऽ	या	ऽ	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

ध			ध			ध					
म	ग	–	म	–	ध	म	सां	–	सां	–	सां
वे	ऽ	ऽ	स	ऽ	ब	बू	ऽ	ऽ	झ	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
नि						सां					
सां	–	सां	सां	सां	रें॒	नि	नि	रें॒	नि	ध	ध
श्या	ऽ	म	सुं	द	र	क	म	ल	नै	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
ध	ध					ध			ग		
म	म	ध	म	ग	–	म	–	ध	म	ग	–
ते	रो	ऽ	क	हां	ऽ	रा	ऽ	ऽ	खे	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ग											
रे॒	–	रे॒	ग	म	ध	म	ग	रे॒	ग	रे॒	सा
सो	ऽ	च	स	कु	च	मु	स	ऽ	का	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	

						सां			ध	ध	
ग	ग	—	म॑	—	ध	नि	रें॒	नि	नि	म॑	ध
मु	ख	ऽ	फे	ऽ	ऽ	रा	ऽऽ	त	म	न	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सां			ध	नि		ध					
नि	रें॒	नि	नि	ध	—	म॑	ध	म॑	ग	रे॒	सा
नै	ऽऽ	न	क	हे	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त।
×		०		२		०		३		४	

मारवा—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	नि़										
	सा	नि़	रे॒	ग	म॑	ग	रे॒	सा	सानि़	रे॒	सा
ऽ	गा	य	क	स	ब	मि	ल	बि	चाऽ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
		ध									
म॑	—	म॑	ध	—	रे॒	—	ग	—	ग	म॑	ग
ले	ऽ	हो	ऽ	ऽ	या	ऽ	बा	ऽ	त	को	ऽ
×		०		२		०		३		४	
रे॒	ग	रे॒	सा	—	सा	म़॑	ध़	सा	—	सा	सा
सु	ध	अ	स्ता	ऽ	इ	सु	ध	अ	ऽ	च्छ	र
×		०		२		०		३		४	
						ध					
रे॒	—	रे॒	ग	—	ग	म॑	ध	म॑	ध	म॑	ग
ता	ऽ	न	रा	ऽ	ग	की	ऽ	ऽ	सं	ग	त
×		०		२		०		३		४	

(ग)म॑	ग	रे॒	रे॒	म॑	ग	रे॒	सा	(नि़)सा	रे॒	नि़	ध़
में	ऽ	ध	र	न	मु	र	न	सू	ऽ	द	र
×		०		२		०		३		४	
म़॑	ध़	सा	सा	सा	–	नि़	रे॒	ग	सानि़	रे॒	ध़
त	ब	क	हि	ये	ऽ	वा	ऽ	ऽ	कोऽ	ऽ	ऽ ।
×		०		२		०		३		४	
सा	सा										
ऽ	गा										
×											

अन्तरा.

ग	–	ग	(ध)म॑	–	ध	(ध)म॑	सां	–	सां	–	सां
ओ	ऽ	क्त	जो	ऽ	क्त	का	ऽ	ऽ	व्य	ऽ	में
×		०		२		०		३		४	
(सां)नि	रें॒	गं	रें॒	–	सां	(सां)नि	–	रें॒	नि	–	ध
धा	ऽ	ऽ	रे	ऽ	अ	नू	ऽ	ऽ	श्रा	ऽ	स
×		०		२		०		३		४	
(ध)म॑	नि	ध	म॑	ग	रे॒	–	(ग)म॑	ग	रे॒	–	सा
त	ब	धु	र	प	द	ऽ	ब	ऽ	ना	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	

						सा					
नि़	रे	ग	रे	–	सा	नि़	रे	ग	रे	सा	–
गा	ऽ	ऽ	वे	ऽ	सु	ना	ऽ	ऽ	वे	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सा						ध					
नि़	–	रे	ग	–	ग	म	ध	नि	ध	म	ग
ए	ऽ	ऽ	सो	ऽ	जो	हो	ऽ	ऽ	ऽ	वे	ऽ
×		०		२		०		३		४	
								नि़			
म	रे	ग	म	ग	रे	सा	सा	सा	रे	ध़	सा
श्रे	ऽ	ष्ठ	श्र	व	न	सु	ख	दा	ऽ	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	
सा	सा										
क,	गा										
×											

मारवा–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

												नि़	
												सा	सा
												कै	से
नि़			ध										
सा	ध	–	म	–	–	ध	म	ग	–	रे	–	–	–
हो	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	खे	ल	त	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	ऽ
×					२		०			३			
सा													
रे	ग	रे	ग	–	ग	म	ग	रे	–	सा	–	रे	सा
ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नं	द	ला	ऽ	ऽ	ल	ऽ	य	हां
×					२		०			३			

(ध)म	ध	–	सा	–	सा	–	(सा)नि	रे	ग	रे	–	–	मा
स	ब	ऽ	स	ऽ	खी	ऽ	य	न	ऽ	सों	ऽ	ऽ	क
×					२		०			३			
(सा)नि	रे	–	ग	–	–	म	ग	रे	सा	सा	रेध	सा	सा
र	त	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	ऽ	प्या	ऽ	र	अ	होऽ,	कै	से
×					२		०			३			

अन्तरा.

म	ध	–	सां	–	–	सां	–	सां	–	रें	–	सां	–
ब्रि	ज	ऽ	की	ऽ	ऽ	ना	ऽ	री	ऽ	स	ऽ	ब	ऽ
×					२		०			३			
(नि)सां	नि	रें	गं	रें	सां	–	(नि)सां	नि	रें	नि	–	ध	–
ब	न	ऽ	ब	ऽ	न	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ
×					२		०			३			
नि	ध	–	(ध)म	–	ग	रे	म	ग	–	रे	–	–	सा
पि	च	ऽ	का	ऽ	ऽ	ऽ	रि	न	ऽ	की	ऽ	ऽ	प
×					२		०			३			
(नि)सा	रें	–	नि	ध	म	ग	(रे)ग	रे	सा	(नि)सा	रेध	सा	सा
र	त	ऽ	है	ऽ	ऽ	फु	हा	ऽ	र	अ	होऽ,	कै	से
×					२		०			३			

मारवा—धमार(विलम्बित).

स्थायी.

सा सा
ह म

(नि)सा ध – म॑ –	ध –	म॑ ग –	रे॒ – – रे॒
आ ऽ ऽ ये ऽ	फा ऽ	ऽ ऽ ऽ	ग ऽ ऽ खे
×	२	०	३
रे॒ ग रे॒ ग –	म॑	ग – –	रे॒ – सा –
ल न ऽ ऽ ऽ	ऽ उ	न ऽ ऽ	स ऽ न ऽ
×	२	०	३
(ध़)म़॑ ध़ – (नि़)सा नि़	रे॒ –	(रे॒)म॑ ग –	रे॒ – सा सा
उ म्हा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ	ये ऽ, ह म।
×	२	०	३

अन्तरा.

(ध)म॑ ध – सां सां	सां सां	सां सां –	(नि)सां रें॒ सां –
भ र ऽ भ र	रं ग	स ब ऽ	ले ऽ हो ऽ
×	२	०	३
(रें॒)नि – रें॒ नि ध	म॑ नि	ध म॑ ग	(रे॒)ग रे॒ सा –
री ऽ क र त	अ प	ने ऽ ऽ	चा ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
(ध़)म़॑ ध़ – (नि़)सा नि़	रे॒ –	(रे॒)म॑ ग –	रे॒ – सा सा
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ	हे ऽ, ह म।
×	२	०	३

राग काफी.

काफी रागो भुवनविदितः कोमलाभ्यां गनिभ्यां-
मन्यैस्तीव्रैः परममधुरः पंचमो वादिरूपः ॥
संवादी स्यात् स इह कतिचिद्वादिनं गं वदंति ।
सांद्रस्निग्धं सरसमतिभिर्गीयतेऽसौ निशायाम् ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

मृदू गमौ रिधौ तीव्रावुभौ नी पंचमोंऽशकः ।
यत्र षड्जस्तु सम्वादी काफी सा निशि गीयते ॥

चन्द्रिकायाम् ।

मृदु मध्यम गन्धार है मृदु तीवर हुँ निखाद ।
काफी सुन्दर राग है पस वादी सम्वाद ॥

चन्द्रिकासार ।

निसौ रिगौ मपौ धनी सनिधपा मगौ रिधौ ।
काफी पूर्णा भवेन्नित्यं पंचमांशसमन्विता ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

'काफी'—यह राग काफी थाट से उत्पन्न होता है। इसमें गंधार व निषाद कोमल हैं और शेष सब स्वर शुद्ध लगते हैं। इसका वादी स्वर पंचम व सम्वादी षड्ज है। कोई-कोई गुणिजन गन्धार और निषाद का सम्वाद मानते हैं। इस ग्रन्थ के लेखक को पहिला मत अधिक माननीय है। इस राग की जाति सम्पूर्ण-सम्पूर्ण है। गायन समय मध्यरात्रि का माना जाता है। कोई-कोई इसका गायन समय सायंकाल भी मानते हैं। सर्व साधारण में यह राग लोकप्रिय है। इसके आरोह में तीव्र गन्धार व तीव्र निषाद अनेक बार लगाये हुए दिखाई देते हैं। इन स्वरों के उचित प्रयोग से इस राग का वैचित्र्य बढ़ता है। किन्तु यह ध्यान रखना चाहिये कि तीव्र ग और तीव्र नि इस राग के नियमित स्वर नहीं हैं। कभी-कभी क्वचित कोमल धैवत लेकर भी चतुर गायक राग हानि नहीं होने देते, किन्तु यह प्रयोग गायक की कुशलता पर निर्भर है। इस राग की विशेषता **सा, <u>ग</u>, प, <u>नि</u>** इन स्वरों पर है। यह यावनिक राग बताया जाता है। साधारण श्रोतागण **"सासा, रेरे, <u>गग</u>, मम, प"** इस विशिष्ट स्वर समुदाय से तत्काल ही इस राग को पहिचान लेते हैं।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सा रे <u>ग</u>, म, प, ध <u>नि</u> सां । सां <u>नि</u> ध, प, म <u>ग</u>, रे, सा ।

पकड़ः—

सा सा, रे रे, <u>ग</u> <u>ग</u>, म म, प ।

काफी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग	ग	रे	सा	रे	प	ऽ	म	प	ध
×		२			०		३		
ग	ग	रे	सा	रे	प	ऽ	म	प	प
×		२			०		३		
म	ध	नि	सां	नि	ध	म	प	ग	रे
×		२			०		३		
रे	ग	रे	म	ग	रे	सा	रे	नि़	सा
×		२			०		३		
नि	ध	सां	नि	ध	म	प	ध	ग	रे।
×		२			०		३		

अन्तरा.

म	म	प	नि	नि	सां	ऽ	प	नि	सां
×		२			०		३		
रें	गं	रें	सां	रें	नि	सां	नि	ध	ध
×		२			०		३		
प	रें	सां	सां	रें	नि	सां	नि	ध	ध
×		२			०		३		
सां	ऽ	नि	ध	म	प	ध	ग	ग	रे
×		२			०		३		
रे	ग	रे	म	ग	रे	सा	रे	नि़	सा
×		२			०		३		
नि	ध	सां	नि	ध	म	प	ध	ग	रे।
×		२			०		३		

काफ़ी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

		म				म					
पध	मप	ग	—	रेसा	रे	ग	—	म	प	—	प
गुऽ	निऽ	गा	ऽ	वऽ	त	का	ऽ	फि	रा	ऽ	ग
०		३		४		×		०		२	
नि	सां					म					
सां	रें	सां	नि	ध	प	ग	—	रे	सा	रे	सा
ख	र	ह	र	प्रि	य	मे	ऽ	ल	ज	नि	त
०		३		४		×		०		२	
नि़				म							
सा	—	रे	रे	ग	ग	म	—	प	प	ध	ध
को	ऽ	म	ल	ग	नि	ऊ	ऽ	ज्व	ल	प	र
०		३		४		×		०		२	
सां											
नि	सां	निसां	रें	सां	नि	ध	—	म	प	—	मप
सु	र	पंऽ	ऽ	च	म	वा	ऽ	दि	सा	ऽ	धऽ
०		३		४		×		०		२	
पध	ध										
गुऽ	नि										
०											

अन्तरा.

प											
म	म	म	प	नि	—	सां	नि	सां	—	सां	सां
स	र	ल	स	रू	ऽ	प	वि	प	ऽ	शिच	त
०		३		४		×		०		२	

नि	सां	रें	गं	रें	सां	रें	सां	रें	नि	सां	सां
मा	ऽ	न	त	स	ब	सु	ध	अ	वि	क	ल
०		३		४		×		०		२	
प		ध				म					
सां	—	नि	ध	म	प	ग	ग	रे	सा	रे	नि
आ	ऽ	अ	य	गु	नि	च	तु	र	क	ह	त
०		३		४		×		०		२	
				म							
सा	—	रे	रे	ग	ग	म	—	प	प	ध	ध
को	ऽ	म	ल	ग	नि	ऊ	ऽ	ज्व	ल	प	र
०		३		४		×		०		२	
नि	सां	निसां	रें	सां	नि	ध	—	म	प	—	मप
सु	र	पंऽ	ऽ	च	म	वा	ऽ	दि	सा	ऽ	धऽ ।
०		३		४		×		०		२	
पध	ध										
गुऽ	नि										
०											

काफी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

प	
ध	प
का	हे
०	

म			सा	म						नि	सां
ग	ग	रे	रे	ग	—		प	—	प	सां	रें
छें	ड़ो	मो	हे	हो	ऽ	ऽ	श्या	ऽ	म	ब	हु
३		४		×		०		२		०	

सां	नि	ध	प	(म)ग	ग	रे	सा	रे	नि़	सा	–
त	ह	सि	न	क	रो	तु	म	अ	ब	सा	ऽ
३		४		×		०		२		०	
रे	रे	(म)ग	ग	म	म	प	प	ध	ध	नि	नि
स	न	न	द	सु	न	जो	पा	व	त	तु	में
३		४		×		०		२		०	
सां	–	निसां	रेंनि	ध	–	म	प	म	प	पध	मप
दे	ऽ	गीऽ	ऽऽ	गा	ऽ	रि	श्या	ऽ	म	काऽ	हेऽ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

म	म	म	प	नि	नि	सां	नि	सां	नि	सां	सां
अ	प	नि	क	र	त	क	छु	न	सु	न	त
०		३		४		×		०		२	
नि	सां	रें	गं	रें	सां	रें	सां	रें	नि	सां	सां
रो	ऽ	क	त	नि	त	ड	ग	र	च	ल	त
०		३		४		×		०		२	
सां	–	(ध)नि	ध	म	प	(म)ग	–	रे	सा	रे	सा
नी	ऽ	ल	ज	ठ	ठु	रा	ऽ	इ	क	र	त
०		३		४		×		०		२	
(नि़)सा	–	रे	रे	(म)ग	ग						
सा	ऽ	स	न	न	द						
०		३		४							

काफी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

	ग
म	प
जि	न

रे सा			ग
ग म ग॒ रे	रे ग म म	प प ध प	म ग म प
डा रो रं ग	मा नो गि र	धा रि मो रि	बा त, जि न
०	३	×	२
रे सा			ग
ग म ग॒ रे	रे ग म म	प प – –	– – म ग
डा रो रं ग	मा नो गि र	धा री ऽ ऽ	ऽ ऽ अ ब
०	३	×	२
			ग ग
म नि॒ ध नि॒	ध प ध म	प प ध प	म ग म प
सा ऽ स सु	ने गि दे गि	गा रि ह म	हा रि, जि न
०	३	×	२

अन्तरा.

			सां सां
म म प ध	नि – सां सां	नि नि सां सां	नि॒ नि॒ ध प
गि रि कै ऽ	ला ऽ स को	बा स ह म	छां ऽ ज्यो ऽ
०	३	×	२

	सां⌒		ग ग
नि नि सां सां	ध सां नि नि	ध प ध प	म ग म प
ह म अ ब	ला ऽ अ ति	बा रि भि जि	सा री, जि न
०	३	×	२

संचारी.

		म	म
सां नि ध सां	नि ध म प	ग – रे म	ग – रे सा
ड म क ड	म क ड म	रू ऽ ग त	बा ऽ ज त
०	३	×	२
नि़ सा रे –	रे ग म म	प प ध म	प प – –
म त सं ऽ	गी ऽ त बि	चा रि त त	का री ऽ ऽ।
०	३	×	२

आभोग.

			सां सां
म म प ध	नि नि सां सां	नि नि सां –	नि नि ध प
ह र रं ग	क हा क हुँ	अ ब मैं ऽ	तो ऽ सों ऽ
०	३	×	२
			ग ग
नि नि सां सां	निसां रें सां नि	ध प ध प	म ग म प
अ न गि न	देऽ ऽ ऊं मैं	गा रि दे दे	ता रि, जि न
०	३	×	२

काफी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग
म
क

	प	म सा	
ग ग म प	ध प ग म	ग॒ ग॒ रे रे	प – – ग
द र पि या	नै या मो रि	कै से ला गे	पा र् ऽ तु
२	०	३	×
	ध		
म ध नि॒ सां	रें नि॒ – नि॒	ध प ध म	प – – म
खे व ट अ	ना ड़ी ऽ हुँ	ठा ड़ि म झ	धा र् ऽ क
२	०	३	×

अन्तरा.

	सां	मं	
(म) – म प	नि – सां –	सांरें ग॒ं रें सां	रें नि सां –
ना ऽ मो रे	नै ऽ या ऽ	नाऽ ऽ रे खि	वै ऽ या ऽ
०	३	×	२
सां	रें		
नि – सां सां	निसां नि॒ ध म	प – – ग	म ध नि सां
आ ऽ न प	ड़ीऽ ऽ म झ	धा र् ऽ क	द र पि या
०	३	×	२
	म सा	ग	
नि॒ ध म प	ग॒ ग॒ रे रे	प – – म	
नै या मो रि	कै से ला गे	पा र् ऽ क	
०	३	×	

काफी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			नि़
			सा नि़
			छां ड़ो

सा रे रे (ग)	— म — म	प — प म	प ध नि सां
छां ड़ो छै ला	ऽ मो ऽ रि	बैं ऽ यां दु	ख त मो रि
०	३	×	२
		सा	ध
नि धप म प	(ग) — रे —	रे नि ध नि	प ध म प
न ऽऽ म क	ला ऽ ई ऽ	कै से तु म	कै से तु म
०	३	×	२
प ध			
ग म प ग	म म सा नि़	सा ग रे म	ग रे सा नि़
नि ड र ला	ऽ ल म ग	रो क त प	रा ई, छां ड़ो
०	३	×	२

अन्तरा.

ग	सां	गं	
म म म प	नि नि सां —सां	रें रेंगं रें सां	रें नि सां —सां
कै से तु म	म हा रा ऽज	आ वऽ त न	तो को ला ऽज
×	२	०	३

ध	रें		
प रें सां रें	नि नि सां —सां	प ध प नि॒	ध प सा नि̣
जा नो ना कं	सा को रा ऽज	प क ड़ मं	गा वे वा की
×	२	०	३
सा ग॒ रे म	ग॒ रे सा नि̣		
फि र त दु	हा ई, छां ड़ो		
×	२		

काफी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

	ध	सां	
सां नि सां	नि॒ नि॒ध म प	नि सां — सां	नि रें सां रें
ऽ आ ऽ ज	म नऽ ब स	ग ई ऽ सां	ऽ व रे कि
०	३	×	२
रें			म
नि सां नि॒ ध	प ध नि सां	प नि॒ ध प	ग॒ — रे म
सु र ति या	प्या रि प्या रि	स खि रि क	हा ऽ क हुँ
०	३	×	२
म			मं
ग॒ — रे सा	म नि॒ प ध	म प नि सां	ग॒ं रें — मं
तो ऽ से ऽ	अ प ने जि	या कि बी ति	आ ली ऽ री
०	३	×	२
मं	सां		
ग॒ं रें सां रें	नि सां — रें	सां नि॒ ध प	म ग॒ रे सा
बा हु के बि	न दे ऽ खे	क ल न प	र त मो को
०	३	×	२

अन्तरा

प		मं	
नि̱ प — ध	म प नि सां	ग̱ं रें — मं	ग̱ं रें सां -
हा हा ऽ क	र त तो रे	पैं यां ऽ प	र त हूँ ऽ
३	×	२	०
	प	म	
सां — रें रें	सां — नि̱ प	ग̱ — रे म	ग̱ रे सा —
जो ऽ पि या	आ ऽ न मि	ले ऽ मो रि	स ज नी ऽ
३	×	२	०
नि̱ सा	प	म	सा सां
सा रें सां -	नि̱ प म प	ग̱ ग̱ रे सा	सां — रें
मैं तो चे ऽ	री स न द्	भ इ ते रि	ऽ आ ऽ ज
३	×	२	०
नि̱	सां		
सां नि̱ म प	नि सां — सां		
म न ब स	ग ई ऽ सां		
३	×		

काफी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म प
स खी

			रे
म ग म रे	रे ग̱ सा रे	प — प म	ग ग म प
अ ब कै सो	क र त है	मो ऽ र सो	ऽ र स खी
०	३	×	२

म ग म रे	रे ग सा रे	प – – प	ग रे रे –
अ ब कै सो	क र त हैं	मो ऽ ऽ र	औ र बो ऽ
०	३	×	२
म रे सा सा	सा – सा –	म ग ग म	ग ग(रे) म प
ल त हैं प	पी ऽ हा ऽ	जो ऽ र जो	ऽ र, स खी
०	३	×	२

अन्तरा.

म म म –	प प नि –	सां – सां सां	नि ध – ध
सु न को ऽ	य ल की ऽ	कू ऽ क जि	या ऽ ऽ में
०	३	×	२
नि – ध ध	नि ध नि प	म ध ध ध	– ध ध नि
हू ऽ क उ	ठ त है ऽ	क द र ओ	ऽ र कै से
०	३	×	२
नि ध प –	प – ध प	म ग ग म	गरेगरे ग म प
जै ऽ यूं ऽ	ना ऽ हीं ऽ	हो व त भो	ऽऽऽऽ र, स खी।
०	३	×	२

काफी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म ग(रे) म प	म ग म ग	म रे – ग	म म प –
जो रे जो रे	छु वो ना ऽ	हीं छै ऽ ल	बं ग री ऽ
२	०	३	×

	रे														
म	ग	म	प	म	ग	म	–	प	नि	सां	रें	नि	सां	नि॒	ध
जो	रे	जो	रे	छु	वो	ना	ऽ	बि	न	ति	क	र	त	मो	हे
२				०				३				×			

नि॒	ध	नि॒	प	–	प	म	ग	म	रे	–	ग॒	म	म	प	–
गु	ज	री	रै	ऽ	न	स	ग	री	छै	ऽ	ल	बं	ग	री	ऽ
२				०				३				×			

अन्तरा.

प	प	प	प	नि	–	नि	नि	सां	–	सां	–	पनि	सांरें	निसां	रेंरें
क	द	र	पि	या	ऽ	जो	मैं	ऐ	ऽ	सो	ऽ	जाऽ	ऽऽ	न्तीऽ	ऽऽ
३				×				२				०			
								नि							ध
सांनि॒	धप	–	–	प	नि	–	सां	सां	नि॒	–	ध	नि॒	ध	नि॒	प
ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	आ	ती	ऽ	का	हे	को	ऽ	मैं	तो	री	न	ग
३				×				२				०			

म	रे	–	ग	म	म	प	–
री	छै	ऽ	ल	बं	ग	री	ऽ
३				×			

काफी--त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			म
			मु
(रे) ग ग म प	(ग) म ग म म	(रे) रे ग॒ सा रे	(रे) प – ध प
कीं ऽ के क	ला ई क्युं मु	क र ग ये	छै ऽ ल मु
२	०	३	×
मग ग(रे) म प	म ग म म	रे ग॒(रे) सा रे	(रे) प – प प
कींऽ ऽ के क	ला ई क्युं मु	क र ग ये	छै ऽ ल मु
२	०	३	×
म ग म प	म ग म म		
कीं ऽ के क	ला ई क्युं मु		
२	०		

अन्तरा.

प	म ग म मग	म नि॒ ध नि॒	ध – प ध
मु	कीं ऽ के फिर	नै ऽ न मि	ला ऽ व त
	२	०	३
नि॒ सां नि॒ ध	प – ध प	म ग म म	रे ग॒ रे रे
हँ स हँ स	बा ऽ त क	र त ऐ सो	नि प ट ढी
×	२	०	३

ग॒ रे सा रे	नि॒ सा सा, निनि	नि नि सां सां	नि॒ ध नि॒ ध
ऽ ट क द	र पि या, चलो	ह टो जा ओ	छां डो मो री
×	२	०	३
प – ध प	मग (रे) ग म प		
गै ऽ ल मु	कीऽ ऽ के क		
×	२		

काफी -त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा नि॒
र हि

सा रे – ग	म म प –	ध प म ग॒	रे सा, रे नि॒
है कै ऽ से	बि जु री ऽ	च म क च	म क र ही
०	३	×	२
सा रे – ग	म म प –		
है कै ऽ से	बि जु री ऽ		
०	३		

अन्तरा.

म म म प	नि नि नि नि	सां सां रें नि	सां – सां –
ग र ज ग	र ज बा दल	ब र स न	ला ऽ गे ऽ
०	३	×	२

प रें सां रें	नि सां नि॒ ध	नि॒ ध नि॒ प	ध प म ग
क द र क	र त मो रा	जि या ध क	ध क र हि।
०	३	×	२
म रे – ग	म म प –		
है कै ऽ से	ब्रि जु री ऽ		
०	३		

काफी (सिंधुरा) –त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

	म	म	सा ग॒
रे – रे	ग॒ रेग॒ म म	प प – ग॒	म ग॒ रेरेमम गरेनि॒सा
ऽ जा ऽ ने	दो ऽऽ मो हे	छो रो ऽ पि	य रु वाऽऽऽ ऽऽऽऽ
०	३	×	२

अन्तरा.

म म प प	नि – सां सां	सां – रें नि	सां सां सांनि॒ध नि॒प
क द र पि	या ऽ तु म्हें	ला ऽ ज न	ड र हैऽऽ ऽऽ
०	३	×	२
प नि नि नि	सां सां नि॒ ध	नि॒ ध नि॒ प	म प मपमपधनि॒धप मग॒रेसानि॒सा
इ त ने लो	ग न में ल	गा य ले त	ग र वाऽऽऽऽऽऽऽऽ ऽऽऽऽऽऽ
०	३	×	२

काफी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा	रे	–	ग	म	–	प	–	ग	म	ध	–	निध	नि	ध	प
मैं	वा	ऽ	री	सैं	ऽ	या	ऽ	औ	र	वा	ऽ	रूऽ	ऽ	त	न
३				×				२				०			
ध	प	म	ग	रे	ग	रे	सा	ग	ग	म	–	साग	मप	म	ग
म	न	ध	न	स	ब	ही	ऽ	तु	म	रे	ऽ	काऽ	ऽऽ	र	न।
३				×				२				०			
म	रे	–	ग												
मैं	वा	ऽ	री												
३															

अन्तरा.

म	म	प	–	नि	–	नि	नि	सां	सां	रें	नि	सां	–	सां	सां
त	न	से	ऽ	जो	ऽ	ग	न	म	न	से	बि	यो	ऽ	ग	न
२				०				३				×			
नि	ध	ध	ध	नि	–	ध	प	ध	म	प	प	नि	–	सां	सां
ह	म	तु	म	रे	ऽ	बि	न	क	द	र	पि	या	ऽ	तु	म
२				०				३				×			
रें	रेंगं	रें	सां	रें	नि	सां	–	प	नि	सां	निसां	नि	ध	प	ध
जु	गऽ	जु	ग	जी	ऽ	ओ	ऽ	क	र	लूं	ऽऽ	नै	ऽ	ऽ	न
२				०				३				×			
नि	निसां	नि	ध	नि	प	म	ग	म	रे	–	ग				
भ	रऽ	क	र	द	र	श	न	मैं	वा	ऽ	री				
२				०				३							

काफी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

	ग (3rd)		प (1st)
म प म ग	म रे रे ग	सा रे प –	ध प मग रेग
पि या झु म	झु म मो हे	निं दि या ऽ	आ ई रेऽ ऽऽ
२	०	३	×
	ग (3rd)	रे (1st)	प (1st)
म प म ग	म रे रे ग	सा रे प –	ध प म ग
पि या झु म	झु म मो हे	निं दि या ऽ	आ ई रे लो
२	०	३	×
	नि (2nd)		
म ध ध ध	नि सां नि ध	प – ध प	मपध प म ग
भो भये आ ये	जा ओ ज हां	रै ऽ न ग	वांऽऽ ई रे ऽ।
२	०	३	×

अन्तरा.

		ध (4th)	
म म प प	नि नि सां सां	नि ध ध सां	नि ध प –
क र के धि	टा ई क दुर	बि न ति क	र त हो ऽ
३	×	२	०
नि (2nd)			
नि सां नि ध	प – प –	म म ध –	ध ध ध ध
ये भी च तु	रा ऽ ई ऽ	अ ब का ऽ	ज य्ये मो रे
३	×	२	०
नि (2nd)			
नि सां निध प	मपध प म ग		
जि या सेऽ बु	राऽऽ ई रे ऽ		
३	×		

काफी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प म
त न

		म													
नि॒	प	ग॒	रे	ग॒	रे	सा	रे	प	—	—	—	—	—	गम	रेग
दे	रे	ना	ऽ	ऽ	दा	ऽ	न्नि	दी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म्तऽ	नऽ
०				३				×				२			
म	नि॒नि॒	धध	नि॒	पप	धध	सां	(सां)	नि॒	ध	प	प	ध	म	प	प
ना	दिर	दिर	तु	दिर	दिर	त	न	दे	रे	ना	त	दे	रे	दा	नि
०				३				×				२			
		म													
नि॒	प	ग॒	रे												
दे	रे	ना	ऽ												
०															

अन्तरा.

												ध			
	ग	म	ध	ध	नि	सां	—	नि॒सां	ध	नि॒नि॒	सां	नि॒	ध	प	—
ऽ	ख	ऽ	ल्के	मे	ऽ	गो	ऽ	ऽऽ	य	ऽद्	के	खू	ऽ	स्रो	ऽ
०				३				×				२			
ग	ग	म	ध	ध	नि	सां	—	नि॒सां	ध	नि॒	सां	नि॒	ध	प	—प
ऽ	बु	ऽ	तुप	र	ऽ	स्ती	ऽ	ऽऽ	मे	ऽ	कु	न	ऽ	ऽ	ऽदु
०				३				×				२			

ग	ग	म	ध	ध	नि	सां	—	निसां	ध	नि	सां	नि	ध	प	—
ऽ	आ	ऽ	रे	आ	ऽ	रे	ऽ	ऽऽ	मे	ऽ	कु	न	ऽ	द्वा	ऽ
०				३				×				२			
	ग	म	ध	ध	नि	सां	—	निसां	ध	नि	सां	निध	प	म	ग
ऽ	ख	ऽ	ल्के	मा	ऽ	रा	ऽ	ऽऽ	का	ऽ	र	नेऽ	ऽ	स्त	न
०				३				×				२			
म	निनि	धध	नि	स्थायी अनुसार											
ना	दिर	दिर	तुं												
०															

काफी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

(सा) नि	सा	रे	ग	(सा) रे	(ग) रे	मरे	म	प	म
सौ	ऽ	त	ऽ	न	के	ऽऽ	सं	ऽ	ग
×		२			०		३		
प	—	—	—	ध	सां	नि	ध	—	प
ला	ऽ	ऽ	ऽ	ग	रे	ऽ	ते	ऽ	री
×		२			०		३		
(म) ग	—	म	नि	प	(म) ग	—	(ग) रे	नि	सा
आ	ऽ	छी	ऽ	ब	ने	ऽ	गी	ऽ	ऽ।
×		२			०		३		

अन्तरा.

प म	—	प	—	ध	नि	सां	नि सां	—	सां
हं	ऽ	स	ऽ	न	की	ऽ	ग	ऽ	ति
×		२			०		३		
रें	मं गं	रें	—	सां	रें	नि	सां	—	—
हं	ऽ	स	ऽ	हि	जा	ऽ	ने	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
सां नि	—	सां	—	रें	सां	नि	ध	म	—
को	ऽ	ई	ऽ	न	जा	ऽ	ने	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
प	—	—	—	ध	सां	नि	ध	—	प
का	ऽ	ऽ	ऽ	ग	रे	ऽ	तें	ऽ	रि
×		२			०		३		
म ग	—	म	नि	प	म ग	—	ग रे	नि़	सा
आ	ऽ	छी	ऽ	ब	ने	ऽ	गी	ऽ	ऽ।
×		२			०		३		

काफी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि़ सा	रे	सा रे	म ग	रे	सा रे	प	—	ध	म ग	—	रे
आ	ऽ	ये	री	मे	रे	धा	ऽ	म	श्या	ऽ	म
•		३		४		×		०		२	

रे						म					
म	ग॒	सा	रे	नि़	सा	रे	म	प	ध	नि॒	सां
कुं	व	र	क्रु	ऽ	ष्ण	उ	न	के	च	र	न
०		३		४		×		०		२	

				म		रे	म		सा		
नि॒	ध	म	प	ग॒	रे	प	ग॒	—	रे	नि़	सा
नैं	ऽ	न	न	सों	ऽ	प	र	ऽ	सों	ऽ	ऽ।
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

								सां		सां	
म	—	प	ध	नि	सां	सां	सां	नि	सां	मं	गं॒
बं	ऽ	सी	ऽ	ब	ट	त	र	क	र	बं	ऽ
×		०		२		०		३		४	

				मं							
रें	सां	नि॒	ध	गं॒	मं	पं	मं	गं॒	रें	सां	—
सी	ऽ	लि	ये	सा	ऽ	ज	न	ट	व	र	ऽ
×		०		२		०		३		४	

नि॒				रें							प
ध	—	नि॒	रें	नि	सां	धनि॒	धप	म	ग	मग	म
सा	ऽ	जे	री	ऽ	ऽ	ओऽ	ढऽ	पि	य	रोऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

म									म		सा
ग॒	रे	—	रे	रें	रें		सा	रे	ग॒	रे	रे
प	ट	ऽ	धा	ऽ	य	ऽ	आ	ये	री	मे	रे
×		०		२		०		३		४	

काफी–चौताल (विलंबित).

स्थायी.

नि़		सा	म		सा					म	
सा	रे	रे	ग॒	रे	रे	प	–	ध	ग॒	–	रे
जा	ऽ	गे	मे	ऽ	रे	भा	ऽ	ग	आ	ऽ	ज
०		३		४		×		०		२	
म						म					
रे	ग॒	सा	रे	नि़	सा	रे	म	प	ध	नि॒	सां
श्या	ऽ	म	सुं	द	र	क	म	ल	न	य	न
०		३		४		×		०		२	
			म			रे	म		सा		
नि॒	–	धप	ग॒	–	रे	प	ग॒	–	रे	नि़	सा
आ	ऽ	नऽ	ठा	ऽ	ड़े	मे	रे	ऽ	द्वा	ऽ	र।
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

						सां					
म	म	म	म	प	ध	नि	–	सां	नि	सां	सां
त	न	म	न	ध	न	नौ	ऽ	छा	ऽ	व	र
×		०		२		०		३		४	
						सां					प
नि	सां	रें	ग॒ं	रें	सां	नि	सां	सां	नि॒	ध	ध
क	रि	हों	ऽ	मैं	ऽ	प	रि	हों	पैं	ऽ	यां
×		०		२		०		३		४	

सां	–	नि	ध	म	पध	(म)ग	–	रे	(रे)नि	सा	सा
लै	ऽ	ऽ	हों	ऽ	बऽ	लै	ऽ	यां	आ	ऽ	ज
×		०		२		०		३		४	
(नि)सा	रें	रें	रे	नि	सां						
बा	ऽ	र	बा	ऽ	र						
×		०		२							

काफ़ी–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा	–	सा	रे	–	(सा)रे	(रे)प	(म)ग	म	ग	रे	रे
धा	ऽ	य	धा	ऽ	य	मे	रे	ऽ	ग	र	ज
×		०		२		०		३		४	
सा	–	सा	(म)रे	म	म	प	–	प	प	(प)ध	म
धा	ऽ	य	धा	ऽ	य	सूं	ऽ	द	र	स	ब
×		०		२		०		३		४	
प	नि	नि	सां	–	रें	सां	सांनि	–	ध	प	म
मि	ल	सु	जा	ऽ	न	आ	ऽऽ	ऽ	नं	द	ऽ
×		०		२		०		३		४	
प	(म)ग	–	रे	म	म	प	(म)ग	मग	(म)ग	रे	रे
ऽ	क	ऽ	रो	ऽ	ई	मे	रे	ऽऽ	ग	र	ज
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

						सां					
	म	म	प	—	ध	नि	सां	—	सां	—	सां
ऽ	आ	ज	मो	ऽ	रे	पि	या	ऽ	पे	ऽ	मैं
×		०		२		०		३		४	
						नि					
	नि	—	सां	—	सां	सां	सांनि	—	ध	प	—
ऽ	वा	ऽ	रूँ	ऽ	गी	जी	येऽ	ऽ	रा	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
प	नि	नि	सां	—	रें	सां	सांनि	—	ध	प	म
स	म	झ	सो	ऽ	च	हूँ	साऽ	ऽ	य	ने	ऽ
×		०		२		०		३		४	
म	म		म				म				
प	ग	—	रे	म	म	प	ग	म	ग	रे	रे
ह	ल	ऽ	गा	ऽ	ई	मे	रे	ऽ	ग	र	ज
×		०		२		०		३		४	

काफी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

ग			म		सा						
म	नि	प	ग	रे	रे	प	—	—	प	नि	म
आ	ऽ	ज	मो	रे	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	सो
०		३		४		×		०		२	

				म			सा									प
म	नि	|	प	ग	|	रे	रे	|	प	—	|	—	प	|	—	ध
आ	ऽ	|	ज	मो	|	रे	ऽ	|	आ	ऽ	|	ऽ	ये	|	ऽ	सो
०			३			४			×			०			२	

													म			
म	म	|	प	नि	|	सां	रें	|	सां	नि	|	प	ग	|	—	रे
ऽ	आ	|	ये	मो	|	रे	ऽ	|	आ	ऽ	|	गु	ना	|	ऽ	थ
०			३			४			×			०			२	

							नि									
—	म	|	प	नि	|	सां	सां	|	रें	सां	|	नि	प	|	सां	नि
ऽ	की	|	नी	मो	|	से	ऽ	|	र	स	|	की	बा	|	ऽ	त।
०			३			४			×			०			२	

				म			सा
म	नि	|	प	ग	|	रे	रे
आ	ऽ	|	ज	मो	|	रे	ऽ
०			३			४	

अन्तरा.

प																
ध	म	|	—	प	|	—	ध	|	नि	सां	|	—	नि	|	सां	सां
अ	चा	|	ऽ	न	|	ऽ	क	|	आ	ये	|	ऽ	ऐ	|	ऽ	से
×			०			२			०			३			४	

	नि	|	नि	सां	|	—	रें	|	सां	सांनि	|	—	ध	|	—	प
ऽ	ह	|	र	को	|	ऽ	मि	|	ले	ऽऽ	|	ऽ	कै	|	ऽ	से
×			०			२			०			३			४	

			मं								
प	रें	रें	रें	मं	रें	सां	नि	प	नि	सां	–
छां	ऽ	ड़	दे	ऽ	रि	मे	ऽ	रि	आ	ली	ऽ
×		०		२		०		३		४	
						प			म		सा
रें	सां	नि	प	सां	नि	म	नि	प	ग	रे	रे
अ	प	नो	धा	ऽ	त	आ	ऽ	ज	मो	रे	ऽ
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

									नि		
ध	म	–	प	–	ध	नि	–	सां	सांनि	ध	प
जि	या	ऽ	में	ऽ	आ	नं	ऽ	द	भऽ	ई	ऽ
×		०		२		०		३		४	
	नि	नि	सां	–	रें	सां	सांनि	–	ध	प	–
ऽ	त	न	की	ऽ	त	प	तऽ	ऽ	ग	ई	ऽ
×		०		२		०		३		४	
म	म					म		ग			
ग	ग	–	म	–	प	ग	–	म	ग	रे	सा
घ	र	ऽ	में	ऽ	सु	हा	ऽ	यो	मे	ऽ	रो
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

	म	–	प	–	ध	नि	सां	–	नि	सां	सां
ऽ	आ	ऽ	न	ऽ	जी	व	न	ऽ	बि	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

–	नि	–	सां	–	सां	नि॒	प	सां	नि॒	ध	प
ऽ	कै	ऽ	से	ऽ	स	रे	ऽ	गो	मे	ऽ	रो
×		०		२		०		३		४	

प	रें	–	रें	मं	रें	सां	नि॒	प	(सां)नि	सां	सां
क	दी	ऽ	ना	ऽ	हिं	छां	ऽ	डुं	कृ	ऽ	ष्ण
×		०		२		०		३		४	

रें	सां	नि॒	प	सां	नि॒	म⌒	नि॒	प	ग॒	रे	(ग्मा)रे
ति	हा	रो	सा	ऽ	थ	आ	ऽ	ज	मो	रे	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

काफी—दीपचन्दी (मध्यलय).

स्थायी.

सा	सा	–	रे	–	(सा)रे	रे	(म)ग॒	–	–	म	–	–	म
ब्रि	ज	ऽ	में	ऽ	ह	रि	हो	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	म
×			२				०			३			
प	–	–	प	–	ध	प	म	ग	–	म	ग	(म)	–
चा	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	स	खी	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			

अन्तरा.

प	प	–	रें	–	–	–	रें	रें	–	गं॒	रें	गं॒	–
इ	त	ऽ	सों	ऽ	ऽ	ऽ	नि	क	ऽ	सी	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			

सां	रें	—	नि	—	नि	—	सां	सां	—	रें	—	[मं]ग॒ं	—
कुं	व	ऽ	रि	ऽ	रा	ऽ	ऽ	धि	ऽ	का	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां	रें	—	सां	—	नि॒	—	ध	[ध]म	—	प	—	—	ध
उ	त	ऽ	सौं	ऽ	ऽ	ऽ	कुं	व	ऽ	र	ऽ	ऽ	क
×			२				०			३			
[सां]नि	—	—	[ध]नि	—	रें	—	सां	—	—	—	—	—	—
न्हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
[ग]म	—	—	ग	—	—	[रे]ग	म	—	—	प	—	—	ध
खे	ऽ	ऽ	ल	ऽ	ऽ	त	फा	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	प
×			२				०			३			
सां	—	नि॒	ध	—	—	म	[ध]प	ध	—	(म)	—	ग	—
र	ऽ	ऽ	स्प	ऽ	ऽ	र	हि	ल	ऽ	मी	ऽ	ले	ऽ
×			२				०			३			
[सां]नि	—	—	सां	—	नि	—	सां	सां	—	[सां]नि	—	सां	रें
सो	ऽ	ऽ	सु	ऽ	ख	ऽ	ब	र	ऽ	नी	ऽ	ऽ	न
×			२				०			३			
सां	नि॒	—	ध	—	—	प	ध	प	—	प	—	म	ग
जा	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	सो	घ	र	ऽ	घ	ऽ	र	ऽ
×			२				०			३			

प							ध						
म	म	नि	ध	–	नि	ध	प	ध	प	म	ग	(म)	–
ब	ज	ऽ	त	ऽ	ऽ	ब	धा	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
					सा								
सा	सा	–	रे	–	रे	रे							
ब्रि	ज	ऽ	में	ऽ	ह	रि							
×			२										

काफ़ी—दीपचन्दी (मध्यलय).

स्थायी.

							म						
सा	नि	सा	रे	ग	सा	रे	ग	रे	ग	म	–	प	म
अ	ब	ऽ	के	ऽ	ऽ	ऽ	टे	ऽ	ऽ	क	ऽ	ऽ	ह
×			२				०			३			
प	–	–	प	–	–	प	–	प	–	म	ग	म	–
मा	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ज	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
म	–	नि	ध	नि	ध	प	म	ग	–	म	ग	(म)	–
खो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गि	र	धा	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ।
×			२				०			३			

अन्तरा.

प	–	–	रें	–	रें	–	–	रें	–	ग॒ं	रें	ग॒ं	–
जैं	ऽ	ऽ	मी	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ज	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां	रें	–	नि	–	नि	–	सां	सां	–	रें	–	मं ग॒ं	–
खी	ऽ	ऽ	अ	ऽ	र	ऽ	जु	न	ऽ	की	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां	रें	–	सां	–	नि॒	–	ध	म	–	प	–	–	ध
भा	ऽ	ऽ	र	ऽ	त	ऽ	जु	ऽ	ऽ	द्ध	ऽ	ऽ	म
×			२				०			३			
सां नि	–	–	ध नि	–	रें	–	सां	–	–	–	–	–	–
झा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
म	–	–	ग	–	–	रें ग	म	–	–	प	–	ध	–
सा	ऽ	ऽ	र	ऽ	ऽ	थि	हो	ऽ	ऽ	के	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां	सां	–	नि॒	–	ध	म	प	ध	–	(म)	–	ग	–
र	थ	ऽ	कां	ऽ	ऽ	ऽ	हां	ऽ	ऽ	क्यो	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां नि	–	–	सां	–	–	नि	सां	सां	–	सां	–	रें	–
च	ऽ	ऽ	क्र	ऽ	ऽ	सु	द	र	ऽ	श	ऽ	न	ऽ
×			२				०			३			

सां	नि	—	ध	—	नि	प	प	प	—	म	ग	म	—
धा	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	भ	क्त	न	ऽ	की	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
म	—	नि	ध	—	नि	प	प (ध)	ध	—	म	ग	(म)	—
टे	ऽ	ऽ	क	ऽ	ऽ	न	ता	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ।
×			२				०			३			

काफी—दीपचन्दी (मध्यलय).

स्थायी.

नि
नि

सा	—	निसा	रे	—	—,	रे	ग (म)	रे	—	ग (म)	सा	—,	रे
का	ऽ	ऽऽ	ला	ऽ	ऽ,	नि	रा	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ,	अ
०			३				×			२			
म	म	—	मप	मप	ध	प	ग (म)	—	रेग	रे	—	—,	नि
ल	ग	ऽ	सऽ	ऽऽ	ऽ	स्ने	रं	ऽ	ऽऽ	ग	ऽ	ऽ,	जो
०			३				×			२			
सा	—	—	रे	—	—	रे	ग (म)	रे	—	ग (म)	सा	—,	रे
है	ऽ	ऽ	बा	ऽ	ऽ	त	जी	ऽ	ऽ	स्की	ऽ	ऽ,	उ
०			३				×			२			

म	—	—	मप	मप	ध	प	(म)ग	रे	ग	रे	—	—	—
सी	ऽ	ऽ	केऽ	ऽऽ	ऽ	है	सं	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ।
०			३				×			२			

अन्तरा.

म
को

म	—	—	प	—	—	ध	नि	—	—	सां	—	—	नि
ई	ऽ	ऽ	कू	ऽ	ऽ	छ	गा	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽ	न
०			३				×			२			
नि	—	—	सां	—	—	सां	सां	—	(नि)सां	नि	ध	नि	प
हीं	ऽ	ऽ	मो	ऽ	ऽ	हे	भा	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ
०			३				×			२			
प	नि	नि	नि	नि	सां	—	सां	—	(नि)सां	नि	ध	नि	प
क	द	र	तु	म	री	ऽ	हो	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	का
०			३				×			२			
	म	म	मप	मप	ध	प	(म)ग	रे	ग	(रे)सा	—	—,	नि
ऽ	ज	म	जाऽ	ऽऽ	ऽ	ये	रं	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ,	नि।
०			३				×			२			

काफी–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

म			सा								म		
ग	ग	रे	रे	प	–	–	ध	म	प	ध	ग	ग	–
ए	रि	ए	मैं	कौ	ऽ	ऽ	ने	ऽ	ऽ	ज	त	न	ऽ
३				×					२		०		
				म									
रे	–	–	–	ग	रे	–	म	–	ग	रे	सा	रे	–
सों	ऽ	ऽ	ऽ	खो	ऽ	ऽ	लौं	ऽ	मो	रे	ऽ	पी	ऽ
३				×					२		०		
				नि़	सा						म		
नि़	सा	सा	–	सा	सां	नि	ध	म	प	ध	ग	–	रे
या	ऽ	के	ऽ	म	न	में	ऽ	ऽ	प	रि	गां	ऽ	ठ।
३				×					२		०		

अन्तरा.

प							सां						
म	म	–	प	–	–	ध	नि	सां	–	सां	–	सां	–
स	ब	ऽ	स	ऽ	ऽ	खि	यां	ऽ	ऽ	मि	ऽ	ली	ऽ
×					२		०			३			
	मं		सां										
रें	गं	–	रें	–	सां	–	रें	नि	–	सां	–	–	–
ब	न	ऽ	ब	ऽ	न	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ
×					२		०			३			
सां										सां			
नि	–	–	सां	–	नि	सां	नि	ध	–	ध	नि	प	ध
मैं	ऽ	ऽ	बै	ऽ	ऽ	ऽ	ठी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बि	ख।
×					२		०			३			

		म	म सा
सां नि – ध म	प ध	ग रे –	ग ग रे रे
घो ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ	लौं ऽ ऽ	ए रि ए मैं
×	२	०	३

काफी—धमार (विलम्बित).

स्थायी.

नि
सां
सु

सां		नि	नि
नि सां – सां –	सां –	सां नि –	ध – म –
द र ऽ ते ऽ	रे ऽ	मु ख ऽ	सें ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
ध			
प – – प ध	सां –	सां नि –	– – ध प
गा ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ	री ऽ ऽ	ऽ ऽ मो हे
×	२	०	३
म		रे	सां
ग रे ग म –	– ग	रे नि सा	सा – – नि
प्या ऽ ऽ री ऽ	ऽ ल	ग त ऽ	है ऽ ऽ, सु
×	२	०	३

अन्तरा.

	सां	सां	मं
म प ध	नि सां – सां सां	रें रें	गं रें गं
ऽ बे स र	की ऽ ऽ मो ति	य न	की ऽ ऽ
३	×	२	०

सां				सां	सां	सां				सां			
रें	नि	सां	–	नि	नि	नि	सां	–		रें	सां	नि̱	–
झ	ल	क	ऽ	चं	ऽ	ऽ	दा	ऽ	ऽ	की	च	म	ऽ
३				×					२		०		
		ध		ध					म		म		
ध	–	प	ध	सां	–	नि̱	ध	म	ध	प	ग̱	–	–
क	ऽ	अ	ति	सो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ह	त	न्या	ऽ	ऽ
३				×					२		०		
सा			सां										
रे	नि़	सा	नि										
ऽ	ऽ	री,	सुं										
३													

राग आसावरी.

रागिण्यासावरीयं मृदुगमधनिभिस्तीव्रकेणर्षभेण ।
संपन्नारोहणे या खलु गनिरहिता चावरोहे तु पूर्णा ॥
वादी स्याद्धैवतोऽस्यां श्रुतिरुचिरतरो गश्च संवाद्यभीष्टो ।
विष्वक्तानप्रसारैर्मृदुमधुरगलैर्गीयते संगवे सा ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

मृदू गमौ धनी चैव तीव्रस्तु ऋषभो धगौ ।
वादिसंवादिनौ यस्यां सासावर्यपि संगवे ॥

चन्द्रिकायाम् ।

कोमल गमधनि तीखरिखब चढत गनी न सुहाइ ।
धग वादीसम्वादि तें आसावरी कहाइ ॥

चन्द्रिकासार ।

रिमौ पनी धपौ धमौ निधौ पमौ पगौ रिसौ ।
धांशाऽऽरोहेगनित्यक्ताऽऽसावरी संगवे मता ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

'आसावरी'—यह राग आसावरी थाट से उत्पन्न होता है। इसमें गन्धार, धैवत व निषाद स्वर कोमल लगते हैं और शेष सब स्वर शुद्ध हैं। यह राग बहुत लोकप्रिय है। इसका वादी स्वर धैवत और सम्वादी गांधार है। गायन समय दिन का दूसरा प्रहर है। आरोह में गान्धार व निषाद वर्ज्य करते हैं और अवरोह सम्पूर्ण है, अर्थात् इसकी जाति औडुव-सम्पूर्ण है। इस राग से मिलते-जुलते दूसरे राग **जौनपुरी व गांधारी** हैं, वे आगे बताये जांयगे। उत्तर भारत की ओर आसावरी में कोमल रिषभ लेने की प्रथा है, किन्तु अपनी ओर (दक्षिण) के ख्याल गायक इसमें तीव्र (शुद्ध) रिषभ ही लगाते हैं। इस पुस्तक में यह दोनों ही प्रकार दिये गये हैं और दोनों ही मधुर हैं। जलद तानों में कोमल रिषभ लगाने से गायकों को कुछ असुविधा होती है, इसीलिये संभवतः तीव्र रिषभ लेने का व्यवहार पड़ गया, ऐसा प्रतीत होता है। इस राग की विशेषता गान्धार पंचम व धैवत, इन स्वरों पर अवलम्बित है। यह राग अवरोह में स्पष्ट होता है।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सा, रे म प, ध॒, सां। सां नि॒ ध॒, प, म ग॒, रे, सा।

पकड़ः—

रे, म, प, नि॒ ध॒ प।

आसावरी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

				नि						म	
ऽ	म	प	नि	ध	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ
३		४		×		०		२		०	
								म			
रे	ऽ	सा	ऽ	सा	ऽ	रे	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ
३		४		×		०		२		०	
		नि								म	सा
प	ऽ	ध	ऽ	रें	सां	नि	ध	प	म	ग	रे
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

			नि								
म	प	—	ध	—	ध	सां	—	सां	सां	—	सां
स	प्त	ऽ	सु	ऽ	र	ती	ऽ	न	ग्रा	ऽ	म
×		०		२		०		३		४	
नि	नि		ध						नि		
ध	ध	—	सां	—	सां	रें	—	सां	ध	—	प
ए	क	ऽ	ई	ऽ	स	मू	ऽ	र	छा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
म	प		सां						नि		
प	गं	—	रें	—	सां	रें	—	सां	ध	—	प
उ	नं	ऽ	चा	ऽ	स	कू	ऽ	ट	ता	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
प			नि			म	सा				
म	प	नि	ध	प	ध	ग	रे				
गा	ऽ	ऽ	इ	ऽ	ऽ	यें	ऽ				
×		०		२		०					

संचारी

	नि̱		नि̱			नि̱	नि̱		नि̱		
सा	ध̱	—	ध̱	—	ध̱	ध̱	ध̱	—	ध̱	—	प
आ	ऽ	ऽ	रो	ऽ	हि	अ	व	ऽ	रो	ऽ	हि
×		०		२		०		३		४	
नि̱	नि̱	नि̱	ध̱						नि̱		
ध̱	ध̱	ध̱	सां	—	सां	रें	सां	—	ध̱	—	प
अ	ऽ	ऽ	स्था	ऽ	ई	सं	ऽ	ऽ	चा	ऽ	रि
×		०		२		०		३		४	
ध̱			प			म			सा		
प	ध̱	म	म	प	ध̱	ग̱	—	रे	रे	—	सा
औ	ऽ	ऽ	ड	ऽ	व	सं	ऽ	पु	र	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
			रे		म	नि̱			नि̱		
सा	सा	रे	म	प	प	ध̱	—	—	ध̱	—	प
सं	पू	ऽ	र	ऽ	न	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

प		म	नि̱			ध̱					
म	प	प	ध̱	—	—	सां	—	—	सां	—	सां
धूं	ऽ	ऽ	डी	ऽ	ऽ	के	ऽ	ऽ	प्र	ऽ	भु
×		०		२		०		३		४	
नि̱	नि̱		ध̱			सां			नि̱		
ध̱	ध̱	—	सां	सां	—	रें	—	सां	ध̱	—	प
तु	म	ऽ	ब	हो	ऽ	ना	ऽ	ऽ	य	ऽ	क
×		०		२		०		३		४	

म	प		सां			सां			नि		
प	ग	—	रें	रें	सां	रें	सां	—	ध	—	प
गु	नि	ऽ	ज	न	के	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	थ
×		०		२		०		३		४	
प					प	म	सा				
म	प	नि	ध	प	ध	ग	रे				
गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	इ	ये	ऽ				
×		०		२		०					

आसावरी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प			म		प	नि					
म	म	प	प	—	सां	ध	—	—	प	—	धम
च	तु	र	रा	ऽ	ग	गा	ऽ	ऽ	यो	ऽ	ऽऽ
०		३		४		×		०		२	
	म		सा			म					
मप	ग	—	रे	—	सा	रे	म	—	प	—	प
आऽ	सा	ऽ	व	ऽ	री	औ	ऽ	ऽ	ड	ऽ	व
०		३		४		×		०		२	
नि			नि				म		सा		
ध	—	ध	ध	—	प	पध	ग	—	रे	—	सा
सं	ऽ	पु	र	ऽ	न	बऽ	त	ऽ	ला	ऽ	यो
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

प			नि			ध					
म	प	—	ध	—	ध	सां	सां	सां	सां	सां	सां
आ	ऽ	ऽ	रो	ऽ	ह	ग	नि	को	त	ज	त
×		०		२		०		३			

ति ति	ध॒		सां	ति	
ध॒ ध॒	– सां	– सां	रें –	सां ध॒	– प
अ व	ऽ रो	ऽ ह	सं ऽ	पु र	ऽ न
×	०	२	०	३	४
म⁀ गं	सां		सां	ति	
प गं	– रें	– सां	रें –	सां ध॒	– प
धै ऽ	ऽ व	ऽ त	वा ऽ	दि छू	ऽ र
×	०	२	०	३	४
म	सा		म	म	
पध॒ ग॒	– रे	– सा	रे म	प प	
दिऽ ख	ऽ ला	ऽ यो	च तु	र रा	
×	०	२	०	३	

आसावरी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध॒ ति	म प	म ग॒	म
म पसां ध॒ प	ध॒ म पध॒ मप	ग॒ – रे सा	रे म प –
का न्हाऽ मो हे	आ सा वऽ रीऽ	रा ऽ ग सु	ना ऽ ये ऽ
०	३	×	२
ति ति ति	ध॒	प म प	म सा
ध॒ ध॒ ध॒ –	नि॒ ध॒ प ध॒म	म प पध॒ मप	ग॒ – रे सा
ग नि को ऽ	आ ऽ रो ऽऽ	ह न मेंऽ छुऽ	पा ऽ ऽ ये
०	३	×	२
	ति	ति ध॒	
सा रे म रे	म प ध॒ प	ध॒ गं रें सां	रें नि॒ ध॒ प
०	३	×	२

अन्तरा.

प म	नि॒ नि॒	ध॒	
म – प प	ध॒ – ध॒ –	सां – सां सां	सां – सां –
धैं ऽ व त	वा ऽ दी ऽ	गा ऽ स म	वा ऽ दी ऽ
०	३	×	२
नि॒ नि॒		मं सां	नि॒
ध॒ – ध॒ ध॒	सां सां सां सां	सांरें ग॒ं रें सां	सां रेंनि॒ ध॒ प
म ऽ ध्य म	सु र ग्र ह	न्याऽ ऽ स सु	पं ऽऽ च म
०	३	×	२
प प	नि॒ म प	म	
म प सां –	ध॒ प पध॒ मप	ग॒ ग॒ रे सा	रे – सा सा
अ व रो ऽ	ह न संऽ ऽऽ	पु र न दि	खा ऽ व त
०	३	×	२
	नि॒	नि॒ ध॒	
सा रे म रे	म प ध॒ प	ध॒ ग॒ं रें सां	रें नि॒ ध॒ प।
०	३	×	२

आसावरी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प	नि॒	प मप	म सा
म म प सां	ध॒ – प –	ध॒ म ध॒ध॒ पमप	ग॒ – रे सा
अ खि यां ऽ	ला ऽ गी ऽ	र ह तऽ निऽऽ	स ऽ दि न
३	×	२	०
ग॒	नि॒	म मप	म सा
रे सा सा रे	ध़॒ प़ सा –	रे म ध॒ध॒ पमप	ग॒ – रे सा
प्या ऽ रे ति	हा ऽ रे ऽ	दे ऽ खऽ नऽऽ	कां ऽ ऽ हिं।
३	×	२	०

अन्तरा.

प नि नि		सां	नि
म प ध ध	सां सां सां सां	रें गं रें सां	सां रेंनि ध प
ध रि प ल	छि न मो हे	जु ग सी ऽ	बी ऽऽ त त
३	×	२	०
म प सां	नि	पप	म सा
प गं रें सां	रें सां ध प	म प धध पमप	ग ग रे सा
नि स दि न	च ट प टि	ला ऽ गऽ रऽऽ	ह त म हिं।
३	×	२	०

आसावरी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प	नि	म सा	
म म प सां	ध प पध मप	ग रे म म	प प प –
अ रे म न	स म भ्रऽ मऽ	म भ्र प ग	ध रि ये ऽ
२	०	३	×
प	नि नि नि		म
ध म प प	ध ध ध प	ध म पध मप	ग ग रे सा
अ रे म न	इ स ज ग	में ऽ नऽ हींऽ	अ प ना ऽ
२	०	३	×
	नि सा	सां	सां नि
रे – सा –	सा सा गं –	रें – सां –	रें रें ध प
को ऽ ई ऽ	प र छां ऽ	ई ऽ सों ऽ	ड रि ये ऽ।
२	०	३	×

अन्तरा.

प	नि नि	ध	
म - प प	ध ध ध -	सां सां सां सां	सां - सां -
ढो ऽ ल त	दु नि यां ऽ	कु टु म क	बी ऽ ला ऽ
०	३	×	२
नि		सां सां	नि
ध ध ध -	सां - सां सां	गं गं रें सां	नि सां ध प
इ न सौं ऽ	ने ऽ ह न	क व हु न	क रि ये ऽ
०	३	×	२
नि		म	
प ध नि ध	- प धम प	ग - रे सा	रे रे सा सा
गा ऽ म ना	ऽ म मुऽ ख	धा ऽ म ज	ग त प ति
०	३	×	२
सा	सां	सां नि	
सा सा गं गं	रें - सां सां	रें रें ध प	ध म प सां
सु मि र न	सौं ऽ ज ग	त रि ये ऽ	अ रे म न।
०	३	×	२

आसावरी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प म प	म	म	प नि नि
ध म पध मप	ग ग रे सा	रे म प प	सांसां - ध प
मे री अंऽ खीऽ	य न के सु	प न गि र	धाऽ ऽ री ऽ
२	०	३	×
प म	नि	प	म म
ध म प प	ध धनि ध प	ध म पध मप	ग - ग -
ए रि स खि	ब लिऽ ब लि	जा ऽ उंऽ छुऽ	बी ऽ ली ऽ
२	०	३	×

ग	नि सा		नि नि
रे रे सा सा	सा सा गं –	रें रें सां सां	सां रें ध प
छ बि प र	अ ति आ ऽ	नैं द सु ख	का ऽ री ऽ।
२	०	३	×

अन्तरा.

म	नि नि	ध	
म म प प	ध – ध ध	सां सां सां –	सां – सां सां
प र म उ	दा ऽ र च	तु र चिं ऽ	ता ऽ म णि
०	३	×	२
नि नि		सां	नि
ध ध ध ध	सां सां सां सां	गं – रें –	सां – ध प
द र स प	र म दु ख	हा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ री ऽ
०	३	×	२
		म	ग
पध पधनि ध प	प धम पध मप	ग ग रे रे	रे – सा सा
आऽ तुऽऽ ल सु	भा ऽऽ वऽ तऽ	नि क तु ल	सी ऽ द ल
०	३	×	२
नि	गं	सां सां नि	प
सा गं रें रें	रें – सां –	रें रें ध प	ध म मपध मप
मा ऽ न त	से ऽ वा ऽ	भा ऽ री ऽ	मे रि अंऽऽ खीऽ।
०	३	×	२

आसावरी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म	नि नि प	प	म सा
रे म प मप	ध ध प म	म प धम प	ग रे ग सा
अ ब तो ऽऽ	सै ऽ ली ग	ले ऽ ऽऽ ऽ	मै ऽ ऽ ली
३	×	२	०
सा	म प ध प	नि	म सा
सा सा रेनिसा सा	रे म प नि	ध प मपध मप	ग रे ग सा
पि या केऽऽ भ	ये ऽ हैं नि	का ऽ ऽऽऽ ऽऽ	री ऽ ऽ ऽ।
३	×	२	०

अन्तरा.

प नि	ध		नि
म प ध –	सां – – सां	सां – – सां	सां – सां सां
नैं ऽ ना ऽ	ने ऽ ऽ क	पा ऽ ऽ रा	ऽ ऽ दो ऊ
३	×	२	०
नि	सां		प
ध – सां रें	सांरें गं रें सां	रें नि ध प	म प धम प
द ऽ स्त ह	माऽ ऽ रे ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	नैं ऽ नाऽ ऽ
३	×	२	०
म सा	म प	नि	म सा
ग रे ग सा	रे म प नि	ध प मपध मप	ग रे ग सा
में ऽ ऽ ऽ	भी ऽ ख ति	हा ऽ ऽऽऽ ऽऽ	री ऽ ऽ ऽ।
३	×	२	०

आसावरी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			प
			ब
प	नि		म म
ध म प सां	ध – प ध	म म प ध	ग – ग ग
है ऽ या ऽ	ला ऽ ओ ला	ऽ ओ रे ऽ	ला ऽ ओ ला
३	×	२	०
ग		सां	नि
– रे रे –	सा – सा सा	सां सां रें रें	ध ध प प
ऽ ओ रे ऽ	आ ऽ ऽजू सु	घ र घ ड़	प ल ना, ब।
३	×	२	०

अन्तरा.

प	नि नि		
म म प प	ध ध ध ध	सां सां सां सां	– सां सां –
र त न ज	त न सों ज	टि त हिं डो	ऽ ल ना ऽ
३	×	२	०
गं गं		सां	नि
सांरेंगं रें – रें	– सां – सां	सां – रें रें	ध ध प प
भूऽऽ ला ऽ व	ऽ त ऽ ज	सो ऽ म त	ल ल ना, ब।
३	×	२	०

आसावरी–रूपक (मध्यलय).

स्थायी.

(प)ध॒	म	|	प	ध॒	|	सां	–	सां	||	(गं)रें॒	(गं)रें॒	|	सां	सां	|	(नि॒)ध॒	–	प			
हो	ऽ	|	नं	द	|	ला	ऽ	ल	||	अ	ति	|	हि	र	|	सा	ऽ	ल			
२			३			×				२			३			×					
(प)ध॒	म	|	प	नि॒	|	(नि॒)ध॒	–	प	||	(म)ग॒	–	|	(ग॒)रे॒	–	|	(ग॒)रे॒	–	सा			
नि	र	|	त	त	|	सं	ऽ	ग	||	गो	ऽ	|	पी	ऽ	|	ग्वा	ऽ	ल।			
२			३			×				२			३			×					

अन्तरा.

(प)म	प	|	(नि॒)ध॒	–	|	सां	सां	–	||	(सां)रें॒	–	|	रें॒	(रें)गं॒	|	रें॒	–	सां			
ए	क	|	मा	ऽ	|	धु	गी	ऽ	||	बा	ऽ	|	ज	त	|	बी	ऽ	न			
२			३			×				२			३			×					
(सां)गं॒	–	|	रें॒	गं॒	|	रें॒	–	सां	||	सां	–	|	सां	रें॒	|	(नि॒)ध॒	–	प			
मा	ऽ	|	धु	रि	|	बां	ऽ	सु	||	री	ऽ	|	क	ठ	|	ता	ऽ	ल।			
२			३			×				२			३			×					

आसावरी–त्रिताल (विलंबित).

स्थायी.

प

प

	म सा	म	म नि
धम पसां धप मपधमप	ग – रे मा	रे म प –	प नि ध प
हS रS वाS SSSSS	जा S S गो	जा S गो S	S S रे S
३	×	२	०
प	म सा		
धम प ,मपध मप	ग – रे मा	रे नि ध प	सा रे म प
SS S ,SSS SS	जा S S गो	S S रे S	चु र वा S
३	×	२	०
नि		सां	सां
– ध – प	धम पध सां –	सां रें रें गं	रें नि ध प
S ला S गि	SS थाS री S	S S S S	धा S त, प।
३	×	२	०

अन्तरा.

प		नि	सां
म प धम ,पध	सां – सां सां	ध सां रें गं	रें – सां –
इ त निS ,कS	ही S सा री	रै S न S	बी S ती S
३	×	२	०
सां सां	नि	सां	
गं – रें नि	म प ध सां	सां रें गं रें	नि ध प प
चे S त पा	S छ ली S	रा S S S	S S त, प।
३	×	२	०

आसावरी—त्रिताल (विलंबित).

स्थायी.

म प प		म प	ध ध
रे म प नि	ध - प -	प नि ध प	प प ध म
का ऽ रि कू	रूं ऽ मैं ऽ	ए क प ल	न मा ऽ ने
३	×	२	०
प म	म म	सा	सा
मपध मप ग -	ग ग - रे	रे सा - सा	रे रे सा -
जिऽऽ यऽ रा ऽ	पि या ऽ बि	न आ ऽ ज	अ ब मैं ऽ।
३	×	२	०

अन्तरा.

प	प	ध	
म म प -	ध म प ,पध	सां - सां -	सां सां सां सां
दि न तें ऽ	रै ऽ न ,भऽ	ई ऽ रै ऽ	न तें दि न
३	×	२	०
नि	ध	सां सां	नि
ध - ध ध	सां सां सां -	गं गं रें सां	रें सां ध प
रा ऽ ह त	क त हूँ ऽ	उ न के अ	व न की ऽ
३	×	२	०
म—सां	नि	ध पप	म सा
प गं रें सां	रें नि ध प	म प मप धध,पमप	ग - रे सा
का ऽ से क	हूं ऽ अ प	ने ऽ ऽऽ जीऽ,याऽऽ	की ऽ, अ ब।
३	×	२	०

आसावरी—एकताल (विलम्वित)

स्थायी.

											,रे
											ऽक
म		सा						म	प		
ग	—	रे	सा	रेंरेंसानि	सा	सा	निसा	रे	म	प	प
ग	ऽ	वा	ऽ	ऽऽऽऽ	ऽ	बो	ऽऽ	ल	ही	ऽ	रे
३		४		×		०		२		०	
		प						नि			
मप	प,मप	सां	,निसां	सां	सांनि	रें	सां	ध	—	प	धम
ऽऽ	सो,अऽ	ब	,ऽऽ	मो	रेऽ	ऽ	पि	या	ऽ	को	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
प	प		पप	म			सा				
म	म	प	धध,पमप	ग	—	—	रे	—	ग	सा	,रे
स	गु	ऽ	नऽ,बिऽऽ	चा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र,	ऽक
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

				प							
			मप	सां	—	निसां	सां	सां	निसां	सां	—
ऽ	ऽ	ऽ	दुध	भा	ऽ	ऽऽ	त	तो	ऽऽ	हे	ऽ
३		४		×		०		२		०	
नि		सां	सां			नि			रे		म
ध	सां,रेंसां	गं	रेंसां	रेंरेंसांनि	सांरें	ध	प	म	म	प	प
जो	ऽ,ऽऽ	लों	ऽखि	लैऽऽऽ	ऽऽ	यां	ऽ	औ	र	ऽ	डा
३		४		×		०		२		०	

नि		नि				म		सा			
ध	सां	ध	प	धधपम	प	ग	–	रे	ग	सा	,रे
ऽ	ऽ	रू॰	ऽ	गऽऽऽ	ऽ	रे	ऽ	हा	ऽ	र,	ऽक
३		४		×		०		२		०	

आसावरी—झूमरा (विलम्बित).

स्थायी.

ग				ग			नि			प	प	प	
रे	–	–	सा	रे	–	सासा	ध	–	प	धम	म	म	प
बी	ऽ	ऽ	र	बा	ऽ	मन	वा	ऽ	ऽ	ऽऽ	स	गु	ऽ
३				×			२				०		
		म					प	प			पप		
मप	धधपमप	ग	–	रे	–	सा	म	म	प	मप	धधपम	प	ग
ऽऽ	नऽविऽऽ	चा	ऽ	ऽ	ऽ	रो	क	ब	ऽ	ऽऽ	धऽ,ऽऽ	ऽ	र
३				×			२				०		
म					ग		प				म		
ग	–	रे	सा	सा	रे	म	म	प	ध	प,मप	ग	रे	सा
आ	ऽ	वे	ऽ	मो	रा	ऽ	पी	ऽ	ऽ	मं,ऽऽ	द	ऽ	र
३				×			२				०		

अन्तरा.

नि	निनि	निनि	निनि	नि									म
साध	धध	धध	धध	ध	नि	प	ध	म	प	प	पध	प,मप	ग
काऽ	गउ	ड़ाऽ	वत	मो	ऽ	रि	बैं	ऽ	यां	थ	कऽ	ग,ऽऽ	ई
३				×			२				०		

म म म म	ग ग	नि	ग
ग ग ग ग	रे रे सा	ध – सा –	रे – सा
नै ऽ न न	ढ र त	जो ऽ ऽ ऽ	नी ऽ र
३	×	२	०
प नि	ध	सां	गं गं
म प ध ध	सां सां सां	ध सांरें गं –	रें रें सां
त न की वि	था मो रि	का ऽऽ में ऽ	क हूं में
३	×	२	०
नि	नि नि	प	म
ध गं रें सां	सां ध प	धम प – पध	ग रे सा
री ऽ अ हे	ल ग त	जोऽ ऽ ऽ ऽऽ	नी ऽ र।
३	×	२	०

आसावरी–झूमरा (विलम्बित).

स्थायी.

म	नि	नि नि	म म
रे म प प	ध – ध	ध ध ध म	प प प
गा ऽ ऽ म	जै ऽ जै	म न भा ऽ	ऽ व न
३	×	२	०
नि नि	म सा	म म	नि
ध ध प ध	ग रे सा	रे म प प	ध – प
न मो ना ऽ	रा य ण	ए ऽ क न	के ऽ कि
३	×	२	०
नि ध			
ध – सां सां	रें नि ध	प म ध प	नि ध प
ये ऽ स ब	का ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ र।
३	×	२	०

प नि॒ नि॒ नि॒	ध॒	नि॒	
मप ध॒– ध॒ध॒ –ध॒	सां – –	सां रें सांरेंगं रेंसां	रें – सां
हम ग्वाऽ रनि ऽतु	म ऽ ऽ	ग्वा ऽ ऽऽऽ रगु	सां ऽ ऽ
३	×	२	०
	प म	नि॒ नि॒ नि॒	ध॒
रें नि॒ ध॒ प	म प प	ध॒ ध॒ ध॒ –	सां – –
ऽ ऽ ऽ ईं	ज न म	ज न म ऽ	के ऽ ऽ
३	×	२	०
मं	सां	सां	
सां रें गं॒ –	रें सां सां	रें नि सां रें	नि॒ ध॒ प
र ख वा ऽ	ऽ र ह	मा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ र।
३	×	२	०

आसावरी--त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा रे म

त न न

		म	
प नि॒ ध॒ प	ध॒ म प ध॒	ग॒ – रे सा	रे म प प
ना द्रे दा नि	तुं द्रे दा नि	ता ऽ ऽ रे	त दा ऽ नि
०	३	×	२
नि॒ नि॒	म म		
ध॒ – ध॒ –	ग॒ – ग॒ –	रे रे ग॒ सा	रे नि॒ सा सा
दी ऽ म्दी ऽ	म्तों ऽ म्तों ऽ	म्त दा ऽ रे	त न दे रे
०	३	×	२

	नि	सां	नि
सा रे म प	ध – ध ध	सां – – रें	ध प प प
त दि या ना	रे ऽ त न	दी ऽ ऽ म्त	दा नि त न
०	३	×	२
		म	
प ध नि ध	प म प ध	ग – रे सा	नि सा रे म
दी ऽ ऽ म्त	दा नि त न	दी ऽ म्त दा	नि, त न न।
०	३	×	२

अन्तरा.

	नि	नि	
म म म म	प प ध –	ध सां – सां	रें नि सां सां
दे रे ना दे	रे ना दी ऽ	म्त दा ऽ रे	त न दे रे
०	३	×	२
नि			
ध ध – ध	सां – रें सांसां	रें गं रें सां	रें नि ध प
त नु ऽ म्त	नो ऽ म्तो ऽअ	दे रे ना त	दा रे दा नि
०	३	×	२
प			
प गं – रें	सां – रें नि	निनि निनि सां –	पप पप सांसां सांरें
तक ङ्डा ऽ न्तक	ङ्डा ऽ न्धा ऽ	किड नग धा ऽ	तिट कत गदि गिन
०	३	×	२
मं			
गं – सांसां सांसां	सांसां सांसां रें नि	निनि निनि निनि सांसां	नि ध प म
धा ऽ तिट कत	गदि गिन धा ऽ	तिट कत गदि गिन	धा ,त न न।
०	३	×	२

आसावरी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

	सा
ऽ	ओ
२	

		म				म	प				
रे	म	रे	म	प	प	प	मां	नि॒	ध॒	प	—
दा	ता	ना	द्रे	ता	ना	त	दी	य	न	रे	ऽ
०		३		४		×		०		२	
ध॒	प			म							
प	नि॒	ध॒	ध॒	ग॒	—	मग॒	मग॒	रे	रे	सा	सा
त	दी	या	ना	रे	ऽ	त	दि	या	ना	रे	त
०		३		४		×		०		२	
		नि॒				प			नि॒		नि॒
सा	रे	ध॒̣	—	प̣	—	म̣	प̣	—	ध॒̣	—	ध॒̣
ना	द्रे	ना	ऽ	द्रीं	ऽ	ता	दी	ऽ	म्दी	ऽ	म्त
०		३		४		×		०		२	
		म		म	म	म			सा		
सा	सा	रे	म	ग॒	ग॒	ग॒	ग॒	रे	रे	सा	सा
ना	ना	ना	ना	त	दि	त	द	रे	दा	नि,	ओ।
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

प			नि॒			ध॒					
म	प	—	ध॒	—	ध॒	सां	सां	सां	सां	सां	—
ओ	दे	ऽ	ता	ऽ	ना	ता	ना	दे	रे	ना	ऽ
×		०		२		०		३		४	

नि	नि		ध			सां					
ध	ध	—	सां	—	सां	गं	गं	रें	रें	सां	सां
ता	दी	ऽ	म्दी	ऽ	म्त	त	ना	ता	ना	ना	ना
×		०		२		०		३		४	
सां								म			
रें	सां	नि	ध	प	प	ध	म	रे	म	प	प
त	द	रे	दा	नि,	ओ	दा	ता	ना	द्रे	ता	ना।
×		०		२		०		३		४	

आसावरी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि			प	म	म		ग		
ध	—	प	धम	धप	ग	—	रे	—	सा
ला	ऽ	ल	अऽ	लऽ	सा	ऽ	ने	ऽ	हो
×		२			०		३		
सा					नि		नि		
रे	ग	रे	—	सा	सा	—	ध	—	प
तु	म	रे	ऽ	न	के	ऽ	जा	ऽ	गे
×		२			०		३		
प		नि			ध			ग	
म	प	ध	—	ध	सा	—	रे	रे	सा
नै	ऽ	न	ऽ	उ	नीं	ऽ	दे	अ	ति
×		२			०		३		
सा				ध	म		ग		
नि	ध	प	धम	प	ग	ग	रे	—	सा
र	त	र	ती	ऽ	र	स	पा	ऽ	गे।
×		२			०		३		

अन्तरा.

(प)म	प	(नि॒)ध॒	(नि॒)ध॒	(नि॒)ध॒	(ध॒)सां	सां	सां	—	सां
अं	ऽ	ज	न	अ	ध	र	भा	ऽ	ल
×		२			०		३		
(सां)रें	(रें)गं	रें	(गं)रें	सां	सां	सां	(नि॒)ध॒	—	प
क	व	न	ति	य	अ	नु	रा	ऽ	गे
×		२			०		३		
(म)प ⁀	गं	गं	रें	सां	सां	सां	(नि॒)ध॒	—	प
सां	ऽ	चि	क	हो	ह	र	रं	ऽ	ग
×		२			०		३		
पध॒	नि॒	ध॒	पम	(म)ध॒प	(म)ग॒	ग॒	(ग॒)रे	—	सा
काऽ	ऽ	कें	मुऽ	खऽ	हं	स	ला	ऽ	गे।
×		२			०		३		

आसावरी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

(ध॒)प	नि॒	(नि॒)ध॒	(नि॒)ध॒	पम	(म)प	(म)ग॒	—	ग॒	(ग॒)रे	—	सा
ब	र	स	त	घऽ	न	सा	ऽ	थ	बूं	ऽ	द
०		३		४		×		०		२	
(सा)ग॒	(म)ग॒	ग॒	(ग॒)रे	—	सा	—	सा	(सा)रे	म	—	प
स	ज	ल	ज	ऽ	ल	ऽ	त	न	की	ऽ	त
०		३		४		×		०		२	

	नि		नि			सां			नि		
प	ध	—	ध	सां	—	रें	सां	रें	ध	प	धम
प	त	ऽ	ग	ई	ऽ	मी	त	ल	अं	ऽ	गऽ
०		३		४		×		०		२	
	प	नि	नि								
ध	सां	ध	ध								
च	र	स	त								
०		३									

अन्तरा.

				नि	नि	ध					
म	म	प	प	ध	ध	सां	—	सां	सां	सां	सां
नि	र	ख	नि	र	ख	ने	ऽ	अ	क	म	ल
×		०		२		०		३		४	
नि	नि	नि	ध		सां	गं	गं		नि		
ध	ध	ध	सां	सां	गं	रें	रें	सां	ध	—	प
अ	र	स	प	र	स	अ	ति	उ	मं	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
						नि					
म	म	प	प	—	प	ध	—	—	सां	सां	सां
प्र	फु	लि	त	ऽ	भ	ये	ऽ	ऽ	री	म	न
×		०		२		०		३		४	
सां		सां					प	नि	नि		म
रें	सां	रें	नि	ध	प,धम	मप	सां	ध	ध	पम	प
अ	ति	उ	मं	ऽ	ग,ऽऽ	घऽ	र	स	त	घऽ	न
×		०		२		०		३		४	

आसावरी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

म			म		प	नि					
रे	म	प	प	—	नि	ध	—	—	प	—	धम
अ	ति	प्र	ता	ऽ	प	ते	ऽ	ऽ	रो	ऽ	ऽऽ
०		३		४		×		०		२	
म	म		सा			म			म		
प	ग	—	रे	—	सा	रे	म	—	प	—	—
ज	ग	ऽ	में	ऽ	ऽ	हों	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
०		३		४		×		०		२	
नि			नि				म		सा		
ध	—	ध	ध	—	प	पध	ग	—	रे	—	सा
रा	ऽ	व	रा	ऽ	जे	आऽ	हा	ऽ	दू	ऽ	र ।
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

प			नि		नि	ध					
म	प	—	ध	—	ध	सां	सां	—	सां	—	सां
ना	ऽ	ऽ	म	ऽ	सु	न	त	ऽ	गु	ऽ	नि
×		०		२		०		३		४	
नि			ध			सां			नि		
ध	—	—	सां	—	सां	रें	—	सां	ध	—	प
आ	ऽ	ऽ	व	ऽ	त	धा	ऽ	य	धा	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	
म			सां						नि		
प	गं	रें	रें	सां	सां	रें	सां	—	ध	—	प
पा	ऽ	व	त	म	न	इ	छा	ऽ	फ	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	

			नि								
म	प	—	ध	सां	—	रें	मां	रें	नि	ध	प
ति	न	ऽ	को	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ध	म		मा								
पध	ग	—	रे	·	मा						
आऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	र						
×		०		२							

आसावरी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प		ग	ग			सा					
ध	म	रे	रे	—	रे	रे	ग	रे	सा	—	सा
नै	ऽ	न	आ	ऽ	ल	सा	ऽ	ने	भा	ऽ	रे
×		०		२		०		३		४	
नि						ध		रे			
सा	—	रे	नि	ध	ध	मा	—	ग	रे	—	सा
ऐ	ऽ	से	आ	ऽ	ज	अं	ऽ	ज	ना	ऽ	रे
×		०		२		०		३		४	
						नि				ध	
सा	—	रे	म	प	—	ध	—	प	ध	सां	—
दे	ऽ	ख	म	न	ऽ	मे	ऽ	रो	पि	या	ऽ
×		०		२		०		३		४	

						म	ग		ग		
सांरें	नि	ध	प	धम	पध	ग	रे	—	रे	सा	—
अऽ	ति	ऽ	ही	ऽऽ	अऽ	कु	ला	ऽ	त	है	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

प			नि		नि						
म	प	मप	ध	—	ध	सां	—	सां	सां	सां	—
ब	म	ऽऽ	न	ऽ	म	ली	ऽ	न	भ	ये	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि		नि				सां				नि	
ध	—	ध	सां	सां	—	गं	रें	सां	सां	ध	प
अं	ऽ	ज	न	हूँ	ऽ	नैं	ऽ	न	ध	रे	ऽ
×		०		२		०		३		४	
म			गं	गं							
प	गं	—	रें	रें	रें	सां	सां	रें	नि	ध	प
भा	ऽ	ऽ	व	र	त	न	सा	ऽ	ज	त	ये
×		०		२		०		३		४	
म		नि			प	म			ग		
प	नि	ध	ध	प	धम	ग	—	रे	रे	सा	—
अं	ऽ	ग	ग	ऽ	गऽ	आ	ऽ	ऽ	त	है	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

नि			नि			प			नि		
सा	ध	ध	ध	—	प	नि	ध	—	ध	—	प
कौ	ऽ	न	तो	ऽ	है	मि	ली	ऽ	ना	ऽ	रि
×		०				०		३		४	

ध						म		ग	ग		
प	ध	म	प	प	ध	ग	–	रे	रे	–	मा
जा	ऽ	के	सु	ख	ऽ	को	ऽ	नि	हा	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
प	ध					सा					
ध	ग	–	रे	–	रे	रे	ग	रे	सा	–	सा
ज	गे	ऽ	सा	ऽ	रि	ग	ऽ	त	प्या	ऽ	रे
×		०		२		०		३		४	
नि		नि	नि								
सा	–	ध	ध	सा	सा	रे	–	ग	रे	सा	–
ढी	ऽ	ट	न	श	र	मा	ऽ	ऽ	त	है	ऽ
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

प			नि		नि	ध					
म	प	–	ध	–	ध	सां	सां	–	सां	–	सां
स	ग	ऽ	री	ऽ	नि	म	ट	ऽ	ग	ऽ	ई
×		०		२		०		३		४	
नि		नि				गं			नि		
ध	–	ध	सां	–	सां	रें	सां	रें	ध	–	प
जा	ऽ	वो	ये	ऽ	सि	म	ट	ऽ	ग	ऽ	ई
×		०		२		०		३		४	
म			गं						नि		
प	प	गं	रें	–	सां	रें	सां	सां	ध	–	प
क	हे	ऽ	ह	ऽ	रि	ब	ल्ल	भ	ये	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

म						म			ग		
प	नि	ध	प	ध	मप	ग	–	रे	रे	सा	–
खं	ऽ	डि	ता	ऽ	कह	ला	ऽ	ऽ	त	है	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

आसावरी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	सा
	रे
ऽ	आ
०	

				नि			नि				
म	प	–	नि	ध	–	–	ध	–	प	ध	म
ऽ	यो	ऽ	रे	जी	ऽ	ऽ	त	ऽ	ही	ऽ	ग
३		४		×		०		२		०	
				नि			नि				म
–	प	–	नि	ध	–	प	ध	–	प	ध	ग
ऽ	जा	ऽ	ऽ	रा	ऽ	म	चं	ऽ	द्र	ऽ	लं
३		४		×		०		२		०	
	सा			म			सा				म
–	रे	–	सा	ग	–	–	रे	–	सा	–	रे
ऽ	का	ऽ	ऽ	न	ऽ	ऽ	ग	ऽ	र	ऽ,	आ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

प			नि			ध					
म	प	–	ध	–	ध	सां	सां	–	सां	–	सां
जि	त	ऽ	ती	ऽ	त	सु	नी	ऽ	य	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	

नि	नि		ध		सां				नि	नि	
ध	ध	—	सां	—	गं	रें	—	सां	सां	ध	प
च	हूं	ऽ	दे	ऽ	म	बा	ऽ	जे	ब	ज	त
×		०		२		०		३		४	
प			नि			प			नि		
म	प	नि	ध	—	प	रें	रें	सां	ध	—	.प
रा	ऽ	ऽ	ज	ऽ	त	अ	नं	द	भ	ऽ	यो
×		०		२		०		३		४	
प	म		सा				म				
ध	ग	—	रे	—	सा	—	रे				
घ	र	ऽ	घ	ऽ	र	ऽ,	आ				
×		०		२		०					

संचारी.

प						नि	नि		नि		
म	म	—	प	—	प	ध	ध	—	ध	प	—
ज	ब	ऽ	को	ऽ	प	कि	ये	ऽ	च	ढे	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि	नि		ध				नि		नि		
ध	ध	—	सां	—	सां	सांरें	ध	—	ध	—	प
ह	नू	ऽ	मा	ऽ	न	अऽ	ग	ऽ	वा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
प			म			म			सा		
ध	म	प	प	—	ध	ग	—	—	रे	—	सा
क	र	जो	धा	ऽ	ये	लं	ऽ	ऽ	के	ऽ	स
×		०		२		०		३		४	

						प	नि		नि		
म	–	प	प	–	–	सां	ध	–	ध	–	प
कां	ऽ	पि	यो	ऽ	ऽ	थ	र	ऽ	थ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

प			नि		नि	ध					
म	प	–	ध	–	ध	सां	–	सां	सां	–	सां
रा	ऽ	ऽ	व	ऽ	न	मा	ऽ	र	धा	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	
नि	नि		ध						नि		
ध	ध	–	सां	–	सां	रें	सां	–	ध	–	प
लि	यो	ऽ	दे	ऽ	म	दि	यो	ऽ	जी	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
म	प			सां					नि		
प	गं	–	रें	रें	सां	रें	–	सां	ध	–	प
वि	भी	ऽ	प	न	को	ला	ऽ	यो	सी	ऽ	ता
×		०		२		०		३		४	
प	म		सा				म				
ध	ग	–	रे	–	सा	–	रे				
र	घू	ऽ	व	ऽ	र	ऽ,	आ				
×		०		२		०					

आसावरी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प
म
अ

		नि		म			सा				प
प	सां	ध	पध	प	ग	—	रे	म	प	प	म
ति	ऽ	अ	लऽ	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नि	री
३		४		×		०		२		०	
	नि			प					म		प
प	ध	—	प	ध	म	—	प	—	प	पध	ग
ऽ	आ	ऽ	ली	भ़	प	ऽ	क	ऽ	च	लऽ	न
३		४		×		०		२		०	
	सा			म			म	सा			प
—	रे	ग	मा	ग	—	ग	ग	रे	सा	निसा	म
ऽ	ग	ऽ	ति	मं	ऽ	द	च	ल	न	ऽऽ,	अ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

			नि			ध					
म	प	—	ध	—	ध	सां	सां	—	सां	—	सां
मो	ह	ऽ	ना	ऽ	सों	मि	ल	ऽ	आ	ऽ	ई
×		०		२		०		३		४	
नि	नि		ध						नि		
ध	ध	—	सां	—	सां	रें	—	सां	ध	—	प
त	ब	ऽ	हीं	ऽ	म	जा	ऽ	न	पा	ऽ	ई
×		०		२		०		३		४	

प	प		सां			सां		नि			
मप	गं	—	रें	—	सां	रें	सां	ध	सां	—	सां
चऽ	तु	ऽ	रा	ऽ	ई	क	र	न	ला	ऽ	गि
×		०		२		०		३		४	
नि	नि	नि	ध				प				
सां	ध	ध	नि	ध	प	धम	म				
च	तु	र	त	र	न	ऽऽ,	अ				
×		०		२		०					

संचारी

प						नि			नि		
म	—	प	प	—	मप	ध	—	—	ध	—	प
ग्रे	ऽ	म	की	ऽ	ऽऽ	चो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रि
×		०		२		०		३		४	
						नि	नि		नि		
ध	म	—	प	—	नि	ध	ध	—	ध	प	—
क	र	ऽ	त	ऽ	री	स	ज	ऽ	ऽ	नी	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ध						म	म		सा		
प	—	ध	म	—	प	ग	ग	—	रे	—	सा
कैं	ऽ	ऽ	से	ऽ	दु	र	त	ऽ	ते	ऽ	री
×		०		२		०		३		४	
नि			प			प	नि		नि		
सा	रे	म	म	प	प	नि	ध	—	ध	—	प
सों	ऽ	ऽ	धें	ऽ	की	ह	र	ऽ	ऽ	ऽ	न।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

प			नि			ध					
म	प	—	ध	—	ध	सां	—	सां	सां	सां	—
धी	ऽ	ऽ	र	ऽ	ज	के	ऽ	प्र	भु	मों	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि	नि		ध		सां						
ध	ध	—	सां	—	गं	रें	सां	रें	नि	ध	प
रि	त	ऽ	मा	ऽ	न	आ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ई
×		०		२		०		३		४	
म			सां								
प	गं	रें	रें	सां	सां	रें	नि	ध	सां	सां	—
को	ऽ	टि	का	ऽ	म	ला	ऽ	ऽ	ऽ	जे	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि	नि	नि	ध				प				
सां	ध	ध	नि	ध	प	धम	म				
चँ	व	र	ढु	र	न	ऽऽ	अ				
×		०		२		०					

आसावरी—धमार (विलम्बित).

स्थायी.

सा		
रे	म	—
आ	ऽ	ऽ
०		

				नि			नि						
प	—	प	—	ध	—	—	ध	ध	प	—	ध	म	—
ई	ऽ	है	ऽ	खे	ऽ	ऽ	ल	न	के	ऽ	फा	ऽ	ऽ
३				×					२		०		

				म							सा	नि	
प	–	–	ध	ग	–	–	रे	–	सा	–	रे	ध	–
ग	ऽ	ऽ	ल	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सों	ऽ	ह	म	ऽ
३				×					२		०		
				ग			ग				सा		
सा	–	–	रे	रे	–	–	रे	–	सा	–	रे	म	–
सों	ऽ	ऽ	छि	पा	ऽ	ऽ	व	ऽ	त	ऽ	क	हा	ऽ
३				×					२		०		
				म			ग				सा		
प	–	ध	ध	ग	–	–	रे	–	सा	–	रे	म	–
ऽ	ऽ	जि	य	ठा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नी	ऽ	श्रा	ऽ	ऽ।
३				×					२		०		

अन्तरा.

प		नि					ध						
म	प	–	ध	–	–	ध	सां	–	सां	सां	–	सां	–
हों	ऽ	ऽ	तो	ऽ	ऽ	ति	हा	ऽ	रि	प्या	ऽ	री	ऽ
×					२		०			३			
सां										नि			
रें	रें	गं	रें	रें	मां	–	–	रें	सां	ध	–	प	–
स	खी	ऽ	हि	त	जा	ऽ	ऽ	न	त	है	ऽ	ऽ	ऽ
×					२		०			३			
म										नि			
प	गं	–	रें	–	–	रें	गं	रें	मां	ध	–	प	ध
ते	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	न	न	द	ऽ	जे	ऽ	ऽ	ऽ
×					२		०			३			
म							सा						
ग	–	–	रे	–	सा	–	रे	म	–				
ठा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नी	ऽ	श्रा	ऽ	ऽ				
×					२		०						

आसावरी–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

सा							नि			नि			
रे	म	–	प	–	–	–	ध	–	–	ध	–	प	–
आ	ऽ	ऽ	यो	ऽ	ऽ	ऽ	फा	ऽ	ऽ	गु	ऽ	न	ऽ
०			३				×					२	
							म						
ध	म	–	प	–	–	ध	ग	–	–	रे	–	सा	–
मा	ऽ	ऽ	स	ऽ	ऽ	स	खी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ
०			३				×					२	
सा							प	म					
रे	नि	ध	सा	सा	रे	सा	ध	ग	–	रे	–	सा	–
ले	ऽ	ऽ	च	ल	उ	न	ही	पा	ऽ	ऽ	ऽ	स	ऽ।
०			३				×					२	

अन्तरा.

			नि		नि								
प	–	–	ध	–	ध	ध	सां	सां	–	सां	–	सां	सां
चैं	ऽ	ऽ	ठा	ऽ	कु	र	अ	ज	ऽ	हूँ	ऽ	न	हिं
×					२		०			३			
										नि			
रें	–	गं	रें	–	सां	–	रें	सां	–	ध	–	ध	नि
आ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	टू	ऽ	ट	न	ऽ	ला	ऽ	गी	ऽ
×					२		०			३			
			ग										
ध	म	ग	रे	–	सा	–	रे	म	–				
आ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	स	ऽ	आ	ऽ	ऽ				
×					२		०						

राग भैरवी.

आभांत्यस्यां रिगमधनयः कोमला मोऽत्रवादी ।
सः संवादी क्वचिदपि धगौ वादिसंवादिनौ च ॥
प्रातर्गेया सुरुचिरतरा स्वैरिणी सर्वगम्या ।
संपूर्णा सा जनयति सुखं भैरवी रागिणीयम् ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

यत्र मध्यः स्वरो वादी संवादी षड्ज ईरितः ।
स्वैरिणी गीयते प्रातर्भैरवी सर्वकोमला ॥

चन्द्रिकायाम् ।

सब कोमल सुर भैरवी संपूरन सुर होइ ।
मम वादी सम्वादि है सब जो चाहै कोइ ॥

चन्द्रिकासार ।

निसौ गमौ पधौ निश्च सनिधपा मगौ रिसौ ।
संपूर्णा भैरवी प्रोक्ता धैवतांशा प्रभातगा ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

"भैरवी"—यह राग भैरवी थाट से उत्पन्न होता है । इसमें मध्यम शुद्ध (कोमल) तथा शेष स्वर भी कोमल लगते हैं, यह राग सम्पूर्ण है। वादी स्वर मध्यम और सम्वादी षडज है। कोई-कोई गुणीजन धैवत वादी व गान्धार सम्वादी मानते हैं। इन दोनों मतों के गीत प्रचार में दिखाई पड़ते हैं। इस राग के गाने का समय प्रातःकाल माना जाता है, कोई-कोई इसे सर्वकालिक (प्रत्येक समय का) मानते हैं। प्रायः इसके आरोह में अनेक बार तीव्र रिषभ का प्रयोग किया हुआ दिखाई पड़ता है किन्तु यह इस राग का नियमित स्वर नहीं है, यह ध्यान अवश्य रखना चाहिये। प्राचीन ग्रन्थों में भैरवी में तीव्र रिषभ लेने का उल्लेख मिलता है, जिसका प्रचार दक्षिण में आज भी है। यह राग अति लोकप्रिय है और बहुत से गायकों को आता है। इस राग में ख्याल बहुत कम गाये जाते हैं; ग़ज़ल, ठुमरी, टप्पा आदि गीत ही अधिकतर दिखाई देते हैं। इस राग की विशेषता और सुन्दरता सा, ग, प, ध इन स्वरों पर निर्भर है । मध्यम को प्रधानता (वादित्व) देने वाले गायक, मध्यम का ठीक-ठिकाने अधिक प्रयोग करके गन्धार का महत्व घटा देते हैं।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सा, रे ग म, प ध, नि सां। सां, नि ध प, मग, रे सा।

पकड़ः—

म, ग, सा रे सा, ध नि सा।

भैरवी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग ग रे सा	नि सा ध ऽ	नि ध ऽ ग	म ध म प
०	३	×	२
ग म ग रे	सा नि ध ऽ	म ध नि ग	ऽ म ध ऽ
०	३	×	२
नि सां ऽ रें	सां नि ध म	प नि ध प	म ग रे सा।
०	३	×	२

अन्तरा.

नि नि ध नि	ध प म ग	म ध नि सां	ध नि सां ऽ
०	३	×	२
गं मं गं रें	सां नि ध नि	गं ऽ सां ऽ	रें नि सां ऽ
०	३	×	२
ध ऽ नि म	ऽ ध ग ऽ	म नि ध प	म ग रे सा।
०	३	×	२

भैरवी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

रे	
म	–
भै	ऽ

म	नि		
रे ग – रे	सा – ध नि	सा रे सा –	– – – –
र वी ऽ क	ही ऽ म न	मा ऽ नी ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

ध़			
नि़ – नि़ नि़	नि़ नि़ ध़ नि़	सा सा रे नि़	सा – सा सा
को ऽ म ल	स ब सु र	क र गु नि	गा ऽ व त
०	३	×	२
सा		नि	म
सा सा ध ध	प प पध नि	ध – प म	ग – म –
प्र थ म प	ह र कीऽ ऽ	रा ऽ नी ऽ	हो ऽ, मैं ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

नि			
ध – ध ध	ध म ध नि	सां सां सां सां	सां – सां –
म ऽ ध्य म	वा ऽ दी ऽ	सु र म म	वा ऽ दी ऽ
०	३	×	२
सां			नि नि
नि – नि –	सां सां सां –	गंगं रेंसां रें –	सां – ध प
भ ऽ क्ती ऽ	र म की ऽ	खाऽ ऽऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ नी ऽ
०	३	×	२
			नि
सा सा ध ध	प – प प	ध प ध नि	ध पम रे ग
स ब को इ	गा ऽ व त	स ब को रि	झा ऽऽ व त
०	३	×	२
रे प		म	
ग – ध ध	प – ध सांनि	ध मप ग –	प – ध पम
भै ऽ र वि	शा ऽ स्त्र प्रऽ	मा ऽऽ नी ऽ	हो ऽ, मैं ऽऽ।
०	३	×	२

भैरवी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि		रे	
ध - नि	सा - रे सा	ग रे ग म	रे ग रे सा
ऽ जा ऽ य	तू ऽ म न	गु रु च र	न श र न
३	×	२	०
	म	रे	ग
सा ध प ध	- पम रे ग	सा - रे म	रे ग रे सा
ए ऽ क भा	ऽ वऽ ध र	अं ऽ त र	मों ऽ घ न।
३	×	२	०

अन्तरा.

नि		सां	सां नि नि
ध म ध नि	सां रें सां सां	नि - सां सां	रें सां ध प
जो इ जा ऽ	व त ज न	स ऽ द्गु रु	के श र न
३	×	२	०
		म	ग
प - प	ध पम म प	रे ग सारे म	रे ग रे सा
ऽ वा ऽ को	ह रऽ त च	तु र भऽ व	बं ऽ ध न।
३	×	२	०

भैरवी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा			
नि सा ग म	(ध) - ध प	- ध प प	म प म ध
कैं सी ये भ	ला ऽ ई रे	ऽ क न्हा इ	प नि यां भ
३	×	-	

म	म	म	रे
प म ग रे	ग प ध नि	ध प ग म	ग रे सा सा
र त मो रि	ग ग रि गि	रा इ क र	के ल ग इ ।
३	×	२	०

अन्तरा.

			रें गं
ध म ध नि	सां – सां नि	सांरें गं रें गं	सां रें सां सां
म न द क	हे ऽ ऐ सो	डीऽ ऽ ट भ	यो क न्हा इ
०	३	×	२
प	प म		म
ध – ध ध	प ग ग रे	ग प ध नि	ध प ग म
का ऽ क रुं	मा इ न हिं	मा न त क	न्हा इ क र
०	३	×	२
रे			
ग रे सा सा			
त ल गा इ			
०			

भैरवी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि
सा नि
अ त

	ग	म	
सा रे ग म	रे (ग) – सा	रे ग – रे	सा – – रे
सां डे ना ले	ग लां ऽ क	र के ऽ च	ला ऽ ऽ आ
२	०	३	×

निॖ			
मा धॖ – निॖ	सा – सा रे	(ग) सा ग रे	सा – सा रे
ऽ मो ऽ द	दे ऽ ले बे	चे र ऽ दि	या ऽ सु न
२	०	३	×
		रे	
निॖ मा – रे	ग म – ग	म ग – रे	सा – सा निॖ
मि या ऽ मि	यां बे ऽ क	र के ऽ च	ला ऽ, अ त।
२	०	३	×

अन्तरा.

			ध ध
			इ श्क
नि		गं	नि म
म ध – म	ध नि सां नि	सां – सां रें	सां ध प ग
दि सा ऽ र	न हिं जा ने	दे ऽ मि यां	इ ना ऽ य
×	२	०	३
		म	म
म – नि –	प ध म प	रे ग – सा	रे ग – रें
त ऽ जा ऽ	प्या रे ते रे	भ ला ऽ क	र के ऽ च
×	२	०	३
सा – सा निॖ			
ला ऽ, अ त			
×			

भैरवी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

																प
																तो
				म				म								
ध	प	-	ध	प	-	-	म	ग	-	प	म	ध	-	प	म	
गी	व	ऽ	न	वा	ऽ	ऽ	ऽ	गी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	
३				×				२				०				
	रे									म						
	ग	-	रे	सा	-	-	-	सा	रे	ग	-	रे	सा	-	प	
ऽ	ढो	ऽ	ला	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ,	तो	
३				×				२				०				

अन्तरा.

																प
																ध
																इ
										गं					सां	
म	ध	-	नि	सां	-	-	-	-	-	रें	-	सां	-	-	नि	
इक	दी	ऽ	सां	डे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल	
३				×				२				०				
				गं								नि		म		
नि	सां	-	सां	रें	-	-	-	सां	-	रेंनि	सां	ध	-	प	सा	
गी	त	ऽ	न	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हींऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	घा	
३				×				२				०				

	नि म	म	
ध प — प	ध — प —	ग — — म	प — — म
ऽ य ऽ क	ले ऽ जे ऽ	का ऽ ऽ रि	रे ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०
रे			
ग — रे	सा — — —		
ऽ ढो ऽ ला	या ऽ ऽ ऽ		
३	×		

भैरवी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा
रे म
ए जि

म म सा			
रे ग — रे	रे सा रे नि	सा — सा —	— — पध मप
मे रे ऽ भो	रे आ ऽ ये	सैं ऽ यां ऽ	ऽ ऽ एऽ जिऽ
०	३	×	२
म म ग			
रे ग — रे	रे सा रे नि	सा — सा —	— — — नि
मे रे ऽ भो	रे आ ऽ ये	सैं ऽ यां ऽ	ऽ ऽ ऽ मैं
०	३	×	२
सा			
नि — नि नि	नि नि ध प	ध — प —	म — — —
दौ ऽ रि झ	प ट प र	हूँ ऽ पैं ऽ	यां ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

सा	नि़		
नि़ – नि़ नि़	नि़ – ध़ नि़	सा – सा –	– – सा म
डा ऽ रि फि	रू ऽ ग र	बैं ऽ यां ऽ	ऽ ऽ, ए जि
०	३	×	२

अन्तरा.

प			
ध – म ध	– ध नि नि	सां – सां सां	सां – सां –
अं ऽ ध का	ऽ र जि न	ठा ऽ ड़ो गु	सैं ऽ यां ऽ
०	३	×	२
सां			नि
नि नि नि नि	सां – सां सां	गंगं रेंसां रें सां	ध – प –
ग ह प क	रो ऽ मो रि	धैंऽ ऽऽ ऽ ऽ	यां ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
			नि
सा सा ध ध	प – प –	प – ध सांनि	ध प (ग) –
मु रा ऽ द	ली ऽ की ऽ	ला ऽ ज तुऽ	म्हीं ऽ को ऽ
०	३	×	२
म		प	म
ग – प –	प प ध प	म – म –	प म
रा ऽ खो ऽ	सं ग इ क	टैं ऽ यां ऽ	ऽ ऽ, ए जि।
०	३	×	२
म म			
रे ग – रे	रे सा रे नि़		
मे रे ऽ भो	रे आ ऽ ये		
०	३		

भैरवी–त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी.

						प		ग							
	सा	–	रे	ग	–	म	–	रे	–	–	सा	–	–	–	रे
ऽ	रा	ऽ	व	रे	ऽ	ऽ	ऽ	का	ऽ	ऽ	न्हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
०				३				×				२			
			सा		नि										
नि	सा	–	रे	सा	ध	–	नि	सा	–	–	नि	सारे	गम	–	रे
ऽ	ऽ	ऽ	म	न	मे	ऽ	रो	ली	ऽ	ऽ	नो	रेऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ
०				३				×				२			
ग	सा	–	रे												
ऽ	रा	ऽ	व												
०															

अन्तरा.

प		म		नि								सां			नि
ध	प	ग	म	ध	–	नि	नि	सां	–	नि	–	गं	गं	गं	ध
अ	चा	न	क	जा	ऽ	नि	क	सी	ऽ	हों	ऽ	सु	झ	क	झि
३				×				२				०			
							म			ग		ग			
ध	ध	–	ध	पध	निध	प	ग	–	म	रे	–	ग	सा	–	रे
झ	क	ऽ	उ	ठीऽ	ऽऽ	अ	जा	ऽ	न	जा	ऽ	न,	रा	ऽ	व।
३				×				२				०			

भैरवी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

मा	नि	म ग	ग
नि सा ग म	ध – प –	ग – प म	रे – सा –
अ ब तो रि	बां ऽ की ऽ	लो ऽ अ नि	या ऽ रे ऽ
३	×	२	०
मा	नि		प ध
नि सा ग म	ध – प –	ध ध प प	ध नि ध प
अ ब तो रि	बां ऽ की ऽ	चि त व न	मे गो म न
३	×	२	०
म	नि म		
म प ग म	ध – प ग	– ग प म	ग रे सा रे
ब म की नो	प्या ऽ रि प्या	ऽ रि ब ति	यां क र के।
३	×	२	०

अन्तरा.

प		सां	नि
ध म ध नि	सां – रें सां	नि नि सां मां	रें निसां ध प
स न द क	हे ऽ मो रा	जी रा न हिं	मा ऽऽ ने ऽ
३	×	२	०
प———गं	नि	म ग	
गं – – रें	सां ध – प	ग ग प म	ग रे सा रे
डा ऽ ऽ र्दी	नो मो ऽ पैं	जा दु सा क	छु क र के।
३	×	२	०

भैरवी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा,सारे
स,खीऽ

रे			सा
म — पध प	म — रें रें	सा रे सा —	रे नि — सा,सारें
आ ऽ जऽ अ	मा ऽ द भ	ई ऽ ला ऽ	ऽ ऽ ऽ स,खीऽ
०	३	×	२
रे	ग		
म — — पधपम	म — — रेरे	सा रेनि सा —	— — सा सा
आ ऽ ऽ जऽअऽ	मा ऽ ऽ दभ	ई ऽऽ ला ऽ	ऽ ऽ स खी
०	३	×	२
नि		म ग	
सा ध प प	प ध,निध प म	प गम रे सा	रें नि — सारें
सा ऽ ज न	आ ऽ,ऽऽ प त	जी ऽऽ ला ऽ	ऽ ऽ ऽ सखी।
०	३	×	२

अन्तरा.

सा			म
ग — ग ग	ग ग — गग	म म म म	पग म म —
चा ऽ टु ब	च न ऽ कछु	श्र व न न	कीऽ ऽ ने ऽ
०	३	×	२
सा	ग	रे	
ग — ग ग	म — म म	गग मप धनि धप	मग रेसा रेनि सा—
अ ऽ पिं त	हा ऽ र त	जीऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ लाऽ
०	३	×	२

नि			
सा – ध ध	प – प प	प – ध ध	पम प म –
बो ऽ ध म	खी ऽ ज न	के ऽ अ ब	माऽ ऽ ने ऽ
०	३	×	२
नि सा		ग ग	
सा – ध –	पध निध प म	प म रे सा	रे नि – सा,सारे
प ऽ च्छा ऽ	ताऽ ऽऽ प भ	ई ऽ ला ऽ	ऽ ऽ ऽ स,खीऽ।
०	३	×	२

अन्तरा. २ ग.

प	नि		ग
ध ध ध ध	ध म – धनि	सां सां – सां	रें रें सां सां
च र न न	ते ऽ ऽ गिर	प र्‍यो ऽ च	तु र म खि
०	३	×	२
सां		रें	नि
नि नि सां सां	सां – – रेंगं	गंगं रेंसां निसां –	ध – प –
त ब हुँ न	हा ऽ ऽ थग	हीऽ ऽऽ ऽऽ ऽ	ला ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
नि सा		प नि	
सा सा ध –	प प प –	ध ध सां ध	– पम म –
क ल हा ऽ	न्त ता ऽ	क ह त ना	ऽ यिऽ का ऽ
०	३	×	२
नि सा		ग	
सा सा ध –	पध निध प मप	म – रे सा	रे नि – सा,सारे
जि या में ऽ	दाऽ ऽऽ ग ऽर	ही ऽ ला ऽ	ऽ ऽ ऽ स,खीऽ।
०	३	×	२

भैरवी—पंजाबी त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

सां	नि म सा	म ग	
प -ध नि	ध पम ग रे	सारे ग सा रे	मा - - मा
ऽ बा ऽबु ल	मो ऽऽ रा नै	यर छू टो ऽ	जा ऽ ऽ य
२	०	३	×
	म सा		
प -ध नि	ध पम ग रे	मा मारे ग मारे	मा - - मा
ऽ बा ऽबु ल	मो ऽऽ रा नै	य रऽ छू ऽटो	जा ऽ ऽ य।
२	०	३	×

अन्तरा.

ध म धनि	सां रें सां सां	निनि सां सां	गंगंरेंसां रें.निसां(ध) प
ऽ चा ऽ रक	हा र मि ल	ऽ हुलि यां ऽम	गाऽऽऽ ऽ,ऽऽ वो ऽ
२	०	३	×
मा		ध प	नि म म
सा मा ध -ध	प - प -	प - ध सां	ध प ग -
अ प ना ऽवि	गा ऽ ना ऽ	छू ऽ टो ऽ	जा ऽ ये ऽ।
२	०	३	×
	म सा		
प -ध नि	ध पम ग रे	मा मारे ग मारे	मा - - मा
ऽ बा ऽबु ल	मो ऽऽ रा नै	य रऽ छू टोऽ	जा ऽ ऽ य।
२	०	३	×

भैरवी—त्रिताल पंजाबी (विलंबित).

स्थायी.

सा
बि

नि̣ सा ध̲ प ,–प	प म ध̲ ध̲प (ग̲) प ध̲,पम	रे̲ ग̲ ग̲ रे̲ –सा रे̲नि̣	सा – – –सा
ना ऽ रे ,ऽखि २	वैंऽ या नैं या,ऽऽ ०	कें मे ऽला ऽगे ३	पा ऽ ऽ ऽबि ×
नि̣ सा ध̲ प ध̲सां	नि̲म ध̲ ध̲प(ग̲) प मपध̲नि̲ध̲पम	रे̲ ग̲ ग̲ रे̲ –सा रे̲नि̣	सा – – –सा
ना ऽ रे ऽखि २	वैंऽ या नै याऽऽऽऽऽऽऽऽ ०	कें मे ऽला ऽगे ३	पा ऽ ऽ ऽबि । ×

अन्तरा.

सा सा सा सारे̲	ग̲ ग̲ म –	रे̲ ग̲ ग̲ – म म	ग̲ ध̲ध̲ममम ग̲म रे̲ सा
न दि या ऽऽ ×	ग ह री ऽ २	ना ऽ व पु ०	राऽऽऽ ऽऽ नी ऽ ३
नि̣ सा सा ध̲ –ध̲	प ध̲ प प ध̲ सां	नि̲ ध̲ ध̲,पम (ग̲) प ध̲,पम	रे̲ ग̲ रे̲ सारे̲ नि̣
मौं ला ऽ ऽल ×	गा वे बे ड़ा २	पा,ऽऽ र नै या,ऽऽ ०	कें मे लाऽ गे ३
सा – – –सा			
पा ऽ ऽ ऽबि ×			

भैरवी–पंजाबी (विलम्बित).

स्थायी.

रे	म ग		रे सा
सा सारे पम	गम रे सारे ,सानि	सा – – ,प	पप ध,पम ग रेनि
ऽ ना ऽऽ हिंप	रऽ त ऽऽ ,मैंका	चैं ऽ ऽ .न्यां	वरि या,ऽऽ ऽ ऽऽ।
०	३	×	२
रे			
,सा – सारे पम			
ऽना ऽ ऽऽ हिंप			
०			

अन्तरा.

		म	
सा सा सा –रे	ग – म –	ग – म –म	गगमप धनिधप मगरेसा रेनिसा
द र स ऽपि	या ऽ को ऽ	बे ऽ गि ऽदि	खाऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽऽवो
०	३	×	२
नि	प	नि म म	
सां ध प प	प – –धसां	ध प ग ,प	पप पधनिसां निधपम गरेसा–
मा ऽ न त	ना ऽऽ दिन	रै ऽ न ऽसां	वरि याऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ।
०	३	×	२
रे			
सा – सारे पम			
ना ऽ ऽऽ हिंप			
०			

भैरवी--त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध
त

म	प	ग	म	प	ध	नि	प	–	ध	प	म	प	–	–	ध
न	न	दिर	दिर	ता	ऽ	ऽ	नों	ऽ	म्त	दे	ऽ	नों	ऽ	ऽ	त
३				×				२				०			
														म	
म	प	ग	म	प	ध	निध	प	–	ध	प	म	प	–	ग	म
न	न	दिर	दिर	ता	ऽ	ऽऽ	नों	ऽ	म्त	दे	ऽ	नों	ऽ	त	न
३				×				२				०			
					म				म						
प	ध	नि	प	–	ग	–	म	प	ग	–	म	ग	रे	सा	सा
दे	रे	ना	दि	ऽ	म्दी	ऽ	म्त	त	दी	ऽ	म्त	न	दे	रे	ना
३				×				२				०			
सा					म				नि						
नि	सा	ग	म	प	ग	–	प	–	ध	–	नि	सां	सां	–	नि
ता	ना	दे	रे	ना	दे	ऽ	नों	ऽ	दी	ऽ	म्त	त	दी	ऽ	म्त
३				×				२				०			
									म				म		
सां	रें	गं	मं	प	–	ध	प	–	ग	–	म	प	ग	–	म
न	दे	रे	ना	दी	ऽ	म्त	दी	ऽ	तो	ऽ	म्त	त	दा	ऽ	रे
३				×				२				०			
ग	रे	सा	सा	प	ध	निध	प	–	ध	प	म	प	–	–	ध
त	द्रे	दा	नि	ता	ऽ	ऽऽ	नों	ऽ	म्त	दे	ऽ	नों	ऽ	ऽ	त।
३				×				२				०			

अन्तरा.

ग म म (नि)ध	– नि सां सां	सां सां – सां	सां रें गं मं
ना दिर दिर दा	ऽ नि तु दिर	दिर दा ऽ नि	ता ना दे रे
३	×	२	०
सां रें गं मं	पं मं – धं	पं – गं –	मं – गं रें
ता ना दे रे	ना दी ऽ म्त	दी ऽ म्ता ऽ	नो ऽ म्त न
३	×	२	०
सां नि सां प	– ध – प	– (म)ग – म	प (म)ग – म
दे रे ना दी	ऽ म्ता ऽ दी	ऽ म्तो ऽ म्त	त दा ऽ रे
३	×	२	०
ग रे सा सा	प ध निध प	– ध प म	प – – ध
ता द्रे दा नि	ता ऽ ऽऽ नो	ऽ म्त दे ऽ	नो ऽ ऽ त।
३	×	२	०

भैरवी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

रे
त

नि सा ग म	(ध)प नि ध प	(म)ग ग म (ग)रे	– सा – सा
दा नि दा नि	तो ऽ म्त न	न न दे रे	ऽ ना ऽ त
३	×	२	०

सा	नि	प	
नि नि सारे ग	सारे गरे सा ध	प - प सां	नि सां ध नि
न न नऽ ऽ	देऽ ऽऽ रे ना	ऽ ऽ ओ दा	नि दा नि त
३	×	२	०

म	ध	म ग	
ध प ग म	प नि ध प	ग ग म रे	- सा - रे
दा नि दा नि	तो ऽ म्त न	न न दे रे	ऽ ना ऽ, त।
३	×	२	०

अन्तरा.

प			
ध ध ध ध	ध म ध नि	सां सां सां सां	रें नि सां सां
ओ द त न	ओ द त न	नि त त न	नि त त न
×	२	०	३

	रें	सां नि	
सां गं - रें	- गं रें सां	नि सां - ध	- नि ध प
त दी ऽ म्दी	ऽ म्त न न	त दी ऽ म्दी	ऽ म्त न न
×	२	०	३

म		म ग	
ग प - प	ध नि ध प	ग ग म रे	- सा सा सा
त दी ऽ म्दी	ऽ म्त न न	त न दे रे	ऽ ना त न
×	२	०	३

नि निनि सासा सासा	ग गग मम मम	धध धध निनि निनि	सांसां सांसां सांसां सांसां
ना दिर दिर दिर	तु दिर दिर दिर	दिर दिर दिर दिर	दिर दिर दिर दिर
×	२	०	३

			म
सांसां गंगं रेंरें सांसां	निनि रेंरें सांसां निनि	धध निनि धध पप	गग गग रे सा
दिर दिर दिर दिर	दिर दिर दिर दिर	दिर दिर दिर दिर	दिर दिर दा नि
×	२	०	३
नि निनि सा सा	गग गग म –	ध –ध नि –	सांसां सां मं मं
धीं तृक धी ना	नक तिक धा ऽ	कडा ऽन धा ऽ	किड धा ऽन्धा
×	२	०	३
नि	म	ग	
गं रें सां ध	– ग –ग म	रे – सा रे	
क त्तीं ना कडा	ऽ न्ता ऽड ता	धा ऽ ऽ, त	
×	२	०	

भैरवी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

		म	
ध प ध	म प ग म	नि ध – ग	– ग म प
ऽ त न न	त न ना दिर	त नो ऽ म्द्री	ऽ म्त न न
०	३	×	२
			नि
रे – सा रे	सा नि ध नि	सा ग – म	ध – नि सां
दी ऽ म्त न	दे रे त न	दिर तो ऽ म्त	दी ऽ म्त दि
०	३	×	२
गं गं रें सां	नि ध प म	ग म नि ध	प म ग रे
या ना रे त	दा नि ना द्रे	तुं द्रे त न	न ता रे दा
०	३	×	२
सा ध प ध			
नि, त न न			
०			

अन्तरा.

म	नि		मं
सा ग - म	ध -ध म ध	नि सां - रें	सां नि ध नि
त नो ऽ म्त	नो ऽम ओ दा	ना दी ऽ म्नि	त न न न
×	२	०	३
सां - गं गं	रें सां नि सां	गं मं पं गं	- मं गं रें
दी ऽ म्त न	दे रे त दि	या ना रे दी	ऽ म्त न न
×	२	०	३
सां नि ध -	नि (रें) - नि	(ध) - नि ध	नि ध प म
त न दी ऽ	म्त दी ऽ म्त	दी ऽ म्त न	दे रे ना त
×	२	०	३
ग म नि ध	प म ग रे	मा ध प ध	
दा नि त न	न ता रे दा	नी, त न न	
×	२	०	

भैरवी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

पप धध
दिर दिर

	म		नि
नि ध नि ध	प ग - रे	सा - ग -	म - ध -
त न न त	न दी ऽ म्त	ना ऽ दी ऽ	म्तो ऽ म्ता ऽ
०	३	×	२

	म	म	
नि ध नि सां	— ग — म	ग म ध —	म — ध —ध
न्न दे रे ना	ऽ ता ऽ न्न	दे रे ना ऽ	दी ऽ म्तो ऽम
०	३	×	२
			म
म धध मम ध	— नि सां —	नि ध ध प	ग म पप धध
ना दिर दिर दा	ऽ नि ता ऽ	रे त द रे	दा नि, दिर दिर ।
०	३	×	२

अन्तरा.

		म	
निनि निनि ध पप	धध ध मम पप	ग म ध —	— सां — गं
दिर दिर ना दिर	दिर तुं दिर दिर	त न दी ऽ	ऽ म्ता ऽ रे
×	२	०	३
गं		नि	म
रें — सां —	नि नि सां सां	ध ध नि ध	— प ग —ग
दा ऽ न्नी ऽ	न न तुं द्रे	त द रे दा	ऽ न्नि दी ऽम
×	२	०	३
	म	नि	
म म ग रे	सा — ग म	— म ध —	नि — सां —
त न द रे	ना ऽ त द्रे	ऽ न्ना दी ऽ	म्तो ऽ म्ता ऽ
×	२	०	३
	म		
नि ध ध प	ग म पप धध		
रे त द रे	दा नि, दिर दिर		
×	२		

भैरवी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

							सा	–	सा
							शा	ऽ	र
							३		
सा									
ध॒	–	–	–	–	प	–	प	–	ध॒
दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वि	ऽ	द्या	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
म		म					सा		
प	–	ग॒	–	रे॒	सा	–	नि॒	–	–
दा	ऽ	नि	ऽ	द	या	ऽ	नी	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
					म		ग॒		
प	ध॒	प	म	प	रे॒	ग॒	सा	रे॒	सा
ज	ग	ज	न	नि	दु	ख	ह	र	नि
×		२			०		३		
ग॒					ग॒				
रे॒	–	रे॒	–	म	रे॒	–	सा	–	सा
ज्वा	ऽ	ला	ऽ	मु	खी	ऽ	मा	ऽ	त
×		२			०		३		
सा				म			ध॒		
नि॒	सा	ग॒	म	नि॒	ध॒	–	सा	–	सा
स	ऽ	र	ऽ	स्व	ती	ऽ	शा	ऽ	र।
×		२			०		३		

अन्तरा.

प									
ध	म	ध	–	नि	सां	–	सां	–	सां
की	ऽ	जे	ऽ	कृ	पा	ऽ	द्र	ऽ	ष्टि
×		२			०		३		
सां					सां	नि	नि		
नि	नि	नि	सां	सां	रें	सां	ध	–	प
से	व	क	प	र	अ	प	ने	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
प				ध	नि				
ध	–	ध	–	सां	ध	–	प	–	प
ना	ऽ	रा	ऽ	य	नी	ऽ	से	ऽ	त
×		२			०		३		
प		गं			नि				
गं	गं	रें	–	सां	ध	–	प	–	प
क	म	ला	ऽ	स	नी	ऽ	से	ऽ	त
×		२			०		३		
सा		म			नि				
नि़	सा	ग	ग	म	ध	नि	सां	सां	सां
से	त	अ	खि	नि	से	त	अ	शि	नि
×		२			०		३		
ग					ग				
रे	रे	रे	–	म	रे	–	सा	–	सा
ह	र	पा	ऽ	र्वे	ती	ऽ	शा	ऽ	र।
×		२			०		३		

भैरवी–झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

									ध
									भ
ध				सां			नि		
सां	–	सां	–	रें	सां	–	ध	प	प
वा	ऽ	नी	ऽ	द्	या	ऽ	नी	ऽ	म
×		२			०		३		
							म		
नि	–	ध	–	प	प	–	ग	–	म
हा	ऽ	बा	ऽ	क	बा	ऽ	नी	ऽ	सु
×		२			०		३		
	प				म				
प	नि	ध	प	प	ग	ग	रे	–	सा
र	न	र	मु	नि	ज	न	मा	ऽ	नि
×		२			०		३		
सा							नि		
गं	गं	गं	रें	रें	सां	–	ध	–	नि
स	क	ल	बु	ध	ग्या	ऽ	नी	ऽ,	भ।
×		२			०		३		

अन्तरा.

प									
ध	म	ध	ध	नि	सां	सां	सां	–	सां
ज	ग	ज	न	नि	ज	ग	जा	ऽ	नि
×		२			०		३		

सां रें	रें	रें	—	रें	गं	रें	रें	सां	सां
म	हि	षा	ऽ	सु	र	म	र	द	नि
×		२			०		३		
सां गं	—	रें गं	—	मं	गं रें	—	सां	—	सां
ज्वा	ऽ	ला	ऽ	मु	खी	ऽ	चं	ऽ	डि
×		२			०		३		
प	ध	नि	सां	रें	सां	—	नि ध	-	नि
अ	म	र	प	द	दा	ऽ	नी	ऽ,	म।
×		२			०		३		

भैरवी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि सा	सा	सा ध	प	ध	प	म	प	रे	म ग
ध	न	ध	री	ऽ	ध	न	सु	दि	न
×		२			०		३		
ग सा	सा	रे	रे	म	ग रे	ग	रे	—	सा
ध	न	ध	न	सु	हू	ऽ	र	ऽ	त
×		२			०		३		
सारे	नि सां	नि ध	ध	नि	सा	—	—	रे	सा
धऽ	न	ध	न	स	खी	ऽ	ऽ	ध	न
×		२			०		३		

सा					म		ग		
ध	–	प	म	प	ग	–	रे	–	सा
आ	ऽ	ज	की	ऽ	बे	ऽ	ऽ	ऽ	लि ।
×		२			०		३		

अन्तरा.

प									
ध	म	ध	ध	नि	सां	–	–	रें	सां
ध	न	ध	न	विं	द्रा	ऽ	ऽ	व	न
×		२			०		३		
सां		सां			गं				
रें	रें	रें	–	मं	रें	रें	सां	–	सां
ध	न	बं	ऽ	सि	ब	ट	ध	ऽ	न
×		२			०		३		
प									
ध	ध	प	प	ध	प	म	प	ग	म
ध	न	स	रि	त	सि	रि	ज	मु	ना
×		२			०		३		
			म		ग		ग		
प	नि	धप	ग	म	रे	–	रे	–	सा
का	ऽ	न्हऽ	क	र	त	ऽ	के	ऽ	लि ।
×		२			०		३		

भैरवी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा			रे			ग					
म	–	–	ग	–	म	रे	ग	रे	सा	–	सा
जो	ऽ	ऽ	तू	ऽ	र	चो	ऽ	सा	मा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

नि											
सा	रे	नि	सा	–	रे	ग	–	रे	सा	–	सा
द	या	ऽ	सौं	ऽ	ना	ना	ऽ	प्र	का	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
नि											
सा	ध	ध	प	–	ध	प	म	म	प	म	–
तो	ऽ	हे	ना	ऽ	बि	सा	ऽ	रों	स	दा	ऽ
×		०		२		०		३		४	
						ग					
सा	सारे	ग	ग	ग	म	रे	ग	रे	सा	–	सा
ह	रऽ	ह	र	गु	न	गा	ऽ	य	गा	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

प											
ध	ध	म	ध	–	नि	सां	–	रें	सां	–	सां
दु	ख	ऽ	सु	ऽ	ख	जी	ऽ	स	हा	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	
सां	रें										
गं	गं	गं	गं	गं	–	रें	रें	रें	सां	–	सां
अं	ऽ	त	र	ना	ऽ	क	छु	उ	पा	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	
सा											
ध	–	ध	प	–	ध	प	म	प	–	म	म
ओ	ऽ	क्त	जो	ऽ	क्त	सं	ऽ	पू	ऽ	र	न
×		०		२		०		३		४	
						ग					
सा	सारे	ग	–	म	म	रे	ग	रे	सा	–	सा
ध्या	ऽऽ	नां	ऽ	त	र	ला	ऽ	य	ला	ऽ	य।
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

नि		सा				प					
सा	—	ध	प	—	प	नि	ध	पम	प	म	म
जा	ऽ	की	मा	ऽ	या	नि	रं	ऽऽ	का	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
रे						ग					
सा	सा	रे	ग	—	म	रे	रे	—	सा	—	सा
लि	खि	न	जा	ऽ	त	अ	ग्रं	ऽ	पा	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
ध											
नि	नि	ध	प	ध	नि	सा	सा	रे	सा	—	सा
सु	र	न	र	मु	नि	क	र	बि	चा	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
						ग					
सा	—	सा	रे	ग	म	रे	ग	रे	सा	—	सा
जा	ऽ	कों	ऽ	शि	व	ध्या	ऽ	य	ध्या	ऽ	य।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

प											
ध	—	म	ध	—	नि	सां	सां	सां	सां	—	सां
प्रे	ऽ	म	दा	ऽ	स	सि	रि	नि	बा	ऽ	स
×		०		२		०		३		४	
सां						गं		गं			
गं	—	रें	रें	गं	गं	रें	रें	रें	सां	—	सां
पू	ऽ	र	न	घ	ट	घ	ट	प्र	का	ऽ	स
×		०		२		०		३		४	

		सा									
सा	सा	ध	ध	प	प	प	ध	प	म	—	म
ज	ल	थ	ल	प्र	भु	ब	न	बि	ला	ऽ	स
×		०		२		०		३		४	
म			म			ग					
नि	ध	—	ग	—	म	रे	ग	रे	सा	—	सा
र	हे	ऽ	प्र	ऽ	भु	छा	ऽ	य	छा	ऽ	य।
×		०		२		०		३		४	

भैरवी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा						ग					
ग	—	ग	सा	रे	म	रे	ग	रे	सा	—	सा
भ	ऽ	स्म	अं	ऽ	ग	गौ	ऽ	रि	सं	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
नि									ग		
सा	रे	नि	सा	—	रे	ग	—	म	म	—	म
ज	टा	ऽ	में	ऽ	बि	रा	ऽ	जे	गं	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
म					प						
ग	—	ध	प	—	नि	ध	प	म	प	—	म
चं	ऽ	द्र	मा	ऽ	ल	ला	ऽ	ट	ध	ऽ	रे
×		०		२		०		३		४	
						ग					
सा	सा	रे	ग	—	म	रे	—	ग	रे	सा	—
अ	धि	ऽ	क	ऽ	सु	हा	ऽ	ऽ	यो	है	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

(प)ध॒	—	ध॒	म	ध॒	नि॒	सां	रें॒	सां	सां	—	सां
घो	ऽ	ट	त	भं	ग	च	ढ	त	रं	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
(सां)नि॒	--	सां	सां	(सां)गं॒	—	रें॒	—	सां	(नि॒)ध॒	—	प
रू	ऽ	ड	न	की	ऽ	मा	ऽ	ल	ग्री	ऽ	व
×		०		२		०		३		४	
प	प	प	—	(नि॒)ध॒	सां	(नि॒)ध॒	(नि॒)ध॒	पम	प	म	म
ध	तु	ग	ऽ	अ	र	धां	ऽ	गिऽ	से	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
(म)सा	—	रे॒	ग॒	—	म	(ग॒)रे॒	—	ग॒	रे॒	सा	—
पू	ऽ	ज	न	ऽ	च	ढा	ऽ	ऽ	यो	है	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

भैरवी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	(म)ग॒	—	(म)ग॒	—	म	(ग॒)रे॒	—	ग॒	रे॒	सा	—
ऽ	जा	ऽ	दि	ऽ	न	ते	ऽ	ऽ	बि	छु	ऽ
×		०		२		०		३		४	
(नि॒)ध॒	—	—	नि॒	सा	रे॒	(रे॒)ग॒	—	रे॒	ग॒	रे॒	सा
रे	ऽ	ऽ	म	न	ऽ	मो	ऽ	ऽ	ऽ	ह	न
×		०		२		०		३		४	

सा						ग॒			ग॒		
प	—	—	ध॒	म	प	ग॒	—	—	म	रे॒	सा
वा	ऽ	ऽ	दि	न	ऽ	तें	ऽ	ऽ	भ	ई	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि॒						ग॒			रे॒		
सा	—	रे॒	ग॒	—	म	रे॒	ग॒	—	ग॒	रे॒	सा
सू	ऽ	ऽ	ख	ऽ	स	रा	ऽ	ऽ	खे	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

प											
ध॒	—	म	ध॒	—	नि॒	सां	—	—	सां	सां	—
जे	ऽ	ऽ	चू	ऽ	रि	यां	ऽ	ऽ	क	र	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सां										नि॒	
नि॒	—	—	सां	—	सां	रें	—	—	सां	ध॒	प
में	ऽ	ऽ	न	ऽ	हिं	भा	ऽ	ऽ	व	त	ऽ
×		०		२		०		३		४	
प						म				ग॒	
ध॒	—	—	ध॒	प	पम	ग॒	—	—	म	रे॒	सा
जे	ऽ	ऽ	चु	री	ऽऽ	यां	ऽ	ऽ	ग	ई	ऽ
×		०		२		०		३		४	
रे॒						म					
सा	—	रे॒	ग॒	—	म	ग॒	रे॒	ग॒	रे॒	सा	—
बां	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ढ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	के	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

संचारी

सा									म		
ध	—	—	प	—	ध	प	धुम	प	ग	—	—
ए	ऽ	ऽ	क	ऽ	स	पू	ऽऽ	ति	ने	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
रे									ग		
ग	—	म	सा	—	रे	ग	—	म	रे	—	सा
आ	ऽ	ऽ	न	ऽ	क	ह्यो	ऽ	ऽ	ते	ऽ	रे
×		०		२		०		३		४	
नि			सा								
ध	—	—	नि	सा	—	रे	—	ग	रे	सा	—
मो	ऽ	ऽ	ह	न	ऽ	ठा	ऽ	ढ़े	हैं	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि									म		
सा	ध	—	प	—	ध	प	म	प	ग	—	—
द्वा	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ध	रा	ऽ	ऽ	के	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

म			नि								
ग	म	—	ध	—	नि	सां	—	—	सां	—	—
का	ऽ	ऽ	छू	ऽ	में	का	ऽ	ऽ	छू	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ध			सां			सां			नि		
नि	—	—	नि	सां	सां	नि	सां	—	ध	—	प
यूं	ऽ	ऽ	हू	ऽ	ल	से	ऽ	ऽ	बं	ऽ	द
×		०		२		०		३		४	

					प	म					
प	ध	–	प	म	मप	ग	–	–	म	रे	सा
टू	ऽ	ऽ	ट	ऽ	गऽ	ये	ऽ	ऽ	त	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि						ग					
सा	रेसा	रे	ग	–	म	रे	–	ग	रे	सा	–
ड़ा	ऽऽ	ऽ	के	ऽ	त	ड़ा	ऽ	ऽ	के	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

भैरवी–दीपचन्दी (मध्यलय).

स्थायी.

नि	
ध	नि
क्या	गु

रे										रे		नि	
सा	–	–	सा	–	–	सा	सा	रे	–	नि	–	ध	नि
ला	ऽ	ऽ	ल	ऽ	ऽ	सैं	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मो	पे
×			२				०			३			
			रे				ग						
सा	ग	–	ग	–	–	–	नि	–	–	सा	रे	ग	म
डा	ऽ	ऽ	रो	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जा	नि
×			२				०			३			

(ग)रे	–	–	सा	–	–	ग	(ग)रे	रे	–	सा	–	सा	–
ऐ	ऽ	ऽ	सो	ऽ	ऽ	च	ट	क	ऽ	रं	ऽ	ग	ऽ
×			२				०			३			
(सा)नि	नि	–	सा	–	–	ग	(ग)रे	–	सा	(नि)ध	–	–	नि
ब	द	ऽ	न	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	ऽ	रो	ऽ	ऽ,	गु।
×			२				०			३			

अन्तरा.

सा	–	–	सा	–	–	रे	ग	–	–	म	–	म	म
आ	ऽ	ऽ	वो	ऽ	ऽ	सैं	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मु	ख
×			२				०			३			
(म)ग	–	–	म	–	–	प	(म)ग	–	म	(ग)रे	–	सा	–
दे	ऽ	ऽ	खो	ऽ	ऽ	मो	रे	ऽ	मं	द	ऽ	र	ऽ
×			२				०			३			
(रे)ग	रे	–	ग	–	–	म	(ग)रे	–	–	सा	–	–	रे
सु	ख	ऽ	जै	ऽ	ऽ	सो	चं	ऽ	ऽ	द्र	ऽ	ऽ	ब
×			२				०			३			
(रे)नि	नि	–	सा	–	–	ग	(ग)रे	सा	–	(नि)ध	–	–	नि
द	न	ऽ	जै	ऽ	ऽ	सो	ता	ऽ	ऽ	रो	ऽ	ऽ,	गु।
×			२				०			३			

भैरवी–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

सा	नि	म	ग
नि सा ग म	ध – – प पम	ग म	रे – सा
डा ऽ र त	कें ऽ ऽ स रऽ	पि च	का ऽ रि
३	×	२	०
नि सा	म		ग
मां नि ध प	ग ग – म –	– म	रे – मा
स खि मो पै	कुं व ऽ र ऽ	ऽ क	न्है ऽ या
३	×	२	०

अन्तरा.

प			
ध – म ध –	– नि	मां मां –	मां – – –
बा ऽ ऽ ट ऽ	ऽ घा	ऽ ट ऽ	में ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
सां			नि
नि – – मां –	– गं	रें मां –	ध – प –
रो ऽ ऽ क ऽ	ऽ त	रू ऽ ऽ	ध ऽ न ऽ
×	२	०	३
म	म	ग	सा
ग धप नि ध प	ग म	रे – सा	नि सा ग म
क हाऽ क रू ऽ	मो रि	दै ऽ या	डा ऽ र त
×	२	०	३

भैरवी–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

रे नि														
मारे	निसा	ध	नि	सा	–	–	मा	–	–	गरे	ग	–	ग
काऽ	न्हाऽ	ऐ	सी	बं	ऽ	ऽ	मी	ऽ	ऽ	य़ऽ	जा	ऽ	ई
३				×					२		०		
रें							म				ग		
ग	प	ध	नि	ध	म	म	रे	ग	गप	म	रे	–	सा
मो	ऽ	ह	ल	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नऽ	ई	ना	ऽ	र ।
३				×					२		०		

अन्तरा.

म											नि		सां
ग	म	ध	नि	मां	–	–	मां	–	रें	मां	सां	मां	गं
श्या	ऽ	म	में	सै	ऽ	ऽ	न	ऽ	क	र	र	ही	है
३				×					२		०		
		नि		म			प				ग		
रें	मां	ध	प	ग	नि	धप	रे	ग	मम	म	रे	–	सा
स	न	मु	ख	री	ऽ	झऽ	र	ही	रीऽ	झ	वा	ऽ	र ।
३				×					२		०		

भैरवी– धमार (विलम्बित).

स्थायी.

सां नि	नि			प			नि						
रें	सां	ध	प	ग	म	–	ध	–		नि	सां	–	–
आ	ली	दे	खो	भो	ऽ	ऽ	र	ऽ	ऽ	भ	ई	ऽ	ऽ
३				×					२		०		

	सां गं	गं	
– – सां नि	गं – गं रें रें	रें –	सां – सां
ऽ ऽ लो ग	जा ऽ गे प व	न ऽ	जा ऽ गे
३	×	२	०
नि	नि म		ग
सां नि रें सां	ध – प ग ग	गप म	रें – सा
पं ऽ ऽ छि	जा ऽ गे ग ग	नऽ वि	रा ऽ जे।
३	×	२	०

अन्तरा.

म नि			
ग म – ध –	– नि	सां – –	सां – सां सां
प्रे ऽ ऽ म ऽ	ऽ अ	ला ऽ ऽ	प ऽ क छु
×	२	०	३
नि सां	नि	ध प	नि
सां सां गं रें सां	ध प	प गं –	रें सां ध प
सु न त हू ऽ	ना हिं	क हा ऽ	क रूं मो रे
×	२	०	३
ध म		रे	सां नि नि
प नि धप ग –	प म	ग रे सा	रें सां ध प
आ ऽ नऽ जा	ऽ ऽ	ऽ व त	आ ली दे खो।
×	२	०	३

राग तोड़ी.

मनी तीव्रौ यस्यां खलु धगरयः संति मृदवो ।
मतो वादी षष्ठोऽस्य तु सहचरो गोऽतिमधुरः ॥
गभीरा सम्पूर्णा प्रकटसग्रहन्याससुभगा ।
प्रसिद्धा तोडीयं दुरधिगमना संगवचरा ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

मनो तीव्रौ धगरयः कोमलाः स्युर्धगौ स्मृतौ ।
वादिसंवादिनौ यत्र तोडी सा संगवे मता ॥

चन्द्रिकायाम् ।

तीखे मनि कोमल रिगध वादी धैवत साज ।
सम्वादी गंधार है टोडी राग बिराज ॥

चन्द्रिकासार ।

धनी सरी गरी सश्च मपौ धपौ मगौ रिसौ ।
सम्पूर्णा तोडिका ज्ञेया धैवतांशा च संगवे ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

"तोड़ी"—यह राग तोड़ी थाट से उत्पन्न होता है। इसमें मध्यम तीव्र, निषाद शुद्ध शेष स्वर रे, ग, ध कोमल लगते हैं। वादी धैवत व सम्वादी गान्धार है। यह राग सम्पूर्ण जाति का है, गायन समय दिन का दूसरा प्रहर मानते हैं। पंचम स्वर का प्रयोग इस राग में कमी के साथ किया जाता है। नवीन विद्यार्थियों को इस राग में विकृत स्वर उचित स्थानों पर लेना कठिन होता है। इस थाट से उत्पन्न होने वाले "मुलतानी" नामक राग में भी ऐसी ही अड़चन होती है। इस राग की सारी खूबी रे, ग, ध, इन स्वरों पर अवलम्बित है, जबकि मुलतानी में ग, प, नि, यह स्वर विशेषता रखते हैं।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सा, रे ग, म॑प, ध, निसां। सांनिधप, म॑ग, रे, सा।

पकड़ः—

ध नि सा, रे, ग, रे, सा, म॑, ग, रे ग, रे सा।

तोड़ी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

												सा
												नि̣
												सां
		प		प			प			सां		
रे	ग	म	ग	म	—	ध	ध	—	ध	नि	सां	
चे	सु	र	न	गा	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ब	जा	ऽ	
३		४		×		०		२		०		
—	नि	ध	नि	ध	—	म	ग	म	—	ध	नि	
ऽ	ये	ऽ	गि	भा	ऽ	ये	ऽ	ले	ऽ	हो	ऽ	
३		४		×		०		२		०		
ध				ध							सा	
म	म	प	ध	म	म	ग	म	ग	रे	सा	नि̣	
स	ब	बि	धि	अ	प	ने	गु	रु	न	की,	सां।	
३		४		×		०		२		०		

अन्तरा.

म						सां					
ग	ग	म	म	ध	—	नि	—	सां	नि	सां	—
गु	नि	ज	न	की	ऽ	सं	ऽ	ग	त	सों	ऽ
×		०		२		०		३		४	

नि			सां			रें					
ध	—	ध	नि	सां	रें	नि	—	ध	नि	सां	रें
ग	ऽ	ग	पु	र	न	स	ऽ	म	सु	र	न
×		०		२		०		३		४	
नि	ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ग	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	सा	ऽ	सा	रे	ग	म
×		०		२		०		३		४	
ग	रे	सा	ऽ	सा	रे	ग	म	प	म	ग	रे
×		०		२		०		३		४	
ग	रे	सा	रे	ग	म	प	ध	प	म	ग	रे
×		०		२		०		३		४	
सा	ऽ	सा	रे	ग	म	प	ध	नि	सां	ऽ	नि
×		०		२		०		३		४	
ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	सा
×		०		२		०		३		४	
नि़	निनि	सासा	रेरे	गग	गग	म	म	धध	धध	निनि	सांसां
धा	किट	तक	धुम	किट	तक	धि	ता	तिर	किट	धिड	नग
×		०		२		०		३		४	
							सा				
निनि	निध	धध	मम	ग	रे	सा	नि़				
नगि	नत	गिन	तक	धि	ता	धा,	सां				
×		०		२		०					

तोड़ी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

(सा)रे	(रे)ग	रे	रे	सा	सा	(नि)ध	ध	नि	सा	रे	ग
बि	क	र	त	ज	ब	ध	ग	रि	क	र	त
×		०		२		०		३		४	
म	प	मप	ध	म	ग	रे	ग	रे	–	सा	सा
म	नि	तोऽ	ऽ	व	र	सु	र	सं	ऽ	ग	त
×		०		२		०		३		४	
(सा)नि	सारे	ग	ग	(ध)म	म	ध	–	ध	नि	ध	ध
सु	गऽ	म	स	र	ल	सं	ऽ	पू	ऽ	र	न
×		०		२		०		३		४	
(प)ध	नि	(नि)ध	नि	(ध)म	ग	(ग)रे	ग	रे	रे	सा	सा
गु	नि	तो	ऽ	ड़ी	ऽ	को	ऽ	ब	र	न	त
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

(ध)म	ग	(ध)म	म	ध	ध	(सां)नि	–	सां	नि	सां	सां
धै	ऽ	व	त	ज	हां	अं	ऽ	श	र	ह	त
×		०		२		०		३		४	
(सां)नि	नि	सांरें	गं	रें	सां	नि	नि	(नि)रें	नि	ध	प
रि	ग	मुऽ	र	त	हां	स	ह	च	र	म	त
×		०		२		०		३		४	

ध						ध			रे		
म	ध	नि	सां	नि	ध	म	ग	रे	ग	रे	सा
पं	ऽ	च	म	को	उ	अ	ऽ	ल्प	क	ह	त
×		०		२		०		३		४	
सा			रें			ग		रे			
रे	रे	रें	गं	रें	सां	रे	रे	ग	रे	सा	सा
ह	र	रं	ग	को	ऽ	म	त	अ	भि	म	त
×		०		२		०		३		४	
सा	रे										
रे	ग	रे	रे								
त्रि	क	र	त								
×		०									

तोड़ी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध				ध						सा					
म	म	प	ध	म	ग	रे	ग	रे	सा	नि	नि	सा	रे	ग	–
मो	रे	म	न	जा	ऽ	य	श	र	न	तु	मु	कं	ऽ	दा	ऽ
२				०				३				×			
				रे											
–	–	–	–	ग	ग	ग	रें	–	रे	सा	सा	नि	–	सा	रे
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वि	म	ल	भा	ऽ	व	ध	र	अं	ऽ	तः	ऽ
२				०				३				×			
सा		नि						ध				ध			
रे	सा	ध	–	सा	रे	ग	ग	म	म	ध	ध	म	ध	नि	ध
क	र	ना	ऽ	टू	ऽ	ट	त	स	ब	भ	व	फं	ऽ	ऽ	ऽ
२				०				१				×			

म ग॒ रे॒ सा	सारे ग॒ रे॒ रे॒	सा सा (नि॒)ध॒ ध॒	नि॒ सारे ग॒ –
ऽ ऽ दा ऽ	जाऽ ऽ य श	र न तु मु	कं ऽऽ दा ऽ।
२	०	३	×

अन्तरा.

(ध॒)म – ग॒ –	(ध॒)म – ध॒ –	(सां)नि – सां नि	सां – सां –
मे ऽ रा ऽ	मे ऽ रा ऽ	ना ऽ क छु	ते ऽ रा ऽ
०	३	×	२
सां रें (रें)गं॒ (रें)गं॒	रें रें सां सां	(सां)नि – सां रें	(रें)नि – ध॒ –
झू ऽ ठा ऽ	क ल जु ग	धं ऽ ऽ ऽ	दा ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
(ध॒)म ध॒ नि सां	नि (ध॒)नि ध॒ प	(ध॒)म ग॒ रे॒ ग॒	रे॒ रे॒ सा सा
दो ऽ दि न	को ऽ ज ग	च तु र स	म झ स ब
०	३	×	२
(सा)नि॒ सा ग॒ (ध॒)म	– म ध॒ –	(ध॒)नि (ध॒)नि ध॒ म	ग॒ – रे॒ सा
सां ऽ च ए	ऽ क गो ऽ	बीं ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ दा ऽ।
०	३	×	२

तोड़ी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

				ध॒				ध॒							
प	ध॒	प	ध॒	म॑	म॑	प	ध॒	म॑	ग॒	–	ग॒	म॑	म॑	प	प
का	ऽ	न्ह	क	र	त	मो	से	रा	ऽ	ऽ	र	ए	रि	मा	ई
०				३				×				२			

म॑				ध॒								ग॒			
ग॒	म॑	प	ध॒	म॑	–	ग॒	ग॒	रे॒	–	रे॒	रे॒	रे॒	–	सा	सा
अ	ब	ही	ऽ	जा	ऽ	य	क	हूं	ऽ	ज	सो	दा	ऽ	ध	र
०				३				×				२			

	रे॒			ध॒				ध॒							
नि़	सा	ग॒	ग॒	म॑	म॑	ध॒	ध॒	म॑	ध॒	नि	ध॒	सां	नि	ध॒	प
लं	ग	र	झ	ग	र	मो	रि	ग	ग	रि	दि	नि	डा	ऽ	र।
०				३				×				२			

अन्तरा.

ध॒				ध॒				सां							
म॑	–	ग॒	ग॒	म॑	–	ध॒	ध॒	नि	–	सां	नि	सां	–	सां	सां
मैं	ऽ	द	धि	ब्रे	ऽ	च	न	जा	ऽ	त	बिं	द्रा	ऽ	ब	न
०				३				×				२			

सां								सां				रें॒			
नि	–	ध॒	ध॒	नि	–	सां	सां	नि	नि	सां	रें॒	नि	–	ध॒	ध॒
आ	ऽ	न	अ	चा	ऽ	न	क	तु	म	रो	ऽ	बा	ऽ	ऽ	र
०				३				×				२			

ध॒								म॑				ग॒			
म॑	ध॒	नि	ध॒	नि	ध॒	प	–	ग॒	–	रे॒	रे॒	रे॒	–	सा	सा
बा	ऽ	ट	घा	ऽ	ट	में	ऽ	रो	ऽ	क	त	टो	ऽ	क	।
०				३				×				२			

सा	ध	ध	
रे रे ग ग	म म ध —	म ध नि धनि	सां नि ध प
अ प ने च	तु र कों ऽ	ली ऽ जे संऽ	ऽ भा ऽ र
०	३	×	२

तोड़ी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा		रे	
रे रे ग रे	— सा सा —	नि — सा रे	ग — — —
अ ल्ला ऽ जा	ऽ ने अ ऽ	ल्ला ऽ जा ऽ	ने ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
ध	ध		
म प — ध	म — ग —	रे — रे ग	रे रे सा —
न बी ऽ अ	ली ऽ को ऽ	नू ऽ र भ	र र हो ऽ
०	३	×	२
सा	ध	ध ध	
रे रे ग —	म म ध ध	म ध नि म	— ग रे सा
ज ग में ऽ	ह स न हु	मे ऽ न चै	ऽ न जि ये ।
०	३	×	२

अन्तरा.

ध	ध		
म म ग —	म — ध ध	नि — सां नि	सां — सां —
जो ह रा ऽ	के ऽ फ र	जं ऽ द न	बी ऽ के ऽ
०	३	×	२
सां रें		सां	
रें रें गं रें	गं रें सां सां	नि — सां रें	नि — — ध
जि ग र गो	ऽ से अ लि	का ऽ स म	हो ऽ ऽ बे
०	३	×	२

म ध नि सां	नि ध ध नि	(ध)म – ग रे	ग रे सा –
कौ ऽ स र	के ऽ दो उ	जा ऽ म ह	म पि ये ऽ।
०	३	×	२

तोड़ी–त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी.

रे सा सा	(सा)प – प प	म – प ध	(ध)म ग – रे
ऽ लं ग र	कां ऽ क रि	या ऽ जि न	मा ऽ ऽ रो
३	×	२	०
ग रे सा सा	ध – प प	मप ध (म)ध नि	(ध)म ग – रे
ऽ लं ग र	कां ऽ क रि	याऽ ऽ जि न	मा ऽ ऽ रो
३	×	२	०
ग रे – सा	(सा)नि रे ग –	(ध)म – प ध	(ध)म – ग रे
ऽ मो ऽ रे	अं ग वा ऽ	ऽ ऽ ल ग	जा ऽ ऽ ऽ।
३	×	२	०
ग रे सा सा			
ये लं ग र			
३			

अन्तरा.

(म)प प (म)ग –	(ध)म – ध ध	(सां)नि – सां नि	सां सां सां –
सु न पा ऽ	वे ऽ मो रि	सा ऽ स न	न दि या ऽ
×	२	०	३

								रें						म	
सांरें	गं	रें	नि	–	नि	सां	रें	नि	ध	नि	ध	–	प	ग	म
दौऽ	ऽ	रि	दौ	ऽ	रि	घ	र	आ	ऽ	ऽ	वे	ऽ	लं	ग	र
×				२				०				३			
प				ध				ध							
ध	–	ध	नि	म	–	प	ध	म	ग	–	रे	ग	रे	सा	सा
कां	ऽ	क	रि	या	ऽ	जि	न	मा	ऽ	ऽ	रो	ऽ	लं	ग	र
×				२				०				३			

तोड़ी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प				ध				ध			ग				
म	–	प	ध	म	ग	–	पध	म	ग	–	म	ग	रे	सा	–
बे	ऽ	ग	लि	आ	ऽ	ऽ	पति	या	ऽ	ऽ	प	थि	क	वा	ऽ
×				२				०				३			
सा			ध						म		ग				
रे	ग	–	म	ध	नि	ध	प	मंपधप	ग	–	म	ग	रे	सा	–
मो	रे	ऽ	पि	या	ऽ	स	न	मोऽऽऽ	रा	ऽ	सं	दे	स	वा	ऽ
×				२				०				३			

अन्तरा.

प				ध				सां							
म	म	ग	ग	म	म	ध	ध	नि	नि	सां	सां	रें	–	सां	–
घ	रि	घ	रि	प	ल	प	ल	छि	न	छि	न	मैं	ऽ	का	ऽ
३				×				२				०			

(सां)रें गं गं रें	(गं)रें रें सां –	(सां)नि – सां रें	(रें)नि – ध –
जु ग सि बि	त त है ऽ	बे ऽ ग लि	आ ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०
(ध)म ध नि सां	नि ध ध नि	ध पमं प ध	(ध)म ग – (ग)म
सि य री ऽ	हो ऽ छ ति	या ऽऽ प ति	या ऽ ऽ प
३	×	२	०
ग रे सा –			
थि क वा ऽ			
३			

तोड़ी –त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

(ध)नि
क

ध प (मं)ग म	प – मंप ध	(ध)म ग – रे	(ग)रे – सा –
ल लि म्हा ने	दा ऽ ऽऽ ऽ	रु ड़ी ऽ पि	ला ऽ वै ऽ
३	×	२	०
(नि)ध नि सा ग	रे – सा सा	निसा मंग पमं ध	निनि धमं गरे सा,नि
हों ऽ तो ऽ	रा ऽ म द	छऽ कीऽ ऽऽ ऽ	बेऽ ऽऽ ऽऽ ऽ,क ।
३	×	२	०

अन्तरा.

ध ध	सां	नि	नि
म ग म ध	नि नि सां मां	ध नि सांरें गं	रें सां ध –
मु न री ऽ	भ ग ति न	प्रे ऽ मऽ का	म धु वा ऽ
३	×	२	०
सां	रें	प	ध ध
रें गं रें सां	नि सांरें नि ध	ध नि मां रें	नि – ध नि
भ र भ र	मो ऽऽ हे छ	का ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ वे क।
३	×	२	०

तोड़ी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

रे	ग	सा	
ग ग रे रे	रे – सा सा	नि – सा रे	ग – गम॑ प
पि या सं ग	खे ऽ ल त	प्या ऽ ऽ ऽ	री ऽ ऽऽ ऽ
०	३	×	२
	ग	नि	
म ग रे रे	रे – सा सा	ध नि सा रे	ग – – –
पि या सं ग	खे ऽ ल त	प्या ऽ ऽ ऽ	री ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
म		ध ध	
ग – म म	प – ध ध	नि नि ध प	म ग गम॑ ध
जो ऽ ब न	की ऽ म त	वा ऽ ऽ ऽ	री ऽ ऽऽ ऽ।
०	३	×	२
म ग रे रे			
पि या सं ग			
०			

(क्र० २)

अन्तरा.

(मं)प मं प ध॒	(ध॒)मं ग॒ (ध॒)मं ध॒	(सां)नि – सां नि	सां – सां –
मृ ग म द	औ ऽ रे ऽ	के ऽ स र	डो ऽ रे ऽ
०	३	×	२
(सां)नि – सां गं॒	रें॒ – सां –	(प)ध॒ (प)ध॒ सां नि	ध॒ प (मं)प ग॒
भी ऽ ज त	रं ऽ ग ऽ	मा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ री ऽ।
०	३	×	२
(ग॒)मं ग॒ रे॒ रे॒			
पि या सं ग			
०			

तोड़ी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध॒ ध॒ ध॒	(ध॒)मं मं प प	मंप ध॒प मं –	ग॒ – – –
ऽ दे उ द	र स मो रे	प्याऽ ऽऽ रे ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

– (ध॒)मं – ध॒	नि नि सां सां	सां रें॒ सां रें॒	नि नि सां –
ऽ हों ऽ तो	दा सी तो रि	ज न म ज	न म की ऽ
०	३	×	२
(सां)रें॒ गं॒ – रें॒	– नि सां –	नि सां निसां रें॒सां	नि ध॒ – –
तु ही ऽ है	ऽ मो रा ऽ	प्या ऽ ऽऽ ऽऽ	रा ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

		म॑	
— ध — नि	ध ध प —	ध — नि	ध — प —
ऽ प्रे ऽ म	र स वा ऽ	ऽ रा ऽ ज्दु	ला ऽ रे ऽ ।
०	३	×	२

तोड़ी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म॑	
प	प
मैं	तो

म॑	ग		
ग ग रे रे	रे — सा सा	सा रे ग —	— — — —
अ प ने मैं	या ऽ म न	मा ऽ ती ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
सा	ग	सा	रे
रे रे रे रे	रे — सा —	नि — सा रे	नि — ध ध
भ र भ र	प्या ऽ ला ऽ	दे ऽ त अ	मी ऽ र स
०	३	×	२
सा	ध	ध ध	
रे रे ग ग	म॑ म॑ ध ध	नि नि ध प	म॑ ग, म॑ प
ल ट क च	ल त ब हु	भां ऽ ऽ ऽ	ती ऽ, मैं तो
०	३	×	२

अन्तरा.

ध	ध	सां	
म॑ — ग ग	म॑ — ध —	नि नि सां —	सां सां सां —
जो ऽ को उ	वा ऽ की ऽ	च र चा ऽ	क रि है ऽ
०	३	×	२

सां नि - सां गं	रें - सां सां	सां नि - सां रें	रें नि - ध -
मो ऽ ऊं ऽ	ना ऽ दि न	ग ऽ ऽ ऽ	ती ऽ ऽ ऽ
	३	×	२
ध म ध नि सां	ध नि ध प	म ग रे रे	ग रे - सा -
गा ऽ वे गु	द र गु रु	जि न लि ख	दी ऽ नों ऽ
०	३	×	२
सा नि सा ग ग	ध म म ध ध	ध नि नि ध प	म ग म प
जो ऽ मो रे	ज न म मं	गा ऽ ऽ ऽ	ती ऽ, मैं तो
	३	×	२

तोड़ी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

- ध - प	प म म प प	मप धप म ग	प म ध -
ऽ रा म् सु	मि र मो रे	प्याऽ ऽऽ रे ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
- ध नि धप	म म प प	प ग म प ध	ध म - ग -
ऽ रा म् सुऽ	मि र मो रे	प्या ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ ।
०	३	×	२

अन्तरा.

– (ध॒)म – ध॒	नि – सां सां	रें॒ – सां सां	नि सां मां सां
ऽ रा ऽ म	ना ऽ म स	दा ऽ सु ख	दा ऽ यं क
०	३	×	२
(नि)सां रें॒ गं॒ रें॒ सां	सां नि सां रें॒	(रें॒)नि ध॒ मे ध॒	नि ध॒ – प
संऽ ऽ क ट	म क ल नि	वा ऽ ऽ रे	ऽ तो ऽ रे।
	३	×	२

तोड़ी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

प प	(मे)ग॒ –	रे॒ सा	(सा)नि़ –	सा रे॒	ग॒ ग॒
म न	वा ऽ	मो रा	ना ऽ	हिं र	ह त
०	३	४	×	०	२
(मे)ग॒ मे	प ध॒	मे प	ध॒ नि	ध॒ प	मे प
इ त	नि क	ह त	अ र	ज ग	र ज
०	३	४	×	०	२

अन्तरा.

(प)मे –	(मे)ग॒ –	(प)मे ध॒	(सां)नि –	नि सां	– सां
कै ऽ	से ऽ	क र	रा ऽ	खुं आ	ऽ न
×	०	२	०	३	४

(सां)नि	नि	सां	गं	रें	सां	(सां)नि	सां	नि	–	ध	–
पि	या	बि	न	हां	ऽ	रे	ऽ	दू	ऽ	जे	ऽ
×		०		२		०		३		४	
(प)ध	(ध)रें	सां	रें	नि	सां	(सां)नि	नि	सां	नि	–	ध
उ	मं	ड	उ	मं	ड	घु	मं	ड	गा	ऽ	वे
×		०		२		०		३		४	
(प)ध	(ध)नि	ध	नि	ध	प	प	प				
ग	र	ज	ग	र	ज	म	न				
×		०		२		०					

तोड़ी—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

(नि)ध	नि	सा	रे	(ग)रे	–	सा	(सा)नि	सा	(सा)ध	(ध)म	ग
अ	ब	मो	रे	रा	ऽ	म	रा	ऽ	म	रे	ऽ
३		४		×		०		२		०	
(रे)ग	रे	–	सा	(सा)ग	–	रे	ग	–	रे	(ग)रे	सा
वि	रा	ऽ	म	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

(ध)म	ग	(ध)म	ध	(सां)नि	सां	–	सां	नि	ध	नि	सां
नि	स	दि	न	ति	हा	ऽ	रि	टे	ऽ	र	क
३		४		×		०		२		०	

सांरें	गं	रें	सां	[सां] नि	सांरें	नि	ध	[ध] म	ध	नि	मां
रऽ	त	म	न	रं	ऽऽ	ग	ऽ	ह	म	चे	ऽ
३		४		×		०		२		०	
नि	धनि	ध	प	[ध] म	पध	नि	[ध] म	प	ध	[ध] म	ग
री	ऽऽ	तु	म	शा	ऽऽ	म	रा	ऽ	म	रे	ऽ
३		४		×		०		२		०	
[रे] ग	रे	—	सा	[रे] ग	—	रे	ग	रे	—	सा	निसा
वि	रा	ऽ	म	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽऽ।
३		४		×		०		२		०	

तोड़ी–झूमरा (विलम्बित).

स्थायी.

[नि] ध	नि	—	सारे	(सा)	नि	ध	[सा] नि	सा	सा	निसा	रे	[ग] रे	सा
स	ब	ऽ	निस	ब	र	ऽ	जो	ऽ	री	ऽऽ	क	र	त
३				×			२				०		
निसा	रेरेसानिसा	नि	सारे	[ग] रे	—	सा	नि	सा	सारे	सारेग	रे	—	सा
रह	तऽऽऽऽ	ऽ	नित	बो	ऽ	ली	ठो	ऽ	लीऽ	ऽऽऽ	प्या	ऽ	रे
३				×			२				०		
[नि] सा	[सा] ध	[ध] म	ग	रे	—	सा	[नि] ध	नि	सा	रे	ग	रे	सा
अ	प	ने	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	व
३				×			२				०		

अन्तरा.

नि़ सा		धु	
सा ध ध –	नि ध प	म ध नि ध	नि ध प
मे रे तो ऽ	जि या में	जो ऽ ई ऽ	आ ऽ वै
३	×	२	०
ध	ध	मं	
म – प मंपध	म म ग	ध म ग रे	ग रे सा
जो ऽ ही ऽऽऽ	क र हो	स दा ऽ ऽ	ऽ रं ग
३	×	२	०
सा		मं	ग
नि़ सारे नि़ धुधु	नि़ सारे ग	प मंपध म ग	रे – सा
त बऽ ही ऽह	मा ऽऽ गे	ना ऽऽऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ म
३	×	२	०
नि़		ध	मा ग
ध़ नि़ – सारे	(सा) नि़ ध़	म़ ध़ नि़ सा	रे रे सा
म ब ऽ निस	ब र ऽ	जो ऽ री ऽ	क र त ।
३	×	२	०

तोड़ी—आड़ाचौताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि़ ——		ध		सां		
सा ध	ध –	निमं ध	– न	सां नि	ध ध	प मंप
जा ऽ	जा ऽ	ऽऽ ऽ	ऽ रे	ऽ प	थि क	वा ऽऽ
४	०	×	२	०	३	०

प		ग ग				
मंपध म	ग –	रे रे	ग रे	सा निसा	रे सा	ध ध
मोऽऽ रे	ऽ ऽ	पि या	ऽ सों	ऽ ऽऽ	क ह	ऽ दे
४	०	×	२	०	३	०
	ग	प				
म ग	मंरे ग	मंप धनि	ध प	मंप मंपध	म ग	रे सा
ऽ ऽ	ऽऽ ऽ	होऽ ऽऽ	प ति	ऽऽ ऽऽऽ	या ऽ	रे ऽ।
४	०	×	२	०	३	०

अन्तरा.

प	ध	सां	सां		सां	सां
मंमं पध	मंग मंध	नि सां	– नि	सां सां	नि ध	नि सां
पह लेऽ	मुख सोंऽ	क ही	ऽ ऽ	ऽ यो	तु म	रो ऽ
४	०	×	२	०	३	०
सां				ध		
रें गं	– रें	सां निसांरें	नि ध	म ध	नि ध	प मंप
खु दा	ऽ हा	ऽ ऽऽऽ	फि ज़	तु म	ऽ बि	न ऽऽ
४	०	×	२	०	३	०
प	ग					सा रे
ध म	ग मंरे	ग रे	– सा	– रे	सा निसा	रे रें
स दा	ऽ रंऽ	ऽ ऽ	ऽ ग	ऽ अ	ब ऽऽ	ज री
४	०	×	२	०	३	०
		नि				
– गंरें	– सां	सां सांरें	गं –	रें सां	निसां निसांरें	नि ध
ऽ जाऽ	ऽ त	छ तिऽ	यां ऽ	रे ऽ	ऽऽ ऽऽऽ	ऽ ऽ।
४	०	×	२	०	३	०

तोड़ी--एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

(प)धनि — किर्

ध	प	म॑	पध	(ध)म॑	ग	रे	सा	(सा)नि	सा	निसा	रेरे
पा	ऽ	ऽ	ऽक	गो	ऽ	रे	ऽ	मो	ऽ	ऽऽ	मन
३		४		×		०		२		०	
(ग)रे	—	सा	निसा	(नि)ध	नि	सा	रे	सारेग	रे	(रे)नि	ध
सैं	ऽ	यां	ऽऽ	त	न	म	न	धऽऽ	न	नौं	ऽ
३		४		×		०		२		०	
(नि)ध	नि	सा	रे	ग	रे	सा	निसा	(सा)नि	सारे	ग	—
छा	ऽ	व	र	क	रि	हूँ	ऽऽ	प	रिऽ	हूँ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
(ध)म॑	—	ध	—	(नि)ध	नि	सां	रें	नि	ध	पम॑	धनि
पैं	ऽ	ऽ	ऽ	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	किर् ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

(ध)म॑	ध	नि	सां	सां	—	निसां	सां	(गं)रें	—	सां	निसांरेंगं
म	हु	म	द	शा	ऽ	ऽऽ	सु	जा	ऽ	न	अऽऽऽ
३		४		×		०		२		०	

रेंसा	निसांरेंसां	नि	ध	(ध)म	प	मंपधनि	ध	—	मंपध	म	ग
बऽ	कऽऽऽ	हीं	ऽ	भा	ऽ	ऽऽऽऽ	ग	ऽ	हऽऽ	मा	ऽ
३		४		×		०		२		०	
रे	(ग)रे	—	सा	(सा)नि़	सा	रे	ग	म	ध	नि	सां
रे	जा	ऽ	गे	ले	ऽ	ऽ	हों	ऽ	ब	लै	ऽ
३		४		×		०		२		०	
रें	नि	—	ध	ध	नि	मां	रें	(गं)रें	—	सां	(ध)निनि
ऽ	या	ऽ	ऽ	सु	र	ज	न	मैं	ऽ	यां	किर।
३		४		×		०		२		०	

तोड़ी—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

सारे
जिऽ

ग	—	—	रेसा	(ग)रे	—	सा	—	नि़	सा	रे	रेग	(प)म	रे	ग	—
ऊ	ऽ	ऽ	मोरा	चा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
३				×				२				०			
म	ध	(ध)निनि	मंध	सां	निसां	नि	ध	(मं)प	पध	(ध)म	ग	(प)म	रे	ग	—
ऽ	ऽ	हेऽ	ऽऽ	पी	ऽऽ	या	ऽ	मि	लन	को	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
३				×				२				०			

	ध		म
मा रे ग —	म ध नि ध	धधनिसां रेंगं रेंनि ध	ग म ध धनि
र खि ये ऽ	ग रे ऽ ल	गाऽऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽ	ये ऽ ऽ, ऽजि।
३	×	२	०
म			
ग — — रेसा			
ऊ ऽ ऽ मोरा			
३			

अन्तरा.

म ध		नि	सां नि
ग — — मध	सां निसां सां सां	धध नि सांरें सांरेंगं	नि सांरें ध —
सू ऽ ऽ दर	मू ऽऽ र त	जब तें दऽ ऽऽऽ	खी ऽअ त ऽ
३	×	२	०
ध	ग		म
प ध म ग	म ध नि सां	निसां निसांरें नि ध	ग म ध धनि
त ब तें ऽ	क छु न हिं	ऽऽ ऽऽऽ भा ऽ	वे ऽ ऽ, ऽजि।
३	×	२	०
म			
ग — — रेसा			
ऊ ऽ ऽ मोरा			
३			

तोड़ी—त्रिताल (विलम्बित)

स्थायी.

नि			
ध नि सा —रे	ग रे सा —	रे नि ध प	ध नि सा —रे
बा जो रे ऽमं	म द सा ऽ	घ र वा ऽ	अ नं द ऽब
३	×	२	०

				सा						म		ग			
नि	-ध	प	-	सासा	प	-	मंप	पध	मंपधप	ग	-	रे	ग	रे	सा
धा	ऽव	रा	ऽ	पूजि	ले	ऽ	ऽऽ	मन	काऽऽऽ	ई	ऽ	का	ऽ	जो	रे।
३				×				२				०			

अन्तरा.

ध			म	सां			
मंध	निध	प,पधप	ग,मंध	नि	सां	सां	-निसां
तन	ऽम	न,धऽऽ	न,पाऽ	ई	ऽ	ला	ऽ,ऽऽ
३				×			
नि				सां		रें	
ध	नि	सां	सां	नि	सांरें	नि	ध
गा	जी	ऽ	ला	ऽ	बन	रा	ऽ
२				०			
सां				सां		रें	
नि	सांरें	गं	रेंसां	नि	निसांरें	नि	ध
स	दाऽ	ऽ	रंऽ	गी	ऽऽऽ	ला	ऽ
३			नि	×			
				ध			
धधनिसांरेंगं	गंरें	निसां,निसांरेंसां	ध	मंध	मंग	-रे	सा
ऽऽऽऽऽऽ	ऽऽ	मोऽ,ऽऽऽऽ	रा	राऽ	ऽऽ	ऽजो	रे।
३				०			

तोड़ी—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

प								सा			
मरे	ग	रेसा	सारे	ग	—	रे	सा	नि	सारेग	रे	सा
दैंऽ	ऽ	याऽ	बट	दू	ऽ	भ	र	भ	ऽऽऽ	ई	ऽ
३		४		×		०		२		०	
नि				नि							
सा	निसारे	नि	ध	सा	नि	—	सारे	नि	ध	प	—
मै	ऽऽऽ	का	ऽ	लं	ऽ	ऽ	गर	वा	ऽ	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
नि				ग			सा				
ध	नि	सा	सारे	रे	—	सा	नि	सारे	ग	रे	सा
भ	र	ऽ	नन	दे	ऽ	त	ग	गऽ	रि	या	ऽ।
३		४		×		०		२		०	
रे											
ग	—	रेसा	निसारे								
दे	ऽ	याऽ	ऽ,बट								

अन्तरा.

ग				प		ध					
रेरे	धध	निध	पप	म	मंपध	मंग	गरे	ग	रे	सा	निसा
बिहा	ऽन	तोरे	संग	कै	सेऽऽ	जाऽ	ऽऊं	स	ज	नी	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
ध								प	ध		
म	धनि	सां	–,सांरें	नि	ध	प	मंप	ध	म	ग	रे
बी	चमां	ऽ	ऽ,भऽ	ठा	ऽ	ड़ो	ऽऽ	स	दा	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	

ग	रे	सा	सारे	(रे)ग	—	(ग)मरे	ग	—	रे	सा	सारे
रं	ऽ	ग	उच	कै	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	या,	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	

(रे)ग	—	रेसा	नि,सारे
दे	ऽ	याऽ	ऽ,बट
३		४	

तोड़ी—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

(नि)सा
तो

(सा)ध	—	(मं)प	मंपध	(ध)म	ग	—	(ध)म	ध	(सां)नि	सां	नि
री	ऽ	छ	बिऽऽ	मो	ऽ	ऽ	म	न	ही	ऽ	म
३		४		×		०		२		०	
(ध)मंध	मंग	रे	सा	(नि)ध	नि	सा	—,सा	सारे	सारेग	रे	सा
नऽ	भाऽ	ऽ	वे	अ	धि	क	ऽ,सु	हाऽ	ऽऽऽ	वे,	तो
३		४		×		०		२		०	
(सा)ध	—	(मं)प	मंपध	(ध)म	ग	—	(ध)मंध	(सां)नि	सां	नि	(ध)म
री	ऽ	छ	बिऽऽ	मो	ऽ	ऽ	मन	ही	ऽ	म	न
३		४		×		०		२		०	

ग	(ग)रे	—	सा
ऽ	भा	ऽ	वे
३		४	

अन्तरा.

		ध		ध							
मं	ग	मं	ध	सां	निसां	सां	सां	निध	सांनि	रेंसां	गं,रेंसां
सा	ऽ	त	स	खी	ऽऽ	मि	ल	देऽ	होऽ	ऽऽ	ऽ,मुऽ
३		४		×		०		२		०	
सां		रें		ध				ध			
निसां	निसांरें	नि	ध	मंध	निसां	निध	–नि	मं	ग	रे	सा
बाऽ	ऽऽऽ	र	क	सुऽ	ऽऽ	दऽ	ऽर	सु	ऽ	घ	र
३		४		×		०		२		०	
सा	सा	ध		ध				मं			ध
निसा	गग	मं	ध	सां	नि	ध	प	ग	मं	ध,	नि
गाऽ	येब	जा	ये	रि	झा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ,	तो
३		४		×		०		२		०	
ध	प	मंप	पध								
री	ऽ	ऽऽ	छबि								
३		४									

तोड़ी—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

रे				ग				रे			मं
ग	–	रे	रे	रे	–	सा	निसा	ग	–	–	गमं
को	ऽ	स	म	झा	ऽ	वो	ऽऽ	रे	ऽ	ऽ	कहो
३		४		×		०		२		०	

	प़	रे	म प
नि़ ध़ – प़	सा सा निसा सारे	ग ग – –	ग रे म ग
र ऽ ऽ ऽ	ह ज ऽऽ रत	मी रा ऽ ऽ	जी ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०
म		नि़ नि़	ग
मंग मंप – ग	मंरे ग रे सा	सा ध़ ध़ नि़	सा रे रे सा
तेऽ हाऽ ऽ रे	नाऽ ऽ म को	आ ऽ धा ऽ	ऽ ऽ ऽ र।
३	×	२	०

अन्तरा.

	नि	प	
सासा सा ध ध	ध – प मंग	मंप धनि ध प	(प) – मं ग
मन डो ऽ रे	जा ऽ में ऽऽ	गूऽ ऽऽ ऽ द	पा ऽ ऊं ऽ
३	×	२	०
प	ग	ध ध	
मंप मंपध मंग रेरे	रे – सा –	मंध सां निसां निध	धमं रेग रे सा
सोऽ ऽऽऽ हीऽ कर	रा ऽ खों ऽ	अब हूं ऽऽ जेऽ	हर ऽऽ वा ऽ।
३	×	२	०

तोड़ी—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

मं		ध	ग		
प	मंप पध	म ग	– रे	ग रे	सा निसा
ऽ ला	ऽऽ लम	ना ऽ	ऽ ऽ	ऽ व	न ऽऽ
३	४	×	०	२	०

[सा] निसा	निसारे	नि	ध	[नि] सा	सारे	ग	ग	[ध] मंग	पमं	ध	ध
मैंऽ	ऽऽच	ली	ऽ	स	मुऽ	झ	त	नाऽ	हींऽ	ऽ	मा
३		४		×		०		२		०	
[सां] नि	—	—	सांरें	[सां] नि	—	ध	—	धधनिसांरें	गं	रें	नि
का	ऽ	ऽ	हुकी	बा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽऽऽऽ	ऽ	त	ऽ।
३		४		×		०		२		०	
ध	प										
ऽ	ला										
३											

अन्तरा.

[प] म	ग	—	[ध] मंध	सां	निसां	सां	सां	रें	—	सां	सांरें
हूँ	ऽ	ऽ	तोरे	का	ऽऽ	र	न	ब्या	ऽ	कु	लऽ
३		४		×		०		२		०	
गं	रें	सां	निसां	[सां] निसां	निसांरें	[रें] नि	ध	मंप	मंपध	म	ग
ऽ	भ	ई	ऽऽ	प्याऽ	ऽऽऽ	रे	ऽ	तूऽ	ऽऽऽ	उ	ठ
३		४		×		०		२		०	
[मं] पमं	धनि	—	ध	[सां] निसां	निसांरें	[सां] नि	ध	धधनिसांरें	गं	रें	नि
चल	मोरे	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽऽ	सा	ऽ	ऽऽऽऽऽ	ऽ	थ	ऽ।
३		४		×		०		२		०	
ध	[मं] प										
ऽ,	ला										
३											

ध	-नि	ध	प	^प^म	पध	^ध^म	ग	मरे	ग	–	^प^म
प्या	ऽऽ	रे	ऽ	उ	नऽ	के	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	मु
३		४		×		०		२		०	
मंपधनि	नि	^ध^म	ग	^रे^ग	रे	सा	निसा	^सा^नि	–	सा	रे
खऽऽऽ	ऽ	की	ऽ	ब	ति	यां	ऽऽ	नै	ऽ	न	स
३		४		×		०		२		०	
नि	ध	प	–	सारे	ग	^ग^मरे	ग	–	रे	सा	निसा
लो	ऽ	ने	ऽ	जांऽ	ब	नऽ	ऽ	ऽ	म	द	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
^नि^ध	नि	सा	रे	ग	रे	सा	निसा	^नि^ध	नि	सा	रे
म	त	वा	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ।
३		४		×		०		२		०	
^रे^ग	–	–	रेरे								
को	ऽ	ऽ	सम								
३		४									

अन्तरा.

		^प^मग	^ध^मध	^नि^सां	-सां	^सां^निसां	निसांरेंरें	निध	प	ध	नि
ऽ	ऽ	लाऽ	इलि	ला	ऽइ	कऽ	ऽऽऽरि	येऽ	ऽ	र	स
३		४		×		०		२		०	

सांरें	सांरेंगं	रेंसां	निसां,निसांरें	(रें)नि	ध	(प)ध	नि	ध	प	(ध)म	पध
नाऽ	ऽऽऽ	ऽऽ	ताऽ,ऽऽऽ	की	ऽ	उ	ल	ट	पु	ल	टऽ
३		४		×		०		२		०	
(ध)म	ग	मरे	ग	—	रे	—	सा	(सा)रे	(ग)रे	—	सा
कै	सी	ऽऽ	ऽ	ऽ	नी	ऽ	की	सु	हा	ऽ	य
३		४		×		०		२		०	
(नि)ध	नि	सा	—मारे	नि	—	ध	प	(प)ध	नि	सा	रे
म	हं	ऽ	.मद	मा	ऽ	ऽ	ऽ	स	दा	ऽ	रं
३		४		×		०		२		०	
नि	—	ध	—	(नि)ध	ग	ग	ग	रे	मा	(सा)नि	मारे
गी	ऽ	लो	ऽ	ले	ऽ	क	च	ल	त	बा	ऽर
३		४		×		०		२		०	
(रे)नि	—	ध	—	ध	नि	सा	रे	नि	ध	नि	सारे
डा	ऽ	री	ऽ	ब	लि	हा	ऽ	ऽ	ऽ	रि,	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	

तोड़ी-त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

(नि)ध	नि	सा	रे	(ग)रे	सा	निसा	रे	नि	ध	—	(ध)सा	सा	—	निसारे	रे
ह	मा	ऽ	रे	तो	ऽ	ऽऽ	जे	ही	ऽ	ऽ	स	र	ऽ	ऽऽऽ	व
३				×				२				०			

अन्तरा.

ग	ग	ग	म	ध	ध	सां	सां	सां	सां	सां	सां
ना	द्रे	द्रे	तुं	द्रे	द्रे	द्रे	द्रे	द्रे	द्रे	द्रे	द्रे
×		०		२		०		३		४	
नि	रें	गं	रें	सां	सां	म	ध	नि	ध	प	प
धि	त्ला	ऽ	न्तुं	द्रे	द्रे	धि	त्ला	ऽ	न्तुं	द्रे	द्रे
×		०		२		०		३		४	
नि़	मासा	रेरे	रेरे	गग	गग	म	म	धध	धध	निनि	निनि
धा	किट	तक	धुम	किट	तक	धि	त्ता	गदि	गिन	तिर	किट
×		०		२		०		३		४	
धध	धप	पप	मम	म	मध	म	रे	ग	रे	—	सा
नगि	तक	निग	तक	धि	ताऽ	धा	ऽ	ऽ	ता	ऽ	न।
×		०		२		०		३		४	

तोड़ी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि	सां	(नि)ध	नि	ध	प	—	म	ग	ग	म	ग
तो	ऽ	म्त	न	न	तो	ऽ	म्त	न	न	अ	त
४		×		०		२		०		३	

सा	रे	सा	रे	ग	—	म	म	प	म	प	ध
त	न	दे	रे	ना	ऽ	अ	त	त	न	दे	रे
४		×		०		२		०		३	

म	ग	(ध)म	–	ध	–ध	ध	–ध	म	ध	नि	सांसां
ना	ऽ	दी	ऽ	ऽ	ऽम	दी	ऽम	दा	रा	दी	ऽम
४		×		०		२		०		३	
सां	–	सांरें	गं	गं	रें	नि	ध	नि	सां	रें	ध
दी	ऽ	म्तऽ	न	न	त	द	रे	ता	रे	दा	नि।
४		×		०		२		०		३	

अन्तरा.

(म)ग	गग	मम	मम	ध	–ध	नि	निनि	सांसां	सांसां	सां	–सां
ना	दिर	दिर	दिर	दी	ऽम	तु	दिर	दिर	दिर	दी	ऽम
×		०		२		०		३		४	
ध	नि	सां	(गं)रें	–	सांसां	नि	सां	रें	नि	ध	–
त	दी	ऽ	म्दी	ऽ	ऽम	त	न	न	ना	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
प	–	म	प	–	ध	म	ग	म	रें	ग	–
ता	ऽ	रे	ना	ऽ	रे	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
(ग)रें	–	रें	(म)ग	–	ग	(ध)म	–	ध	नि	सां	सां
ता	ऽ	रे	ना	ऽ	रे	ता	ऽ	रे	दा	ऽ	त्रि
×		०		२		०		३		४	
ध	ध	नि	सां	रें	गं	रें	सां	रें	ध		
त	द	रे	दा	नी	ऽ	ता	रे	दा	नि		
×		०		२		०		३			

तोड़ी —त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म॑	
प	–
दीं	ऽ

														म॑	
प	ग	रे	सा	ग	रे	सा	सा	सा	रे	ग	–	–	–	प	–
ओ	दे	ता	ना	ना	त	दा	रे	दे	रे	ना	ऽ	ऽ	ऽ	दीं	ऽ
०				३				×				२			
				ग				सा							
प	ग	रे	सा	रे	रे	सा	–	नि	सा	ग	म	प	ध	प	–प
ओ	दे	ता	ना	दे	रे	ना	ऽ	धा	किड	किड	धु	किड	किड	धिलां	ऽग
०				३				×				२			
									म॑			म॑			
प	ध	प	ध	प	ध	म	प	प	ग	–	प	ग	–	प	–
किड	नग	तिर	किट	नग	धे	किड	नग	ते	ऽड़ा	ऽ	न्ते	ऽड़ा	ऽ,	न्दीं	ऽ।
०				३				×				२			

अन्तरा.

ध								प							ध
सां	नि	ध	प	सां	नि	ध	प	ध	नि	–	ध	–	प	–	प
ओ	दे	ता	ना	ओ	दे	ता	ना	दे	रे	ऽ	ना	ऽ	दी	ऽ	न्त
०				३				×				२			
प				ग				नि		सा		ध			
ग	–	–	–	रे	–	सा	–	सा	सा	ग	ग	म	–	ध	–
दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नी	ऽ	धि	ति	ली	ति	ला	ऽ	ना	ऽ
०				३				×				२			

प	-प	प	ध	प	ध	मं	प	प	ग	-	प	मं ग	-	प	-
नग	ऽड्धि	गड्	तुं	नग	तिर	किट	तक	ते	द्दड़ा	ऽ	न्ते	द्दड़ा	ऽ	न्दीं	ऽ
०				३				×				२			

तोड़ी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि	-	रे	ग	मं	मं	ध	नि	ध	मं	ग	मं
दा	ऽ	रा	ते	ऽ	ले	दा	ऽ	रा	ते	ऽ	ले
×		०		२		०		३		४	
नि ध	-	-	-	-	-	ध	मं	ध	नि	-	ध
ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	न	दे	ऽ	ऽ	रे
×		०		२		०		३		४	
नि	ध	प	-	मं	धनि	नि	ध	प	ध	मं	ग
ना	ऽ	ऽ	ऽ	य	लऽ	लि	य	लि	य	लो	ऽ
×		०		२		०		३		४	
-ग	ग	गमं	धनि	-नि	ध	मं	रे	ग	रे	-	सा
ऽम्	य	लोऽ	ऽऽ	ऽम्	य	ला	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ल्ले
×		०		२		०		३		४	

तोड़ी– एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

मंमं	ग			ग		सा	रे
धग	-,मंरे	ग	-रेसा	रे	सा	निरे	निरेग
तदा	ऽ,रेऽ	ऽ	ऽ,दर	आ	ऽ	ऽऽ	ऽऽऽ
३		४		×		०	
मं		ग		मं			
प	ध	म	-ग	गमंमं	धधसां	–	निसांरें
दा	नी	दी	ऽम	नादिर	दिरतो	ऽ	ऽऽम
२		०		३		४	
ग				सा			
रे	सारेगरे	सा	निसा,सा	निरे	-निरेग	रेगमं	गमंप
तो	ऽऽऽम्त	ना	ऽऽ,त	दाऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ
×		"		२		०	
ध नि	ध	ग					
मंध	मंग	मंरेग	-रेसा				
रेऽ	दाऽ	नीऽऽ	ऽ,दर				
३		४					

अन्तरा.

		ध						नि	
		म	धधनिनि	सां	निसांसां	सां	–	धनि	सांरें
ऽ	ऽ	ऽना	दिरदिर	तो	ऽऽम	तो	ऽम	तन	देरे
३		४		×		०		२	

गं						रें	
रें	ग्रांमि	रेंगं	रें	सां	निसां	नि	सांरें
S	नाS	Sत	दा	S	SS	रे	दाS
०		३		४		×	
		ध				ध	
नि	ध	मंधनि	ध	मंप	मंपध	म	ग
नी	S	ताSS	रे	SS	SSS	ना	S
०		२		०		३	
ग		मं	मं			रें	
मंरे	ग	गमं	धनि	सांरें	—	गंगंरेंसां	निधध
रंS	S	तुंद्रे	SS	SS	S	नाSSS	SS,त
४		×		०		२	
			ध	ग			
मंधनिसां	रेंध	रेंनि	मंग	मंरेग	-रेसा		
दाSSS	SS	Sरें	दाS	नीSS	S,दर।		
०		३		४			

तोड़ी–तिलवाड़ा (विलम्बित)

स्थायी.

	मं			नि		ध		ग			
	ध	पमं	गमं	ध	-प	म	ग	मंरे	ग	—	रेरे
S	Sत	नन	दरे	ना	Sत	दा	S	नीS	S	S	तारे
३				×				२			
ग				सा		मं				रे	
रे	—	सा	—	निरेगमं	प	गमंगरे	निध,नि	सा	-रे	ग	—
दा	S	नी	S	दाSSS	S	नीSSS	SS,त	दी	Sम्त	दी	Sम
०				३				×			

		ध	ग	ध		नि		ध		गं	
मंपधनि	–ध	पध	मंग	म	ध	ध	–ध	सां	निसां	रें	सां
ताऽऽऽ	ऽन्न	दे॒रे	नाऽ	दा	ऽ	नी	ऽउ	दा	ऽऽ	नी	ऽ
२				०				३			
नि		रें		रें		ध					
धनि	सांरें	गं	–	नि	–ध	मंध	निसां	रें	सांरें	गंगंरेंसां	निधपमं
नाद्रे	तुंद्रे	दी	ऽम	दी	ऽम	तदि	याना	रे	ऽऽ	नाऽऽऽ	ऽऽऽऽ
×				२				०			
		मं									
गरेसासा	–ध	पमं	गमं								
ऽऽऽऽ	ऽत	नम	दे॒रे								

अन्तरा.

		ध						रें			
		–मं	धनि	सां	निसां	–नि	सांरें	नि	ध	धनि	सांरें
ऽ	ऽ	ऽउ	दन	तो	ऽऽ	ऽन्त	दिया	रे	ऽ	तन	दे॒रे
३				×				२			
रें				रें				ध			ध
गं	रें	सांनि	सांरें	नि	ध	प	–	मंपधनि	ध	प	मंग
ऽ	न्ना	ऽत	नन	ना	ऽ	रे	ऽ	ताऽऽऽ	रे	ऽ	दे॒रे
०				३				×			
ध								गं			
म	ध	ध	–ध	नि	सां	–ध	निसां	रें	–	सां	–
ना	ऽ	दी	ऽन्त	दी	ऽ	ऽन्त	नन	दी	ऽम	दी	ऽम
२				०				३			

नि	रें-	रें	गंरें	गं	मंगं	पं	–	मंपं	मंगंगंरें	सांनिधप	मंगरेसा
ता	ऽऽ	रे	ऽऽ	ना	ऽऽ	रे	ऽ	ऽऽ	दाऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ
×				२				०			
सा	–ध	पमं	गमं								
नी	ऽत	नन	देरे								
३											

तोड़ी–झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

प									
ध	–	ध	प	प	मं	प	मं	ग	ग
आ	ऽ	दि	अ	न	ह	द	ना	ऽ	द
×		२			०		३		
मं							ग		
ग	मं	प	ध	मं	ग	रे	रे	सा	–
उ	प	जो	ऽ	ज	ग	त	में	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
सा				सा	सा				
नि	–	सा	–	रे	रे	ग	रे	–	सा
ता	ऽ	को	ऽ	क	रू	ऽ	ध्या	ऽ	न
×		२			०		३		
ध								मं	
मं	–	ध	नि	सां	नि	ध	प	ग	मं
पा	ऽ	क	म	न	घ	ट	में	ऽ	ऽ ।
×		२			०		३		

ध –	ध ध नि	ध प	म ग ग
आ ऽ	दि अ न	ह द	ना ऽ द।
×	२	०	३

अन्तरा.

(प)म ग	म ध (प)ध	(सां)नि सां	सां – सां
ख र	ज रि ख	ब गं	धा ऽ र
×	२	०	३
(सां)नि सांरें	गं रें सां	(सां)नि सां	रें (रें)नि ध
स ऽऽ	प्र सु र	आ ऽ	ह त मि
×	२	०	३
(ध)म ध	निसां नि ध	म ग	रें – सा
ला ऽ	यऽ नि र	गु न	ब्र ऽ ह्म
×	२	०	३
(सा)रें गं	(रें)गं रें सां	नि सां	नि ध प
व्या ऽ	प क ज	ग त	में ऽ ऽ
×	२	०	३
ध –	ध नि धप	म प	म ग ग
आ ऽ	दि अ नऽ	ह द	ना ऽ द।
×	२	०	३

तोड़ी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग॒		ग॒							
रे॒	रे॒	रे॒	रे॒	—	सा	सा	सा	—	सा
ल	ड़े	ह	म	ऽ	न	हु	से	ऽ	न
×		२			०		३		
सा					सा				
नि़	—	सा	—	रे॒	नि़	सा	नि़	ध़॒	ध़॒
ई	ऽ	मा	ऽ	म	सैं	ऽ	य	ऽ	द
×		२			०		३		
नि़					ध॒				
ध़॒	ध़॒	ग॒	ग॒	—	म	म	ध॒	—	नि
सु	भ	ट	धू	ऽ	म	म	ची	ऽ	भ
×		२			०		३		
ध॒		ध॒			म				
म	ध॒	म	—	ग॒	ग॒	म	प	ध॒	नि
ई	ऽ	जं	ऽ	ग	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ती।
×		२			०		३		
ध॒		म							
म	म	ग॒	रे॒	—					
ल	ड़े	ह	म	ऽ					
×		२							

अन्तरा.

ध॒			ध॒						
म	—	ग॒	म	ध॒	नि	सां	सां	सां	—
खे	ऽ	त	बि	र	छा	ऽ	इ	यो	ऽ
×		२			०		३		

रें	—	गं	रें	सां	(सां)नि	सां	(रें)सां	(नि)ध	—
सिं	ऽ	घ	के	ऽ	छा	ऽ	व	ड़े	ऽ
×		२			०		३		
(नि)ध	ध	गं	(गं)रें	गं	रें	—	सां	नि	ध
भ	लें	च	लें	ऽ	ख	ऽ	ङ्ग	व	गि
×		२			०		३		
(ध)म	ध	नि	सां	रें	(सां)नि	सां	नि	ध	प
रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हा	ऽ	थी	ऽ	ऽ।
×		२			०		३		
प	प	ध	(ध)म	ग	(ग)रे	रे	(ग)रे	—	सा
ल	ड़े	ह	स	ऽ	न	हु	से	ऽ	न।
×		२			०		३		

संचारी.

(नि)सा	सा	ध	ध	—	(नि)ध	—	ध	प	प
क	र	ब	ला	ऽ	भू	ऽ	मि	प	र
×		२			०		३		
(प)म	म	प	—	ध	प	ध	(ध)म	ग	—
म	हा	भा	ऽ	र	त	भ	यो	ऽ	ऽ
×		२			०		३		

(म)ग	म	प	ध	म	(म)ग	—	रे	सा	—
हु	वे	सै	ऽ	य	द	ऽ	ज	ब	ऽ
×		२			०		३		
(नि)ध	नि	सा	रे	ग	(प)म	प	म	ग	—
न	बी	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ती	ऽ	ऽ।
×		२			०		३		

आभोग.

(ध)म	ग	(ध)म	—	ध	(सां)नि	नि	सां	—	सां
आ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ज	ब	ह	ऽ	र
×		२			०		३		
(सां)रें	—	गं	रें	सां	(सां)नि	नि	सां	नि	ध
नू	ऽ	र	को	ऽ	त	ख	त	ले	ऽ
×		२			०		३		
(प)ध	गं	गं	रें	गं	रें	—	सां	(नि)ध	ध
सा	ऽ	ह	प	र	भी	ऽ	स्त	कु	र
×		२			०		३		
(ध)म	ध	नि	सां	रें	(रें)नि	सां	नि	ध	प
बा	ऽ	न	जा	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ।
×		२			०		३		

ध॒	ध॒	(ध॒)म॑	ग॒	—	रे॒	रे॒	(ग॒)रे॒	—	मा
ल	ड़े	ह	म	ऽ	न	हु	मे	ऽ	न।
×		२			०		३		

तोड़ी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

(प)ध॒	ध॒	ध॒	ध॒	नि	ध॒	ध॒	प	म॑	ग॒
तु	म	स	मा	ऽ	न	न	दू	ऽ	जा
×		२			०		३		
(म॑)ग॒	म॑	प	ध॒	म॑	ग॒	—	रे॒	—	मा
ज	ग	में	ऽ	मो	रे	ऽ	रा	ऽ	ज
×		२			०		३		
(नि़)ध़॒	नि़	सा	रे॒	ग॒	रे॒	—	सा	—	सा
स	क	ल	गु	न	सं	ऽ	प	ऽ	न्न
×		२			०		३		
(प)म॑	ध॒	(सां)नि	सां	—	निध॒	नि	ध॒	—	प
तु	म	ग	री	ऽ	बऽ	न	वा	ऽ	ज
×		२			०		३		

अन्तरा.

प	(म॑)ग॒	(ध॒)म॑	ध॒	--	(सां)नि	नि	सा	—	सां
भ	र	न	पो	ऽ	ष	न	दु	ऽ	क्ख
×		२			०		३		

नि						सां			
ध॒	नि	सां	रें॒	गं॒	रें॒	सां	नि	सां	निध॒
दा	ऽ	ली	ऽ	द्र	भ	य	ह	र	नऽ
×		२			०		३		
				म॑					
ध॒	नि	ध॒	प	ग॒	प	ग॒	रे॒	–	सा
खं	ट	द	र	स	न	नि	वा	ऽ	म
×		२			०		३		
सां					सां				
नि	नि	रें॒	गं॒	रें॒	नि	सां	नि	ध॒	प
तु	म	हो	ऽ	ध	र	म	ग	ऽ	ज ।
×		२			०		३		

तोड़ी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प		म॑				सा					
ध॒	म॑ग॒	रे॒	ग॒	रे॒	सा	नि॒	सारे॒	ग॒	म॑	प	–
ह	रऽ	ह	र	शि	व	शं	ऽऽ	क	र	गं	ऽ
०		३		४		×		०		२	
प			ध॒		म॑	ध॒		प	सां		
म॑	प	ध॒	म॑	ग॒	ग॒	म॑	ध॒	ध॒	नि	सां	नि
गा	ऽ	ऽ	ध	र	पि	ना	ऽ	कि	पा	ऽ	र
०		३		४		×		०		२	
		ध॒			प				ग॒		
ध॒	प	म॑	प	ध॒	म॑	ग॒	रे॒	–	रे॒	–	सा
ब	ती	अ	र	ऽ	धां	ऽ	गी	ऽ	सो	ऽ	हे ।
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

म	म		ध॒								
प	ग॒	—	म	—	ध॒	नि	सां	नि	सां	—	सां
न	र	ऽ	रु	ऽ	ड	मा	ऽ	ल	कं	ऽ	ठ
×		०		२		०		३		४	

नि	नि										
सां	ध॒	—	नि	सां	रें॒	गं॒	रें॒	सां	नि	सां	निध॒
औ	र	ऽ	वे	ऽ	ष	वि	रा	ऽ	ज	ऽ	तऽ
×		०		२		०		३		४	

ध॒											
म	ध॒	निसां	निध॒	नि	ध॒	प	—	मध॒	नि	ध॒	प
भ	ऽ	रूऽ	अंऽ	ऽ	ग	मे	ऽ	तऽ	ब	स	न
×		०		२		०		३		४	

प	ध॒		रे॒		
म	मग॒	रे॒	ग॒	रे॒	सा
मे	ऽऽ	त	सों	ऽ	है
×		०		२	

तोड़ी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि̣				सा	सा						
ध॒̣	नि̣	सा	रे॒	रे॒	ग॒	—	रे॒	—	रे॒	सा	—
मे	रे	तो	ऽ	अ	ल्ला	ऽ	ना	ऽ	म	को	ऽ
३		४		×		०		२		०	

	Beat 1	Beat 2	Beat 3	Beat 4	Beat 5	Beat 6	Beat 7	Beat 8	Beat 9	Beat 10	Beat 11	Beat 12
Grace note	सा	ग			नि			सा				
Note	रे॒	रे॒	—	सा	सां	नि	—	नि	सा	रे॒	ग॒	रे॒
Word	आ	धा	ऽ	र	जि	ने	ऽ	र	चो	ऽ	ऽ	मं
Tala mark	३		४		×		०		२		०	
Grace note		सा			रे			ध			ग	
Note	सा	नि	सा	रे॒	नि	ध॒	ध॒	ग॒	—	ग॒	मंरे॒	ग॒
Word	ऽ	सा	ऽ	र	का	ऽ	म	को	ऽ	ध	लोऽ	ऽ
Tala mark	३		४		×		०		२		०	
Grace note		ध			ध			ग				सा
Note	ग॒	म	ध॒	नि	म	ग॒	—	रे॒	ग॒	रे॒	सा	ध॒
Word	भ	म	हा	ऽ	जं	ऽ	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ल.	मे।
Tala mark	३		४		×		०		२		०	
Note	—	नि										
Word	ऽ	रे										
Tala mark	३											

अन्तरा.

	Beat 1	Beat 2	Beat 3	Beat 4	Beat 5	Beat 6	Beat 7	Beat 8	Beat 9	Beat 10	Beat 11	Beat 12
Grace note	मं			मं	नि							
Note	प	प	—	प	ध॒	—	नि	सां	नि	सां	सां	सां
Word	जि	ने	ऽ	र	चो	ऽ	अ	र	म	कु	र	स
Tala mark	×		०		२		०		३		४	
Grace note	नि	नि		सां							नि	
Note	सां	ध॒	—	नि	सां	रें॒	गं॒	रें॒	सां	निसां	ध॒	—
Word	ज	मीं	ऽ	आ	ऽ	स	मा	ऽ	ऽ	ऽऽ	न	ऽ
Tala mark	×		०		२		०		३		४	

ग						प	ध॒		रे॒		
मंध॒	नि	सां	नि	ध॒	प	ध॒	म	ग॒	ग॒	रे॒	सा
निऽ	रं	ऽ	ज	ऽ	न	नि	रा	ऽ	का	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

सा			ध॒		प	सां					
नि॒	सारे॒	ध॒	म	ध॒	ध॒	नि	ध॒	नि	ध॒	प	प
सां	ऽऽ	चो	क्यों	ऽ	न	से	ऽ	ऽ	वो	प	र
×		०		२		०		३		४	

प							नि॒	नि॒	
ध॒	म	ग॒	रे॒	ग॒	रे॒	सा	सा	ध॒	नि॒
ब	र	ऽ	दि	गा	ऽ	र,	मे	ऽ	रे
×		०		२		०		३	

तोड़ी—चौताल (विलम्बित)

स्थायी.

ध॒
ब

				ध॒			ग		ध॒		प
ध॒	प	मंप	ध॒	म	–	ग॒	मंरे॒	ग॒	मं	ध॒	ध॒
र	नी	ऽऽ	न	जा	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ये	ऽ	हो
३		४		×		०		२		०	

				ध॒			ध॒			ग॒	
–	नि	ध॒	प	मं	प	ध॒	मं	ग॒	–	रे॒	ग॒
ऽ	ते	हा	रि	ली	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	या	ऽ
३		४		×		०		२		०	

				सा			रे				सा
—	रें	—	सा	नि़	सा	रे	नि़	ध़	प़	—	नि़
ऽ	तें	ऽ	म	आ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	नि
३		४		×		०		२		०	

	ग							ग			सा
सा	रे	—	सा	सारे	ग	—	रे	रे	सा	—	ध
ऽ	ग	ऽ	म	आऽ	गो	ऽ	च	ऽ	र	ऽ,	ब ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

मं			मं			सां					
प	ध	प	ग	म	ध	नि	सां	नि	सां	—	सां
ए	क	ज	कां	ऽ	ऽ	दी	न	द	या	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	

नि	नि		सां								
सां	ध	—	नि	सां	रें	गं	रें	सां	निसां	नि	ध
ल	ढे	ऽ	ल	ढा	ऽ	ऽ	व	ऽ	ऽऽ	त	ऽ
×		०		२		०		३		४	

				ध		रे					
धनि	ध	पम	पध	म	ग	ग	गं	—	रें	सां	निसां
एऽ	क	ऽऽ	नऽ	को	ऽ	जी	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽऽ
×		०		२		०		३		४	

सां		ध					
नि	ध	सां	नि	ध	प	—	धनि
सा	ऽ	मं	छ	ऽ	र	ऽ,	बऽ
×		०		२		०	

तोड़ी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि़				सा			रे				
ध़	नि़	सा	रे	रे	ग	—	ग	रे	मा	—	रे
मे	रे	तो	ऽ	तू	ही	ऽ	आ	ऽ	न	ऽ	मा
३		४		×		०		२		०	
	ग			सा			सा				
रे	रे	—	मा	नि़	सा	—	रे	—	ग	रे	मा
न	ध्या	ऽ	न	जि	या	ऽ	जा	ऽ	न	नै	ना
३		४		×		०		२		०	
	मा		नि़	ध़			मा			रे	
—	नि़	सा	ध़	म़	ध़	—	नि़	सा	रे	ग	—
ऽ	प्रा	ऽ	न	ह	ज	ऽ	र	त	ऽऽ	मा	ऽ
३		४		×		०		२		०	
रे		प									नि़
ग	—	म	प	ध	म	ग	रे	ग	रे	सा	ध़
है	ऽ	म	र	दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न,	मे।
३		४		×		०		२		०	
—	नि़	सा	रे								
ऽ	रे	तो	ऽ								
३		४									

अन्तरा.

			नि						सां		
प	प	—	ध	—	नि	सां	सां	—	नि	सां	सां
अ	न	ऽ	ध	ऽ	न	त	न	ऽ	म	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

नि			सां								
ध	—	ध	नि	सांरें	गं	रें	सां	नि	सां	नि	ध
बा	ऽ	र	धा	ऽऽ	म	मा	ऽ	त	पि	ता	ऽ
×		०		२		०		३		४	
प						प			ग		
ध	ध	नि	ध	—	प	ग	ग	रे	रे	सा	—
गु	रू	ऽ	ज	ऽ	न	स	क	ल	तु	मी	ऽ
×		०		२		०		३		४	
रे	रे	मं	प						ध		
नि़	सा	ग	म	प	—	मं	ग	—	म	ध	—
ढ़ी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ध			ग				नि़				
म	ग	रे	रे	—	सा	—	ध़	—	नि़	सा	रे
ऽ	ऽ	न	मा	ऽ	न	ऽ	मे	ऽ	रे	तो	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

तोड़ी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

											सा रे मे
				सा							ध़
—	सा	नि़सा	नि़ध़	नि़	रे	नि़	ध़	नि़	ध़	प	म़
ऽ	री	ऽऽ	बऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वै	जो
३		४		×		०		२		०	

धृ	नि़	सा	–	रे	सा	–	(नि़)सा	नि़	सारे	ग	–
ऽ	घ	री	ऽ	घ	री	ऽ	मो	ह	खिऽ	जा	ऽ
३		४		×		०		२		०	
रे	–	सा	(नि़)सा	(नि़)धृ	नि़	सा	रे	ग	रे	(सा)सा	रे
ऽ	ऽ	वै	म	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वै,	मे।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

(ध)म	ग	–	ध	म	ध	नि	सां	नि	सां	–	सां
ए	सो	ऽ	लं	ग	र	ढी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ट
×		०		२		०		३		४	
(नि)ध	नि	–	सां	रें	गं	रें	सां	नि	ध	नि	ध
को	ऽ	ऽ	ऊ	ऽ	न	दे	ऽ	ऽ	ऽ	खो	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ध	ध	नि	ध	–	प	(सां)नि	–	रें	नि	ध	प
स	ब	न	छां	ऽ	ड़	मो	ऽ	ऽ	हू	ऽ	सों
×		०		२		०		३		४	
(ध)म	ध	म	ग	(ग)रे	–	सा	(सा)रे				
ने	ऽ	ह	ज	ना	ऽ	वै,	मे				
×		०		२		०					

संचारी.

ध					प	प					
म	ग	–	म	ध	ध	ध	नि	ध	नि	ध	प
दु	र	ऽ	ज	न	में	ठा	ऽ	ड़ि	ति	न	में
×		०		२		०		३		४	
ध						ध			ध		
म	ध	नि	ध	–	प	म	प	ध	म	–	ग
मो	ही	ऽ	को	ऽ	ल	जा	ऽ	ऽ	वै	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ध				ध					ग		
म	ग	ध	ध	म	ग	रे	–	–	रे	–	सा
स	ग	री	त्रि	य	न	में	ऽ	ऽ	मो	ऽ	हे
×		०		२		०		३		४	
सा					ध						
नि़	सा	रे	ग	–	म	ध	–	नि	ध	प	–
री	ऽ	ऽ	म	ऽ	च	ढ़ा	ऽ	ऽ	ऽ	वै	ऽ
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

ध			ध		प	ध					
म	ग	–	म	ध	ध	सां	सां	–	सां	–	सां
चं	ऽ	ऽ	च	ऽ	ल	स	स	ऽ	प्र	ऽ	भु
×		०		२		०		३		४	
सां			सां						सां		
नि	ध	–	नि	सां	रें	गं	रें	सां	निसां	नि	ध
तु	म	ऽ	ब	हू	ऽ	ऽ	ना	ऽ	यऽ	क	ऽ
×		०		२		०		३		४	

ध						ध		ध			
म	ध	नि	ध	—	प	म	ग	म	ध	सां	सां
का	हू	ऽ	भा	ऽ	वे	का	ऽ	ऽ	ऽ	हू	न
×		०		२		०		३		४	
							सा				
रें	नि	ध	म	ग	रे	सा	रे				
भा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वे,	मे				
×		०		२		०					

तोड़ी–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

नि
सा
सं

रे	ध		मं	ध						ध					
मंग	म	ध	ध	सां	नि	ध	प	—	—	म	प	ध	—		
भाऽ	ऽ	ऽ	र	च	ल	ऽ	त	ऽ	ऽ	ध	र	त	ऽ		
३				×					२		०				
ध		प		ध	मं				ग						
म	ग	मंप	ध	म	ग	—	रे	—	रे	सा	नि	सा	रे		
प	ग	ढ़िऽ	ग	म	गा	ऽ	त	ऽ	ऽ	छि	पा	ऽ	ऽ		
३				×					२		०				
				ध			सा						नि		
नि	—	ध	ध	म	ध	—	नि	सा	रे	ग	रे	सा	सा		
व	ऽ	ऽ	त	म	ध	ऽ	के	ऽ	री	ब	च	न,	सं।		
३				×					२		०				

अन्तरा.

धम	ध	–	नि	सां	सां	–	गंरें	सां	–	निध	नि	सां	रें
क	हूँ	ऽ	ब	स	न	ऽ	क	हूं	ऽ	पे	ऽ	च	सु
×					२		०			३			
रेंगं	रें	सां	नि	ध	निध	गं	गंरें	गं	रें	सां	नि	ध	प
धा	ऽ	र	त	ऽ	ता	ऽ	प	र	क	र	त	ऽ	अ
×					२		०			३			
धम	प	ध	धम	ग	रे	रे	गरे	सा	निसा	रेमग	धम	ध	मध
ने	ऽ	ऽ	क	ऽ	ऽ	ज	त	न	मं	भाऽ	ऽ	ऽ	र।
×					२		०			३			

तोड़ी–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

															निसा
															ला
ध	ध	नि	ध	–	प	–	धम	–	–	प	–	ध	–
ऽ	ल	ऽ	म	ऽ	ध	ऽ	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
०			३				×					२	
धम	–	–	ग	–	–	–	रे	ग	–	रे	–	सा	–
ते	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ब	न	ऽ	ब	ऽ	न	ऽ
०			३				×					२	

सा नि़ सा रे॒	नि़ – ध़॒ –	ग॒ रे॒ – – सा –	नि़ सा
खे ऽ ऽ	ले ऽ ऽ ऽ	फा ऽ ऽ ग ऽ	ऽ, ला।
०	३	×	२

अन्तरा.

ध॒ म ध॒ – नि –	सां –	सां सां –	नि सां सां –
म ब ऽ म ऽ	खी ऽ	य न ऽ	मो ऽ ले ऽ
×	२	०	३
नि ध॒ नि सां रें॒ गं॒	रें॒ सां	सां नि सां रें॒	सां नि – ध॒ –
मं ऽ ऽ ऽ ऽ	ग ल	गा ऽ ऽ	वो ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
ध॒ ध॒ नि ध॒ –	– प	म प ग॒ –	ध॒ म – ध॒ –
अ प ऽ नी ऽ	ऽ अ	प नी ऽ	खे ऽ ले ऽ
×	२	०	३
ध॒ ग॒ म ग॒ – रे॒ –	सा सा		
फा ऽ ऽ ऽ ऽ	ग, ला		
×	२		

इस पुस्तक में आये हुए रागों के स्वर विस्तार

इन स्वर विस्तारों से शिक्षार्थियों के गायन में सुन्दरता आवेगी तथा इस पुस्तक में वर्णित १० रागों के चलन उनके ध्यान में भली प्रकार से आजायंगे।

इन स्वर विस्तारों में स्वल्प विराम (कौमा) उचित स्थानों पर रुकने की जगह दिखाते हैं, अतः इन विरामों का विशेष महत्व समझना चाहिये।

शिक्षकों को चाहिये कि कक्षा में अपने विद्यार्थियों को योग्य रीति से इन स्वर विस्तारों को स्वयं बारम्बार गाकर दिखावें। तत्पश्चात् उनके सम्मुख उसी प्रकार पढ़कर (बांचकर) दिखावें, ऐसा करने से विद्यार्थियों को ठीक-ठीक स्वर स्थानों की समझ तथा योग्य स्थानों पर आवाज़ को ऊंची-नीची करने की कला, इन दोनों ही बातों का शीघ्र ज्ञान हो जावेगा। जिस प्रकार भाषा की विशेषता प्रत्यक्ष रूप से भाषा को सुनकर शीघ्र ही समझ में आजाती है, उसी प्रकार यह सङ्गीत रूपी भाषा है, ऐसा कहना कुछ अंशों में उचित ही होगा।

ये विस्तार अच्छी तरह सध जाने पर फिर इनकी सहायता से छोटी-बड़ी तानों को रचने की कला विद्यार्थियों को, शिक्षकों द्वारा समझानी चाहिए। विद्यार्थियों को नई-नई तानें तैयार करने की स्वयं इच्छा हो, ऐसी प्रेरणा शिक्षकों के द्वारा मिलनी सदा हितकारी रहेगी। कौनसी तान ठीक है और कौनसी गलत ? यह बात विद्यार्थियों को कारण सहित समझाई जावेगी तो इससे उनका बहुत हित होगा।

यमन—स्वरविस्तार.

(१) ग, रे, सा, ऩिरे, सा, ऩि, रेग, रेग, मंग, प, मंग, रेग, रे, ऩि, रे, सा।

(२) ऩिरेग, रेसा, सा, ऩिध़, ऩिध़, प़, प़ध़ऩि, ध़ऩि, रे, गरे, ऩिरेग, रे, ऩिरे, सा।

(३) साग, रेग, मंग, पमंग, ध, पमंग, निध, पमंग, सां, निध, पमंग, ध, पमंग, रेग, प, रे, सा, ऩि रे, सा।

(४) सारेसा, सारेगरेसा, सारेगमंगरेसा, सारेगमंपमंगरेसा, सारेगमंपधपमंगरेसा, सारेगमंपधनिधपमंगरेसा, सारेगमंपधनिसां निधपमंगरेसा ।

(५) सा, नि़, ध़, प़, नि़, ध़, प़, नि़, ध़, नि़, रे, ग, रे, गमंपमंग, रे, पमंग, रे, ग, रे, नि़रे, ग, रे, नि़रे सा ।

(६) सा, रेग, प, मं, ग, रे, गमंपधनिधपमं धपमंग पमंग रे, प, रे, सा ।

(७) सारेगमंप, गमंप, मंप, धप, निध, प, सां, नि, ध, प, निध, प, मंध, प, मं, ग, रे, गमंपमंग, रे, ग, रे, नि़रे, सा ।

(८) सारेसा, सारेगरेसा, सारेगमंपरे, सा, सारेगमंपध-पमंरे, सा, सारेगमंपधनिधपमंरे, सा, सारेगमंपध निसांनिधपमंरे, सा ।

(९) गग, पधप, सां, सां, निरेंसां, निरेंगंरेंसां, रेंसां, निध, प, मंप, निध, प, सां, निध, प, रेंसां, निध, प, मंप, निधप, मंपधप, मंग, रे, गमंपधनिध, प, मंग, रे, पमंग, रे, ग, रे, नि़रे, सा ।

(१०) साप, प, मंध, प, पध, निध, प, धप, मंग, ध, प, मं, ग, रे, पगरे, गरे, नि़रे, सा ।

(११) पग, पधप, सां, सां, रेंसां, गंरेंसां, पंरें, सां, निरेंगंमं-पं, रें, सां, रेंसां, निध प, मंप, निध, प, ध, प, मंग, रे, गमंपमंग, रे, ग, रे, ़रे, सा ।

बिलावल–स्वर विस्तार.

(१) ग, रे, सा, सारे, सा, ग, मग, प, मग, मरे, सा ।

(२) सा, ग, रे, सा, सा, नि़ध़, नि़ध़, प़, ध़सा, रेसा, ग, मपमग, मरे, सा ।

(३) सारेग, मग, प, मग, मरे, गप, ध, प, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(४) सा, नि़ध़, नि़ध़, प़, सा, सारे, सा, सारेगमरे, सा, ग, प, धनि॒धप, मप, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(५) सां, निध, प, धनि॒ध, प, ध, मग, मरे, गपधनि॒ध, प, ध, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(६) सारेगमरे, सा, सारेगमपग, मरे, सा, सारेगमध, प, मग, मरे, सा, ध, सां, निध, प, ध, मग, मरे, सा ।

(७) सासागमरे, गप, ध, निसां, सांरेंगंमंरेंरें, सां, सां, रेंसां, निध, प, ध, मग, मरे, गपधनिसां, निध, प, ध, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(८) सारेगम, रेगमप, गमध, प, निध, निसां, गंरेंसां, रेंसां, निध, प, धनि॒धप, मग, मरे, गमध प, मग, मरे, सा ।

(९) सारेगमप, गमप, ध, प, निध, निसां, सांरेंसां, गंमंरें, सां, रेंसां, निध, प, धनिसां, ध, प, ध, मग, मरे, गमध, प, मग, मरे, सा ।

(१०) सारेसा, सारेगमरेरेसा, सारेगमपग, मरेरेसा, सारे-गमधधपध, मग, मरेरेसा, सारेगमपधनिसां, सांनिधपमगरे, सा ।

(११) सा, ग, मरे, सा, रे, सा, ध़, प़, ध़, सा, ग, गमग, गमध, प, मग, सां, निध, प, मग, मरे, गमध, प, मग, मरे, सा ।

(१२) ग, ग, मग, मरे, गप, धनि॒धप, ध, सां, निध, प, ध, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(१३) पप, ध, निसां, सांरेंसां, सांरेंगंमंरेंसां, गंमंरेंरेंसां, रेंसां, सां, निध, प, धनिसां, निध, प, ध, मग, पं, गं, मंरें,

सां, रेंसां, निध, निध, प, ध, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(१४) साध, ध, निध, प, धनिसां, निध, प, ध, मग, मरे, गप, ध, निसां, निध, प, ध, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(१५) पप, ध, निसां, सां, रें, सां, सांरेंगंमंरेंसां, सांरेंगंमंपंगं, मंरेंरेंसां, गंगंमंरेंसां, रेंसां, निध, प, सां, ध, प, ध, मग, मरे, गमध, प, मग, मरे, सा ।

खमाज–स्वरविस्तार

(१) नि़, सा ग, म ग, प, म ग, नि॒ ध, म प ध, मग, प, मगरेसा ।

(२) नि़सागमपग, म, नि॒ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(३) नि़सागमपग, म, धप, सां, नि॒, ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(४) सागमपधग, म, ध, प, सां नि॒, ध, सांरेंसां, नि॒, ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(५) गगसागमपगम, नि॒ध, मपध, मग, धनिसां, सांनि॒-धपमगरेसा ।

(६) नि़साग, मगरेसा, प, मग, मगरेसा, नि़सागमपनि, सां, रें, नि॒, ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(७) नि़साग, मगरेसा, गमपगमगरेसा, सांरेंसांनि॒ध, मप, नि॒ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(८) नि़सा, ग, म, प, म, ध, प, सां, नि॒, ध, मपध, मग, प, गमगरेसा ।

(९) नि़सागमप, गमप, धप, नि॒धप, सांनि॒धप, सांरेंसांनि॒धप, सां नि॒, ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(१०) निसाग, मगरेसा, गमपगमगरेसा, निसागमपधनिसां सांनिधपमगरेसा ।

(११) निसाग, मगरेसा, गमधपमगरेसा, निसागमपनिसांरें सांनिधपमगरेसा ।

(१२) निसागमगरेसा, निसागमपमगरेसा, निसागमपधप-मगरेसा, निसागमपधनिधपमगरेसा, निसागमपधनि-सांनिधपमगरेसा ।

(१३) निसाग, म, निसागमपग, म, निसागमपधपमग, म, निसागमपधनिधपम, ग, म, निसागमपधनिसांनिध-पमग, म, निसागमपधनिसांरेंसांनिधपम, ग, म ।

(१४) गमध, मध, निध, सां, निध, सांरेंसां, निध; मधनिसां निध, सां, निध, गंमंगंरेंसां, रेंसां, निध, सां, निध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(१५) गमधनिसां, निसां, निनिसांरें, सां, निध, गंमंगंरेंसां, निसां, पनिसांरेंसां, निध, सां, निध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

भैरव—स्वरविस्तार.

(१) सा, रे, रे, सा, ध, सा, रे, सा, गरे, मगरे, रे, सा ।

(२) सा, रे, सा, निसा, ध, निध, प, पध, सा, रे, गरे, मगरे, पमगरे, रे, सा ।

(३) निसा, रे, सा, निसाध, साध, निध, प, मपध, नि, सा, रे, गरे, मगरे, गमपमगरे, गरे, रे, सा ।

(४) निसारे, सा, निसाध, सा, गमपमगरे, गमध, प, मपमगरे, गमपमगरे, रे, सा ।

(५) साग, मप, धृ, प, मप, मगरे, गमपमगरे, रे, सा; ग, मप, धृ, प ।

(६) सारेसा, सारेगरेसा, सारेगमरेरेसा, सारेगमपग, मरे-रेसा, सारेगमपधृपमग, मरेरेसा, सारेगमपधृनिधृपमग, मरेरेसा, सारेगमपधृनिसां, सांनिधृपमगरेसा ।

(७) निसामगरेसा, निसागमपग, मरेरेसा, निसागमपग, म, धृ, निधृ, प, मप, मग, रेसा, निसागमपधृनिसां—निधृमपगमरेसा ।

(८) निसागमप, गमप, मप, धृ, प, निधृ, प, सां, निधृ, प, रेंसां, निधृ, निधृ, प, मप, मगरे, गमपमगरे, रे, सा; गमप, धृ, प ।

(९) निसागमपग, म, धृ, निसां, सांरेंसांनिधृ, सांनिधृ, निधृ, प, गमनिधृ, प, मप, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा; ग, मप, धृ, प ।

(१०) साधृपधृमपमगरेगमपमगरेसा, सारेसानिधृ, निसा, गरेगपमगरेसा; ग, मप, धृ, प ।

(११) मप, धृ, निसां, निसां, सांधृ, निसां, रें, सां, नि, सां, धृ, प, मग, मप, धृ, रें, सां, निधृ, धृप, मग, मरे, गमप, मग, मरे, रे, सा; ग, मप, धृ, प ।

(१२) साधृ, धृ, निधृ, प, पधृ, निसां, रेंसां, निसां, धृ, प, ग, मप, धृ, प, मग, रे, गमपमग, रे, सा ।

(१३) प, प, धृ, निसां, सां, निसां, धृ, निसां, रें, सां, निसांधृ, प, मं, गं, मं, रें, सां, रें, सां, निसां, धृ, प, मग, मप, धृ, प, मग, रे, गमपमग, रे, रे, सा; ग, मप, धृ, प ।

पूर्वी—स्वरविस्तार

(१) ग, रे, सा, निरे, सा, नि, सारेग, रेग, मग, प, म, ग, रेग, मग, ग, रे, सा, निरे, सा ।

(२) नि, सारेग, रेग, मग, पमग, धपमग, मग, रेग, मधमग, ग, रे, सा, निरे, सा ।

(३) निनि, सारेग, मग, गममगमग, पधमपमग, मग, निरेगमधमग, मग, रेग, रे, सा, निरे, सा ।

(४) सा, नि, रेनि, ध, प, मप, धनिधप, मग, मध, नि, धनि, सा, निरेग, मग, रे, सा, निरे सा ।

(५) सा, निरे, सा, निरेग, रे, सा, निरेगमगरेसा, निरेगम-पमगरेसा, निरेगमपधपमगरेसा. निरेगमपधनिधपमगरेसा, निरेगमपधनिसां निधपमगरेसा, नि, सारेग ।

(६) निरेगमप, गमप, मप, धप, निधप, सां, नि, ध, प, रें, नि, ध, प, मपध, मप, मग, मग, निरेग, धमग, रे, सा, निरे, सा ।

(७) साधपधमपमग, मरेग, मगरेसा, निरेगरेसा, पमगरे-गमगरेसा ।

(८) निरेगमप, गमप, धप, निध, प, मपधमप, मग, मग, निरेगमपमग, मग, धपधमपमग, मग, निरेगमधमग, मग, रेग, रे, सा, निरे, सा ।

(९) निरेग, निरेगमग, निरेगमपमगमग, निरेगमपधपम-गमग, निरेगमपधनिधपमगमग, निरेगमपधनिसां-निधपमगमग, निरेगमपधनिसांरेंनिधनिधपधपमगमग, निरेगमधमग, मग, रेग, रे, सा, निरे, सा ।

(१०) मग, मधम, सां, सां, निरें, सां, निरेंगंरें, सां, रेंसां, नि,

ध़, रें, नि, ध़, प, मंध़नि, रेंनि ध़प, पध़मंप, मंग, मग, नि़रे़, ग, मंध़मग, रे़ग, ग, रे़, सा, नि़रे़, सा ।

(११) सा, प, प, मंपध़, प, निध़, प, सां, नि, ध़, प, मंप, निध़, प मंपध़मंपमंग, नि़रे़गमंध़मंग, रे़, ग, रे़, सा, नि़ रे़ सा ।

(१२) मंग, मंध़प, सां, सां, निरेंसां, निरेंगंरेंसां, निरेंगंमंगं-रेंसां, गंरेंसां, रेंसां, नि, ध़, प, मंध़रेंनिध़, प, मंपध़मं-प, मंग, मग, नि़रे़ग, मंध़मग, रे़ग, रे़, सा, नि़रे़, सा; नि़, सारे़ग ।

मारवा—स्वरविस्तार

(१) ग, रे़, सा, नि़ रे़, सा, नि़रे़ग, रे़ग, मंग, रे़, सा ।

(२) नि़रे़ग, मंग, धमंग, रे़गमंधनिध, मंग, रे़, ध, मंग, रे़, ग, रे़सा, निरे़, सा ।

(३) नि़रे़ग, मंधमंग, निध, मंग, निरें़निधमंध, मंग, ध, मंग, मंग, रे़, सा, नि़ रे़, सा ।

(४) सा, नि़रे़नि़ध़, मं़ध़सा, रे़, गरे़, मंगरे़, धमंगरे़, निधमं गरे़, गमंध, मंगरे़, गरे़, सा, नि़, रे़ सा ।

(५) नि़रे़सा, नि़रे़गरे़सा, नि़रे़गमंगरे़सा, नि़रे़गमंधमंगरे़सा, नि़रे़गमंधनिधमंगरे़सा, नि़रे़गमंधनिरें़निधमंगरे़सा ।

(६) धमंधमंगरे़, गमंगरे़सा, नि़रे़सा, नि़रे़नि़ध़, मं़ध़सा, नि़रे़गमं-गरे़सा, नि़रे़गमंधनिरें़निधमंगरे़सा ।

(७) नि़रे़ग, रे़ग, मंग, धमंग, निरें़निधमंग, निनिधधमंमंगग, रें़रें़निनिधधमंमंगग, रे़गमंधनिधमंग, निधमंगमंगरे़सा ।

(८) मंग, मंधमं, सां, सां, निरें़सां, गंरें़सां, मंगंरें़सां,

निरेंसां, निरेंनिध, म॑ध, निधम॑ग, रेगम॑धनिधम॑ग, ध म॑ग,
म॑ग, रेसा ।

(९) साध, ध, निध, म॑ध, निध, म॑गरे, गम॑ध, निध, म॑ग,
रे, ग, रेसा ।

(१०) म॑ग, म॑ध, म॑, सां, सां सारेंसां निरेंगंम॑ंगंरेंसां, म॑ंगंरेंसां,
रेंसां, रेंनिध, म॑ध, निधम॑ग, रे, गम॑धम॑ग, रे, ग, रे,
सा, निरे, सा ।

काफी—स्वरविस्तार.

(१) सा, रेरेग, सा, रेप, मप, धप, मपधमप, ग, रे, रेग
रेमगरेसा; सारेरे, ग, सा, रेप ।

(२) निसा, मगरेसा, निसा, धनिसा, रेगरे, मगरे, पमगरे,
धपमपगरे, निधमपधमपगरे, रेगरेमगरेसा; निसारेग,
सा, रेप ।

(३) निसाग, रे, म, ग, रे, प, मपग, रे, धपमपगरे,
निधपमपधमपग, रे, सांनिधपमपधमपग, रे, रेगरेम-
गरेसा, सारेरेग, सा, रेप ।

(४) सा, रेसा, निधनिसा, धनिसा, मधनिसा, धनिसा
ग, रे, म, ग, रे, प, मप, ग, रे, सांरेंसांनिधपमप-
सांनिधपमपगरे; रेगरेमगरेसा, सारेरेग, सा, रेप ।

(५) सा, रेप, मप, धप, धनिधप, सांनिधप, रेंरेंसांनिधप,
सांनिधप, मपधमप, ग, रे, निनिधपमपधमप, ग, रे,
प, ग रे, रेगरेमगरेसा, सा, रेग, सा, रेप ।

(६) सा, गमप, गमपधनिधप, गमपधनिसांनिधप, गम-
पधनिसांरेंसांनिधप, गमपधनिसांरेंगंरेंसांनिधप, सां,

निधप, धप, मपधमप, ग, म, ग, रे, रेगरेमगरेसा; सारेरे, ग, सा, रेप ।

(७) सारेरेग, सा, रेप, म, पधनिसां, निधपमगगरेरे, रेनि-धनिपधमप, मगमप, म, सानि, सागरेमगरेसा; सारेरेग, सा, रेप ।

(८) सांनिधप, निधपम, धपमग, मगरेसा, सागरेग, सा, रेप ।

(९) गंगंरेंसां, रेंरेंसांनि, सांसांनिध, निनिधप, धधपम, पप-मग, ममगरे, मगरेसा, सारेमपधनिसांरेंनिधपमग, रेसा; सारेरेग, सा, रेप ।

(१०) म, पध, निनिसां, निनिसांरेंसांनिध, सांरेंसांनिध, मप, निधमप, ग, रे, रेगरेमगरेसा; सारेरेग, सा, रेप ।

आसावरी–स्वरविस्तार.

(१) सा, रेम, प, प, ध, प, धम, पधमप, ग, रेसा; रेम, प, प, ध, प ।

(२) सा, रेम, प, प, ध, प, निध, प, सां, नि, ध, प, मपधमपग, रे, सा; रेम, प, प, ध, प ।

(३) सा, रेसा, निध, निध, प, मपध, सा, रेमपधमपग, रे, सा; रेम, प, प, ध, प ।

(४) सारेम, रेम, प, प, ध, निध, सांनि ध, प, रेंसां, निध, प, मपनिध, प, धमपग, रे, सा; रेम, प, प, ध, प ।

(५) सारेमप, प, ध, प, निध, प, सां, निध, प, रेंसां, निध, प, गंगंरेंरेंसां, रेंसां, निध, प, मपनिध, प, धमपग, रे, सा; रेम, प, प, ध, प ।

(६) सासामगरेसा, रेमपधमपग, रेसा, रेमपनिधपधमपग, रेसा, रेमपनिधसां, निधप, धमपग, रेसा; रेम, प, प, ध, प ।

(७) सारेसा, सारेगरेसा, सारेमपग, रेसा, सारेमपधमपग, रेसा, सारेमपधनिधपधमपग, रेसा, सारेमपध, सां, सांनिधपमगरेसा; रेम, प, प, ध, प ।

(८) सां, रेंसां, गं, रेंसां, मंगंरेंसां, रेंसां, निध, सां, निध, नि ध, प, मप, सां, निध, प,म, प निध, प, मपधमपग, रे, सा; रेम, प, प, ध, प ।

(९) सासा, ध, प, निध, प, ममपनिध, प, धमपग, रेसा, साग, रेसा, रेसा, निधप, मपध, सा, रेमपधम, पग, रे, सा; रेम, प, प, ध, प ।

(१०) सारेमगरेसा, सारेमपधमपग, रेसा, सारेमपधनिधप-धमपग, रेसा, सारेमपध, सां, निधपधमपधमपग, रेसा; रेम, प, नि, ध, प ।

(११) मग, ध, ध, सां, सां, ध, सां, रें, रें, गं, रें, सां, रेंसां, निध, निध, प, मप, गं, रेंसां, रेंसां, निध, प, मपनिध, प, सां, निध, मपधमप, ग, रे, सा; रेम, प, सां, ध, प ।

(१२) सांध, ध, निध, प, सां, निध, ध, प, धम, पनिध, प, धमप,ग, रे,रे, सा, साध सा, रेम, प, धमप, ग, रे,सा ।

(१३) म, पध, सां, सां, गंरेंसां, मंगंरेंसां, गंरेंसां, रेंसां, सां, ध, निध, प, मपध, गं, रें, सां, रेंसां, निध, निध, प, मप, सां निध, प, मपनिध, प, धमपग, रे, सा; रेम, प, सां, ध, प ।

भैरवी–स्वरविस्तार.

(१) ग, सारेसा, ध, नि, सा, ग, मगरेसा ।

(२) सा, निसा, ध, निसा, ग, मग, पमग, रेसा, मगरे, सा ।

(३) निसाग, मग, पमग, धपधमपग, निनिधधपधमपग, पग, मग, सा, रेग, मगरेसा ।

(४) निसाग, रेग, मग, पमग, पधमपग, निनिधधपधमपग, सां, नि, ध, प, धमपग, रेसा, रेग, मगरेसा ।

(५) निसागगरेसा, निसागमपग, मगरेसा, निसागमपधमपग, मगरेसा, निसागमपधनिधपधमपग, मगरेसा, निसागमप-धनिसांनिधपधमपग, मगरेसा ।

(६) सा, नि, ध, प, ग, म, ध नि, सा, धनिसा, रेसा, मगरेसा, निसागमप, ग, मगरेसा, निसागमपधनि-सांनि धपमगरेसा ।

(७) निसागमप, गमप, धप, निधप, सां, नि, ध, प, गं, रें, सां, नि, ध, प, सां, नि, ध, प, नि, ध, मपग, सा, रेग, मगरेसा ।

(८) साधपधमपगम, निध, सा, रेगम, गरेसा, धनिसारेनिसा, पमगरेसा ।

(९) सारेग, रेगम, गमप, मपध, पधनि, धनिसां, सांनिध, निधप, धपम, पमग, मगरे, गरेसा, निसागमपध-निसांनिधपमगरेसा ।

(१०) सारेसा, सारेगरेसा, सारेगमगरेसा, सारेगमपमगरेसा,

सारेगमपधपमगरेसा, सारेगमपधनिधपमगरेसा, सारे-गमपधनिसांनिधपमगरेसा ।

(११) सा, धृ, निधृ, गमधृ, धृ, नि, सा, ग, पग, धपग, धधमपग, रे, मगरेसा ।

(१२) ध, मध, निसां, सां, रेंसां नि, नि, सां, गंरेंसां, नि, ध, प, साध, प, धमप, ग, म, नि, ध, प, ग, म, ग, रे, सा ।

(१३) सा, ध, प, ध, मपम, सा, रेग, म, ग, रेसा, रेसा, धृ, निसा, सारेसा, सा, रेग, म, ग, रेसा ।

(१४) ध, मध, निसां, सां, रेंसां, गं, रेंगं, मंगं, रेंसां, गं, रेंसां, सां, रें, निसां, ध, सांध, प, सा, ध, पधमप, ग, पग, सा, रेग, म, ग, रेसा ।

तोड़ी—स्वर विस्तार.

(१) ग, रे, सा, नि, सारेग, मग, धमग, रेग, रे, सा, निरे, सा ।

(२) नि, सारेग, मग, प, मध, प, मपध, मग, ध, मग, रे, सा, निरे, सा ।

(३) निनि, सारेग, मग, धमग, मधनिध, प, मपधमप, मग, ध, मग, रेग, रे, सा, निरे, सा ।

(४) सारेग, रेग, मग, धमग, निध, प, मपध, मग, रेंनि-धनिध, प, मपधमप, मग, धमग, धनिसारेग, मग, धमग, रेग, रे, सा, निरे, सा ।

(५) सा, निसा, रे, निधृ, निधृ, मधृ, निसा, धनिसा, रेगरेसा, मग, रे, सा, मधनिध, प, मधमग, रे, सा नि, सारेग ।

(६) सा, नि॒ध॒, नि॒ध॒, प॒, म॒प॒ध॒ म॒ग॒, म॒ध॒, नि॒, ध॒नि॒सा, रे॒ग॒रे॒सा, धनिधपमग, रे॒सा, नि॒साग॒मधनिसां, निध—पमगरे॒सा; नि॒नि॒, सारे॒ग।

(७) सा, रे॒सा, ग॒, रे॒सा, मग॒, रे॒सा, धमग, रे॒सा, निधमग. रे॒सा, रें॒निध, निधप, धमग, रे॒, सा, नि॒, सारे॒ग।

(८) सारे॒सा, सारे॒गरे॒सा, सारे॒गमगरे॒सा, सारे॒गमपमगरे॒सा, सारे॒गमपधमगरे॒सा, सारे॒गमपधनिधपमगरे॒सा, सारे॒-गमपधनिसांनिधपमगरे॒सा, नि॒नि॒, सारे॒ग।

(९) नि॒सागमप, गमप, धप, निध, प, सां, निध, प, मप-धनिधप, मपधमपमग, नि॒, सारे॒ग, धमग, रे॒ग, रे॒, सा, नि॒, सारे॒ग।

(१०) नि॒सागमधनिसां, धनिसां, रें॒सां, गं, रें॒, सां, निसारें॒, निध, रें॒निध, निध, प, मधनिसारें॒गंरें॒सां, निध, निध, प, मपधनिधप, मपध, मग, धमग, रे॒ग, मग, रे॒, सा, नि॒रे॒, सा।

(११) मग, मध, नि, सां, सां, निसां, निध, निसां, रें॒गं, रें॒, सां, नि, सां, रें॒, निध; निध, प, गं, मंगं, रें॒, सांनि, सां, रें॒, निध, मधनिसां, रें॒, निध, निध, प, मपधनिध, प, मपध, मग, ध, मग, रे॒ग, रे॒, सा, नि॒रे॒, सा।

(१२) सा, ध, ध, निध, प, मप, मध, नि, रें॒नि, ध, प, म, पध, मग, रे॒ग, रे॒; सा।

(१३) मग, मध, सां, सां, रें॒, सां, रें॒गंरें॒सां, मंगं, पं, मंगं, रें॒, सां, निसां, रें॒, निध, रें॒निध, प, मधनिध, प, मपध, मग, गं, रें॒, सां, निसारें॒, निध, निध, प, मधनिध, प, मपध, मग, रे॒ग, ध, मग, ग, रे॒, सा, नि॒रे॒, सा

चीजों की सूची.

* समाप्त *

शुद्धि-पत्र क्रमिक पुस्तक मालिका (दूसरा भाग)

स्वरलिपि वाले पृष्ठों में लाइन गिनते समय हैडिंग, कणस्वर व ताल चिन्हों की लाइनें छोड़कर केवल स्वरलिपियों की लाइनें गिनी जांयगी। मैटर वाले पृष्ठों में सब लाइनें गिनी जायेंगी।

पृष्ठ	लाइन	कालम	अशुद्ध	शुद्ध
१४	१६	०	विविष्टवर्ण	विशिष्टवर्ण
१७	१३	०	पगौ गरी परी च सः	पमौ गरी परी च सः
२३	३	४	सां सां	रें सां सां
२५	३	४	नि – रें मा सा	नि – रें मा सा
२६	५	२	ग – ग	ग – ग ग
४२	६	४	नि	निध
६१	७	६	ध प	ध प प
६१	११	२	ग	ग रें
६४	११	१	नि सां गं	नि सां गं
६७	१२	४	क ऽ	कौ ऽ
६८	३	१	सा ध नि नि	सां ध नि नि
७५	२	०	प्राहूण	प्राहूणे
९०	१	४	नि प ध नि	नि प प ध नि
९५	२	२	र नऽ,वऽऽ	रै नऽ,बऽऽ

६८	७	३	सां – गं	सां – गं रें
१२०	५	४	ग रे –	म रे –
१२०	७	२	नि सां सां	नि सा सां
१२१	५	०	श्रौतुरप्मेप रागः	श्रौतुरप्येष रागः
१२६	४	२	ता ऽ मा हि	ता ऽ सो हि
१२७	६	२	ध ध (म) ग	ध प ध (म) ग
१५६	४	२	मो ऽ हे र	मो ऽ हे ऽ
१६८	१	४	– ध	– प ध
१८७	६	२–३	गम ग(म)ग | ग रे –	मग म(म)ग | म रे –
१६५	११	६	प मपध	प मपधप
१६७	५	१	धध पम प –	धध पम प –
२१८	१२	५	ऽ का	ऽ की
२१६	१	४	प	प प
२१६	२	४	भ	भ र
२२०	८	३	ऽ या	ऽ यो
२२३	२	१	सा ऽ	सो ऽ
२२६	५	६	मप प	मप म प

२४९	१	४	ध मं ग मरे ग	ध मं ग मरे ग
२६५	१	२	मंमंगंरेंसांनि	मंमंगंरेंसांनि
२६६	६	२	नग रS	नग Sर
२९६	९	२	ध मं	ध मं
२९८	११	५	रेंरेंनिरे	रेंरेंनिरें
३०५	२	२	ना S नाS Sन,न	ना S नाS S,न्न
३०५	९	१	ग	गं
३०६	हैडिंग	०	मारवा झपताल (विलंबित)	मारवा–झपताल (मध्यलय)
३१७	१३	०	मगौ रिधौ	मगौ रिसौ
३३२	५	४	सा नि	सा नि
३३३	५	४	गरेनिसा	गरेनिसा
४०३	१०	२	न्त ता S	न्त रि ता S
४०६	१	४	सा रेंनि	सा रेंनि
४२२	१	४	ग ग –	म ग –
४२२	९	३	प पम	प मप

४४७	६	१	रेरेसानिसा	रेरेसानिसा
४५८	५	२	सा -सारें	सा -सारे
४६५	१	४	रे निरेग	रे निरेग
४६८	१	३	मंगंगंरें सांनिधप मंगरेंसा	मंगंगरें सांनिधप मंगरेसा
४७३	११	१	म मं प ग	मं मं प ग
४७३	११	४	सा - मां	मां - सां
४७७	७ व ८	६	ध ब	प ध ब
४८८	२१	०	रे, ग, रें, रें.., मा।	रें, ग, रें, नि रें, मा।
४९४	१२	०	ग, रेसा, निरे, मा।	ग, रेसा, निरे, मा।
४९५	१४	०	निधपमपधमपग,	निनिधपमपधमपग,
४९६	१०	०	गं, रेंगं, मंगं	गं, रेंगं, मंगं
५००	४	०	धमग	धमंग
५०४	२४	१	पायो रे पीरे पुरन	पायो है पीरे पुरन

संगीत सम्बन्धी प्रकाशन

संगीत सागर–सङ्गीत का विशाल ग्रन्थ, हर प्रकार के साजों को बजाने की विधि तथा ५०४० स्वर विस्तार दिये हैं। मूल्य ६)

फ़िल्म संगीत–(२६ भागों में) फ़िल्मी गायनों की पूरी-पूरी स्वरलिपियां दी गई हैं, २१ भाग तक प्रत्येक भाग का मूल्य २) भाग २२, २३, २४, २५, २६ का मूल्य ४) प्रति भाग

सङ्गीत विशारद–प्रथम वर्ष से पंचम वर्ष तक की थ्योरी। मू० सजिल्द ५)

म्यूज़िक मास्टर–बिना मास्टर के हारमोनियम, तबला और बांसुरी बजाना सिखाने वाली पुस्तक, जिसके १३ संस्करण हो चुके हैं। मू० २)

स्वरमेलकलानिधि–श्री रामामात्य लिखित संस्कृत ग्रन्थ का हिन्दी अनुवाद। मूल्य १)

सङ्गीत दर्पण–श्री दामोदर पंडित लिखित संस्कृत ग्रंथ का हिन्दी अनुवाद। मूल्य २)

ताल अङ्क–घर बैठे तबला बजाना सीखिये। सचित्र, मूल्य ४)

सङ्गीत शास्त्र–इन्टरमीडियेट, हाईस्कूल, विदुषी, विद्याविनोदिनी और प्रवेशिका परीक्षाओं के लिये (सङ्गीत की थ्योरी) मू० १)

सङ्गीत सीकर–भातखण्डे यूनिवर्सिटी तथा माधव सङ्गीत महाविद्यालय की थर्डईअर परीक्षाओं (१९२९ से ५२ तक) के प्रश्न और उत्तर। मू० ५)

सङ्गीत अर्चना–"भातखण्डे यूनिवर्सिटी आफ़ इन्डियन म्यूजिक" के थर्डईअर (इन्टरमीडियेट) परीक्षा में आने वाले १५ रागों के तान–आलाप इत्यादि। मू० ५)

कलावन्तों की गायकी–ग्रामोफोन के शास्त्रीय सङ्गीत के रेकार्डों की स्वरलिपियां। मू० ३)

सङ्गीत कादम्बिनी–"भातखण्डे यूनिवर्सिटी आफ़ इण्डियन म्यूजिक" की बी. ए. की परीक्षा में आने वाले २० रागों के तान आलाप इत्यादि। मू० ५)

भातखण्डे सङ्गीतशास्त्र–(सङ्गीत की थ्योरी के अपूर्व ग्रन्थ) भातखंडे लिखित हिन्दुस्थानी सङ्गीत पद्धति मराठी का हिन्दी अनुवाद। भाग १ मू० ५), भाग २-३ मू० ६) प्रति भाग

मारिफुन्नग़मात–(दोनों भाग) राजा नवाबअली लिखित उर्दू पुस्तकों का हिन्दी अनुवाद। प्रथम भाग में सङ्गीत की थ्योरी गणित के अकाट्य उदाहरण देकर समझाई है तथा १५२ रागों की स्वरलिपियां, चलन, स्वर विस्तार और लक्षणगीत दिये गये हैं। दूसरे भाग में भी २२३ प्राचीन गुप्त चीजों की स्वरलिपियां दी गई हैं। यह पुस्तकें इन्टरमीडियेट तथा विशारद के कोर्स में भी हैं। मू० प्रति भाग ६)

सूरसङ्गीत–प्रत्येक भाग में मनोहर बन्दिशों में सूरदास रचित ६० पदों की स्वरलिपियां उनके भावार्थ सहित दी गई हैं। मू० प्रथम भाग १॥) दूसरा भाग १॥)

क्रमिक पुस्तकें (भातखण्डे) हिन्दी में पहिली १) दूसरी ८) तीसरी ८) चौथी ८) पांचवी ८) और छटवीं ८)

[उपरोक्त सब पुस्तकों पर डाक व्यय अलग लगेगा—सूचीपत्र मुफ्त मंगायें]

'सङ्गीत' (मासिक पत्र) गत २२ वर्षों से बराबर निकल रहा है, वार्षिक मू० ५॥)

पता – संगीत कार्यालय, हाथरस (उ० प्र०)